आकाशवाणी

प्रसार भारती
PRASAR BHARATI
आवाज़ भारत की

दूरदर्शन
सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

प्रसार भारती
वार्षिक रिपोर्ट 2010–11

प्रसार भारती
वार्षिक रिपोर्ट
2010–11

प्रसार भारती
(भारतीय प्रसारण निगम)

आकाशवाणी

प्रसार भारती
PRASAR BHARATI
आवाज़ भारत की

दूरदर्शन
सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

प्रसार भारती

द्वितीय तल, पी.टी.आई. भवन,
संसद मार्ग, नई दिल्ली–110 001

दूरदर्शन
महानिदेशालय,
दूरदर्शन भवन,
कॉपरनिक्स मार्ग,
नई दिल्ली–110 001

आकाशवाणी
महानिदेशालय,
आकाशवाणी भवन,
संसद मार्ग,
नई दिल्ली–110 001

श्रीमती मृणाल पाण्डे
अध्यक्ष

श्री बी.एस. लाली
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

श्री ए.के. जैन
सदस्य (वित्त)

श्री व्ही. शिवकुमार
सदस्य (कार्मिक)

श्री उदय कुमार वर्मा
विशेष सचिव, सू.एवं प्र. मंत्रा.

श्री राजीव टकरू
अपर सचिव, सू.एवं प्र. मंत्रा.

श्री अरविंद कुमार
संयुक्त सचिव, सू.एवं प्र. मंत्रा.

डॉ. जॉर्ज वर्गिस
अंशकालिक सदस्य

श्री मुज़्ज़फर अली
अंशकालिक सदस्य

डॉ. सुनील कपूर
अंशकालिक सदस्य

ले.जन.(सेवानिवृत्त)
श्री उत्पल भट्टाचार्य
अंशकालिक सदस्य

श्री सुमन दुबे
अंशकालिक सदस्य

सुश्री अरूणा शर्मा
महानिदेशक, दूरदर्शन
पदेन सदस्य

श्री एल.डी. मंडलोई
महानिदेशक, दूरदर्शन
पदेन सदस्य

सुश्री नोरीन नक़्वी
महानिदेशक, आकाशवाणी
पदेन सदस्य

विषय सूची

- **अध्याय– 1**
  प्रसार भारती – निगम 05-10
- **अध्याय– 2**
  प्रसार भारती – लोक सेवा प्रसारक 11-12
- **अध्याय– 3**
  वर्ष पर एक नजर 13-58
- **अध्याय– 4**
  चैनल और कार्यक्रम 59-158
- **अध्याय– 5**
  प्रसार भारती – वित्त एवं लेखा 159-196

अध्याय–1

प्रसार भारती – निगम

1.1 प्रस्तावना

प्रसार भारती (ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन आफ इंडिया) देश का लोक सेवा प्रसारक है, जिसके आकाशवाणी और दूरदर्शन दो भाग हैं। यह 23 नवम्बर, 1997 को अस्तित्व में आया। इसका उद्देश्य लोक प्रसारण सेवाओं को संगठित और संचालित करना, आम जनता को सूचना, शिक्षा और मनोरंजन प्रदान करने के साथ–साथ रेडियो और टेलीविज़न पर प्रसारण का संतुलित विकास सुनिश्चित करना है।

संसद के अधिनियम द्वारा 1997 में प्रसार भारती अस्तित्व में आया। इसका उद्देश्य लोक सेवाओं को संगठित और संचालित करना, आम जनता को सूचना, शिक्षा और मनोरंजन प्रदान करने के साथ–साथ रेडियो और टेलीविज़न पर प्रसारण का संतुलित विकास सुनिश्चित करना है।

1.2 उद्देश्य

प्रसार भारती अधिनियम 1990 में दिए गए, प्रसार भारती निगम के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं:–

(i) देश की एकता और अखंडता तथा संविधान में दिए गए मूल्यों को अक्षुण्ण रखना।

(ii) राष्ट्रीय अखंडता को बढ़ावा देना।

(iii) सार्वजनिक हित के सभी विषयों की जानकारी प्राप्त करने के नागरिक अधिकारों को सुरक्षित रखना और सूचना को उचित और संतुलित रूप में प्रस्तुत करना।

(iv) शिक्षा और साक्षरता के प्रसार, कृषि, ग्रामीण विकास, पर्यावरण, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों की ओर विशेष ध्यान देना।

(v) महिलाओं से संबंधित मामलों के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करना, तथा बच्चों, बुजुर्गों और समाज के अन्य निर्बल वर्ग के लोगों के हितों की रक्षा करने के लिए विशेष उपाय करना।

(vi) विविध संस्कृतियों, क्रीड़ा और खेलकूद तथा युवा मामलों को पर्याप्त कवरेज देना।

(vii) सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना, श्रमजीवी वर्ग, अल्पसंख्यकों और जनजाति समुदायों के अधिकारों की रक्षा करना।

प्रसार भारती बोर्ड

निगम का प्रशासन प्रसार भारती बोर्ड द्वारा चलाया जाता है, जिसमें एक अध्यक्ष, एक कार्यकारी सदस्य (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) एक सदस्य (वित्त), एक सदस्य (कार्मिक), छः अंश–कालिक सदस्य, सूचना और प्रसारण मंत्रालय का एक प्रतिनिधि तथा पदेन सदस्यों के रूप में आकाशवाणी और दूरदर्शन के महानिदेशक सम्मिलित हैं। इसके अध्यक्ष एक अंश–कालिक सदस्य हैं जिनका कार्यकाल तीन वर्षों का होता है। कार्यकारी सदस्य का कार्यकाल 5 वर्षों का अथवा 65 वर्ष की आयु पूरी होने तक होता है, सदस्य (वित्त) और सदस्य (कार्मिक) पूर्ण–कालिक सदस्य के रूप में छः वर्ष की अवधि अथवा 62 वर्ष की आयु पूरी होने तक कार्य करते हैं। प्रसार भारती बोर्ड की वर्ष में कम से कम 6 बैठकें होती हैं।

बोर्ड के सदस्यगण:–

अध्यक्ष	: श्रीमती मृणाल पाण्डे	
मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ)	: श्री बी. एस. लाली	(21.12.2010 तक)
सदस्य (वित्त)	: श्री ए. के. जैन	
सदस्य (कार्मिक)	: श्री व्ही. शिवकुमार	
सूचना और प्रसारण मंत्रालय के प्रतिनिधि	: श्री उदय कुमार वर्मा	(21.07.2010 को हुई 97वीं बैठक तक)
सूचना और प्रसारण मंत्रालय के प्रतिनिधि	विशेष सचिव, सूचना और प्रसारण मंत्रालय	
	: श्री अरविंद कुमार	(केवल 21.10.2010 को हुई 98वीं बैठक में)
	संयुक्त सचिव, सूचना और प्रसारण मंत्रालय	
	: श्री राजीव टकरू	(3 जनवरी, 2011 से अब तक)
	अपर सचिव, सूचना और प्रसारण मंत्रालय	
	(मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में भी कार्यरत)	
अंश कालिक सदस्य	: डॉ. जॉर्ज वर्गिस	
	: डॉ. सुनील कपूर	
	: ले. जन. (सेवानिवृत्त) उत्पल भट्टाचार्य	(03.02.2011 को हुई 100वीं बैठक तक)
	: श्री सुमन दुबे	
	: श्री मुज़्ज़फर अली	
पदेन सदस्य	: श्रीमती अरूणा शर्मा	(03.02.2011 को हुई 100वीं बैठक तक)
	महानिदेशक, दूरदर्शन	
	: श्री एल.डी. मंडलोई	(16.03.2011 को हुई 101वीं बैठक तक)
	महानिदेशक, दूरदर्शन	
	: सुश्री नोरीन नक्वी	
	महानिदेशक, आकाशवाणी	

कुछ महत्वपूर्ण सूचनाएं

- प्रसार भारती भारत का सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक्स मीडिया है और विश्व के बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स मीडिया में से एक है।

- पूरे देश के सभी दूरदर्शन चैनलों के बीच दूरदर्शन की पहुँच सबसे अधिक है। इसके लगभग 4 करोड़ 50 लाख दर्शक हैं। दर्शकों की दृष्टि से यह देश का नंबर एक चैनल है।

- दूरदर्शन 35 उपग्रह चैनल चलाता है और 66 स्टूडियो केंद्र और उर्जा संपन्न 1415 ट्रांसमीटरों का एक विशाल नेटवर्क है जो देश के 92% जनसंख्या को दूरदर्शन कवरेज मुहैय्या कराते हैं।

- दूरदर्शन का प्रमुख चैनल डीडी नेशनल पूरे विश्व में सबसे बड़ा स्थलीय नैटवर्क है जो 91.2% जनसंख्या और 79% स्थल क्षेत्र कवर करता है।

- राष्ट्रमंडल खेल 2010 का प्रसारण करने वाला चैनल केवल दूरदर्शन एकमात्र चैनल था।

- राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में पहली बार पूरे खेल का दूरदर्शन कवरेज एचडीटीवी प्रारूप में प्रसारित किया गया।

- आकाशवाणी केंद्रों की संख्या 1947 में 6 से मार्च 2011 तक 241 हो गई है जो 99.18% जनसंख्या को कवर करती है जो देश में 91.85% क्षेत्र में फैली हुई है। इसके पास 385 ट्रांसमीटर हैं।

- आकाशवाणी के गृह, क्षेत्रीय, विदेशी और डीटीएच सेवा में लगभग 90 भाषाओं/बोलियों में 56 घंटे की अवधि के लिए दैनिक 647 समाचार बुलेटिन होते हैं।

संगठनात्मक ढांचा

प्रसार भारती बोर्ड शीर्ष स्तर पर कार्य करते हुए संगठन की नीतियों के निर्माण और कार्यान्वयन और प्रसार भारती अधिनियम 1990 मे दिए गए जनादेश का पालन सुनिश्चित करता है। कार्यकारी सदस्य, निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्य करता है। प्रसार भारती में कार्यरत विभिन्न विषयों से संबंधित अधिकारी कार्यों, संचालन, योजनाओं और नीतियों के कार्यान्वयन को संगठित करने में मुख्य कार्यकारी अधिकारी को सदस्य (वित्त) और सदस्य (कार्मिक) सहयोग देते हैं, साथ ही वे निगम के बजट, लेखा और सामान्य वित्तीय मामलों की देख–रेख करते हैं।

मुंबई, नई दिल्ली, कोलकाता, चेन्नै, बेंगलुरू, त्रिवेन्द्रम, कोच्ची, गुवाहाटी और हैदराबाद में स्थित प्रसार भारती विपणन कार्यालय आकाशवाणी एवं दूरदर्शन दोनों के विपणन संबंधी कार्यों की देख–रेख करते हैं।

प्रसार भारती मुख्यालय में एकीकृत सतर्कता व्यवस्था भी है, जिसके प्रमुख मुख्य सतर्कता अधिकारी हैं।

आकाशवाणी महानिदेशालय और दूरदर्शन महानिदेशालय दोनों के प्रमुख, महानिदेशक हैं।

आकाशवाणी

महानिदेशक आकाशवाणी, आकाशवाणी नेटवर्क के संपूर्ण प्रशासन के प्रति उत्तरदायी हैं। इस नेटवर्क में दिनांक 01.04.2011 की स्थिति के अनुसार 241 आकाशवाणी केंद्र और 385 प्रसारण ट्रांसमिटर हैं जिसमें से 149 मीडियम वेव, 182 एफएम (फ्रीक्वेंसी मॉड्यूलेशन) और 54 शॉर्ट वेव ट्रांसमिटर हैं। जिसकी देश की 99 प्रतिशत जनसंख्या और 91 प्रतिशत भूभाग तक पहुँच है। आकाशवाणी में निम्नलिखित अधिकारी कर्तव्यों के निर्वहन में महानिदेशक की सहायता करते हैं :–

कार्यक्रम स्कंध

आकाशवाणी मुख्यालय में महानिदेशक की सहायता उपमहानिदेशक और केंद्रों की देख–रेख व उत्तम पर्यवेक्षण के लिए क्षेत्रों के उपमहानिदेशक करते हैं। क्षेत्रीय उपमहानिदेशकों के मुख्यालय भुवनेश्वर (पू.क्षे.– I), कोलकाता (पू.क्षे.– II), मुंबई (प.क्षे.– I, प.क्षे.– II), लखनऊ (म.क्षे.– I), भोपाल (म.क्षे.– II) और गुवाहाटी (उ.पू.क्षे.– I), आइजॉल (उ.पू.क्षे.– II), चेन्नै (द.क्षे.– I), बेंगलुरू (द.क्षे.– II), चंडीगढ़ (उ.क्षे.– I), दिल्ली (उ.क्षे.– II) में स्थित हैं।

अभियांत्रिकी स्कंध

आकाशवाणी के तकनीकी मामलों में मुख्यालय में तैनात प्रमुख अभियंता, मुख्य अभियंता, क्षेत्रीय मुख्य अभियंता महानिदेशक की सहायता करते हैं। इसके अतिरिक्त, आकाशवाणी की विकास योजनाओं में महानिदेशक की सहायता करने के लिए आकाशवाणी मुख्यालय में एक योजना एवं विकास यूनिट है। सिविल निर्माण गतिविधियों के संबंध में महानिदेशक की सहायतार्थ सिविल निर्माण स्कंध है जिसके प्रमुख मुख्य अभियंता हैं। सी सी डब्ल्यू दूरदर्शन की आवश्यकताओं को भी पूरा करता है।

प्रशासनिक स्कंध

सभी प्रशासनिक मामलों में उपमहानिदेशक (प्रशासन) और कार्यक्रम कार्मिकों के प्रशासनिक मामलों में उपमहानिदेशक (कार्यक्रम), महानिदेशक की सहायता करते हैं। आकाशवाणी के इंजीनियरिंग प्रशासन को एक निदेशक देखता है जबकि प्रशासनिक और वित्तीय मामलों में निदेशक (प्रशासन एवं वित्त) महानिदेशक की सहायता करते हैं।

सुरक्षा स्कंध

आकाशवाणी की संस्थापनाओं, ट्रांसमीटरों, स्टुडियो कार्यालयों आदि की सुरक्षा से जुड़े मामलों में उपमहानिदेशक (सुरक्षा), सहायक महानिदेशक (सुरक्षा) एवं उपनिदेशक (सुरक्षा) महानिदेशक को सहयोग देते हैं। दूरदर्शन की सुरक्षा आवश्यकताओं की देख–रेख भी इन्हीं अधिकारियों द्वारा की जाती है।

श्रोता अनुसंधान स्कंध

आकाशवाणी के विभिन्न केंद्रों द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों पर श्रोता अनुसंधान सर्वेक्षण करने में, महानिदेशक की सहायता श्रोता अनुसंधान का निदेशक करता है।

आकाशवाणी के अधीनस्थ कार्यालयों की संक्षिप्त गतिविधियां

आकाशवाणी के कई अधीनस्थ कार्यालय हैं, जो कि विशिष्ट कार्य करते हैं। उनकी वृहद गतिविधियों का संक्षेप में वर्णन इस प्रकार है:–

समाचार सेवा प्रभाग

समाचार सेवा प्रभाग, दिन–रात देश और विदेश में लगभग 647 समाचार बुलेटिन प्रसारित करता है। ये बुलेटिन देशी और विदेशी भाषाओं में प्रसारित होते हैं। इसके प्रमुख महानिदेशक, समाचार सेवा हैं। इसमें 44 प्रादेशिक समाचार एकांश हैं। रूचि अनुसार ये समाचार बुलेटिन एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में भिन्नता लिए होते हैं।

विदेश सेवा प्रभाग

आकाशवाणी का विदेश सेवा प्रभाग 27 भाषाओं (16 विदेशी और 11 भारतीय) में कार्यक्रम प्रसारित करता है। ये सेवाएं प्रतिदिन 72 घंटे की होती हैं और 100 से अधिक देशों में सुनी जा सकती हैं।

प्रत्यंकन एवं कार्यक्रम विनिमय सेवा

यह सेवा, आकाशवाणी केंद्रों के बीच कार्यक्रम विनिमय का कार्य करती है, साथ ही ध्वनि अभिलेखागार के निर्माण व अनुरक्षण के साथ–साथ प्रसिद्ध संगीतज्ञों की अनमोल रिकॉर्डिंग का व्यापारिक लोकार्पण जारी करती है।

अनुसंधान विभाग

अनुसंधान विभाग का कार्य आकाशवाणी एवं दूरदर्शन द्वारा अपेक्षित उपस्करों का अनुसंधान और विकास करना तथा आकाशवाणी और दूरदर्शन संबंधी जांच एवं कार्य अध्ययन करना है। इसके साथ ही इसके कार्यक्षेत्र में आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के नेटवर्क के सीमित क्षेत्रों में फील्ड ट्रायल हेतु आर एंड डी उपकरण के प्रोटोटाइप मॉडल का विकास करना भी सम्मिलित है।

केन्द्रीय भंडार कार्यालय

नई दिल्ली में स्थित केन्द्रीय भंडार कार्यालय का कार्य आकाशवाणी केंद्रों में तकनीकी उपस्करों के रखरखाव हेतु अपेक्षित अभियांत्रिकी सामान की खरीद, भंडारण और वितरण है।

कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम)

कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) ने सन् 1948 में महानिदेशालय के साथ, अपनी दो शाखाओं किंग्जवे कैंप दिल्ली और भुवनेश्वर में काम करना शुरू किया। ये संस्थान कार्यक्रम संबंधी स्टाफ और प्रशासनिक स्टाफ को सेवाकालीन प्रशिक्षण देता है और नए भर्ती हुए कर्मचारियों को प्रवेश पाठ्यक्रम एवं अल्पकालिक पाठ्यक्रम पर प्रशिक्षण देते हैं, यह प्रशासनिक संवर्ग के कर्मचारियों के लिए परीक्षाएं भी संचालित करता है, इसके अतिरिक्त वर्तमान में पाँच क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान हैदराबाद, शिलांग, लखनऊ, अहमदाबाद और तिरुवनन्तपुरम में कार्य कर रहे हैं।

कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी)

महानिदेशालय के भाग के तौर पर किंग्जवे कैंप में स्थित कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) सन् 1985 से कार्य कर रहा है। यह संस्थान तकनीशियन से लेकर अधीक्षण अभियंता के स्तर तक के आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के इंजीनियरिंग स्टाफ के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का आयोजन करता है। यह विभागीय और प्रतिस्पर्धा परीक्षाओं का संचालन भी करता है। इस समय एक क्षेत्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) भुवनेश्वर में है।

स्वीकृत पद संख्या और नए स्वीकृत पद

आकाशवाणी में कार्यरत कर्मियों की स्कंधवार स्वीकृत पद संख्या निम्नानुसार हैं :–

स्कंध	आकाशवाणी
कार्यक्रम	6915
समाचार स्कंध	232
अभियांत्रिकी	6140
सी सी डब्ल्यू	1457
आकाशवाणी मुख्यालय	810
प्रशासनिक (आकाशवाणी केन्द्र)	10768
कुल	**26322**

अध्याय –2

प्रसार भारती – लोक सेवा प्रसारक

प्रसार भारती की पहुंच आकाशवाणी (एआईआर) और दूरदर्शन (डीडी) नेटवर्क के माध्यम से अधिकतम जनसंख्या तक है और यह दुनिया के सबसे बड़े भूभागीय नेटवर्क में से एक है। प्रसार भारती – आकाशवाणी और दूरदर्शन की सामाजिक जिम्मेदारी, नेटवर्क की क्षमता के अनुरूप, बड़ी व्यापक है क्योंकि यह देश भर में लोगों तक पहुंचता है। पिछले वर्षों में प्रसार भारती ने प्रसार भारती अधिनियम की धारा 12 में निर्दिष्ट अपने विधायी आदेश को सफलतापूर्वक पूरा करके लोक सेवा प्रसारक की अपनी भूमिका सही सिद्ध की।

संभवतः दूरदर्शन और आकाशवाणी ही ऐसे मीडिया हैं जो लोक हित, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय सभी मामलों को स्वतंत्रतापूर्वक, सही और उद्देश्यपूर्ण ढंग से सूचित करते हुए नागरिकों के अधिकारों को सुरक्षित रखते है और ठीक तथा संतुलित सूचना प्रदान करते है जिसमें अपनी ओर से किसी राय या आदर्श का पक्ष लिए बगैर पक्ष–विपक्ष दोनों को शामिल किया जाता है। इनके विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से इस संगठन ने देश की एकता और अखण्डता और संविधान में उद्धृत मूल्यों को बनाए रखने का हमेशा प्रयास किया है।

इस संगठन ने शैक्षिक स्तर और शिक्षा विस्तार, कृषि ग्रामीण विकास, पर्यावरण, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया है। इसने समुचित कार्यक्रमों के प्रसारण द्वारा देश के विभिन्न क्षेत्रों के अलग–अलग संस्कृति और भाषा का समुचित कवरेज उपलब्ध करवाए हैं। युवाओं की विशेष आवश्यकताओं, महिलाओं की स्थिति और समस्या, सामाजिक न्याय, कर्मी वर्गों का कल्याण अल्पसंख्यक और आदिवासी समुदाय की विशेष आवश्यकताएं बाल एवं दुर्बल वर्ग आदि के हितों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए समुचित कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया।

प्रसार भारती जैसे लोक सेवा प्रसारक के लिए यह आवश्यकता 800 से ज्यादा चैनलों को देखते हुए जो कि केवल व्यावसायिक कार्यक्रमों पर केंद्रित है, और बढ़ गई है। प्रसार भारती अत्यधिक व्यावसायिक इलैक्ट्रानिक्स मीडिया पर्यावरण में प्रसार भारती ही केवल एक संतुलित शक्ति के रूप में है। वास्तव में, प्रसार भारती द्वारा एक समयावधि में विकसित नैतिक मूल्यों और दिशानिर्देशों को इस उद्योग के लिए निर्देश चिह्न के रूप में देखते हैं।

प्रसार भारती–नीतिगत पहलें

प्रसार भारती बोर्ड ने वर्ष 2010–11 में सात बैठकें (अर्थात 95वीं से 101वीं तक) आयोजित की जिसमें बहुत से नीतिगत और प्रशासनिक निर्णय लिए गए। ये निर्णय न केवल संगठन की लोक प्रसारक आकाक्षांओं का, अपितु प्रतिस्पर्धी वातावरण और तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के उद्देश्य को पूरा करते हैं। वर्ष के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय निम्न प्रकार हैं :–

- प्रसार भारती बोर्ड ने अपनी 95वीं बैठक में एशिया पैसिफिक ब्रॉडकास्टिंग यूनियन (ए.बी.यू.) की महासभा की मेजबानी करने का निर्णय लिया और वर्ष 2011 में भारत में बैठक की गई।
- 97वीं बैठक में प्रसार भारती बोर्ड ने प्रसार भारती अधिनियम की धारा 10 के अनुसार प्रसार भारती भर्ती बोर्ड की स्थापना का निर्णय लिया।
- 99वीं बैठक में प्रसार भारती बोर्ड ने संगठन के कार्यों और कर्त्तव्यों के बेहतर निष्पादन, कार्यान्वयन और निपटान के लिए पाँच समितियों का गठन किया।

ये समितियां इस प्रकार हैं:–

1. वित्त और लेखा परीक्षा समिति
2. कार्मिक समिति
3. परियोजना निगरानी और कार्यान्वयन समिति
4. प्रस्तुति एवं विषयवस्तु समिति
5. रणनीति और अवलोकन समिति

प्रसार भारती सचिवालय में हिंदी का प्रगामी प्रयोग

प्रसार भारती सचिवालय का हिंदी अनुभाग राजभाषा की नीतियों के दैनंदिनी कार्यान्वयन में रत है।

हिंदी अनुभाग नियमित रूप से निम्नलिखित गतिविधियां करता है:–

- लेखा परीक्षा रिपोर्ट का हिंदी अनुवाद तैयार करना।
- संसदीय प्रश्नों का हिंदी अनुवाद तैयार करना।
- लेखा रिपोर्टों का हिंदी रूपांतर करना।
- अन्य रिपोर्ट और रिटर्नों को हिंदी में तैयार करना जब कभी ऐसा काम सौंपा जाए।
- सूचना अधिकार अधिनियम के उत्तर हिंदी में तैयार करना।
- हिंदी की तिमाही छमाही और वार्षिक प्रगति रिपोर्टें तैयार करना।
- बैठकों की कार्यसूचियाँ और कार्यवृत्तों का हिंदी अनुवाद तैयार करना।
- राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले सभी पत्राचार का हिंदी अनुवाद जारी करना।
- हिंदी कार्यशालाओं का नियमित आयोजन करना।
- हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत हिंदी, हिंदी टंकण/आशुलिपि प्रशिक्षण दिलवाना।
- हिंदी दिवस/पखवाड़े इत्यादि और हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन करना।
- संसदीय स्थायी समिति – सूचना प्रौद्योगिकी की प्रश्नावली का हिंदी अनुवाद करना।
- प्रसार भारती सचिवालय के सभी कम्प्यूटरों में हिंदी में कार्य करने की सुविधा हेतु यूनीकोड के प्रयोग को सुनिश्चित करना।
- आदेशानुसार हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिए अन्य गतिविधियों का आयोजन करना।

अध्याय – 3
वर्ष एक नजर में

प्रसार भारती ने प्रसार भारती अधिनियम 1990 की धारा 12 में उल्लिखित उद्देश्यों एवं कार्यों पर अपना ध्यान केंद्रित रखा। वर्ष 2010–11 के दौरान आकाशवाणी एवं दूरदर्शन ने कार्यक्रम एवं तकनीकी क्षेत्रों में सभी मुख्य कार्य निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप पूरे किए। निगम के लक्ष्यों एवं कार्यकलापों के विशेष संदर्भ में वर्ष के दौरान हुई गतिविधियों का और की गई पहलों का संक्षिप्त रुप से वर्णन इस प्रकार है :–

आकाशवाणी

गतिविधियां – 2010–11

अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकांश

विदेशी प्रसारण संगठनों एवं देशों की आकाशवाणी प्रसारण से संबंधित विभिन्न गतिविधियों में आकाशवाणी महानिदेशालय का अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकांश सक्रिय रहा है।

दूसरे देशों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम विनिमय

- भारत सरकार और विभिन्न देशों के बीच सांस्कृतिक कार्यक्रम विनियम (सी ई पी) के तहत समझौतों के अनुसरण में अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकांश ने विभिन्न देशों के प्रसारण संगठनों के साथ रेडियो कार्यक्रमों के विनिमय में समन्वय स्थापित किया। आकाशवाणी ने लगभग 20 देशों को संगीत कार्यक्रम भेजे। इसने बुल्गारिया के राष्ट्रीय रेडियो द्वारा तैयार तीन विशेष कार्यक्रमों का प्रसारण भी बुल्गारिया के स्वाधीनता दिवस एवं राष्ट्रीय दिवस पर किया।
- वर्ष के दौरान आकाशवाणी/प्रसार भारती के साथ उत्तम सहयोग के लिए संभावित अवसरों को तलाशने के उद्देश्य से विभिन्न देशों के कई उच्चस्तरीय प्रतिनिधि मंडलों ने आकाशवाणी का दौरा किया।

विदेशी प्रसारण संगठनों के साथ सह–प्रस्तुति

- आकाशवाणी अन्य प्रसारण संगठनों के साथ मधुर संबंध कायम रखने में प्रयासरत रहा। इस प्रक्रिया में आकाशवाणी और रेडियो नीदरलैण्ड वर्ल्डवाइड (आर एन डब्ल्यू) ने संयुक्त रुप से जलवायु से संबंधित प्रकरणों जैसे 'अर्थ बीट' शीर्षक पर रेडियो श्रृंखला तैयार करने के लिए एक परस्पर समझौता किया जो देशभर में स्थित चुनिंदा 20 आकाशवाणी केंद्रों से प्रसारित किए जाते हैं।
- आकाशवाणी द्वारा डच वेले रेडियो, जर्मनी के साथ 'सामाजिक सुरक्षा' विषय पर सितंबर, 2010 और 'फेयर–ट्रेड' विषय पर मार्च, 2011 में 15 मिनट के तीन कार्यक्रम संयुक्त रुप से प्रस्तुत करने के लिए भागीदारी की गई। कार्यक्रम संयुक्त रुप से आकाशवाणी और डच वेले रेडियो जर्मनी निर्माताओं द्वारा संयुक्त रुप से प्रस्तुत किए गए।

अन्य प्रसारण संगठनों के साथ सहयोग

- आकाशवाणी, एन एच के वर्ल्ड रेडियो जापान की हिंदी सेवा को नियमित सहयोग देती है, और 1985 से अपने स्टाफ में से एक हिंदी भाषा प्रसारण विशेषज्ञ भी उपलब्ध कराती है। इस प्रक्रिया में, श्री मुनीश शर्मा, अनुवादक–सह–उद्घोषक, विदेश सेवा प्रभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली को एन एच के द्वारा श्री अखिल मित्तल, एन आर टी (हिंदी), समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली, जिनकी समयावधि अक्टूबर 2010 में पूरी हो रही है, के स्थान पर दो वर्ष की अवधि के लिए एन एच के वर्ल्ड जापान के लिए अगला हिंदी प्रसारण विशेषज्ञ चुना गया है।

प्रशिक्षण/विदेश प्रतिनियुक्तियां

- आकाशवाणी के कार्यक्रम अधिकारियों की कार्यकुशलता को बढाने और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकक आकाशवाणी के कार्यक्रम अधिकारियों की विदेशों में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशालाओं में प्रतिभागिता हेतु समन्वय कार्य करता है। इस प्रक्रिया में, श्री नवीन कुमार गुप्ता, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, दिल्ली को 25 से 28 अगस्त 2010 तक क्वालालामपुर, मलेशिया में 'कन्टेंट क्रियेशन फार डिजिटल रेडियो' विषय पर ए बी यू– यूनेस्को द्वारा आयोजित कार्यशाला में भागीदारी हेतु नामांकित किया गया।

- इसी उद्देश्य के साथ, अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकक, अंतर्राष्ट्रीय प्रसारण विशेषज्ञों की सहायता से भारत में, इन–कंट्री प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित करने का समन्वय कार्य भी करता है, ताकि बड़ी संख्या में आकाशवाणी/दूरदर्शन के कार्यक्रम अधिकारी लाभान्वित हो सकें। वर्ष 2010–11 के दौरान आयोजित इन–कंट्री कार्यशालाएं निम्नवत हैं:–

  (i) दिनांक 29 नवंबर, 2010 से 1 दिसंबर, 2010 तक 'कन्टेन्ट क्रियेशन फार इंटरनेशनल रेडियो कम्पीटिशन' विषय पर ए बी यू प्राइजेस बैंक पैक कार्यशाला।

  (ii) दिनांक 6–10 दिसंबर, 2010 तक नई दिल्ली में जेंडर इक्वालिटी विषय पर ए आई बी डी/सी बी ए/प्रसार भारती इन–कंट्री कार्यशाला।

  (iii) 21 फरवरी, 2011 को नई दिल्ली में अरली वार्निंग सिस्टमस मीडिया इनिशियेटिव विषय पर ए बी यू – यू एन ई एस सी ए पी कार्यशाला।

- आकाशवाणी ने ए बी यू पुरस्कार – 2010 (रेडियो) की अंतिम जांच में चयन हेतु एक निर्णायक सदस्य भी दिया। इस संबंध में, श्री राजीव कुमार शुक्ल, उपनिदेशक कार्यक्रम को 1 से 3 सितंबर, 2010 में क्वालालामपुर, मलेशिया में प्रविष्टियों की ए बी यू स्क्रिनिंग में प्रतिभागिता हेतु नामांकित किया गया।

- श्री सी. लालरोसंगा, उपमहानिदेशक, ने 24 से 26 मई, 2010 तक बिजींग, चीन में ए आई बी डी द्वारा 'ओज़ोन प्रोटेक्शन एण्ड क्लाइमेट बेनीफिट' विषय पर आयोजित 'एशिया–पेसिफिक मीडिया सेमिनार' सम्मेलन में भागीदारी की।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

ए बी यू द्वारा 21 से 23 फरवरी, 2011 तक नई दिल्ली में आयोजित रेडियो एशिया 2011 सम्मेलन में 100 से अधिक प्रसारण संगठनों के नीति निर्माता/व्यवसायी/तकनीकी विशेषज्ञों/मीडिया एकेडेमियों ने भाग लिया ।

आकाशवाणी द्वारा प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार

अन्तर्राष्ट्रीय संपर्क एकक ने कई अंतर्राष्ट्रीय रेडियो प्रतियोगिताओं में आकाशवाणी के रेडियो कार्यक्रमों की सहभागिता के समन्वय का कार्य भी किया है। वर्ष 2010 में आकाशवाणी द्वारा निम्नलिखित पुरस्कार प्राप्त किए गए :–

1. तेहरान में मई, 2010 में आयोजित 'ईरान के अंतर्राष्ट्रीय रेडियो महोत्सव' में आकाशवाणी की दो प्रविष्टियों ने संबंधित श्रेणियों में 7 पुरस्कार प्राप्त किए।

   - मार्निंग कार्यक्रमों की श्रेणी में श्री नवदीप सिंह, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, जालंधर द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम 'गुड मार्निंग पंजाब' को सर्वश्रेष्ठ निर्माता, सर्वश्रेष्ठ सूत्रधार और सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान और विषय–वस्तु सृजन हेतु पुरस्कार प्राप्त किए।

- वृत्तचित्र श्रेणी में श्री एस मुम्मीगट्टी, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी बेंगलूरू ने 'फार्मिंग इन द वार्मिंग वर्ल्ड' नामक प्रविष्टि लिखने के लिए द्वितीय पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ वर्णन् के लिए द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। आई आर आई बी, ईरान द्वारा दोनों विजेताओं को समारोह में भागीदारी हेतु आमंत्रित किया गया।

2. ए बी यू पुरस्कार 2010 में "चिल्ड्रन एण्ड यूथ प्रोग्राम" श्रेणी में डॉ. एच.के. पाण्डा, सहायक केन्द्र निदेशक, आकाशवाणी, बेहरामपुर द्वारा उडिया भाषा में प्रस्तुत "आ मो साकाला आ" (कम कम मार्निंग डियर) नामक कार्यक्रम प्रविष्टि ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

3. डॉ. अनामिका श्रीवास्तव, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, लखनऊ को आकाशवाणी लखनऊ से इंटरनेशनल चिल्ड्रन्स डे आफ ब्राडकास्टिंग (आई सी डी बी) के अवसर पर प्रसारित उनके कार्यक्रम के लिए, 2010 रिजिनल आई सी डी बी अवार्ड प्रदान किया गया। उनको यूनिसेफ द्वारा न्यूयार्क, यू एस ए में आयोजित समारोह में भागीदारी एवं अपना पुरस्कार प्राप्त करने के लिए आने – जाने का शुल्क दिया गया।

कार्यक्रम गतिविधियां

- माननीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा "शिक्षा का अधिकार" पर राष्ट्र के नाम संदेश का प्रसारण दिनांक 01.04.2010 को किया गया।
- दिनांक 28.04.2010 को 16वें सार्क सम्मेलन, थिम्फू, भूटान में डॉ. मनमोहन सिंह के संबोधन की रिकार्डिंग का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 15.5.2010 को भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति श्री भैरो सिंह शेखावत के निधन पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 24.05.2010 को विज्ञान भवन से प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की प्रैस कानफ्रेंस का सीधा प्रसारण किया गया।
- दिनांक 31.05.2010 को स्पीक मेके की रजत जयंती पर 'सांस्कृतिक धरोहर का सरंक्षण' नामक विषय पर तमिल सम्मेलन के उद्घाटन पर रेडियो रिपोर्ट का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 23.06.2010 को माननीय राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटील द्वारा कोयंबटूर, तमिलनाडु में विश्व सांस्कृतिक तमिल सम्मेलन के उद्घाटन पर रेडियो रिपोर्ट का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 11.07.2010 को विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री श्री गुलाम नबी आजाद द्वारा संदेश का प्रसारण किया गया।
- ***स्वतंत्रता दिवस समारोह के संबंध में निम्नलिखित कार्यक्रम प्रसारित किए गए :–***

  (i) स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर अर्थात 14.08.2010 को माननीय राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल के राष्ट्र के नाम संदेश का अंग्रेजी एवं हिंदी में प्रसारण किया गया। संबंधित आकाशवाणी केंद्रों द्वारा क्षेत्रीय भाषा में भी इसका प्रसारण किया गया।

  (ii) दिनांक 14.08.2010 को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर श्री ए.के. एंटोनी, रक्षा मंत्री द्वारा सशस्त्र बलों के लिए संदेश का प्रसारण किया गया।

  (iii) दिनांक 15.08.2010 को माननीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा लालकिला, दिल्ली की प्राचीर से ध्वजारोहन और राष्ट्र के नाम संदेश का सीधा प्रसारण क्रमशः हिंदी एवं अंग्रेजी में किया गया।

  (iv) दिनांक 15.08.2010 को स्वतंत्रता दिवस की याद में आयोजित विभिन्न समारोहों पर रेडियो रिपोर्ट का प्रसारण किया गया।

- दिनांक 18.08.2010 को सेन्ट्रल हाल, संसद भवन से उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार प्रदान किए जाने के समारोह का सीधा प्रसारण किया गया।
- दिनांक 19.08.2010 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित समारोह राष्ट्रीय फोटो पुरस्कार 2010 पर रेडियो रिपोर्ट का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 31.08.2010 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में माननीय राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल द्वारा सूक्ष्म (माइक्रो), लघु और मध्यम उद्यमों को राष्ट्रीय पुरस्कार वितरण समारोह का सीधा प्रसारण किया गया।
- दिनांक 02.09.2010 को मथुरा से जन्माष्टमी पर श्री कृष्ण जन्मोत्सव का आंखों देखा हाल प्रसारित किया गया।
- दिनांक 05.09.2010 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित समारोह में शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार पर रेडियो रिपोर्ट का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 08.09.2010 को हैदराबाद में आयोजित समारोह अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर रेडियो रिपोर्ट का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 14.09.2010 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित 'हिंदी दिवस' समारोह का सीधा प्रसारण किया गया।
- दिनांक 13.09.2010 को हिंदी दिवस के अवसर पर गृह मंत्री श्री पी. चिदम्बरम के संदेश का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 14.09.2010 को हिंदी दिवस के अवसर पर श्री अजय माकन, गृह राज्य मंत्री (राजभाषा) के साक्षात्कार का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 02.10.2010 को गांधी जयंती और श्री लाल बहादुर शास्त्री के जन्मदिवस के अवसर पर राजधानी में आयोजित विभिन्न समारोहों पर विशेष रेडियो रिपोर्ट का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 22.10.2010 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 57वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के अवसर पर आयोजित समारोह का सीधा प्रसारण किया गया।
- दिनांक 22.10.2010 को 57वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह पर रेडियो रिपोर्ट का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 26.10.2010 को रायपुर में भारत और एशिया क्षेत्रों के राष्ट्रमंडल सांसदों के संघ के सम्मेलन के उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण किया गया।
- दिनांक 29.10.2010 को रायपुर में आयोजित भारत और एशिया क्षेत्रों के राष्ट्रमंडल सांसदों के संघ के चौथे सम्मेलन पर समेकित रेडियो रिपोर्ट का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 31.10.2010 को डॉ. विरप्पा मोइली, माननीय कानून और न्याय मंत्री द्वारा "राष्ट्र की स्थिरता अखंडता और धर्मनिरपेक्षतः उभरती चुनौतियां" विषय पर सरदार पटेल व्याख्यान माला 2010 का प्रसारण किया गया।

27 अक्टूबर 2010 को आकाशवाणी द्वारा आयोजित सरदार पटेल स्मारक व्याख्यान माला को संबोधित करते हुए केंद्रीय कानून मंत्री, डा० विरप्पा मोइली

- दिनांक 31.10.2010 को श्रीमती इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर यादगार संगीत संगोष्ठी का सीधा प्रसारण किया गया।

- दिनांक 31.10.2010 को तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली में आयोजित समारोह राष्ट्रीय एकता के लिए इंदिरा गांधी अवार्ड का सीधा प्रसारण किया गया।

- दिनांक 07.11.2010 को मुंबई से संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के राष्ट्रपति के कार्यक्रमों पर आकाशवाणी मुंबई द्वारा समेकित रेडियो रिपोर्ट का प्रसारण किया गया।

- दिनांक 08.11.2010 को नई दिल्ली में आयोजित संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के राष्ट्रपति और भारत के प्रधानमंत्री द्वारा संबोधित संयुक्त प्रैस कान्फ्रेंस सहित एक विशेष संयुक्त कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया।

- दिनांक 08.11.2010 को संसद भवन के सेंट्रल हाल से संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के राष्ट्रपति श्री बराक एच ओबामा के संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया।

12 नवम्बर 2010 को आकाशवाणी दिल्ली द्वारा आयोजित जन सेवा प्रसारण दिवस के उपलक्ष्य में संस्कृतिक कार्यक्रम

- दिनांक 12.11.2010 को प्रसारण भवन, आकाशवाणी दिल्ली के प्रांगण से लोक सेवा प्रसारक दिवस समारोह का सीधा प्रसारण किया गया।

- दिनांक 14.11.2010 को 30वें भारत–अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला के उद्घाटन समारोह पर रेडियो रिपोर्ट का प्रसारण किया गया।

- दिनांक 19.11.2010 को तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली में आयोजित 10वीं इंदिरा गांधी कान्फ्रेंस के उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण किया गया।

- दिनांक 19.11.2010 को स्वर्गीय श्रीमती इन्दिरा गांधी के 93वें जन्म दिवस के संबंध में आयोजित विभिन्न समारोहों पर एक रेडियो रिपोर्ट का प्रसारण किया गया।

- दिनांक 21.11.2010 को पणजी, गोवा में आयोजित भारत के 41 वें अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के शुभारंभ में श्री एस एम खान, महानिदेशक फिल्म महोत्सव निदेशालय के साक्षात्कार का प्रसारण किया गया।

- क्रमशः दिनांक 22.11.2010 एवं 02.12.2010 को पणजी, गोवा में आयोजित 41वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के उद्घाटन और समापन समारोह का सीधा प्रसारण किया गया। दैनिक रेडियो रिपोर्ट का भी प्रसारण किया गया।

- दिनांक 02.12.2010 को संसद के सेंट्रल हाल से प्रो. जगदीश भगवती द्वारा प्रो. हिरेन मुखर्जी स्मारक के तीसरे वार्षिक संसदीय व्याख्यान का सीधा प्रसारण किया गया।

- दिनांक 03.12.2010 को डॉ. राजेन्द्र प्रसाद स्मारक व्याख्यान माला–2010 में "स्वाधीन भारत में महिला सशक्तिकरण चुनौती और संभावनाएं" विषय पर डॉ. गिरिजा व्यास, अध्यक्ष, राष्ट्रीय महिला आयोग के भाषण का प्रसारण किया गया।

26 नवम्बर 2010 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद व्यख्यानमाला–2010 को संबोधित करती हुई सुश्री गिरजा व्यास, अध्यक्ष राष्ट्रीय महिला आयोग

आकाशवाणी द्वारा आयोजित डॉ. राजेंद्र प्रसाद व्याख्यानमाला 2010

- दिनांक 08.12.2010 को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम द्वारा विज्ञान और प्रौधोगिकी के जन संप्रेषण पर 11वीं अंतर्राष्ट्रीय कानफ्रेंस के उद्घाटन समारोह पर रेडियो रिपोर्ट का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 09.12.2010 को मानवाधिकार दिवस की पूर्व संध्या पर न्यायधीश के.जी. बालकृष्णन अध्यक्ष, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (भारत के पूर्व मुख्य न्यायधीश) के साक्षात्कार का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 13.12.2010 को संसद भवन में स्मारक पट्टिका पर पुष्प श्रद्धांजलि का सीधा प्रसारण किया गया।
- दिनांक 15.12.2010 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली से समझौता ज्ञापन प्रणाली और स्कोप उत्कृष्टता अवार्ड समारोह पर रेडियो रिपोर्ट का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 03.01.2011को एस आर एम विश्वविधालय कट्टानगुलथूर, चेन्नै में आयोजित 98 वें राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस के उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण किया गया। (रिले आकाशवाणी, चेन्नै)
- दिनांक 07.01.2011 को चेन्नै में आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस के समापन समारोह पर रेडियो रिपोर्ट का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 08.01.2011 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित प्रवासी भारतीय दिवस के उद्घाटन सत्र का सीधा प्रसारण किया गया।
- दिनांक 09.01.2011 विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित प्रवासी भारतीय दिवस के विदाई सत्र का सीधा प्रसारण किया गया।
- क्रमशः दिनांक 08.01.2011 एवं 09.01.2011 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित प्रवासी भारतीय दिवस पर समेकित रेडियो रिपोर्ट का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 17.01.2011 को उदयपुर में आयोजित 16 वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव के अवसर पर समेकित रेडियो रिपोर्ट का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 19.01.2011 को राष्ट्रपति भवन से केन्द्रीय मंत्रीमंडल के नए सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह का सीधा प्रसारण किया गया।
- दिनांक 23.01.2011 को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के जन्मोत्सव के संबंध में नई दिल्ली में आयोजित विभिन्न समारोहों पर रेडियो रिपोर्ट का प्रसारण किया गया।

- **गणतंत्र दिवस समारोह – 2011 के उपलक्ष्य में निम्नलिखित कार्यक्रम प्रसारित किए गए :–**

  (i) दिनांक 25.01.2011 को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर माननीय राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल का राष्ट्र के नाम संदेश का प्रसारण किया गया। संबंधित आकाशवाणी केंद्रों से क्षेत्रीय भाषाओं में भी अनुवाद प्रसारित किया गया।

  (ii) दिनांक 25.01.2011 को कवियों की राष्ट्रीय संगोष्ठी।

  (iii) दिनांक 26.01.2011 को राजपथ, नई दिल्ली से गणतंत्र दिवस परेड और सांस्कृतिक झांकियों का सीधा प्रसारण।

  (iv) गणतंत्र दिवस समारोह – 2011 से जुड़ी अन्य घटनाओं की भी कवरेज की गई।

- दिनांक 30.01.2011 को महात्मा गांधी के 62 वें शहीदी दिवस की याद में नई दिल्ली में आयोजित विभिन्न समारोहों पर रेडियो रिपोर्ट का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 16.02.2011 को प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की टेलीविज़न चैनलों के संपादकों के साथ बातचीत का सीधा प्रसारण किया गया।
- दिनांक 25.02.2011 को केन्द्रीय रेल मंत्री द्वारा लोकसभा में रेल बजट 2011–12 की प्रस्तुति का सीधा प्रसारण किया गया।
- दिनांक 25.02.2011 को चंडीगढ में आयोजित एक रंगारंग कार्यक्रम में श्रीमती अम्बिका सोनी, माननीय सूचना और प्रसारण मंत्री द्वारा आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कार– 2009 के साथ गांधी शान्ति और लोक सेवा प्रसारण अवार्ड प्रदान किए गए। आकाशवाणी दिल्ली द्वारा इस कार्यक्रम पर रेडियो रिपोर्ट का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 28.02.2011 को केन्द्रीय वित्त मंत्री द्वारा लोक सभा में केन्द्रीय बजट 2011–12 की प्रस्तुति का सीधा प्रसारण किया गया।
- अन्य् महत्वपूर्ण राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं की प्राप्त जानकारी के अनुसार कवरेज की गई।
- दिनांक 6.03.2011 को अंतर्राष्ट्रीय बाल प्रसारण दिवस के अवसर पर लोकसभा स्पीकर श्रीमती मीरा कुमार के साथ बच्चों पर एक विशेष वार्ता कार्यक्रम का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 8.03.2011 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर डॉ. गिरिजा व्यास, अध्यक्ष, राष्ट्रीय महिला आयोग के साथ साक्षात्कार का प्रसारण किया गया।
- आकाशवाणी और विज्ञान प्रसार, विज्ञान और प्रौधोगिकी मंत्रालय की संयुक्त प्रस्तुति से कलर आफ लाइफ नामक विज्ञान सीरियल के 13 ऐपीसोड प्रसारित किए गए।

राज्य विधान सभा चुनाव

बिहार राज्य विधान सभा चुनावों के लिए राजनैतिक दलों के प्रसारण की भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार व्यवस्था की गई। आकाशवाणी, पटना से बिहार राज्य विधान सभा चुनावों के परिणाम पर विशेष कम्पोजिट कार्यक्रम का प्रसारण भी किया गया।

भारतीय निर्वाचन आयोग के अभियान मतदाता शिक्षा और मतदान सहभागिता (वीईईपी) की सहायता हेतु कार्यक्रमों का आकाशवाणी केंद्रों विशेषकर उन राज्यों से प्रसारण किया गया, जहां विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

असम, केरल और पुदुच्चेरी विधान सभा चुनावों के लिए पार्टी राजनैतिक प्रसारणों का भी आयोजन किया गया।

आकाशवाणी और भारतीय शास्त्रीय संगीत (हिंन्दुस्तानी संगीत)

अप्रैल, 2010 से मार्च, 2011 के बीच संगीत के राष्ट्रीय कार्यक्रम और रविवासरीय अखिल भारतीय संगीत सभा में निम्नलिखित विख्यात कलाकारों का प्रसारण किया गया :–

दिनांक 20.12.2010 को आकाशवाणी द्वारा आयोजित संगीत संध्या में प्रदर्शन करते हुए लोक कलाकार

उस्ताद शाहिद परवाज (सितार), संदीप भट्टाचार्य (गायन), रवि शंकर प्रधान (सितार), मोहिनी मोहन पटनायक (बांसुरी), विदुषी सुमित्रा गुहा (गायन), पं. उल्हास बपत (संतूर), पं. डालचंद शर्मा (पखावज), मीता पंडित (गायन), परवीन शेवलीकर (वाइलिन), रफीकनादाफ (सितार), बाल कृष्ण अय्यर (तबला), पं. यशपाल (गायन), फाल्गुनी मित्रा (ध्रुपद धमार) पं. नित्यानंद हल्दीपुर (बांसुरी), पं. बी बी गोस्वामी (सांरगी), श्रीमती पदमा तलवार (गायन), विदुषी सविता देवी (सुगम शास्त्रीय गायन), विदुषी ज़रीन शर्मा (सरोद), के श्रीनिवासन (बांसुरी) और शांतनु भट्टाचार्य (गायन)।

सूचीबद्ध कलाकरो में 50% उभरते और युवा कलाकार हैं जो नेशनल हुक–अप से पहली बार प्रसारित किए जा रहे हैं।

आकाशवाणी सम्मेलन 2010 के दौरान, निम्नलिखित प्रतिभाशाली कलाकारों ने प्रस्तुति की –

श्री चंद्रशेखर वजे, पं. संतोष नाहर, श्रीमती रुचिका काले, विदुषी कलरामनाथ, श्रीमती मंजरी असनारे केलकर, श्री मोहन डारेकर, राजीव वर्मा, श्रीमती मालिनी मुखर्जी, विदुषी जोया विश्वास, पं. पी के मलिक, सुधीर कोटे, पं. मधुप मुदगल, प्रतीक चौधरी, गुलाम सादिक खान, राम कृष्ण, रवि शंकर उपाध्याय और पं. राजन और साजन मिश्रा।

आकाशवाणी संगीत सम्मेलन के समान ही आकाशवाणी ने क्षेत्रीय लोक और सुगम संगीत समारोह की भी शुरुआत की गई। आकाशवाणी संगीत सम्मेलन और क्षेत्रीय लोक और सुगम संगीत का उद्देश्य हमारे देश की बहुमूल्य सांस्कृतिक धरोहर को बढावा देना और उसका प्रचार–प्रसार करना है।

आकशवाणी संगीत प्रतियोगिता नई प्रतिभाओं की खोज के लिए आकाशवाणी का एक नियमित कार्यक्रम है। वर्ष 2010 के लिए, क्रमशः हिंदुस्तानी और कर्नाटक संगीत के लिए ये प्रतियोगिताएं दिल्ली ओर चेन्नै में आयोजित की गईं।

कर्नाटक संगीत

वित्त वर्ष अर्थात अप्रैल 2010 से मार्च 2011 की शुरुआत दिनांक 16 से 18 अप्रैल, 2010 में विजयवाडा में आयोजित **त्रिमूर्ति और अन्य वग्गयकारा संगीत समारोह** से की गई। इस समारोह में युवा और प्रसिद्ध दोनों कलाकारों ने अवसर की शोभा बढाई। त्यागराज रचना श्रीमती वसुंधरा राजगोपाल द्वारा मैसूर वासुदेवाचार रचना रुद्रपट्टनम भाई (श्री आर एन त्यागराजन और डॉ. आर एन तारानाथन) द्वारा, मुथुस्वामी दीक्षितार रचना मल्लादी भाई (श्री श्रीराम प्रसाद और श्री रवि कुमार), स्वाति तिरूनल

रचना डॉ. ओमना कुट्टी द्वारा, श्यामा शास्त्री रचना श्रीमती वी. एल. तुलसी विश्वनाथ द्वारा, पटनम सुब्रमण्यम अय्यर रचना श्रीशेरटाल्ले के एन रंगनाथ शर्मा द्वारा प्रस्तुत की गई। इन कार्यक्रमों का प्रसारण मई से जुलाई, 2010 के दौरान संगीत के राष्ट्रीय कार्यक्रम में किया गया।

दूसरा उल्लेखनीय उत्सव **पुरस्कार वितरण समारोह** वर्ष 2009 की **आकाशवाणी संगीत प्रतियोगिताओं** (कर्नाटक संगीत) के पुरस्कार विजेताओं के लिए संगोष्ठी, चेन्नै में अप्रैल, 2010 में आमंत्रित श्रोताओं की उपस्थिति में आयोजित की गई।

वर्ष 2010 के लिए राष्ट्रीय लोक और सुगम संगीत समारोह दक्षिण भारतीय विशेषज्ञों के लिए दक्षिण भारत में पुदुच्चेरी और विशाखापट्टणम में आयोजित किया गया जिसमें श्री कलामंडलम गीतानंदन और पार्टी – ओट्टम थूलाल (त्रिशूर) द्वारा **मलयालम लोक कला** श्रीमती वसंती रमेश शिनोय (मंगलौर) द्वारा **कन्नड सुगम संगीत** सेलम श्री एल के सोमू और पार्टी (तिरुच्चिरापल्लि) द्वारा **कवाडियाट्टम**, डॉ. विद्माभूषण और पार्टी (बंगलुरु) द्वारा **भक्तिसंगीत**, श्रीमती एम प्रसन्ना लक्ष्मी (हैदराबाद) द्वारा **तेलुगु सुगम संगीत** और श्रीमती वी. कामाक्षी और पार्टी द्वारा **लोक गीत** प्रस्तुत किए गए।

आकाशवाणी संगीत सम्मेलनों की संगोष्ठी एक अन्य प्रमुख आयोजन था। इस वर्ष आकाशवाणी संगीत सम्मेलनों की संगोष्ठी **25 और 26 सितंबर, 2010 को 24 जगहों** पर आयोजित की गई जिनमें देश भर की **12 जगहों** पर कर्नाटक संगीत के आकाशवाणी संगीत सम्मेलन हुए। इन सम्मेलनों में जाने पहचाने विख्यात कलाकारों ने प्रस्तुतियां दी। इन संगोष्ठियों में कर्नाटक संगीत के डॉ. के सरस्वती विद्यार्थी (गायन), श्रीमती सुमती राममोहन राव (मृंदगम), श्री एम चन्द्रशेखरन (वायलिन), डॉ. एम नर्मदा (वायलिन), थिरुवरूर श्री एस. स्वामीनाथन (बांसुरी), श्री शेख महबूब सुभानी और श्रीमती कलीशबी महबूब (नागास्वरम) और श्रीमती पदमावती अनंतगोपालन (वीणा) ने भाग लिया। इन संगीत सम्मेलनों की रिकार्डिंग दिनांक 23.10.2010 से 07.12.2010 तक प्रसारित की गई।

दिनांक 26.9.2010 को गंगटोक में आकाशवाणी द्वारा आयोजित आकाशवाणी संगीत सम्मेलन में प्रदर्शन करते हुए कलाकार

दिनांक 25.9.2010 को कोलकाता में आकाशवाणी द्वारा आयोजित आकाशवाणी संगीत सम्मेलन में वायलिन पर श्री एम चंद्रशेखरन

दिनांक 25.9.2010 को शिमला में आकाशवाणी द्वारा अन्य कलाकारो के साथ वायलिन बजाते हुए श्री एस एल कंडारा

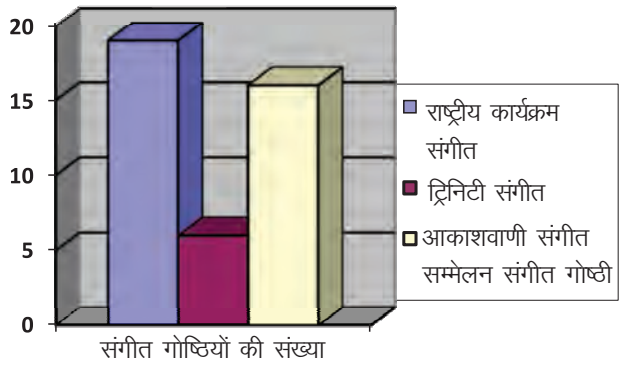

दिनांक 23 जनवरी, 2011 को संगीत के राष्ट्रीय कार्यक्रम में **त्यागराज अराधना संगीत महोत्सव** का **तिरुवायूरु** से और इसके साथ ही **संत रचनाकार त्यागाराजा** के **164वें अराधना महोत्सव** के सम्मान में **24 जनवरी, 2011** को **पंचरत्न गोष्ठी गणम्** का भी सीधा प्रसारण किया गया।

कृषि एवं गृह एकक

कृषि एवं गृह प्रसारण

ग्रामीण श्रोताओं से आकाशवाणी की प्रतिबद्धता पाँच दशकों से भी अधिक पुरानी है। आकाशवाणी के सभी केन्द्र ग्रामीण श्रोताओं को ध्यान में रखते हुए कृषि एवं गृह प्रसारण करते हैं। वास्तव में ग्रामीण समुदाय की रोजमर्रा की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विशेष कार्यक्रम बनाए जाते हैं। कृषि उत्पादकता बढाने के लिए नवीनतम तकनीक और जानकारी प्रसारित करना कृषि एवं गृह कार्यक्रम की निरंतर प्रक्रिया है। ये कार्यक्रम न केवल कृषि संबंधी जानकारी प्रदान करते हैं अपितु कृषकों की जिदंगी को बेहतर बनाने हेतु अपनाए जाने वाले साधनों के प्रति उनमें जागरूकता पैदा करने का माध्यम हैं। कार्यक्रमों का प्रसारण रोज़ाना तीन बार सुबह, दोपहर और शाम को होता है। कृषि एवं गृह प्रसारण की औसत अवधि 60 से 100 मिनट प्रतिदिन होती है। कृषि एवं गृह कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं, बच्चों एवं युवाओं के लिए कार्यक्रम शामिल हैं।

आकाशवाणी का कृषि एवं गृह एकांश मिश्रित कार्यक्रम प्रसारित करता है जिसमें ग्रामीण विकास योजना और प्रतिबद्ध कृषि कार्यक्रम समान मात्रा में शामिल होते हैं। प्रतिबद्ध कृषि कार्यक्रम जैसे पशुपालन, मत्स्यपालन, सूखा और बंजर भूमि कृषि, भूमि और जल संरक्षण सतत कृषि, जैव प्रौद्योगिकी, फसलों में एकीकृत कीट प्रबंधन, रोजगार ऋण स्कीम, फसल बीमा और प्रशिक्षण सुविधाएं, स्वच्छता, स्वास्थ्य संबंधी सफाई और पोषण, पर्यावरण सरंक्षण, आपदा प्रबंधन, ग्रामीण विकास में पंचायत की भूमिका जैसे विषयों पर ग्रामीण श्रोताओं के हित के लिए चर्चा की गई।

आकाशवाणी, मंत्रालय और विभागों के साथ–साथ केंद्रीय और राज्य सरकारों के कृषि एवं ग्रामीण विकास विभागों से निकट संपर्क रखती है। वार्ताओं, साक्षात्कारों, रुपकों, धारावाहिकों, नाटकों, नारों, जिंगल्स, फोन–इन प्रोग्रामों, संगीत रुपकों और आकाशवाणी पर कृषि स्कूल इत्यादि विभिन्न रुपों का प्रयोग कर विभिन्न आकाशवाणी केंद्रों से स्थानीय बोली/भाषा में कार्यक्रम चलाये जाते हैं।

आकाशवाणी ने फरवरी, 2004 में कृषि मंत्रालय के सहयोग से किसान वाणी नामक कृषि कार्यक्रम प्रसारित कर कृषि प्रसारण गतिविधियों को बढावा दिया जिससे स्थानीय कृषकों को दैनिक बाजार दरों, मौसम रिपोर्ट एवं सूक्ष्म स्तर तक क्षेत्रीय गतिविधियों की दैनिक सूचना मिल सके। वर्तमान में कृषि वाणी का प्रसारण और रिले आकाशवाणी के 96 एफ एम केंद्रों से किया जा रहा है।

वर्ष 2010–11 में उत्तरी और पूर्वोत्तर राज्यों में कड़ाके की ठंड पड़ी। इन राज्यों के किसानों को सतत कार्यक्रमों के माध्यम से मौसम के प्रतिकूल प्रभावों से फसलों की क्षति रोकने और उचित कृषि व्यवहार के बारे में सलाह दी जाती है।

इसी प्रकार पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड राज्यों को सूखाग्रस्त घोषित करने के बाद इस विषय पर विशेष कार्यक्रमों के चयन से किसानों को खड़ी फसलों को बचाने और वैकल्पिक फसलों का सहारा लेने की चेतावनी दी गई।

केंद्रीय कृषि मंत्री का संदेश

नव वर्ष 2011 की पूर्व संध्या पर दिनांक 31.12.2010 को केन्द्रीय कृषि मंत्री द्वारा किसान समुदाय को संबोधित किया गया। कृषि एवं गृह और किसान वाणी कार्यक्रमों में मुख्य रुप से संदेश का प्रसारण किया गया।

14 से 27 नवंबर, 2010 तक नई दिल्ली में आयोजित भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में कृषि मंत्रालय द्वारा प्रायोजित भू परीक्षण प्रयोगशाला सेटअप में कृषि में डीएनए फिंगर प्रिंटिंग तकनीक और किसानों के लिए रोबस्ट फसल उत्पादन के लिए 'एन', 'पी', 'के' तथा अन्य सूक्ष्म पोषकों हेतु भूमि परीक्षण तथा उसके लिए सुविधाएं प्रदान की गईं।

रेडियो किसान दिवस

आकाशवाणी पर कृषि कार्यक्रमों के प्रसारण द्वारा प्राप्त सूचनाओं से लाभान्वित कृषक अपनी स्थानीय बोली/भाषा में अपने अनुभवों का अन्य कृषकों के साथ आदान–प्रदान करते हैं। इस अवसर को महत्व देते हुए आकाशवाणी अपने सभी केंद्रों द्वारा 15 फरवरी को किसान दिवस के रुप में मनाता है और विशेष कार्यक्रमों का प्रसारण करताहै। आकाशवाणी, बरेली, नॉगांव, आदिलाबाद, होस्पेट, रायगढ और शहडोल, ने अन्य आकाशवाणी केंद्रों की भांति किसानों की समस्याओं के स्थल पर ही निवारण हेतु कृषि विभाग के जिला क्लेकटर और राज्य सचिवों को आंमत्रित करके विशेष विचार–विमर्श कार्यक्रम आयोजित किए। इन सफल कहानियों को संबंधित भाषाओं में व्यापक कवरेज मिली है। इसके अतिरिक्त आकाशवाणी के सभी केंद्रों से अपने दैनिक प्रसारण में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, फसल सलाहकार, सूखा समस्या, बर्ड फ्लू इत्यादि के अभियान सम्मिलित होते हैं।

पर्यावरण

इसकी महत्ता को ध्यान में रखते हुए आकाशवाणी, वन्यप्राणी एवं वन सरंक्षण को एक चुनौती के रूप में लेती है एवं इसमें विकासीय गतिविधियों और सामाजिक रीति–रिवाजों को महत्व देता है। आकाशवाणी वनारोपण, वन्यप्राणी संरक्षण एवं पारिस्थितिक संतुलन संबंधी सरकार के प्रयासों की सफलता को प्रस्तुत करता है। सभी आकाशवाणी केन्द्र पर्यावरण और वानिकी से संबंधित विधिक मुद्दों का व्यापक प्रचार करते हैं।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रम

नियमित स्वास्थ्य प्रसारण के अंतर्गत निम्न कार्यक्रम शामिल हैं : विवाह की आयु में बढ़ोत्तरी, प्रथम संतान में देरी, दो बच्चों में अंतर, देरी के उपाय, मातृत्व देख–रेख, शिशु उत्तर जीविता, महिला सशक्तीकरण, इंटर–स्पाउस कम्यूनिकेशन में संवर्धन/पुरूष की जिम्मेदारी, पुरूष वरीयता संलक्षण को उदासीन करना, गर्भपात, संस्थान विधि प्रावधानों का संवर्धन, प्रजनन संक्रमण व यौन संक्रमण, प्रसव पूर्व निदान तकनीक नियमन एवं दुरूपयोग की रोकथाम अधिनियम–1994, एड्स, नशा, स्तनपान, बाल अधिकार, बालश्रम, कन्या संतान, अशकतता, तपेदिक, कोढ़ और प्रजनन शिशु स्वास्थ्य इत्यादि।

रक्तदान और नेत्रदान को व्यापक प्रचार दिया जा रहा है। नशाखोरी, तंबाकू सेवन, अवैध मानव व्यापार कोढ निवारण एवं एड्स इत्यादि के विरूद्ध उचित कार्यक्रम तैयार किए जाते हैं।

हमारे कुछ विशेष श्रोता कार्यक्रमों जैसे ग्रामीण/महिला/युवा एवं स्वास्थ्य कार्यक्रम के लिए आकाशवाणी ने श्रोता समूहों का पंजीयन किया है। ये समूह इन विषयों पर आम जागृति फैलाने में अपना सहयोग देते हैं। दिनांक 23 जनवरी और 27 फरवरी 2011 को राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण मनाने के लिए सभी केंद्रों द्वारा इस अभियान का सतत् प्रचार–प्रसार किया गया।

यू एन सी आर पी डी

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के प्रावधानों के अनुसार विकलांगों के अधिकार के कार्यान्वयन का विशेष अभियान शुरु किया गया। यू एन सी आर पी डी की धारा 8,9,21,27 और 30 के अंतर्गत प्रावधानों को विशेष महत्व देते हुए विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए गए जिससे कि विकलांगों के मुद्दे पर सामाजिक जागृति उत्पन्न की जा सके।

बाल कार्यक्रम

आकाशवाणी के सभी केन्द्र नियमित रुप से बच्चों के कार्यक्रम प्रसारित करते हैं । आकाशवाणी अपने सभी केंद्रों से बच्चों के लिए 2 आयु समूहों में कार्यक्रम प्रसारित करते हैं अर्थात 3 से 7 वर्ष के बीच के और 8 से 14 वर्ष के बीच के बच्चे और ग्रामीण बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं।

कुछ कार्यकम साप्ताहिक आधार पर प्रसारित किए जाते हैं। नाटक, लघु कहानी, रुपक, वृंदगान, साक्षात्कार, महाकाव्यों से कहानियों इत्यादि इन प्रसारणों के अंग हैं।

प्रत्येक वर्ष 14 नवंबर बाल–दिवस के रुप में मनाया जाता है जिसमें विशेष बाल गतिविधियां और आमंत्रित श्रोताओं के कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। दिनांक 6 मार्च 2011 को प्रसारण का अंतर्राष्ट्रीय बाल दिवस मनाया गया और कार्यक्रमों में लिंग मामलों अंतर्भाव और समावेशन विषयों पर बल दिया गया।

निम्न बिंदुओं को ध्यान मे रखकर कार्यक्रम की योजना बनाई जाती है :–

1. बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा।
2. विकलांग बच्चों की सहायता और देखभाल।
3. कठिन परिस्थितियों में बच्चों की सहायता और देखभाल।
4. लड़कियों को समान अधिकार।
5. बच्चों की बुनियादी सार्वभौमिक शिक्षा तक पंहुच और लड़कियों की शिक्षा की तरफ विशेष ध्यान।
6. बच्चों को सुरक्षित और समर्थित वातावरण प्रदान करना।
7. परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार और आत्मनिर्भर समाज।
8. बच्चे के उज्जवल भविष्य के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग।
9. स्वच्छ पेयजल की सुविधा और मल–मूत्र निपटान की सफाई के साधन।

लड़के की तरह लड़की के जन्म का स्वागत करने हेतु सामाजिक जागरुकता उत्पन्न करने के लिए लड़की के महत्व और स्थिति पर केंद्रित विशेष कार्यक्रम पूरे वर्ष प्रसारित किए जा रहे हैं।

महिला कार्यक्रम

इन कार्यक्रमों में महिलाओं के सामाजिक–आर्थिक विकास, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आहार एवं पोषण, वैज्ञानिक, गृह प्रबंधन, महिला उद्यमी, शिक्षा, प्रौढ शिक्षा सहित महिला सशक्तीकरण, लिंग भेद इत्यादि विषय होते हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विधिक साक्षरता के माध्यम से महिलाओं में अधिकारों और विशेषाधिकारों के प्रति सामाजिक जागरुकता पैदा करना भी है। ग्रामीण महिला कार्यक्रम में, श्रोताओं से संपर्क बनाने के लिए विभिन्न लोक परंपराओं का विशेष रुप से उपयोग किया जाता है।

प्रधानमंत्री कार्यालय के आदेशानुसार महिलाओं के उत्पीड़न के बारे में समस्त आकाशवाणी केंद्रों को सलाह दी गई है कि निम्नलिखित विषयों को महिला कार्यक्रमों में सम्मिलित करें :–

1. महिलाओं पर अत्याचार
2. महिलाओं का व्यापार

3. कन्या भ्रूण हत्या और शिशु हत्या
4. महिलाओं का अश्लील चित्रण
5. शिक्षा एवं रोजगार के अवसर
6. महिलाओं की सुरक्षा
7. कामकाजी महिलाओ के लिए मातृत्व लाभ, शिशु गृह आदि
8. समान कार्य के लिए समान मजदूरी
9. बाल मजदूरी पर रोक
10. लिंग भेद

आकाशवाणी के सभी केंद्रों द्वारा मार्च माह में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस/सप्ताह और 1 अक्तूबर को अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाया गया जिसमें केंसर रोकथाम पर बल के सहित बुजुर्गों का स्वास्थ्य देखभाल मुद्दों पर कार्यक्रम प्रसारित किए गए।

आकाशवाणी की प्रत्यंकन एवं कार्यक्रम विनिमय सेवा

प्रत्यंकन सेवा का शुभारंभ 3 अप्रैल 1954 को हुआ, जिसका मुख्य कार्य गणमान्य व्यक्तियों सहित देश के प्रधानमंत्रियों व राष्ट्रपतियों के भाषणों का अनुलेखन तैयार करना है।

इस कार्यालय में निम्नलिखित सक्रिय इकाइयां हैं :–

1. केंद्रीय अभिलेखागार
2. डिजिटल स्वर अभिलेखागार
3. विज्ञापन रिलीज और मार्केटिंग
4. कार्यक्रम विनिमय एकक (अंतर्देशीय एवं विदेशीय)
5. प्रत्यंकन एकक
6. संसज्जीकरण एकक

(1) केन्द्रीय अभिलेखागार

आकाशवाणी के स्वर अभिलेखागार को देश का राष्ट्रीय अभिलेखागार भी कहा जा सकता है क्योंकि इसमें विभिन्न श्रेणियों की दुर्लभ बेशकीमती रिकार्डिंग की 18,000 घंटे की अवधि से भी अधिक की संगीत और स्पोकन वर्ड रिकार्डिगों का खजाना है। यह भारतीय संगीत लाइब्रेरी की सबसे बडी लाइब्रेरी है।

लाइब्रेरी में 11 मई 1947 की सोदपुर आश्रम कोलकाता में तथा 29 जनवरी 1948 को बिरला हाउस, दिल्ली में क्रमशः पहली और अंतिम प्रार्थनाओं सहित महात्मा गांधी के भाषणों की रिकार्डिंग का संग्रह अलग से सुरक्षित है। आकाशवाणी दिल्ली से 12 नवंबर 1947 को केवल एक बार किया गया प्रसारण भी सुरक्षित रखा गया है। इस लाइब्रेरी में सभी राष्ट्रपतियों एवं प्रधानमंत्रियों की रिकार्डिंगों को सुरक्षित रखा गया है।

रविंद्र नाथ टैगोर, सुभाष चंद्र बोस, डॉ. बी आर अंबेडकर, सरदार वल्ल्भ भाई पटेल, सरोजनी नायडु इत्यादि जैसे अन्य प्रसिद्ध व्यक्तियों की आवाजों की रिकार्डिंगों को भी सुरक्षित रखा गया है। इसके अलावा पुरस्कृत रेडियो ड्रामा, रुपक, वृत्तचित्र, आदि

और मेमोरियल लेक्चर भी लाइब्रेरी में उपलब्ध हैं।

रेडियो आत्मकथा की श्रेणी में विभिन्न क्षेत्रों के सुप्रसिद्ध व्यक्तियों की रिकार्डिंग है। आकाशवाणी केंद्र सुप्रसिद्ध व्यक्तियों की पहचान और रिकार्डिंग करते हैं। इन रिकार्डिंग को केन्द्रीय अभिलेखागार में सुरक्षित रखने के लिए भेजा जाता है।

(ख) डिजिटल ध्वनि अभिलेखागार

सभी अभिलेखों की रिकार्डिंग को डिजिटलाइज करने के लिए वर्ष 2001 से एक विशेष परियोजना शुरु की गई। इसके साथ ही अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्य मानकों और नई टेप नंबरिंग प्रणाली के साथ् प्रसारण नेटवर्क में आकाशवाणी मुख्य डिजिटल लाइब्रेरी में से एक बन गई। डिजिटल ध्वनि अभिलेखागार की सभी रिकार्डिंग को हार्ड डिस्क में भी रखा जाता है।

(ग) विज्ञापन रिलीज और मार्केटिंग

अप्रैल् 2003 से आकाशवाणी के केंद्रीय अभिलेखागार ने ''आकाशवाणी संगीत'' के बैनर तले अपने बहुमूल्य संगीत संग्रह को जारी करना आरंभ कर दिया। अब तक 62 एलबम जारी किए जा चुके हैं, जिसकी सूची नीचे दी गई है। इसके विपणन का अधिकतर कार्य आकाशवाणी केंद्रों द्वारा किया जाता है।

(घ) कार्यक्रम विनिमय एकक

आंतरिक कार्यक्रम एकक

इस एकक का मुख्य कार्य उच्च गुणवत्ता वाले कार्यक्रमों का केंद्रों में उनकी आवश्यकतानुसार विनिमय करना है। कार्यक्रम विनिमय लाइब्रेरी में इस कार्य के लिए संगीत और उच्चरित शब्द कार्यक्रमों की रिकार्डिंगों के लगभग 8000 टेप सुरक्षित रखे गए हैं।

विभिन्न भारतीय भाषाओं के संगीत और उच्चरित शब्दों के कार्यक्रमों के अतिरिक्त कार्यक्रम विनिमय लाइब्रेरी में बंगला, अंग्रेजी, गुजराती, कन्नड, मलयालम, मराठी, उड़िया, संस्कृत, तमिल और तेलुगु भाषाओं के पाठ भी सुरक्षित रखे गए हैं।

विदेश कार्यक्रम एकक

विदेश कार्यक्रम एकक विश्वभर में प्रसारण संगठनों से प्राप्त कार्यक्रमों के विनिमय का समन्वय करता है। इन कार्यक्रमों में विज्ञान, समसामयिक मामले, पाश्चात्य सुगम शास्त्रीय, वेस्टर्न पॉप और रॉक से लेकर महिला और पर्यावरण तक के विस्तृत विषय सम्मिलित हैं। यह एकक भारत में सार्क ऑडियो विजुअल एक्सचेंज (एस ए वी ई) कार्यक्रमों के प्रसारण के विनिमय का भी समन्वय करता है। इन कार्यक्रमों में श्रोताओं की रुचि के सभी पहलू शामिल होते हैं।

(ड) प्रत्यंकन एकक

इस सेवा के मुख्य कार्यों में से एक राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के भाषणों की रिकार्डिंग को तैयार करना और उनको खंडों के रुप में क्रमवार सुरक्षित रखना है।

राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री द्वारा सार्वजनिक सभाओं में दिए गए सभी भाषणों को रिकार्ड करना आकाशवाणी केंद्रों का अनिवार्य कार्य है। भाषणों की रिकार्डिंग की टेपें विभिन्न संबंधित आकाशवाणी केंद्रों से प्राप्त की जाती हैं। सभी प्रत्यंकनों को बांधकर बंडल बनाए जाते हैं और अभिलेखागार में सुरक्षित रखा जाता है।

(च) सुसज्जीकरण एकक

अभिलेखागार में सुरक्षित रखी गई रिकार्डिंग पुरानी पडने पर कुछ अतिरिक्त शोरयुक्त हो जाती हैं। इस शोर को सुसज्जीकरण द्वारा टेप से हटा दिया जाता है। अभिलेखागार की पुरानी टेपों से शोर समाप्त करने के लिए संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की

सहायता से कुछ साल पहले इस एकांश की स्थापना की गई थी। सहस्रों घंटों के संगीत व महात्मा गांधी, पं. जवाहर लाल नेहरु आदि के स्वरों की रिकार्डिंग का यहां सुसज्जीकरण किया जाता है। आजकल इस एकांश ने आकाशवाणी संगीत के बैनर तले गुणवत्ता वाले ऑडियो की रिकार्डिंग का रख–रखाव और विमोचन आरंभ कर दिया है।

विज्ञापन स्कंध

क्र.सं.	कलाकार	गायन/वादन
1.	पंडित ओंकार नाथ ठाकुर (खंड 1)	हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन
2.	पंडित ओंकार नाथ ठाकुर (खंड 2)	हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन
3.	पंडित डी वी पलुस्कर (खंड 1)	हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन
4.	पंडित डी वी पलुस्कर (खंड 2)	हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन
5.	पन्ना लाल घोष	बांसुरी
6.	उस्ताद अज़ीज़ अहमद खान वारसी,(खंड 1)	कव्वाली
7.	उस्ताद अज़ीज़ अहमद खान वारसी, (खंड 2)	कव्वाली
8.	मुसिरी सुब्रमण्या अय्यर, (खंड 1)	कर्नाटक गायन
9.	मुसिरी सुब्रमण्या अय्यर, (खंड 2)	कर्नाटक गायन
10.	द्वारम वेंकटास्वामी नायडू	वायलिन
11.	सेम्मनगुडी श्रीनिवास अय्यर	कर्नाटक गायन
12.	एम डी रामानाथन	कर्नाटक गायन
13.	पंडित वी जी जोग	वायलिन
14.	सिद्धेश्वरी देवी	हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन
15.	भजनावली	हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन
16.	अलातुर ब्रदर्स	कर्नाटक गायन
17.	अरियाकुडी रामानुजा अय्यंगर	कर्नाटक गायन
18.	एम एस सुब्बालक्ष्मी, (खंड 1)	कर्नाटक गायन
19.	एम एस सुब्बालक्ष्मी, (खंड 2)	कर्नाटक गायन
20.	उस्ताद आमिर खान, (खंड 1)	हिंदुस्तान शास्त्रीय गायन
21.	पंडित कृष्ण राव शंकर पंडित	हिंदुस्तान शास्त्रीय गायन
22.	पंडित कुमार गंधर्व	हिंदुस्तान शास्त्रीय गायन
23.	टी. बृंदा/टी. मुक्ता	कर्नाटक गायन
24.	टी एन राजारत्नम पिल्लै	नागस्वरम
25.	टी चौडैया	कर्नाटक वायलिन
26.	पंडित निखिल बैनर्जी	सितार
27.	डागर बंधु	ध्रुपद

क्र.सं.	कलाकार	गायन/वादन
28.	उस्ताद अलाउद्दीन खान	सरोद
29.	बेगम अख्तर, (खंड 1)	हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन
30.	बेगम अख्तर, (खंड 2)	हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन
31.	चेंबई बैद्यनाथन भगवतर	हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन
32.	एम एल बसंता कुमारी, (खंड 1)	कर्नाटक गायन
33.	एम एल बसंता कुमारी, (खंड 2)	कर्नाटक गायन
34.	भीमसेन जोशी (खंड 1)	हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन
35.	भीमसेन जोशी (खंड 2)	हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन
36.	बडे गुलाम अली, (खंड 1)	हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन
37.	बडे गुलाम अली, (खंड 2)	हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन
38.	बडे गुलाम अली, (खंड 3)	हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन
39.	डी के रायद्विजेन्द्र गीती	द्विजेन्द्र गीति
40.	महराजापुरम संथानम, (खंड 1)	कर्नाटक गायन
41.	महराजापुरम संथानम, (खंड 2)	कर्नाटक गायन
42.	टी आर महालिंगम	कर्नाटक बांसुरी
43.	आजादी के गीत (खंड 1)	देशभक्ति गीत
44.	आजादी के गीत (खंड 2)	देशभक्ति गीत
45.	उस्ताद बिस्मिल्लाह खान, (खंड 1)	शहनाई
46.	उस्ताद बिस्मिल्लाह खान, (खंड 2)	शहनाई
47.	सुंदर कांड	भक्ति गीत
48.	राग रंग	हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन
49.	राग रंग	वादन
50.	डी के पट्टामल (खंड 1)	हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन
51.	डी के पट्टामल (खंड 2)	हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन
52.	पं. राम नारायन, (खंड 1)	सारंगी
53.	पं. राम नारायन, (खंड 2)	सारंगी
54.	उस्ताद आमीर खान (खंड 2)	हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन
55.	बानी गुरु गुरु है बानी, (खंड 1)	शबद
56.	बानी गुरु गुरु है बानी, (खंड 2)	शबद
57.	राधिका मोहन मैत्रा (खंड 1)	सरोद
58.	राधिका मोहन मैत्रा (खंड 2)	सरोद
59.	अहमद जान थिरकवा	तबला
60.	गजानन राव जोशी (खंड 1)	हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायन
61.	गजानन राव जोशी (खंड 2)	वायलिन
62.	रामचरितमानस बालकांड	भक्ति

राजस्व अर्जित करने की जिम्मेदारी आकाशवाणी के विज्ञापन सेटअप की है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान रेडियो प्रसार में तेजी से बदलते परिदृश्य के बावजूद आकाशवाणी के विज्ञापन स्कंध ने अपने केन्द्रीय विक्रय एकक, मुंबई तथा भारत के विभिन्न भागों में स्थित 15 मुख्य विज्ञापन प्रसारण सेवा केंद्रों तथा मुंबई, नई दिल्ली, चेन्नै, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोलकाता, कोच्चि, तिरुवनंतपुरम, गुवाहाटी तथा जालंधर के 10 विपणन विभागों के जरिए लोकसेवा प्रसारक के रुप में अपनी मूल पहचान के साथ वर्ष दर वर्ष राजस्व में संवर्धन किया है। आकाशवाणी की एक निर्धारित आचरण संहिता है जिसके द्वारा कार्यक्रमों के साथ विज्ञापन प्रसारण नियंत्रित होता है।

सभी आकाशवाणी केंद्रों और विज्ञापन प्रसारण सेवा केंद्रों/विविध भारती केंद्रों/एफ एम चैनलों में प्रसारण और विज्ञापन संहिता का पूर्णत पालन करते हुए, बजट व कर्मचारियों की कमी के बावजूद, विज्ञापन स्कंध सरकारी विभागों और पी एस यू (सार्वजिनक उपक्रम) से व्यापार प्राप्त करने में सक्षम हो पाया है। कुछ प्रमुख निजी कॉरपोरेट ग्राहक हैं– हिंदुस्तान लीवर लि., आइडिया सेल्युलर लि., निरमा लि., विक्को प्रयोगशालाएं, पी एण्ड जी होम प्रोडेक्टस, वोडाफोन एस्सर लि., इमामी एण्ड भारती एयरटेल लि. सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्रों में से हमारे पास प्रमुख ग्राहक ग्रामीण विकास मंत्रालय, कृषि मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, राष्ट्रीय एडस नियंत्रण संगठन, डी ए वी पी, आई आर डी ए, सामान्य जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रार इत्यादि रहे हैं।

विज्ञापन स्कंध ने अपने सभी प्राइमरी चौनलों, स्थानीय रेडियो केंद्रों, एफ एम सहित विविध भारती केंद्रों पर स्पॉट क्रय बुकिंग 1:1 बोनस योजना सुविधा लागू कर दी है। न्यूज़ बुलेटिनों से पहले, बाद और बीच में एफ सी टी बढा दी है। ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए विशेष कार्यक्रमों का (डायल इन/डायल आउट) प्रोडक्शन शुल्क घटा दिया गया था। इस बाजार अनुकूल योजना की मॉनिटरिंग करते हुए विज्ञापन विंग प्रत्येक स्तर पर ग्राहक/विज्ञापन दाताओं से लगातार जुड़ा रहता है ताकि उन्हें आकाशवाणी पर, जो पूरे देश को कवर करने वाला एकमात्र माध्यम है, विज्ञापन खर्च के भाग को निवेश करने के लिए मनाया जा सके। विपणन विभाग और विज्ञापन प्रसारण सेवा केंद्र अपने ग्राहकों को उनके उत्पादन/सेवाओं के प्रचार के लिए उनके उपलब्ध बजट के अंदर "कम लागत पर मीडिया योजना" का अधिक से अधिक अवसर प्रदान करते हैं।

आकाशवाणी का विज्ञापन विंग आकाशवाणी के अन्य निष्पादन अनुभागों/विंग से भी बराबर जुडा रहता है, ताकि वह वर्तमान प्रतिस्पर्धापूर्ण मीडिया वातावरण में रेडियो प्रसारण को और अधिक प्रभावशाली बनाने में कार्यक्रम विंग के नीति निर्माताओं की सहायता कर सके, उन्हें नीतिगत प्रतिक्रिया दे सके। वास्तव में इस पूरे संगठन के राजस्व अर्जन का उत्तरदायित्व विज्ञापन विंग पर ही है और निःसंदेह पिछले कुछ वर्षों में इस संगठन का कुल राजस्व बढ़ाने में इसने अच्छे परिणाम दिए हैं।

पिछले पाँच वर्षों के दौरान आकाशवाणी द्वारा अर्जित राजस्व जिसमें प्रत्येक वर्ष वृद्धि हो रही है, निम्न तालिकानुसार है :–

2006–07	283.65 करोड रुपए
2007–08	289.21 करोड रुपए
2008–09	291.59 करोड रुपए
2009–10	303.18 करोड रुपए
2010–11	372.96 करोड रुपए

विपणन विभाग

प्रसार भारती के समग्र राजस्व अर्जन में विपणन प्रभाग के देर 90 के दशक के अंत में अस्तित्व में आने के बाद काफी बढोत्तरी हुई है। इन–हाउस मार्केटिंग में आने के लिए और अधिक राजस्व अर्जन के लिए प्रसार भारती द्वारा मुख्य शहरों में विपणन प्रभाग खोले गए। पहला विपणन विभाग मुंबई में स्थापित किया गया और इस समय नई दिल्ली, चेन्नै, बेंगलूरू, हैदराबाद, कोलकाता, गुवाहाटी, कोच्चि और तिरूवंनतपुरम और जालंधर में भी विपणन विभाग कार्य कर रहे हैं। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नै में स्थित विभागों को क्षेत्रीय केन्द्र नामित किया गया है।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि रेडियो और दूरदर्शन पर उन्नतशील तरीके से अच्छी बाजार–प्रथा शुरु की जा सके। प्रसार भारती का विपणन विभाग पूरे मीडिया मार्केट के मध्य मुख्य बिन्दु और प्रोग्रामिंग कड़ी के रुप में कार्यरत है। इन प्रभागों की सुनियोजित, कार्यक्रम और प्रभावी विपणन पद्धति प्रसार भारती के राजस्व अर्जन में अहम भूमिका अदा कर रही है। विपणन प्रभाग, आकाशवाणी और दूरदर्शन के सभी चौनलों में विज्ञापन के लिए एक सिंगल विंडो सुविधा है। ग्राहकों तक पंहुच और उनके बजट व उनकी आवश्यकतानुसार मीडिया योजना को तैयार करना, प्रचार का निष्पादन करना और स्पाट जिंगल्स का निर्माण तथा जरुरत पड़ने पर प्रायोजित कार्यक्रमों का निर्माण करना, ये कुछ महत्वपूर्ण कार्य हैं जो विपणन प्रभाग द्वारा किए जाते हैं। विभिन्न एजेंसियों/क्लाईंटस के लिए भी विपणन प्रभाग एक सुविधा काउंटर के रूप में कार्य करता है। यह इस बात का आभास कराता है कि प्रसार भारती प्रतियोगिता में शामिल है।

मुख्य ग्राहकों में– ग्रामीण विकास मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, कृषि मंत्रालय, उपभोक्ता मंत्रालय, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पेयजल आपूर्ति विभाग, आयकर निदेशालय, गृह मंत्रालय, पी सी आर ए और निजी ग्राहक जैसे रिलांइस, टाटा डोकोमो, कोका कोला, प्रफिटी, एयरटेल, वोडाफोन, डाबर, हिन्दुस्तान लीवर और हीरो होण्डा इत्यादि हैं।

क्रिकेट मैचों का विपणन प्रभाग का एक भाग है। विश्व कप किक्रेट 2011 के सिंगल इवेंट ने आकाशवाणी के लिए रिकार्ड से अधिक राजस्व अर्जित किया। इन प्रभागों के निरंतर और अथक प्रयासों राजस्व से आकाशवाणी ने वर्ष 2010–11 के दौरान रू 372.93 करोड़ का समग्र राजस्व अर्जित किया।

खेल

राष्ट्रमंडल खेल– 2010

भारत में पहली बार आयोजित राष्ट्रमंडल खेल – 2010 आकाशवाणी के वर्ष 2010 के खेल प्रसारणों में स्वाभाविक रुप से मुख्य स्तर पर थे। दिल्ली में आयोजित 19 वें राष्ट्रमंडल खेलों में रूचि उत्पन्न करने और जागरुकता लाने के लिए आकाशवाणी प्रसारण भवन, दिल्ली में एक किलोवाट ट्रांसमीटर के साथ "ए आई आर एफ एम दिल्ली" एक विशेष एफ एम चैनल स्थापित किया गया। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में यह चैनल 100.1 मेगाहर्टज पर उपलब्ध था। दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेल 3 अक्तूबर से 14 अक्तूबर 2010 तक आयोजित किए गए प्रसारणों का विवरण निम्नानुसार है :–

राष्ट्रमंडल खेल 2010 की कवरेज़ हेतु विशेष चैनल आकाशवाणी एफएम दिल्ली के आरंभ के अवसर पर अधिकारी गण

राष्ट्रमंडल खेल 2010 में स्वर्ण पदक जीतने के उपरांत अंतराष्ट्रीय प्रसारण केन्द्र प्रगति मैदान में आकाशवाणी के स्टुडियो में सुशील कुमार, प्रवीण पहलवान के साथ एक साक्षातकार

सीधा प्रसारण

- आकाशवाणी द्वारा क्वीन बेटन के बागाह बार्डर में आगमन एवं भारत यात्रा और उसके दिल्ली पंहुचने पर सीधा प्रसारण किया गया। यात्रा के दौरान कवरेज के संबंध में, आकाशवाणी के सभी केंद्रों द्वारा अपनी क्षेत्रीय भाषाओं में रेडियो रिपोर्ट बनाई गई और प्रसारित की गई।
- उद्घाटन और समापन समारोहों का सीधा प्रसारण किया गया।
- रोजना 12 बजे से शाम 7.30 बजे तक सभी 17 इवेंटस का बड़े स्तर पर सीधा प्रसारण किया, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं :–

  (अ) बैडमिंटन, लॉन टैनिस एवं हॉकी (महिला एवं पुरुष) और भारत की भागीदारी वाले मैचों, सेमी–फाइनल, फाइनल और अन्य महत्वपूर्ण मैचों का सीधा प्रसारण।

  (ब) 14 विधाओं अर्थात तैराकी तीरंदाजी, एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, साइकिलिंग, जिम्नास्टिक, लॉन बाल, नेट बाल, निशानेबाजी, स्कॉश, कुश्ती, वेट लिफ्टिंग, टेबल टेनिस और रग्बी का सीधा प्रसारण।

  ये आकाशवाणी के सभी मल्टी – चैनल केंद्रों, एफ एम गोल्ड नेटवर्क एवं अन्य रुचि रखने वाले केंद्रों द्वारा प्रसारित किए गए।

एफ एम चैनल पर अद्यतन जानकारी

- 12 बजे से शाम 6 बजे तक एफ एम चैनलों पर हर घंटे अद्यतन जानकारी दी जाती थी। एफ एम चौनल पर 15 मिनट की अंतराल समीक्षा और 7.30 मिनट की सायं समीक्षा भी उपलब्ध कराई जाती थी।

कैप्सूलस

- नेशनल हुक–अप पर दिनभर आयोजित इवेंटस की झलकियों पर 30 मिनट की अवधि का प्रतिदिन प्रसारण किया जाता था जिसे सभी मुख्य केंद्रों द्वारा प्रसारित किया जाता था।

पूर्व खेल – कार्यक्रम

- भारत के विभिन्न भागों से क्वीन बेटन रिले की व्यापक कवरेज की गई।
- जनवरी, 2010 से अगस्त 2010 तक माह में दो बार और सितंबर 2010 में सप्ताह में दो बार 30 मिनट की अवधि के वार्म अप कार्यक्रम नेशनल हुक–अप पर प्रसारित किए गए।
- 2 अक्तूबर, 2010 को 30 मिनट का उद्घाटन कार्यक्रम प्रसारित किया गया।

देश के खेल प्रेमियों की कल्पना शक्ति को बांधने के लिए अन्य बहु–अनुशासनीय खेल 12 नवंबर से 27 नवंबर, 2010

तक ग्वांगजू (चीन) में आयोजित 16वें एशियाई खेल – 2010 थे। कार्यक्रम एवं अभियांत्रिकी विशेषज्ञों की एक आकाशवाणी कवरेज टीम ग्वांगजू गई और विस्तृत कवरेज की जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

आकाशवाणी से बातचीत करती हुई रानी रामपाल

आकाशवाणी से बातचीत करती हुई मंजीत कौर, एशियन खेलों में 4X400 मी. रिले की विजेता

1. दिनांक 11.11.2010 को 2200 बजे से 2330 बजे तक 30 मिनट की अवधि का उद्घाटन समारोह।
2. दिनांक 12.11.2010 एवं 27.11.2010 को उद्घाटन एवं समापन समारोहों के आंखों देखे हाल का प्रसारण।
3. भारत की भागीदारी वाले हॉकी मैचों (पुरुष एवं महिला) सेमी फाइनल (पुरुष), कांस्य पदक मैचों (पुरुष एवं महिला) और स्वर्ण पदक मैचों (पुरुष एवं महिला) (15 मैच) का आंखों देखा हाल।
4. बंगलादेश और अफगानिस्तान के बीच खेले गए स्वर्ण पदक क्रिकेट मैच का आंखों देखा हाल।
5. दिनांक 13.11.2010 से 27.11.2010 तक एफ एम रेनबो नेटवर्क पर 1030 बजे से 1730 बजे तक प्रतिदिन हर घंटे अद्यतन जानकारी। दिनांक 27.11.2010 को 11.30 बजे से 1430 बजे तक प्रत्येक 5 मिनट की विभिन्न स्टेडियमों में तैनात आकाशवाणी रिपोटर्रों से इवेंट के शुरु होने से खत्म होने तक का लाइव इनपुट लेकर आई बी सी, ग्वांगजू से जानकारी।
6. भारत के एक पदक जीतने के तुरंत बाद आकाशवाणी के विभिन्न चैनलों द्वारा सामान्य कार्यक्रम और उस समय भारत में भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच खेले जा रहे क्रिकेट मैच का आंखों देखा हाल प्रसारण रोककर आई बी सी/स्टेडियम से ब्रेकिंग न्यूज़ का सीधा प्रसारण।
7. प्रतिभागी खिलाडियों, पदक विजेताओं और कोच के साक्षात्कार के साथ विभिन्न रिपोर्टरों से दिनभर की इवेंटस पर 12 से 14 इनपुट सहित दिनांक 13.11.2010 से 27.11.2010 तक 2200 बजे से 2230 बजे तक नेशनल हुक–अप पर 30 मिनट की अवधि की दैनिक (हाईलाइट कैप्सूल) का प्रसारण।

इसके अतिरिक्त वर्ष 2010–11 के दौरान आकाशवाणी द्वारा अपने नेशनल हुक–अप के साथ–साथ क्षेत्रीय आकाशवाणी केंद्रों द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल इवेंटस की उचित कवरेज की गई। ऐसा ही एक मेगा इवेंट दक्षिण अफ्रिका में आयोजित फीफा वर्ल्ड कप– 2010 था। आकाशवाणी द्वारा लुधियाना (पंजाब) में खेले गए पहले विश्व कप कबड्डी चैंपियनशिप की भी व्यापक लाइव कवरेज की गई। आकाशवाणी कवरेज की श्रृखंला में एक अन्य मेगा इवेंट वेस्टइंडिज में आयोजित आई सी सी टी–20 विश्व–कप 2010 एवं भारत, श्रीलंका–बंगलादेश में आयोजित आई–सी सी विश्व कप – 2011 था। इसके

अतिरिक्त, आकाशवाणी द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल इवेंटस की भी कवरेज की गई जिनका विवरण निम्नानुसार है :–

- *क्रिकेट*
  - ★ दिनांक 28.05.2010 से 13.06.2010 तक जिम्बाब्बे में खेली गई भारत–जिम्बाब्वे– श्रीलंका त्रिकोणीय क्रिकेट श्रृंखला और टी–20 मैच 2010
  - ★ दिनांक 15.06.2010 से 25.06.2010 तक श्रीलंका में एशिया कप– 2010
  - ★ दिनांक 18.06.2010 से 07.08.2010 और 10.08.2010 से 28.08.2010 तक क्रमशः श्रीलंका में खेली गई भारत–श्रीलंका–न्यूज़ीलैंड त्रिकोणीय श्रृंखला।
  - ★ दिनांक 17.10.2010 से 24.10.2010 तक भारत–आस्ट्रेलिया ओ डी आई श्रृंखला–2010
  - ★ दिनांक 04.11.2010 से 10.12.2010 तक भारत में खेली गई भारत–न्यूज़ीलैंड श्रृंखला 2010
  - ★ दक्षिण अफ्रीका में खेली गई दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट श्रृंखला – 2010
- *फुटबाल*
  - ★ 123वां डुरण्ड कप फुटबाल टुर्नामेंट – 2010
- *हाकी*
  - ★ जालंधर में आयोजित 27वां सुरजीत सिंह हॉकी टुर्नामेंट– 2010
  - ★ कोलकाता में आयोजित 115वां बेटन कप हॉकी टुर्नामेंट – 2010
- *टेनिस*
  - ★ जून–जुलाई, 2010 में लंदन में आयोजित विम्बलंडन टेनिस चौंपियनशिप– 2010 का दैनिक वायस कास्ट।
  - ★ चेन्नै में भारत और ब्राज़ील के बीच खेले गए डेविस कप वर्ल्ड ग्रुप प्ले–आफ मैचों की कवरेज।

निम्नलिखित इवेंटस की भी कवरेज की गई

- 8वें अखिल भारतीय पुलिस खेल–2010
- दिनांक 14.08.2010 को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी तैराकी परिसर, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता–2010 की लाइव अद्यतन जानकारी।
- राष्ट्रीय खेल

फरवरी, 2011 में रांची, धनबाद और जमशेदपुर में आयोजित राष्ट्रीय खेलों का आकाशवाणी द्वारा विशेष, विस्तृत कवरेज का सीधा प्रसारण किया गया।

कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम)

आकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली के एक संबद्ध कार्यालय के रुप में कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) की स्थापना 1948 में दिल्ली की गई। 01.01.1990 से इसे एक अधीनस्थ कार्यालय घोषित किया गया। **कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) दिल्ली और भुवनेश्वर के साथ–साथ अहमदाबाद, हैदराबाद, लखनऊ, शिलांग और तिरूवंतनपुरम के पाँच क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थानों (कार्यक्रम)** में आकाशवाणी और दूरदर्शन के सभी कार्यक्रम और प्रशासनिक संवर्ग को प्रशिक्षण दिया जाता है।

वर्ष 2010–11 के लिए प्रशिक्षण गतिविधियां

प्रसारण प्रबंधन, कार्य पद्धति एवं गुणवत्ता, निर्णय लेने की कला, इवेंटस एवं समसामयिक मामलों की कवरेज और प्रस्तुति कला, पुस्तकालय स्वचालन, श्रोता अनुसंधान ने नई मध्यस्थता, मीडिया और जेंडर सेनसीटाइजेशन और नई प्रौद्योगिकीय विकास सहित रेडियो संप्रेषण को प्रभावशाली, नवीनतम, वैज्ञानिक एवं क्रमबद्ध तरीके से कार्य करने के लिए कार्यक्रम कर्मचारियों की कार्यशाला आयोजित की गई।

6 से 10 दिसंबर 2010 तक आकाशवाणी के कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (का.) द्वारा आयोजित लैंगिक समानता पर कार्यशाला में प्रतिनिधि मंडल

भारत सरकार के **"खाद्य सुरक्षा मिशन"** के लिए मीडिया सहायता को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों में **"रेडियो एग्री विजन"** नामक विशेष कार्यशाला श्रृंखला का विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों में पुनः प्रशिक्षण आरम्भ किया गया।

प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए इस साल फील्ड कार्यालय प्रबंधन, अनुशासनिक प्रक्रिया और विभागीय पूछताछ, संस्था नियम, क्रय और तालिका प्रबंधन, सेवाओं में आरक्षण, कंप्यूटर प्रयोग में अद्यतन पाठ्यक्रम और प्रशासनिक सतर्कता पर विशेष ध्यान दिया गया।

आकाशवाणी और दूरदर्शन कार्यक्रम प्रबंधकों और प्रशासनिक कार्मिकों को सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 से अवगत कराने के लिए अभियान के रुप में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) ने अपने आप को बाहरी एजेंसियों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षक के रुप में स्थापित किया है। हमारे संस्थान इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) को 'कार्यक्रम प्रस्तुति' और "स्वर संस्कृति' पर प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। प्रसारण पत्रकारिता पढाने वाले मान्यता प्राप्त संस्थानों और विश्वविद्यालय के लिए भी व्यावसायिक संपर्क खुले हैं। जनसंचार विद्यार्थियों के लिए कार्यक्रम प्रारुप पर विशेष पाठयक्रम भी चलाए गए।

''एयर इंडिया के केबिन क्रू'' के लिए स्वर संस्कृति पर प्रशिक्षण को पहले ही अगले वित्तीय वर्ष से शुरु करने के लिए पुनः निर्धारित किया जा चुका है।

अ. आकाशवाणी/दूरदर्शन स्टाफ के लिए इन–हाउस पाठ्यक्रमः

- ***एसटीआई (पी) और आरटीआई (पी) द्वारा आयोजित पाठयक्रमः*** अप्रैल,2010 से मार्च 2011 की अवधि के दौरान, कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) दिल्ली, कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम), भुवनेश्वर और 5 क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) अहमदाबाद, हैदराबाद, लखनऊ, शिलांग और तिरुवन्नतपुरम में ***73 पाठयक्रम* चलाए गए जिनमें *45 कार्यक्रम पाठ्यक्रम*** हैं।
- और 28 प्रशासनिक पाठ्यक्रम इनमें, आकाशवाणी और दूरदर्शन के ***998*** कार्मिकों जिनमें ***574*** कार्यक्रम के और ***424*** प्रशासनिक कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया।

- ***एसटीआई (टी) द्वारा आयोजित पाठ्यक्रमः*** कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) के साथ समन्वय पाठ्यक्रम वर्ष के दौरान कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) दिल्ली द्वारा कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) आकाशवाणी एवं दूरदर्शन दिल्ली के समन्वय से हार्ड डिस्क आधारित रिकार्डिंग प्रणाली पर 03 पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। जिनमें आकाशवाणी और दूरदर्शन के ***75*** कार्यक्रम कार्मिकों को प्रशिक्षित किया गया।
- ***अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से पाठ्यक्रमः***

1. ***यूनिसेफः*** पोलियो उन्मूलन और संबंधित स्वास्थ्य मामलों पर यूनिसेफ के सहयोग से क्षमता निर्माण और इनोवेटिव प्रोग्रामिंग पर 3 कार्यशालाएं आयोजित की गईं। ये कार्यशालाएं गोवा, पटना और चेन्नै में आयोजित की गईं, जिनमें आकाशवाणी और दूरदर्शन के विभिन्न केंद्रों पर कार्यरत 90 कार्यक्रम कार्मिकों ने भाग लिया।

2. ***एआईबीडी/सीबीए/एबीयूः*** कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम), दिल्ली में आकाशवाणी के कार्यक्रम कार्मिकों के लिए लिंग समानता पर सी बी ए– ए आई बी डी– इन कन्ट्री कार्यशाला और 'ए बी यू प्राइज बैक पैक' पर 2 कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इन कार्यशालाओं में आकाशवाणी के 36 कार्यक्रम कार्मिकों ने भाग लिया।

ब. बाह्य सशुल्क पाठ्यक्रमः

1. ***वाणी प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम :*** आकाशवाणी के विभिन्न केंद्रों में भुगतान के आधार पर नए चुने गए सूत्रधारों, उद्घोषकों, प्रस्तुतकर्ताओं, समाचार वाचकों, संपादकों और संवाददाताओं के वाणी (वायस आर्टिकुलेशन एंड नरचरिंग इनिशियेटिव) प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। वर्ष के दौरान, **119 पाठ्यक्रमों** में लगभग **1944** अभ्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया। वाणी प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को अनुपूरक सामग्री के रुप में सशुल्क दी गई 'वाणी हैंडबुक' उपयोगी साबित हो रही है।
2. ***इग्नू विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम*** – इग्नू के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) रेडियो प्रसारण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी जी डी आर पी) और श्रव्य कार्यक्रम प्रस्तुति (पी जी डी ए पी पी) में छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। इस वर्ष ***09 आकाशवाणी केंद्रों में 10 बैचों में 163 छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।***
3. ***जन मीडिया छात्रों के लिए पाठ्यक्रम –*** कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के छात्रों को भुगतान पर जन मीडिया में अपने मुख्य/क्षेत्रीय आकाशवाणी केंद्रों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करता है।
4. ***अर्जित राजस्व*** – कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) ने विभिन्न प्रशिक्षण स्त्रोतों द्वारा अप्रैल, 2010 से मार्च 2011 तक ₹ 60,42,610/– (कुल रुपये साठ लाख बयालीस हजार छः सौ दस) का शुद्ध राजस्व अर्जित किया है।

श्रोता अनुसंधान एकांश

जन संचार परिदृश्य में बदलाव के बावजूद श्रोता अनुसांधन एकांश प्रतिस्पर्धा में कायम है। इस मार्केट संचालित प्रसारण के युग में किसी मीडिया संगठन के लिए अनुसंधान और फीड बैक के बिना और साथ में श्रोताओं की नब्ज को पहचाने बिना तथा मार्केट की अच्छी जानकारी के बगैर टिकना संभव नहीं हो सकता। इसके अतिरिक्त उसे ग्राहकों से, सिंडिकेटिड रिर्सच विभिन्न मीडिया और मार्केट अनुसंधान संस्थाओं से फीड बैक प्राप्त करना भी जरुरी है। निजी टेलीविजन और रेडियो चैनलों की सफलता का राज है कि वे अपने ग्राहकों की नब्ज़ को पहचानते हैं, तथा वे हमेशा अपने कार्यक्रमों के डिज़ाइनों में परिवर्तन के साथ–साथ अच्छे प्रस्तुतिकरण को श्रोताओं के अनुरुप बनाते हैं।

आकाशवाणी इस क्षेत्र में अग्रणी है। आकाशवाणी में श्रोता अनुसंधान एकांश का विस्तृत नेटवर्क है जो पूरे देश में सन 1946 से कार्यरत है। ये कार्यक्रम संबंधी फीड बैक देता है तथा श्रोताओं की आवश्यकतानुसार कार्यक्रम निर्माताओं को कार्यक्रम की योजना, डिज़ाइन व उसमें अनुरुपीय परिवर्तन बताता है ताकि वे ज्यादा से ज्यादा श्रोताओं को अपनी और आकर्षित कर सकें। इसके अलावा आकाशवाणी का श्रोता अनुसंधान एकांश कार्यक्रम आयोजकों और प्रस्तुतकर्ताओं, प्रायोजकों, विज्ञापनकर्ताओं और विक्रेताओं को कार्यक्रम दर्जा/श्रोता अनुसंधान आंकड़े भी प्रदान करता है। श्रोता अनुसंधान एकांश डाटा बैंक और संदर्भ अनुभाग के रुप में भी अपने संगठन के लिए कार्य करता है। वर्ष 2010–11 में निम्नलिखित श्रोता अनुसंधान संबंधी गतिविधियां व अध्ययन किए गए :

1. एफ एम चैनलों पर देश भर में 84 स्थानों पर डी ए वी पी द्वारा प्रायोजित इंडियन रेडियो ऑडियंस सर्वे – 2010 का आयोजन किया गया।
2. विविध भारती चैनल पर देश भर में 11 स्थानों पर अगस्त, 2010 के दौरान सर्वे आयोजित किया गया।
3. इस एकक द्वारा प्राइमरी चैनल पर जनवरी से मार्च, 2011 के दौरान देश भर में 33 स्थानों पर रेडियो आडियन्स सर्वे आयोजित किया गया।

भविष्य के लिए प्रस्तावित अध्ययन

1. एफ एम चैनलों पर देश भर में 44 स्थानों पर इंडियन रेडियो आडियन्स सर्वे – 2011 का मई–जून, 2011 के दौरान आयोजन किया जाएगा।
2. विविध भारती चैनल पर देश भर में 37 स्थानों पर अगस्त – 2011 के दौरान सर्वे आयोजित किया जाएगा।
3. इस एकक द्वारा प्राइमरी चैनल पर देश भर में 64 स्थानों पर नवंबर से दिसबर, 2011 के दौरान रेडियो आडियन्स सर्वे किया जाएगा।

तथ्यों पर एक नजर

प्रसारण केन्द्र	**241**
• **क्षेत्रीय/स्थानीय केंद्र**	**116**
• **स्थानीय रेडियो केंद्र**	**86**
• **विशेष विविध भारती केंद्र (चंडीगढ, कानपुर, वडोदरा)**	**03**
• **रिले केन्द्र**	**31**
• **सामुदायिक रेडियो केन्द्र**	**05**

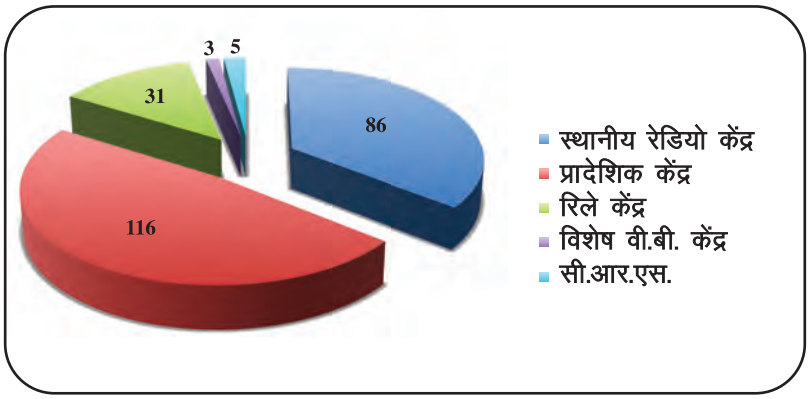

	रेडियो ट्रांसमीटर	385
•	मीडियम वेव	149
•	शार्ट वेव	54
•	एफ एम	182

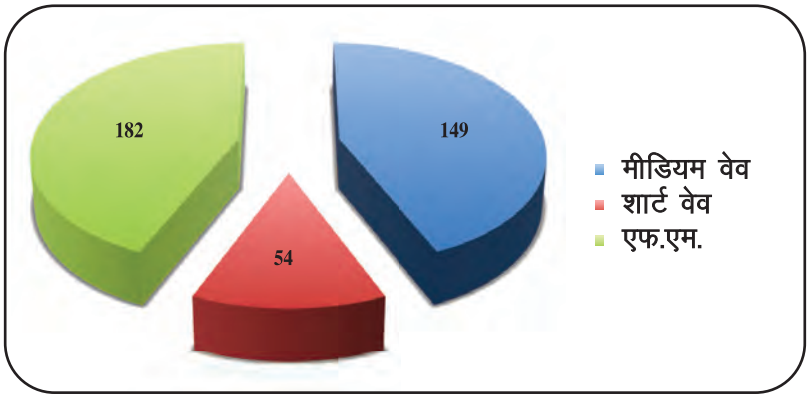

	क्षेत्र अनुसार (%)	जनसंख्या अनुसार (%)	
(1)	प्राथमिक ग्रेड सिग्नल अनुसार (मि.वे. + एफ एम)	91.85	99.18
(2)	केवल एफ एम सिग्नल के अनुसार	24.55	35.76
(3)	केवल मीडियम वेव सिग्नल के अनुसार गृह सेवा	90.52	98.38

त्रिस्तरीय प्रसारण सेवाः राष्ट्रीय, क्षेत्रीय एवं स्थानीय प्रसारण की भाषाएं 22 बोलियां 146

आकाशवाणी समाचार

- 1937 में स्थापित
- प्रामाणिकता के लिए भरोसा

एनएसडी प्रसारण

- कुल दैनिक समाचार बुलेटिन (गृह और विदेश सेवा, 75 भारतीय और चीनी सहित 26 विदेशी भाषाओं में) — 637
- आर एन यू एस से दैनिक 75 भाषाओं/बोलियों में क्षेत्रीय समाचार बुलेटिन — 463
- दैनिक समाचार प्रसारण की अवधि. — 55 घंटे 50 मिनट

विज्ञापन सेवा

- सी बी एस/वी बी एस केन्द्र — 40
- अवधि दिनों में — 15 घंटें
- 116 प्राइमरी चैनलों से विज्ञापन स्वीकार किए जाते हैं। 86 स्थानीय रेडियो केन्द्र 37 विविध भारती केंद्र और 12 मेट्रो एफ एम

विदेश सेवा

		अवधि प्रतिदिन
भारतीय	10	38 घंटे
विदेशी	16	32 घंटे 45 मिनट
कुल	26	70 घंटे 45 मिनट
कैपटिव अर्थ स्टेशन	32	
स्टूडियो	215	

भारत में रेडियो यंत्रों की संख्या	
• *रेडियो सेट*	*137 मिलियन*
• *कुल सेटों में एफ एम सेटों की संख्या*	*80 मिलियन*
• *जनसंख्या (2001 जनगणना)*	*1027 मिलियन*
• *रेडियो सेट तक पहुंच वाली जनसंख्या का प्रतिशत*	*58%*
• *एक दिन में आकाशवाणी के वास्तविक श्रोताओं की संख्या*	*460 मिलियन*
• *एक दिन में आकाशवाणी के प्राथमिक चैनलों के श्रोताओं की संख्या*	*267 मिलियन (58.0%)*
• *एक दिन में आकाशवाणी के विविध भारती श्रोताओं की संख्या*	*215 मिलियन (46.7%)*
• *एक दिन में एफ एम रेनबो के श्रोताओं की संख्या*	*180 मिलियन (39.2%)*
• *एक दिन में एफ एम गोल्ड के श्रोताओं की संख्या*	*86 मिलियन (18.8%)*

विदेश प्रसारण सेवा

आकाशवाणी ने विदेश प्रसारण के दायरे में 1 अक्टूबर 1939 को तब प्रवेश किया जब दूसरा विश्व युद्ध प्रारंभ हो चुका था, और जब इसने देश के पूर्वोत्तर सीमांत कहे जाने वाले इलाके में अपने श्रोताओं के लिए पश्तो में सेवाएं प्रारंभ की थीं। तब आकाशवाणी का विदेश प्रसारण प्रभाग, भारत को विश्व के अन्य देशों से संपर्क सूत्र में पिरोए रहा, विशेषकर उन देशों से जिनके हित भारत के साथ जुड़े हैं क्योंकि वहां भारत के लोग रहते हैं। उन भारतीयों ने जिन्होंने रोजी रोटी की तलाश में वर्षों पहले अपना वतन छोड़ दिया था आज विश्व के हर क्षेत्र में रहते हैं और आज भी यह जानने के इच्छुक हैं कि उनकी जन्म भूमि में उनके लिए क्या है। संभवतः विदेश प्रसारण सेवा के कार्यक्रमों के प्रसारण का फोकस, उन राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सरोकारों पर भारतीय सोच पर केंद्रित होगा, जो उनसे संबंधित है।

विश्व के विदेश रेडियो नेटवर्क में आकाशवाणी की विदेश प्रसारण सेवा की पहुंच और विस्तार उच्च श्रेणी का है। इसका प्रसारण लगभग 100 देशों में 27 भाषाओं में किया जाता है। विदेश प्रसारण के माध्यम से आकाशवाणी के प्रसारण का उद्देश्य विदेशों में बसे भारतीयों को भारतीय लोकाचार से जोडे रखना है। विदेशी श्रोताओं तक पंहुचने वाली भाषाएं– अंग्रेजी, फ्रैंच, रुसी, स्वाहिली, अरबी, फारसी, पश्तु, दरी, बलूची, सिंहली, नेपाली, तिब्बती, चीनी, थाई, बर्मी तथा इंडोनेशियन हैं। हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम एवं गुजराती की सेवाएं विदेशों में बसे भारतीयों के लिए हैं, जबकि उर्दू, पंजाबी, सिंधी, सराइकी, कन्नड़ और बंगाली भाषाओं की सेवाएं भारतीय उप–महाद्वीप के श्रोताओं के लिए हैं।

प्रसारण मिले जुले रुप में होता है जिसमें आमतौर पर समाचार बुलेटिन, समीक्षाएं, सम–सामयिकी और भारतीय प्रेस की समीक्षा के अलावा न्यूज़ रील, खेलकूद और साहित्य पर पत्रिका कार्यक्रम, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनैतिक, विज्ञान एवं ऐतिहासिक विषयों पर वार्ताएं और परिचर्चाएं शामिल होती हैं। विकासीय गतिविधियों पर रुपक, महत्वपूर्ण घटनाएं और संस्थाएं, शास्त्रीय लोकगीत और भारत के विविध क्षेत्रों का आधुनिक संगीत कार्यक्रम एक बड़े भाग के रुप में प्रसारित होता है।

विदेश प्रसारण सेवा के सभी कार्यक्रमों का प्रभावी विषय भारत की शक्तिशाली, धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र, गणतंत्र, स्पंदनशील, प्रगतिशील और तीव्रगतिशील अर्थव्यवस्था, औद्योगिक और प्रौद्योगिक प्रगति के कार्य में व्यस्त भारत की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करना है। भारत की बड़ी तकनीकी मानवशक्ति और उसकी उपलब्धियां तथा पारिस्थितिक संतुलन को सरल भाषा शैली में प्रस्तुत किया जाता है।

इसी प्रकार, भारत का अंहिसा में विश्वास और मानव अधिकारों को पुनःस्थापित करने की प्रतिबद्धता और अंतर्राष्ट्रीय शांति और नई विश्व अर्थव्यवस्था के क्रम में सृजन के इसके योगदान पर कई बार चर्चा की जाती है।

सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत विदेश प्रसारण सेवा ने लगभग 25 विदेशी प्रसारण संगठनों को संगीत, उच्चरित शब्द और मिले जुले कार्यक्रमों की रिकार्डिंग प्रदान करना जारी रखा।

विदेश प्रसारण सेवा का सार्क देशों, पश्चिम एशिया, खाडी और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के प्रसारण मूल रुप से गृह सेवार्थ बनाए गए। रात 9.00 बजे अंग्रेजी के राष्ट्रीय बुलेटिन प्रसारित किए जाते रहे। इसके अलावा, विदेश प्रसारण सेवा ने अपने सभी प्रसारणों में विश्व के सभी देशों में समसामयिक और संगत मुद्दों पर प्रसारण जारी रखा।

आगामी नीतिगत पहलें

नवीकरण – विदेश प्रसारण सेवा की कुछ भाषाओं जैसे नेपाली, तिब्बती, बलूची, दरी और पुश्तो खाड़ी देशों की भाषाओं की सेवाओं का नवीकरण विचाराधीन है।

डी टी एच सेवा – विदेश प्रसारण सेवा की उर्दू सेवा 28.06.2006 से डी टी एच 24 घंटे उपलब्ध है। आकाशवाणी की और सेवाओं को भी डी टी एच पर लाने का प्रस्ताव है।

विदेश प्रसारण में विदेश मंत्रालय की भूमिका :

विश्व के विभिन्न भागों में संदेश के प्रभाव को अधिक अर्थपूर्ण बनाने हेतु सेवा को सुदृढ़ करने और विदेश प्रसारण हेतु निधि की ज़रुरतों को पूरा करने के लिए विदेश मंत्रालय द्वारा इंगित प्राथमिकता वाले अधिक कार्यक्रमों को शामिल करने का प्रयास जारी है।

तथापि, यह उल्लेख करना उचित होगा कि विदेश मंत्रालय द्वारा विदेश सेवा प्रभाग की बलूची, दरी और पुश्तो सेवाओं के लिए अतिथि टी ए की व्यवस्था की है।

पहला बैच मई, 2009 में और 8 अतिथि टी ए का तीसरा बैच नवंबर, 2010 में आया था। अतिथि टी ए हमारे एककों में कार्य कर रहे हैं और साथ ही साथ हमारी सेवाओं से अनुभव भी प्राप्त कर रहे हैं।

महत्वपूर्ण घटनाओं की कवरेज

अप्रैल, 2010 से 31 मार्च 2011 की अवधि के दौरान, सभी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, सेमिनारों, संगोष्ठियों इत्यादि की व्यापक कवरेज की गई। अप्रैल, 2010 में रेडियो चीन के एक प्रतिनिधि मंडल ने विदेश प्रसारण सेवा का दौरा किया।

राष्ट्रमंडल खेल, 2010 और ग्वांगजू , चीन में आयोजित एशियन खेलों की व्यापक कवरेज की गई। इसके अलावा, व्यापार मेला, 2010 की भी व्यापक कवरेज की गई। उपर्युक्त अवधि के दौरान, विदेश सेवा प्रभाग द्वारा विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 7, 8 और 9 जनवरी, 2011 को आयोजित प्रवासी भारतीय दिवस समारोहों की भी कवरेज की। इन समारोहों की व्यापक कवरेज की गई। प्रवासी भारतीय दिवस के संबंध में आयोजित कार्यक्रमों में श्री व्यालर रवि, भारतीय ओवरसिज़ मामले मंत्री, का साक्षात्कार, उद्घाटन समारोह पर एक रेडियो रिपोर्ट और विदाई सत्र पर एक रिपोर्ट शामिल थी। इसके अलावा, विभिन्न व्यक्तियों जैसे सूरज सूदन, कनाडा के एक गांधीवादी कलाकार और स्टीवर्ट बैक, भारत में कनाडा के उच्चायुक्त के साक्षात्कार आयोजित किए गए।

'वायस आफ द नेशन' के रुप में आकाशवाणी का विदेश प्रसारण प्रभाग विश्व के लिए भारत की प्रमाणिक तस्वीर रहा है। विश्व में भारत के बढ़ते गौरव के साथ आने वाले समय में विदेश प्रसारण की और महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

समाचार सेवा प्रभाग

भारत में आकाशवाणी ही एकमात्र ऐसा संगठन है जो देश और विदेश में अपने श्रोताओं के लिए समाचार और समाचार आधारित कार्यक्रम प्रसारित करता है। यथार्थ, समानता और विश्वसनीयता आकाशवाणी समाचारों की पहचान है। आकाशवाणी का समाचार सेवा प्रभाग गृह, क्षेत्रीय, विदेश और डी टी एच सेवाओं में लगभग 90 भाषाओं/बोलियों में कुल लगभग 56 घंटों के लिए 647 समाचार बुलेटिन प्रसारित करता है। 41 आकाशवाणी केंद्रों से एफ एम मोड पर हर घंटे 314 समाचार सुर्खियों का भी प्रसारण किया जाता है। समाचार सेवा प्रभाग और उसके क्षेत्रीय समाचार एककों (आर एन यू) से एक माह में 1371 समाचार आधारित कार्यक्रमों का भी प्रसारण किया जाता है। ये कार्यक्रम आम आदमी से जुड़े मामलों और सरकार द्वारा की गई विकास पहलों पर केंद्रित होते हैं।

कवर की गई मुख्य घटनाएं

वर्ष के दौरान समाचार बुलेटिनों और समाचार आधारित कार्यक्रमों में की गई मुख्य कवरेज निम्नानुसार हैं :–

- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, सर्व शिक्षा अभियान, मध्याह्न भोजन योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, सूचना का अधिकार अधिनियम, जवाहर लाल नेहरु शहरी नवीकरण मिशन और महिला सशक्तीकरण सहित सरकार के फ्लैगशिप कार्यक्रम।

- चीन, लाओस, कम्बोडिया, यूएई और साइरिया में द्विपक्षीय सहयोग सुदृढीकरण माननीय राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल की यात्रा।
- माननीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की इण्डो–जापान सम्मेलन, इण्डो–मलेशियन सम्मेलन, दक्षिण कोरिया में जी–20 सम्मेलन, इण्डो–बेलजियम सम्मेलन और भारत–यूरोप संघ सम्मेलन में भागीदारी।
- माननीय प्रधानमंत्री की कृषि उत्पादन वृद्धि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में कटौती और गरीबों के रहन–सहन मानकों में बढ़ावा सहित विकासशील पहलें।
- राष्ट्रीय सलाहकार परिषद (एन ए सी) की अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी की प्रस्तावित राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत सभी को भोजन उपलब्ध कराने की पहलें।
- जम्मू–कश्मीर में सरकार की पहलें जैसे राज्य के तीन क्षेत्रों की आकांक्षाओं के संबोधन के लिए तीन सदस्यों के पैनल की नियुक्ति ₹ 24000 करोड़ का प्रधानमंत्री का विकास पेकैज और राज्य में शान्ति पहलों के लिए 8 प्वाइंट फार्मूला।
- नक्सलवादियों से प्रभावित क्षेत्रों में नक्सलवाद से निपटने की सरकार की पहलें और पूर्वोत्तर से जुडे मुद्दे।
- भारत में अमेरीका के राष्ट्रपति श्री बराक ओबामा, फ्रांस के राष्ट्रपति श्री निकोलास सरकोजी, चीन के राष्ट्रपति श्री वेन जियाबो और रुस के राष्ट्रपति श्री डमीट्री मेघवेदेव का दौरा।
- विदेश मंत्री श्री एस. एम. कृष्णा का दक्षिण कोरिया, पाकिस्तान, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, चीन और श्रीलंका का दौरा, वित्त मंत्री श्री प्रणब मुखर्जी का बंगलादेश, गृह मंत्री, श्री पी– चिदंबरम का सार्क सम्मेलन में भागीदारी हेतु पाकिस्तान का दौरा, रक्षा मंत्री श्री ए.के. एंटोनी का संयुक्त राष्ट्र अमेरिका और वियतनाम का दौरा और वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री आनंद शर्मा का संयुक्त राष्ट्र संघ, कनाडा और लंदन का दौरा।
- बिहार विधानसभा चुनाव।
- समाचार सेवा प्रभाग द्वारा गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग के 100 प्रतिशत के लक्ष्य को प्राप्त कर लिया गया है।
- संसद के समक्ष मुद्दे, संसद में आज, संसद समीक्षा जैसे कार्यक्रमों के तहत कवर की गई संसद की महत्वपूर्ण कार्यवाही जैसे और सभी मुख्य राष्ट्रीय और क्षेत्रीय बुलेटिन।
- रेड रिब्बन एक्सप्रैस–।।, मैपिंग आफ टी–बी वायरस, अग्नि–। और अग्नि–।। की सफल टेस्ट फाइरिंग, इन्टरसेपटर मिसाइल और लाइट कोम्बेट एयरक्राफ्ट।
- भारत का अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, मदर टेरेसा का जन्म शताब्दी समारोह, गुरुदेव रविन्द्रनाथ टेगौर जन्म महोत्सव और विश्व प्रसिद्ध महाकुम्भ मेला।
- महत्वपूर्ण खेल इवेंटस दिल्ली राष्ट्रमंडल खेल, चीन में एशियाई खेल, विश्व कप हॉकी और फीफा विश्व कप।

इन बुलेटिन और कार्यक्रमों के अतिरिक्त समाचार सेवा प्रभाग न्यूज़ ऑन फोन, एस एम एस, इलेक्ट्रानिक डिस्पले बोर्ड और वेबसाइट जैसे मटलीपल मोड के माध्यम से भी समाचार प्रसारित करता है।

एन एस डी वेबसाइट

एन एस डी की वेबसाइट www.newsonair.com देशभर के श्रोताओं के साथ–साथ विदेशों में रह रहे भारतीयों की सूचना आवश्यकताओं को पूरा करती है। इस वेबसाइट की खासियत है कि यह बहुभाषी है और आगंतुक इन समाचार बुलेटिनों को अंग्रेजी और हिंदी में ही नहीं बल्कि 21 अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में भी सुन सकते हैं। आंगतुक 22 भाषाओं में भी इन समाचार

बुलेटिनों को सुन सकते हैं। वेबसाइट की यू एस पी और अधिक मजबूत करने के लिए अप्रैल, 2010 से दिसंबर, 2010 तक वेबसाइट पर उपलब्ध क्षेत्रीय समाचार बुलेटिनों की आडियो और स्क्रीप्ट की संख्या में क्रमशः 29% और 46% की वृद्धि हुई है।

वर्तमान में विभिन्न भाषाओं की 72 क्षेत्रीय और 69 राष्ट्रीय बुलेटिनों के आडियो के अलावा दैनिक आधार पर वेबसाइट में समाचार आधारित कार्यक्रमों के 4 दैनिक और 9 साप्ताहिक आडियो और 6 समाचार रुपक भी अपलोड किए जाते हैं। 67 क्षेत्रीय और 16 राष्ट्रीय बुलेटिनों की स्क्रीप्ट भी वेबसाइट पर मौजूद है। वेबसाइट पर समय–समय पर विख्यात व्यक्तियों के विशेष साक्षात्कारों सहित विशेष कार्यक्रम आडियो भी अपलोड किए जाते हैं। समाचार वेबसाइट होने के कारण समाचार प्रसारित होते ही यह अद्यतन की जाती है।

श्रोताओं को बहुउपयोगी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए एन सी डी निरंतर प्रयासरत है।

श्रोताओं को सभी मुख्य क्षेत्रीय और राष्ट्रीय बुलेटिन/समाचार आधारित कार्यक्रमों की आडियो उपलब्ध कराने के लिए नवंबर, 2010 में कंप्यूटरों के लिए पोडकास्टिंग सेवा की शुरुआत की गई।

श्रोताओं के लिए एक फीडबैक/शिकायत बटन भी लगाया गया है जिससे के बुलटिनों और कार्यक्रमों के बारे में अपने फीड बैक और शिकायतें कर सकें। पृष्ठभूमि और आडियो को आसानी से ढूंढने के लिए वेबसाइट के समाचार अभिलेखागार को श्रेणीबद्ध किया गया है। राष्ट्रमंडल खेल, 2010, फीफा विश्व कप और बिहार विधानसभा चुनावों सहित महत्वपूर्ण घटनाओं की व्यापक कवरेज करने के लिए वेबसाइट पर विशेष विंडो बनाई गई है।

हिंदी का प्रगामी प्रयोग

वर्ष 2010–11 के दौरान प्रत्येक अनुभाग/इकाई और केंद्रों कार्यालयों ने संघ की राजभाषा नीति का पालन करने का ईमानदारी से प्रयास और हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाया। परिणामस्वरूप राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के तहत आने वाले सभी दस्तावेज द्विभाषी हिंदी–अंग्रेजी में जारी किए गए। इसके साथ ही सभी पत्र जो हिंदी में प्राप्त हुए उनके उत्तर हिंदी में दिए गए। अतः इस वर्ष 100 प्रतिशत सांविधिक अनिवार्यताओं का अनुपालन सुनिश्चित किया गया।

प्रशासनिक प्रमुख की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की प्रत्येक तिमाही में बैठकें हुई और हिंदी के प्रगामी प्रयोग की समीक्षा की गई।

14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया गया और हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। महानिदेशालय द्वारा आकाशवाणी केंद्रों, कार्यालयों और मुख्यालयों के उन अधिकारियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने अधिकार क्षेत्र में रहकर राजभाषा हिंदी के प्रभावी प्रयोग को बढ़ाने में अपना विशेष योगदान दिया।

समीक्षा अवधि के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्रों और सिक्किम में स्थित आकाशवाणी केंद्रों/कार्यालयों के लिए संघ की राजभाषा नीति के सर्वोत्तम कार्यान्वयन के लिए एक विशेष पुरस्कार की शुरूआत की गई है जिससे 'ग' क्षेत्र में पुरस्कारों की संख्या 1 से बढ़कर 2 हो गई है। ये पुरस्कार 'क' और 'ख' क्षेत्रों के कार्यालयों को दिए जाने वाले पुरस्कारों के अलावा होंगे। ये राजभाषा सम्मान आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कार समारोह के अवसर पर दिए जाते हैं। जिससे राजभाषा कार्यान्वयन को आकाशवाणी की प्रमुख गतिविधियों के एक भाग के रूप में पहचान मिल सके।

आकाशवाणी केंद्रों/कार्यालयों द्वारा प्रकाशित की जाने वाली हिंदी पत्रिकाओं में भी संघ की राजभाषा नीति के अनुपालन का सतत् प्रयास होता है जिनकी समय–समय पर निरीक्षण के दौरान माननीय संसदीय राजभाषा समिति द्वारा प्रशंसा की जाती है।

प्रशासन

1. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण

प्रसार भारती ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को कार्यान्वित करने हेतु सभी आवश्यक कदम उठाए हैं। नोडल मंत्रालय/विभागों द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग को सरकारी सेवा और वैयक्तिक मामलों में आरक्षण देने संबंधी सभी समुचित निर्देश एवं अनुदेश आकाशवाणी के सभी कार्यालयों और क्षेत्रीय इकाइयों को परिचालित कर दिए गए। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछडा वर्ग के समन्वय अधिकारी संबंधितों के हितों की रक्षा करने संबंधी अनुदेशों के कार्यान्वयन पर निगरानी रखते हैं। दिनांक 19.11.2008 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 36038/1/2008–स्थापना (आरक्षण), विशेष भर्ती अभियान दिनांक 01.07.04 और अनुवर्ती दिनांक 01.11.2008 और भारत सरकार सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के 14.01.2009 के अ. शा. पत्र सं. 14011/01/2009 प्रशासन के आदेशों के अनुसरण में कार्रवाई की गई। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग की आरक्षित बैकलॉग रिक्तियों को भरने के लिए सभी कैपिटल केंद्रों को अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समन्वय अधिकारियों को नामित करने का निर्देश दिया है। अधिकांश मुख्य केंद्रों में समन्वय अधिकारी नामित कर दिए गए हैं।

जहां तक अन्य पिछडा वर्ग की दिनांक 31.03.2008 की स्थिति के अनुसार 262 रिक्तियों का प्रश्न है, जिनमें 3 समूह 'क', 211 समूह 'ग' तथा 48 समूह 'घ' की रिक्तियां हैं, दिनांक 19.11.2008 के भारत सरकार के कार्यालय ज्ञापन संख्या 36038/1/2008–स्थापना (आरक्षित) के अनुसार उनकी पहचान कर ली गई है जिसकी जानकारी दिनांक 07.03.2011 को पत्र सं. 6/1/2009– अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति सैल के माध्यम से सूचना एवं मंत्रालय को भेज दी गई।

2. लोक शिकायत और निवारण तंत्र

केन्द्र स्तर पर, क्षेत्रीय मुख्यालय स्तर पर और केंद्रीय मुख्यालय स्तर पर प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग के निर्देशानुसार शिकायत निवारण और समाधान तंत्र की स्थापना की गई। आकाशवाणी के सभी कार्यालयों में सूचना और सुविधा काउंटर बनाए गए हैं। शिकायतों के निपटान की स्थिति की रिपोर्ट नियमित रुप से सूचना और प्रसारण मंत्रालय को भेजी जाती है। वर्ष 2010–11 में आकाशवाणी में 42 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 24 शिकायतों का निपटान कर दिया गया और शेष मार्च, 2011 तक प्रक्रियाधीन है।

दिनांक 19.07.2010 को आकाशवाणी, शिमला द्वारा आयोजित आकाशवाणी और दूरदर्शन के प्रशासनिक अधिकारियों के लिए एक कार्यशाला

3. सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 का कार्यान्वयन

लोक सशक्तीकरण और प्रशासनिक पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने के क्रम में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के विभिन्न प्रावधानों की लोगों को जानकारी देने के लिए आकाशवाणी के सभी केंद्रों द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम प्रसारित किए गए हैं। सभी आकाशवाणी केंद्रों के कार्यालय प्रमुखों को कहा गया है कि वे अपने कार्यक्रमों में इस अधिनियम की मुख्य विशेषताओं को उजागर करें। सितंबर, 2008 से इस अधिनियम को फ्लैगशिप कार्यक्रमों में शामिल कर लिया गया है। आकाशवाणी भविष्य में भी इस अधिनियम के प्रचार–प्रसार को निरंतर जारी रखेगा।

सूचना का अधिकार अधिनियम के कार्यान्वयन के लिए आकाशवाणी महानिदेशालय में 60 केंद्रीय जन सूचना अधिकारी (सी पी आई ओ) और 6 अपील प्राधिकारी और क्षेत्रीय स्तर पर 295 सी पी आई ओ और 20 अपील प्राधिकारी नियुक्त किए गए हैं। वर्ष 2010 (01.04.2010 से 31.03.2011) में 853 आर टी आई आवेदन प्राप्त हुए और उनका निर्धारित समय में जवाब दिया गया। वर्ष 2010 (01.04.2010 से 31.12.2010) के दौरान अपील प्राधिकारी को 380 अपीलें प्राप्त हुईं और उन सबका निपटान किया गया।

महिला सशक्तीकरण

आकाशवाणी के पूरे देश में 320 केंद्र/कार्यालय हैं, जिनमें 17853 कार्मिक हैं जो कार्यक्रम, अभियांत्रिकी एवं प्रशासन तीन शाखाओं में कार्यरत हैं। आकाशवाणी में समूह 'क' एवं 'ख' और 'ग' में महिलाओं की संख्या 24.6% से अधिक है।

इस संगठन के अध्यक्ष के पद पर महिला अधिकारी कार्यरत है। निदेशक (प्रशासन) के पद पर भी आकाशवाणी महानिदेशालय में महिला अधिकारी कार्यरत है। इसके अतिरिक्त एस ए जी, जे ए जी, एस टी एस, जे टी एस, स्तरों पर भी कार्यक्रम और इंजीनियरिंग स्कंधों में महिला अधिकारी कार्यरत हैं।

आकाशवाणी महानिदेशालय के दिनांक 23.09.2008 के परिपत्र सं. 1/29/2008–डब्ल्यूसी/डब्ल्यूएस के द्वारा महिलाओं की शिकायत/महिलाओं के उत्पीडन की शिकायतों के लिए सभी आकाशवाणी केंद्रों/कार्यालयों में महिला सेल स्थापित करने के निर्देश दिए गए। तदनुसार सभी आकाशवाणी केन्द्रों/कार्यालयों में महिला सैल स्थापित हैं।

महिला कर्मचारियों के लिए कल्याणकारी गतिविधियां :– इस संबंध में निम्नलिखित बिंदुओं का उल्लेख किया जाता है :

(1) आकाशवाणी के कई कार्यालय प्रसार भारती की अपनी बिल्डिंगों में ही स्थापित हैं। यहां पर उनके बैठने तथा पीने के पानी का पर्याप्त प्रबंध है। कार्य करने की जगह में पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था है। स्टाफ के लिए उचित प्रसाधनों की व्यवस्था है तथा जहां आवश्यक है महिला स्टाफ के लिए आवश्यकतानुसार अलग से उचित प्रसाधनों का प्रावधान है।

(2) आकाशवाणी की अधिकतर जगहों में अपने ही स्टाफ क्वार्टर हैं तथा उनको ये क्वार्टर आकाशवाणी के आवासीय क्वार्टर आबंटन नियम के अंतर्गत आबंटित किए जाते हैं।

(3) कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के निर्देशानुसार जिन स्टाफ कर्मियों का सेवा काल में देहांत हो जाता है उनके निकट संबंधियों की अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति की जाती है जिनमें परिवार की महिला सदस्य भी शामिल है।

(4) आकाशवाणी का स्टाफ जैसे तकनीशियन, वरिष्ठ तकनीशियन, अभियांत्रिकी सहायक, वरिष्ठ अभियांत्रिकी सहायक इत्यादि की शिफ्ट ड्यूटी में महिलाओं को घर तक छोड़ने के हर संभव प्रबंध किए गए हैं।

(5) स्टाफ (पुरुष/महिला एक समान) को भारत सरकार से अनुमोदित वेतनमान दिया जाता है। आकाशवाणी के कर्मचारियों को जिसमें महिला कर्मचारी भी शामिल हैं, उन सभी को सरकारी नियमों के अनुसार अवकाश/छुट्टी दी जाती है।

(6) आकाशवाणी स्टाफ (महिला कर्मचारी सहित सभी) को भारत के कर्मचारियों की तरह आवधिक लाभ दिए जाते हैं।

(7) जहां कहीं भी केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना है वहां पर आकाशवाणी के स्टाफ को यह सुविधा दी गई है। अन्य स्थानों में आकाशवाणी के कर्मचारियों को केंद्रीय सेवा (मेडिकल अटेंडेंस) नियम के अंतर्गत निजी डाक्टरों को उनके व उनके परिवार की चिकित्सा के लिए प्राधिकृत किया जाता है। आग्रह अनुसार महिलाओं के लिए अलग से मेडिकल अटेंडेंट (सहायता) प्राधिकृत किए जाते हैं।

(8) आकाशवाणी अपने कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन के रुप में वार्षिक पुरस्कार देती है। यह पुरस्कार कार्यक्रम और साथ ही तकनीकी विशिष्टता के लिए दिया जाता है तथा पुरस्कार योजना में बहुत सी महिलाओं को ये पुरस्कार दिए गए।

महिला सशक्तीकरण समिति की सिफारिशों को स्वीकार करते हुए एक नई श्रेणी के पुरस्कार–सर्वोत्तम महिला कार्यक्रम, को आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कार के तहत 2009 से प्रारंभ किया गया। महिला कार्यक्रम के निर्माण में महिला निर्माताओं की संख्या अधिक होती है। अतः इस नई श्रेणी के अवार्ड का लाभ अंततः महिलाओं को ही मिलता है।

विकलांग व्यक्तियों के लिए आरक्षण

1. भारतीय संविधान विकलांग व्यक्तियों सहित सभी के लिए सम्मिलित समाज अस्पष्ट जनादेश और सभी के लिए समानता, स्वतंत्रता न्याय और प्रतिष्ठा सुनिश्चित करता है। भारत सरकार विकलांगों को समान अवसर और समाज के निर्माण में उनकी पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ***"विकलांग व्यक्ति (समान अवसर, अधिकारों की सुरक्षा और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम 1995 को कानून बनाया है।***
2. पी डब्ल्यू डी अधिनियम 1996 में लागू किया गया। तथापि नवंबर, 1997 से बहुत पहले समूह 'ग' और 'घ' पदों की सीधी भर्ती के मामले में विकलांग व्यक्तियों के आरक्षण की शुरुआत की गई। 1989 में इसका विस्तार समूह 'ग' और 'घ' के पदों की पदोन्नति में किया गया। अधिनिमय के लागू होने के साथ, समूह 'क' और 'ख' के पदों की सीधी भर्ती के मामलों में भी विकलांग व्यक्तियों के आरक्षण को लागू किया गया।
3. कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार द्वारा दिसंबर, 2005 में इस विषय पर समेकित निर्देश जारी किए गए। निर्देशानुसार सीधी भर्ती के सभी पदों की भर्ती में अब विकलांग व्यक्तियों के लिए आरक्षण उपलब्ध है। पदोन्नति के मामले में यह समूह 'घ' से समूह 'ग' में पदोन्नति के समय और समूह 'ग' के चिन्हित पदों में उपलब्ध कराया जाता है।
4. प्रसार भारती द्वारा विकलांग व्यतियों के लिए आरक्षण को लागू करने के लिए सभी अपेक्षित कदम उठाए गए हैं। डी ओ पी एण्ड टी द्वारा समय–समय पर जारी सभी आवश्यक नीति निदेशों और निर्देशों को पालन किया जाता है।

अभियांत्रिकी

1. ***वर्ष के दौरान की गतिविधियां :***

1. पिछले वर्ष से, केंद्रों की संख्या 233 से बढ़कर 237 और ट्रांसमीटरों की संख्या 375 से बढ़कर 380 हो गई।

2. ***वर्ष के दौरान चालू किए गए नए केन्द्र :***

- चुडाचांदपुर (मणिपुर)– 6 कि.वा. एफ एम ट्रांसमीटर स्टूडियो और स्टाफ क्वार्टर
- भाड़मोर (हिमाचल प्रदेश) – 100 वाट ट्रांसमीटर
- केलांग (हिमाचल प्रदेश) – 100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर
- ऊटी (तमिलनाडु) – 100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर
- तंजावूर (तमिलनाडु) – 100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर

3. ***तकनीकी तौर से तैयार केन्द्र :***

निम्नलिखित 4 केन्द्र चालू करने के लिए तकनीकी तौर से तैयार हैं।

- रायरंगपुर (उड़ीसा) – 1 कि. वाट एफ एम ट्रांसमीटर
- लांगथराइ (त्रिपुरा) – 1 कि. वाट एफ एम ट्रांसमीटर (10 कि. वाट एफ एम ट्रांसमीटर के लिए अंतरिम सेटअप)

- सूर्यापेट (आंध्र प्रदेश) – 100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर
- डूंगरपुर (राजस्थान) – 1 कि. वाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर
- धर्मनगर (त्रिपुरा) – 1 कि. वाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर

इन स्थापनाओं को ओ एण्ड एम स्टाफ की स्वीकृति की प्राप्ति और स्टाफ की नियुक्ति के बाद चालू किया जाएगा।

4. जम्मू और कश्मीर के लिए विशेष पैकेज

(i) फेज़–। जम्मू और कश्मीर में आकाशवाणी सेवाओं के विस्तार एवं सुधार के लिए विशेष पैकेज फेज़–। को कार्यान्वित कर दिया गया है। जम्मू ओर कश्मीर में अब 16 आकाशवाणी केन्द्र और 25 प्रेषित्र (मीडियम वेव 14, एफ एम 8, शार्ट वेव 3) हैं। रेडियो सिंग्नल राज्य की 99.52 प्रतिशत जनसंख्या को कवर करते हैं।

(ii) फेज़–।। – विद्यमान आकाशवाणी केंद्रों की केपटिव विद्मुत आपूर्ति को और सुदृढ करने के लिए अतिरिक्त डीजल जनरेटरों एवं यू पी एस उपलब्ध करवाने के लिए योजना को अनुमोदित कर दिया गया। यह बिजली आपूर्ति बाधित होने पर और आपातकाल या प्राकृतिक आपदा की स्थिति में भी प्रसारण की निरंतरता को सुनिश्चित करने में सहायक होगी। प्राप्ति की स्थिति नीचे दी गई है :–

- 15 के वी ए (संख्या 9) डी जी सेट– खरीदा और संस्थापित किए।
- 62.5 के वी ए (संख्या 6) डी जी सेट– खरीदे और संस्थापित किए।
- यू पी एस (संख्या 7) – खरीदे और संस्थापित किया।
- जम्मू में 1000 के वी ए डी जी सेट (संख्या 2) – खरीदे गए और संस्थापित किए गए।
- पंपोर, श्रीनगर में 500 के वी ए डी जी सेट (संख्या 2) – खरीदे गए और संस्थापित किए गए।
- नरबई, श्रीनगर में 1000 के वी ए डी जी सेट (संख्या 2) – आर्डर दिया गया।

5. पूर्वोत्तर विशेष पैकेज फेज़–।।

पूर्वोत्तर और द्वीपीय प्रदेशों की आकाशवाणी सेवाओं के विस्तार एवं सुधार के लिए विशेष पैकेज का कार्यान्वयन किया जा रहा है पैकेज में सम्मिलित है :

(1) 1 किलोवाट एफ एम केंद्रों की संख्या – 19

1.	अरुणाचल प्रदेश	:	अनिनि, बोमडीला, चांगलांग, दापोरजिओ, खोंसा
2.	असम	:	करीमगंज, लुमडिंग, गोलपाडा
3.	मणिपुर	:	उखरुल, तमेंगलांग
4.	मेघालय	:	चिरापूंजी
5.	मिजोरम	:	तुइपांग, चम्फई, कोलासिब
6.	नागालैंड	:	वोखा, जुनहेबोटो, फेक
7.	त्रिपुरा	:	उदयपुर, नूतन बाजार

(i) स्थलों का अधिग्रहण

19 नए एफ एम केन्द्र स्थापित करने के लिए नए स्थलों की जरुरत थी। राज्य सरकार की ओर से स्थल और मांग पत्र देने में विलंब हुआ है।

- अप्रैल, 2010 से पहले, अरुणाचल प्रदेश में बोमडीला, चांगलांग, खोंसा और दापोरजिओ, असम में गोलपाड़ा, करीमगंज और लुमडिंग, मेघालय में चिरापूंजी, मिजोरम में चम्फई, कोलासिब और तुइपांग, नागालैंड में फेक और

वोखा, त्रिपुरा में नूतन बाजार और उदयपुर में 15 जगहों पर स्थल ले लिया है।

- चालू वर्ष के दौरान जुनहेबोटो (नागालैंड) में स्थल को अंतिम रुप दे दिया और भुगतान कर दिया गया है। जल्दी ही इस स्थल को लिए जाने की सम्भावना है।
- अब तक, अनिनि (अरुणाचल प्रदेश), तमेंगलांग (मणिपुर) और उखरुल (मणिपुर) तीन जगहों पर संबंधित राज्य सरकारों द्वारा स्थल के आबंटन के कारण अधिग्रहण लम्बित है।
- तमेंगलांग पर वैकल्पिक स्थल का प्रस्ताव दिया गया है। कानून और व्यवस्था की स्थिति में सुधार के बाद सर्वेक्षण दल स्थल का दौरा करेगा। उखरुल की जमीन, वहां के विद्यमान जिला पुलिस अधीक्षक के कार्यालय के नई इमारत में शिफ्ट हो जाने के बाद, जो अभी तैयार नहीं है, स्थानांतरित कर दी जाएगी। अनिनि के लिए स्थल अभी राज्य सरकार द्वारा दिया जाना है। मामले को आगे बढ़ाया जा रहा है।

(ii) सिविल कार्य :–

क. सुरक्षा बाड

- बोमदीला, लुमडिंग, तुइपांग, उदयपुर, नूतन बाजार, दापोरजिओ, कोलासिब, खोंसा, चम्फई और गोलपाड़ा पर सुरक्षा बाडे के निर्माण का कार्य पूरा कर लिया गया है।
- चिरापूंजी, फेक, वोखा और चांगलांग 4 जगहों पर कार्य प्रगति पर है करीमगंज पर बाडे के कार्य के लिए अनुमान प्रक्रियाधीन है।

ख. ट्रांसमीटर बिल्डिंग

- तुइपांग, नूतन बाजार, उदयपुर, गोलपाडा, दोपारजिओ और कोलासिब 6 जगहों पर ट्रांसमीटर बिल्डिंग का तकनीकी क्षेत्र तैयार है तथा विभागीय कार्य लिया जा चुका है। अंतरिम एरियल सहित 5 जगहों पर प्रेषित्र संस्थापित कर दिए गए हैं। टावर कार्य दे दिया गया है।
- चम्फई, लुमडिंग, खोंसा और चांगलांग पर 4 जगहों पर कार्य प्रगति पर है। करीमनगर, चिरापूंजी, बोमडीला, फेक और वोखा पर बिल्डिंग के लिए अनुमान प्रक्रियाधीन है।

(2) सिलचर – 5 किलोवाट एफ एम प्रेषित्र और गंगतोक– 10 किलोवाट एफ एम प्रेषित्र

- सिलचर और गंगतोक में एफ एम प्रेषित्र का सिविल कार्य पूरा हो गया है तथा विभागीय कार्य प्रगति पर है।
- सिलचर में 5 किलोवाट एफ एम प्रेषित्र और गंगतोक में 10 किलोवाट एफ एम प्रेषित्र के लिए आर्डर दे दिया गया है। लेकिन सिलचर के लिए एल/सी के खुलने में देरी के कारण प्रेषित्र नहीं खरीदा जा सका। गंगतोक के लिए पूर्व प्रेषण निरीक्षण प्रगति पर था।

(3) **100 स्थानों में 100 वाट एफ एम रिले प्रेषित्र –** चालू वर्ष के दौरान 9 संस्थापित किए जाने सहित 89 स्थानों पर संस्थापित करने का कार्य पूरा कर लिया गया है। 3 स्थानों पर कार्य प्रगति पर है। राज्य सरकार (2 अरुणाचल प्रदेश) से अनुमति प्राप्त होने और कानून व्यवस्था (मणिपुर में 4 और त्रिपुरा में 2) में सुधार के बाद 8 स्थानों पर कार्य शुरु होगा।

(4) **चिनसुरा –** 1000 किलोवाट मीडियम वेव प्रेषित्र (विद्ममान 1000 किलोवाट मीडियम वेव प्रेषित्र का प्रतिस्थापन) प्रेषित्र के लिए आर्डर दे दिया गया है, जुलाई, 2011 में स्थल पर प्रेषित्र प्राप्त किया।

(5) **कावारत्ती –** 10 किलोवाट मीडियम वेव प्रेषित्र (1 किलोवाट मीडियम वेव प्रेषित्र का प्रतिस्थापन) – 2011–12 में प्रेषित्र के लिए आर्डर दे दिया है।

(6) **डिजीटल सैटेलाइट समाचार एकत्रण प्रणाली (संख्या 3) –** नई निविदाएं मंगवाई गई क्योंकि पहली कोई निविदा स्वीकार योग्य नहीं थी।

(7) गुवाहाटी क्षेत्रीय कार्यालय को बढावा देने के लिए, गुवाहाटी में उत्तर पूर्व क्षेत्र के लिए स्थायी कार्यालय परिसर और स्टाफ क्वार्टर्स देने के प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है।

(8) जयपुर (राजस्थान) और तवांग (अरुणाचल प्रदेश) में डिजीटल उपकरणों और रिकार्डिंग, एडिटिंग और प्लेबैक के लिए कंप्यूटरीकृत हार्ड डिस्क वर्क स्टेशनों के साथ स्थायी स्टुडियो सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। 16 डिजीटल ट्रासमिशन कंसोल की खरीद के लिए आर्डर दिया गया और 17 डिजीटल रिकार्डिंग कंसोल खरीदे गए।

ख. नई पहलें :

1. 11वीं योजना के प्रारुप में आकाशवाणी नेटवर्क का डिजिटलीकरण मुख्य महत्व वाले क्षेत्रों में से एक है। सरकार ने 898.32 करोड रु की लागत से प्रेषित्र के डिजिटलीकरण, आकाशवाणी नेटवर्क में स्टूडियो कनेक्टिविटी की आवश्यकता की योजना को अनुमोदित कर दिया है। इसमें निम्नलिखित तीन उप–योजनाएं ₹ 54.78 करोड़ और समेकित प्रस्ताव ₹ 843.54 करोड़ की सम्मिलित हैं :–

(i) फरवरी 2008 में ₹ 54.78 करोड़ की लागत में तीन उप–योजनाओं को अनुमोदित किया।

- पुराने मी.वे. मोबाइल ट्रांसमीटर (₹ 19.00 करोड़) को 20 कि.वा. मी.वे. डी.आर.एम. ट्रांसमीटर की 6 संख्या से बदलना।
- एस.टी.एल. कनैक्टिविटी की 80 इकाईयों को बदलना (₹ 31.50 करोड़)
- सी–बैंड आर.एन. टर्मिनल की 44 सं. की खरीद (₹ 19.00 करोड़)

(ii) सी.सी.ई.ए. द्वारा 27 अप्रैल 2010 को निम्नलिखित घटकों के साथ ₹ 843.54 करोड़ की लागत के समेकित प्रस्ताव अनुमोदित किया गया।

- 98 स्टूडियो का डिजिटलीकरण व संयोजन।
- विद्मान केंद्रो पर 31 पुराने मीडियम वेव प्रषित्रों का नए डी आर एम मीडियम वेव प्रेषित्रों द्वारा प्रतिस्थापन।
- अरुणाचल – चीन सीमा पर 3 स्थानों में मीडियम वेव डी आर एम प्रेषित्रों का सीमित बिजली संयत्र के साथ उन्नयन।
- 6 स्थानों पर 10 किलोवाट मीडियम वेव मोबाइल का मीडियम वेव डी आर एम प्रेषित्र से प्रतिस्थापन।
- 36 कंपटिएबल मीडियम वेव प्रषित्रों का डी आर एम प्रणाली में परिवर्तन।
- 24 स्थानों पर नए 1 किलोवाट/5 किलोवाट एफ एम डिजिटल कंपटिएबल प्रेषित्र।
- एफ एम कवरेज क्षेत्र से बाहर ग्रामीण एव अर्धशहरी क्षेत्रों विद्यमान आकाशवाणी और दूरदर्शन के एल पी टी स्थानों पर एफ एम कवरेज को बढाने और संयोजन के लिए 100 स्थानों पर 100 वाट एफ एम डिजिटल कंपटिएबल प्रेषित्र।
- 34 दूरवर्ती और सीमा क्षेत्रों में पुराने एफ एम प्रेषित्रों का समान क्षमता वाले प्रषित्रों से प्रतिस्थापन एवं 6 नम्बर एक किलोवाट मीडियम वेव प्रेषित्रों की 10 किलोवाट एफ एम प्रेषित्रों से प्रतिस्थापन।
- 5 शार्ट वेव प्रेषित्रों का डी आर एम शार्ट वेव प्रेषित्रों से प्रतिस्थापन।
- दिल्ली के अभिलेखागार सुविधा में वृद्धि और चेन्नै, मुंबई, कोलकाता और हैदराबाद में अभिलेखागार सुविधा का सृजन।
- 44 विद्यमान नई इकाइयों में वृद्धि और 7 नई क्षेत्रीय समाचार इकाइयों का सृजन।
- 16 स्थानों से न्यूज़–आन–फ़ोन सेवा की शुरुआत और 13 स्थानों पर विद्मान न्यूज़–आून–फोन सेवाओं में वृद्धि
- डिजिटल स्टूडियो प्रेषित्र लिंक।
- तिरुचिरापल्लि, मदुरै और धारवाड़ पर 3 नए कैप्टिव अर्थ केन्द्र।

स्थिति: डिजिटलीकरण योजना कार्यान्वयनाधीन है। मुख्य उपकरणों के लिए एन आई टी जारी किया। जांच के बाद खोली गई निविदाएं तकनीकी मूल्यांकनाधीन हैं। कुछ मुख्य उपकरणों के लिए खरीद के प्रस्ताव प्रस्तुत किए जा रहे हैं।

2. सीमा क्षेत्रों में उच्च शक्ति प्रेषित्रों और लघु शक्ति प्रेषित्रों की स्थापना :
18 अगस्त, 2010 को इस विशेष पैकेज के लिए ₹ 100 करोड़ का अनुमोदन दिया गया। योजना में चार एफ एम और पाँच दूरदर्शन उच्च शक्ति प्रषित्रों की स्थापना सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त, लघु शक्ति 100 वाट एफ एम प्रेषित्र

शामिल नहीं किए क्षेत्रों में भी लगाए जाएंगे। स्थल की पहचान कर ली गई है और अधिग्रहण की प्रक्रिया प्रगति पर हैं। ट्रांसमीटरों की खरीद के लिए टेंडर की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

3. क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थानों सहित कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) एवं कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) का संवर्धन –मंत्रालय द्वारा 31.08.2010 को 20 करोड रुपए की लागत के एस एफ सी प्रस्ताव को अनुमोदन दिया गया। योजनाओं में कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी), दिल्ली एवं क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) मुंबई पर सुविधाओं का संवर्धन, कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी), तिरुवन्नतपुरम, हैदराबाद, लखनऊ और अहमदाबाद पर छात्रावास का निर्माण शामिल है। सी सी डब्ल्यू के समन्वय से सिविल जरुरतों को अन्तिम रुप दिया जा रहा है। उपकरण विनिर्देशों को अन्तिम रुप दिया गया।

4. गुवाहाटी पर कार्यालय आवास/स्टाफ क्वाटर्स और श्रीनगर पर होस्टल आवास – मंत्रालय द्वारा 20 करोड की लागत का एस एफ सी प्रस्ताव अनुमोदित किया गया। गुवाहाटी पर स्टाफ क्वाटर्स के लिए आकलन और श्रीनगर पर होस्टल आवास को स्वीकृति दी गई और कार्य देने के लिए निविदा कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। गुवाहाटी पर कार्यालय आवास का आकलन स्वीकृत है।

ग. 'आकाशवाणी संसाधन' के कार्यकलाप

- प्रसार भारती ने प्रसारण क्षेत्र में परामर्श कार्य और टर्की समाधान उपलब्ध कराते हुए राजस्व अर्जित तथा आकाशवाणी और दूरदर्शन हार्डवेयर, मानव संसाधन एवं तकनीकी विशेषज्ञों के विशाल संसाधनों का उपयोग करने के लिए "आकाशवाणी संसाधन" नाम से स्वतंत्र केंद्र प्रारंभ किया है।

  इसमें देश में 37 स्थानों पर इग्नू को अपने ज्ञानवाणी केंद्रों के लिए एफ एम प्रेषित्र स्थापित करने के लिए परामर्श एवं टर्की समाधान उपलब्ध करवाए है। इग्नू केन्द्रों को भूमि, बिल्डिंग और टावर लीज़ पर दिए हैं। प्रसार भारती ने इन एफ एम प्रेषित्रों के परिचालन एवं अनुरक्षण का कार्य भी लिया है।

- निजी एफ एम प्रसारकों के साथ किराए के आधार पर इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे – भूमि, इमारत एवं टावर में भी साझेदारी की जा रही है। वर्तमान में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के निजी एफ एम प्रसारण की योजना के फेज़ एक के अधीन 4 शहरों में 10 निजी एफ एम चैनल परिचालन में है। फेज़–।। के अधीन 87 शहरों में 245 एफ एम चैनल परिचालन में हैं। सैलुलर मोबाइल ऑपरेटर अपनी सेवाओं के लिए प्रसार भारती के इंफ्रास्ट्रक्चर को शेयर कर रहे हैं।

- प्रसार भारती प्रसारण की विभिन्न शाखाओं में ऑन साइट एवं संस्थागत प्रशिक्षण उपलब्ध करवाकर भी राजस्व अर्जन कर रहा है।

- आकाशवाणी संसाधनों ने अप्रैल, 2010 से मार्च 2011 की अवधि के दौरान 53.23 करोड़ रु सकल राजस्व अर्जित किया।

घ. आई टी प्रभाग की गतिविधियां:

1. आकाशवाणी के लिए हिंदी राजभाषा पोर्टल:

आकाशवाणी के सभी केंद्रों द्वारा हिंदी के प्रयोग से संबंधित आवधिक रिपोर्टों को संकलित करके निदेशालय के हिंदी एकक में रिपोर्टों को अद्यतन करने और ऑन लाईन प्रस्तुति के लिए एक वेब आधारित साफ्टवेयर विकसित किया जा रहा है।

2. आकाशवाणी की वेबकॉस्टिंग एवं पोडकास्टिंग सेवाएं:–

आकाशवाणी अपने स्थलीय रेडियो प्रेषित्र नेटवर्क के द्वारा प्रसारण करता है। यह कार्यक्रम आकाशवाणी द्वारा वेबकास्टिंग एवं पौडकास्टिंग तकनीकी उपयोग से विश्व भर में इंटरनेट पर उपलब्ध करवाए जाएंगे। 11वीं योजना में अनुमोदित वेबकास्टिंग एवं पौडकास्टिंग सेवाओं का प्रावधान कार्यान्वयन में है।

3. आकाशवाणी की न्यूज़–ऑन–फोन सेवाओं का सवंर्धन:

यह पारस्परिक सेवा है जो श्रोताओं को विश्व में कहीं पर भी फोन पर एक विशिष्ट नंबर डायल करने पर अद्यतन राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समाचार में मुख्य अंश मुहैया कराती है। मोबाईल फोन के आने से, अब सभी लोग कहीं से भी लगभग 100 सैकिण्ड के समाचार के मुख्य अंश सुन सकते हैं।

प्रत्येक 'न्यूज़–आून–फ़ोन सेवा (एन ओ पी) में दोनों क्षेत्रीय (स्थानीय) और नेशनल न्यूज़ होती हैं। क्षेत्रीय समाचार केन्द्र पर रिकार्ड किए जाते हैं और नेशनल न्यूज़ दिल्ली से वेब/एफ टी पी सर्वर से डाउनलोड की जाती हैं। काल करने वाला भारत में कहीं से भी राष्ट्रीय/क्षेत्रीय समाचार सुनने के लिए दूरभाष या मोबाइल फोन से 125900/125800 नं. डायल करके समाचार सुन सकता है।

आकाशवाणी की 'न्यूज़–आून–फोन सेवा अब 14 जगहों दिल्ली, मुंबई, चेन्नै, पटना, हैदराबाद, अहमदाबाद, जयपुर, बेंगलूरू, तिरुवन्नतपुरम, इम्फाल, लखनऊ, रायपुर, गुवाहाटी और शिमला पर उपलब्ध है।

11वीं योजना में, यह सेवा 16 और राजधानी केंद्रों अर्थात अगरतला, आइजोल, भोपाल, चण्डीगढ, कटक, देहरादून, गंगतोक, ईटानगर, कोहिमा, कोलकाता, पणजी, पुदुच्चेरी, पोर्ट ब्लेयर, रांची, शिलांग और श्रीनगर पर की जा रही है।

विद्यमान 'न्यूज़–आून–फोन सेवा' 13 केन्द्रो अर्थात अहमदाबाद, बेंगलूरू, गुवाहाटी, हैदराबाद, इम्फाल, पटना, जयपुर, लखनऊ, रायपुर, शिमला और तिरुवन्तपुरम पर बढ़ाई जा रही है।

ड. कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी)

दिल्ली का कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) अभियांत्रिकी कार्मिकों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करता है। प्रशिक्षण सुविधाओं को बढाने के लिए भुवनेश्वर, शिलांग एवं मुंबई में भी क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किए गए हैं।

दिल्ली में इस संस्थान को वर्ष 1948 में स्थापित किया गया था और तब से यह इलैक्ट्रानिक मीडिया में तकनीकी प्रशिक्षण के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र के रुप में उभरा है। सुव्यवस्थित पुस्तकालय एवं नवीनतम मल्टी मीडिया उपकरणों के साथ कंप्यूटर केंद्र इस संस्थान का भाग है।

यह संस्थान विभागीय अभ्यर्थियों के साथ–साथ हमारे जैसे विदेशी संगठनों के अभ्यर्थियों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का संचालन करता है। विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों पर भी वर्कशॉप का आयोजन किया जाता है। संस्थान अभियांत्रिकी सहायकों की सीधी नियुक्ति के लिए भर्ती परीक्षा का आयोजन करता है और साथ ही अधीनस्थ अभियांत्रिकी संवर्गों की पदोन्नति के लिए विभागीय प्रतियोगी परीक्षा का भी आयोजन करता है। क्षेत्रीय संस्थान कंप्यूटर हार्ड डिस्क आधारित रिकार्डिंग, एडीटिंग और प्लेबैक प्रणाली पर प्रशिक्षण कोर्स आयोजित करते हैं।

1. प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का ब्यौरा और प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या

क. 01.04.2010 से 31.03.2011 की अवधि के लिए।

प्रशिक्षण संस्थान का नाम	आयोजित पाठ्यक्रमों की संख्या	प्रशिक्षित कर्मचारियों की संख्या
कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी), दिल्ली	78	1522
क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी), भुवनेश्वर	31	1077
क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी), शिलांग	17	170
क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी), मलाड, मुंबई	11	170

ख. विभिन्न सेंटरों/केंद्रों पर कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) द्वारा 32 बाह्य पाठ्यक्रम आयोजित किए।

ग. अन्तर्राष्ट्रीय भागीदारीः

भूटान प्रसारण निगम के तीन प्रतिभागी भुगतान आधार पर 16.12.2010 से 31.12.2010 की अवधि के लिए "अभियांत्रिकी सहायक" के लिए प्रवेश प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग ले रहे हैं।

घ. कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) द्वारा अभियांत्रिकी छात्रों के लिए चार/छह सप्ताह का डिप्लोमा/डिग्री ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण चलाया गया और इसमें कुल 194 अभियांत्रिकी छात्रों ने भाग लिया।

2. *कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) दिल्ली द्वारा अर्जित राजस्व*

(i) मई–जून 2010 के दौरान छात्रों के लिए अभियांत्रिकी में डिग्री और डिप्लोमा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाए जिससे 12,17,158 ₹ का राजस्व अर्जित किया।

(ii) इस अवधि के दौरान 15 यूपी के पालिटक्निकों के लिए टीवी प्रसारण में आधुनिक ट्रेंड पर एक पाठ्यक्रम चलाया और 1,12,500 ₹ का राजस्व अर्जित किया।

3. *होस्टल सुविधाओं में उन्नयन/सुधारः*

सिविल निर्माण स्कंध द्वारा राष्ट्रमंडल खेल, 2010 से संबंधित बचे हुए ए, डी और बी ब्लाक की मरम्मत का कार्य किया गया था। कुल 80 कमरों (एकल या दोहरे) में एसी है। बाकि 44 एकल कमरे कॉमन बाथरुम के हैं। एक ए सी डाइनिंग हाल और आधुनिक किचन सुविधाओं के साथ आर/ओ वाटर प्लांट ठीक से कार्य कर रहा है। मेस भी प्रतिदिन अलग–अलग मेन्यू के साथ लंच और डिनर के लिए 80 रु प्रतिदिन (एक व्यक्ति) कम दर पर काम कर रहे हैं। साथ में लगे लान का भी अच्छी तरह रख–रखाव किया जाता है। रहने और खाने की सुविधाओं के अलावा प्रशिक्षार्थियों को दूसरी सुविधाएं जैसे कपड़े धुलाना, आने जाने के लिए टैक्सी और चिकित्सा परामर्श भुगतान पर मुहैया कराए जाते हैं।

4. *कर्मचारी कल्याण गतिविधियां:*

(i) कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) एवं कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम), पर विभिन्न प्रशिक्षण पाठयक्रमों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के कल्याण के लिए आवास में फर्नीचर और बडे स्क्रीन के एक टेलीविजन सहित एक टेलीविज़न कक्ष है।

(ii) आफिस बिल्डिंग में अधिक वाहनों के लिए कवर पार्किंग दी जा चुकी है।

5. *लाइब्रेरी सुविधाओं का नवीकरण और आधुनिकीकरण*

आधुनिक तकनीकी विषयों पर किताबों सहित इस संस्था में लगभग 7000 किताबों की काफी पुरानी लाइब्रेरी है। जगह की कमी के कारण संदर्भ/पढ़ने के कमरे के प्रयोग के लिए लाइब्रेरी से लगा हुआ कमरा इसमें मिला लिया गया है। लाइब्रेरी और साथ में लगे हुए कमरे की पूरी तरह मरम्मत सही तरीके से पूरी हो गई है। लाईब्रेरी में विभिन्न किताबों का श्रेणीबद्ध कार्य प्रक्रियाधीन है और प्रशिक्षार्थियों और संकाय के फायदे के लिए किताबों की श्रेणीवार सूची इंटरनेट पर उपलब्ध है।

6. टेलीविजन लैब में प्ले आउट सर्वर सहित एक फाइनल कट पर एन एल ई शामिल किया गया है। रेडियो और टेलीविजन स्टूडियो के उन्न्यन के लिए 11 वीं योजना के तहत सूची में शामिल परियोजनाएं प्रगति पर हैं। विशेष पहल के तहत, प्रशिक्षण संस्थान ने दूरदराज और उत्तर पूर्व के दुर्गम हिस्सों में तैनात तकनीकी स्टाफ में आपस में जानकारी बांटने के लिए तिमाही प्रकाशन शुरु किया है।

7. क्षेत्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) शिलांग ने कर्मचारियों को उनके केन्द्र पर जानकारी देने के लिए इम्फाल, गंगटोक, गुवाहाटी और तेजपुर पर बाह्य प्रशिक्षण आयोजित किए।

च. अनुसंधान और विकास

रेडियो एवं टेलीविजन प्रसारण में आधुनिक तकनीक को सम्मिलित करने के लिए अनुसंधान विभाग अनुसंधान विकास कार्य में लगा हुआ है। प्रसारण अभियांत्रिकी से संबंद्ध यह प्रधान राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास संस्थान है। वर्ष के दौरान निम्नलिखित कार्यकलाप किए गए:

विकास एवं अनुसंधान के तहत योजनाओं के लिए मंत्रालय का अनुमोदन प्राप्त किया और प्रशासनिक अनुमोदन एवं व्यय अनुमोदन जारी किया। 26 एम एच जैड, ए एम, डी आर एम प्रेषित्र, क्रास फील्ड एन्टीना और 1 किलोवाट मीडियम वेव डी आर एम प्रेषित्र के लिए एन आई टी जारी किया। डी आर एम रिसीवर, टूल्स और फर्नीचर की खरीद प्रक्रियाधीन है।

अंतर्राष्ट्रीय जांच केंद्र टोडापुर, नई दिल्ली पर तकनीकी जांच सुविधाओं के उन्नयन के लिए स्पैकट्रम एनलाइजर खरीदा गया। डी आर एम रिसीवर (वाणिज्यिक एवं व्यावसायिक) दोलन–दर्शी, संश्लेषण रिसीवर यू पी एस सहित, एफ एम मीटर सह कंप्यूटर, ए सी प्लांट और फर्नीचर की खरीद का कार्य प्रक्रियाधीन है। फाल्स सिलिंग, एल्यूमिनियम फ्रेमिंग और पारटीशनिंग, लेब और तकनीकी क्षेत्र में सिविल और बिजली कार्य प्रक्रियाधीन है।

प्राथमिक सेवा: आकाशवाणी

वर्ष 2009–10 के दौरान आकाशवाणी के क्षेत्रीय केंद्रों के प्राथमिक चैनल से प्रसारित कार्यक्रमों का स्वरूप निम्नलिखित हैं :–

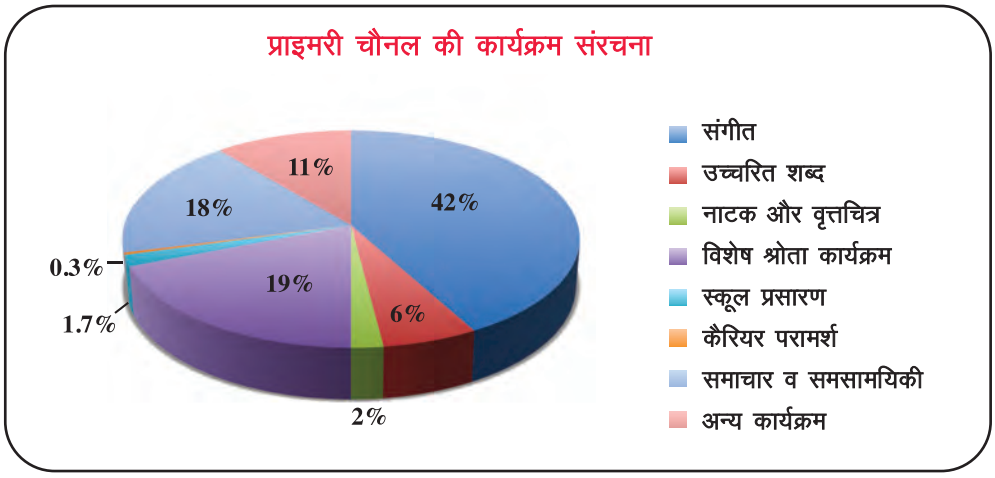

प्राथमिक चैनल के कार्यक्रम की संरचना

क्र. सं.	कार्यक्रम	प्रतिशत
1.	संगीत	42.0
2.	उच्चरित शब्द	06.0
3.	नाटक व वृतचित्र	02.0
4.	विशेष श्रोता कार्यक्रम	19.0
5	विद्यालय प्रसारण	01.7
6.	कैरियर काउंसलिंग	00.3
7.	समाचार और समसामयिक गतिविधियां	18.0
8.	अन्य कार्यक्रम	11.0

स्थानीय रेडियो केंद्रः आकाशवाणी

आकाशवाणी के स्थानीय रेडियो केंद्रों से प्रसारित कार्यक्रमों के सम्मिश्रण का प्रतिशत निम्नलिखित है

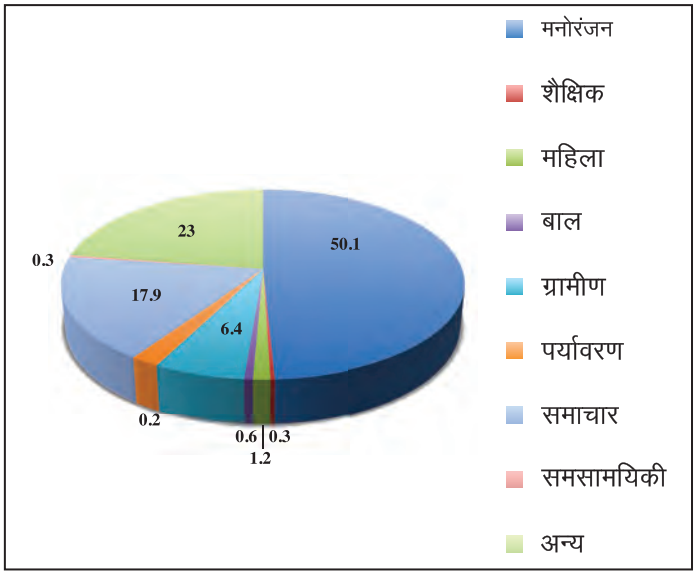

कार्यक्रम	प्रतिशत
मनोरंजन	50.1
शैक्षिक	0.3
महिला	1.2
बच्चे	0.6
ग्रामीण	6.4
पर्यावरण	0.2
समाचार	17.9
समसामयिक विषय	0.3
अन्य	23.0

आकाशवाणी

स्टुडियो अवधि (घंटों) का वास्तविक सुविधाओं की प्रस्तुति में उपयोग

कार्यक्रम स्रोत	प्रतिशत
घरेलू कार्यक्रम	99.07
कमीशन्ड कार्यक्रम	0.93
प्रायोजित कार्यक्रम	–
प्राप्त कार्यक्रम	–

आकाशवाणी

1 अप्रैल, 2009 से 31 मार्च, 2010 की अवधि के दौरान आकाशवाणी से प्रसारित 90 प्रतिशत कार्यक्रमों का निर्माण घरेलू था। यह स्टुडियो सुविधाओं के अधिकतम उपयोग द्वारा सुनिश्चित किया गया।

प्रसारण समय (घंटों में) में विभिन्न सुविधाओं का उपयोग

वर्ष 2010–11 के दौरान प्रसारण समय (घंटो में) प्रतिमाह प्रसारण सुविधाओं का औसतन उपयोग निम्न प्रकार थाः–

(1) मीडियम वेव ट्रांसमीटर 52,179 घंटे

(2) शार्ट वेव ट्रांसमीटर 18,862 घंटे

(3) एफ एम ट्रांसमीटर 64,997 घंटे

वर्ष के दौरान आकाशवाणी की स्थानीय कवरेज का क्षेत्रवार और जनसंख्यावार किया गया विस्तार– 31 मार्च, 2011 को आकाशवाणी का क्षेत्रवार स्थानीय कवरेज 91.52 प्रतिशत और जनसंख्यावार 99.16 प्रतिशत था।

आकाशवाणी का विस्तार

पंचवर्षीय योजना के अंत में	तक की स्थिति	केंद्रों की संख्या	प्रेषित्रों की संख्या					कवरेज %	
		प्रसारण केंद्र	सहायक / मी.वे. प्राप्ति केंद्रों		शा.वे.	एफएम	कुल	क्षेत्र	जनसंख्या
	15.08.47	06	—	06	12	—	18	2.50	11.00
	01.04.51	25	01	29	17	—	46	12.00	20.00
पहली योजना(51–56)	31.03.56	26	02	29	17	—	46	31.00	46.00
दूसरी योजना(56–61)	31.03.61	30	04**	33	26	—	59	37.00	55.00
तीसरी योजना(61–66)	31.03.66	54	02	82	28	—	110	52.00	70.00
	31.03.69	66	03	97	30	—	127	56.00	73.00
चौथी योजना(69–74)	31.03.74	71	04	108	32	—	140	67.50	80.30
पांचवी योजना(74–78)	31.03.78	84	02	124	32	01	157	77.63	89.35
	31.03.80	84	02	124	32	01	157	77.73	89.40
	31.03.81	85	02	125	32	03	160	78.08	89.55
	31.03.82	85	02	125	32	03	160	78.83	89.65
	31.03.83	86	02	126	33	03	162	78.83	89.65
	31.03.84	86	02	126	33	03	162	78.90	89.69
छठी योजना(80–85)	31.03.85	88	02	128	35	04	167	79.78	90.27
	31.03.86	88	02	128	35	04	167	79.78	90.27
	31.03.87	93	02	133	35	04	172	82.20	93.40
	31.03.88	94	02	134	35	04	173	82.93	94.52
	31.03.89	97	02	137	36	05	178	83.71	94.91
सातवीं योजना(85–90)	31.03.90	100	02	137	41	08	186	83.78	94.96
	31.03.91	108	02	139	43	15	197	84.60	95.40
	31.12.91	125	02	139	43	37	219	85.00	95.70
	29.02.92	126	02	140	43	37	220	85.40	95.90
आठवीं योजना के प्रारंभ में	01.04.92	128	02	140	43	39	222	85.40	95.90
अंत में(92–97)	31.03.97	187	01	147	52	98	297	90.00	97.30
नौवीं योजना के प्रारंभ में									
अंत में(97–02)	31.03.02	208	—	149	55	130	334	89.66	98.84
दसवीं योजना	(02–07)								
	31.12.05	222	—	144	54	158	356	91.42	99.13
	31.12.06	225	—	146	54	161	361	92.92	99.49
ग्यारहवीं योजना	(2007–12)								
	31.12.07	231	—	149	54	170	372	91.79	99.14
	31.03.11	241	—	149	54	182	385	91.85	99.18

आख्यान :

* हैदराबाद, औरंगाबाद, मैसूर, त्रिवेंद्रम और बड़ौदा राजवंशी राज्यों के 5 और प्रसारण केंद्रों को अधिग्रहित किया गया।

* **शिलांग और चंडीगढ़ को प्रसारण केंद्रो में बदला गया।**

आकाशवाणी केंद्रों की बढ़ोत्तरी

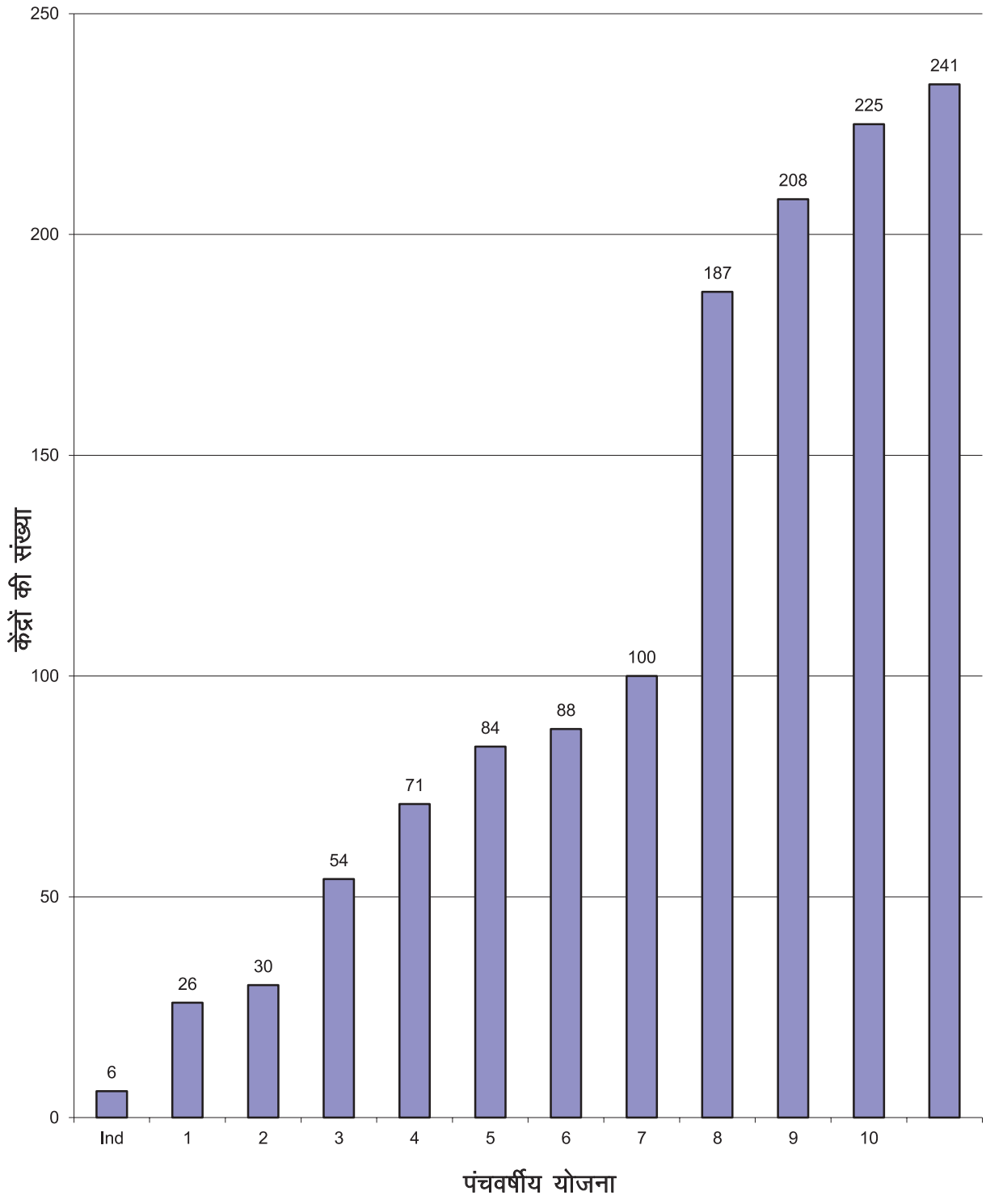

आकाशवाणी केंद्रों की बढ़ोत्तरी

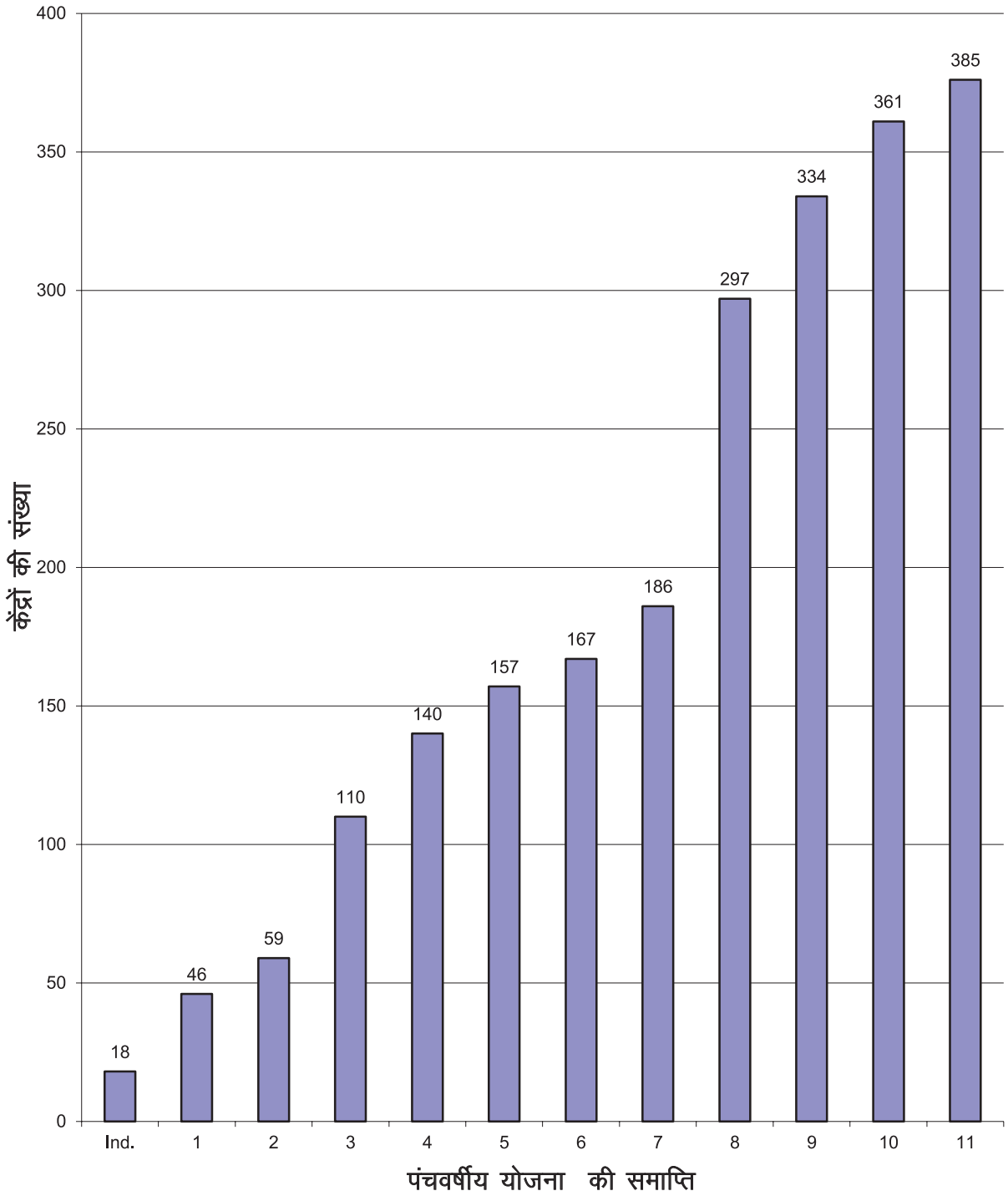

आकाशवाणी की राज्यवार कवरेज

दिन के समय

31.10.2010 तक की स्थिति

क्रम सं.	राज्य	विद्यमान		10 वीं योजना के पूर्ण होने के बाद	
		क्षेत्र (प्रतिशत में)	जनसंख्या (प्रतिशत में)	क्षेत्र (प्रतिशत में)	जनसंख्या (प्रतिशत में)
		(2001 की जनगणना)		(2001 की जनगणना)	
1	आंध्र प्रदेश	99.00	99.50	99.00	99.50
2	अरूणाचल प्रदेश	57.00	76.00	58.70	76.50
3	असम	99.00	98.87	97.80	99.50
4	बिहार	99.00	99.00	99.00	99.00
5	छत्तीसगढ़	93.80	97.35	93.90	97.58
6	दिल्ली	99.00	99.00	99.00	99.00
7	गोवा	99.00	99.00	99.00	99.00
8	गुजरात	99.00	99.00	99.00	99.00
9	हरियाणा	99.00	99.00	99.00	99.00
10	हिमाचल प्रदेश	52.00	88.91	53.17	89.66
11	जम्मू और कश्मीर	48.05	99.50	48.22	99.52
12	झारखंड	99.00	99.00	99.00	99.00
13	कर्नाटक	96.40	97.30	98.48	98.75
14	केरल	99.60	99.80	99.60	99.80
15	मध्य प्रदेश	99.30	99.40	99.40	99.50
16	महाराष्ट्र	98.67	98.99	99.00	99.68
17	मणिपुर	94.96	98.46	95.16	98.51
18	मेघालय	97.50	98.45	97.50	98.45
19	मिजोरम	59.56	73.27	67.55	80.85
20	नागालैंड	81.50	87.67	83.10	88.88
21	उड़ीसा	98.27	99.00	99.47	99.70
22	पंजाब	99.00	99.00	99.00	99.00
23	राजस्थान	94.00	99.00	98.47	99.80
24	सिक्किम	72.00	95.60	73.00	96.68
25	तमिलनाडु	99.00	99.00	99.00	99.00
26	त्रिपुरा	84.31	89.00	99.00	99.00
27	उत्तर प्रदेश	99.90	99.90	99.90	99.90
28	उत्तराखंड	54.69	80.10	66.37	87.36
29	पश्चिम बंगाल	99.00	99.00	99.00	99.00
II	राज्य क्षेत्र				
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	99.00	99.00	99.00	99.00
2	चंडीगढ़	99.00	99.00	99.00	99.00
3	दादर और नगर हवेली	99.00	99.00	99.00	99.00
4	दमन व दीव	99.00	99.00	99.00	99.00
5	लक्षद्वीप और मिनिकाय द्वीप समूह	99.00	99.00	99.00	99.00
6	पुदुचेरी	99.00	99.00	99.00	99.00
राष्ट्रीय औसत		91.82	99.16	92.92	99.49

आजादी से आकाशवाणी की कवरेज में बढ़ोत्तरी

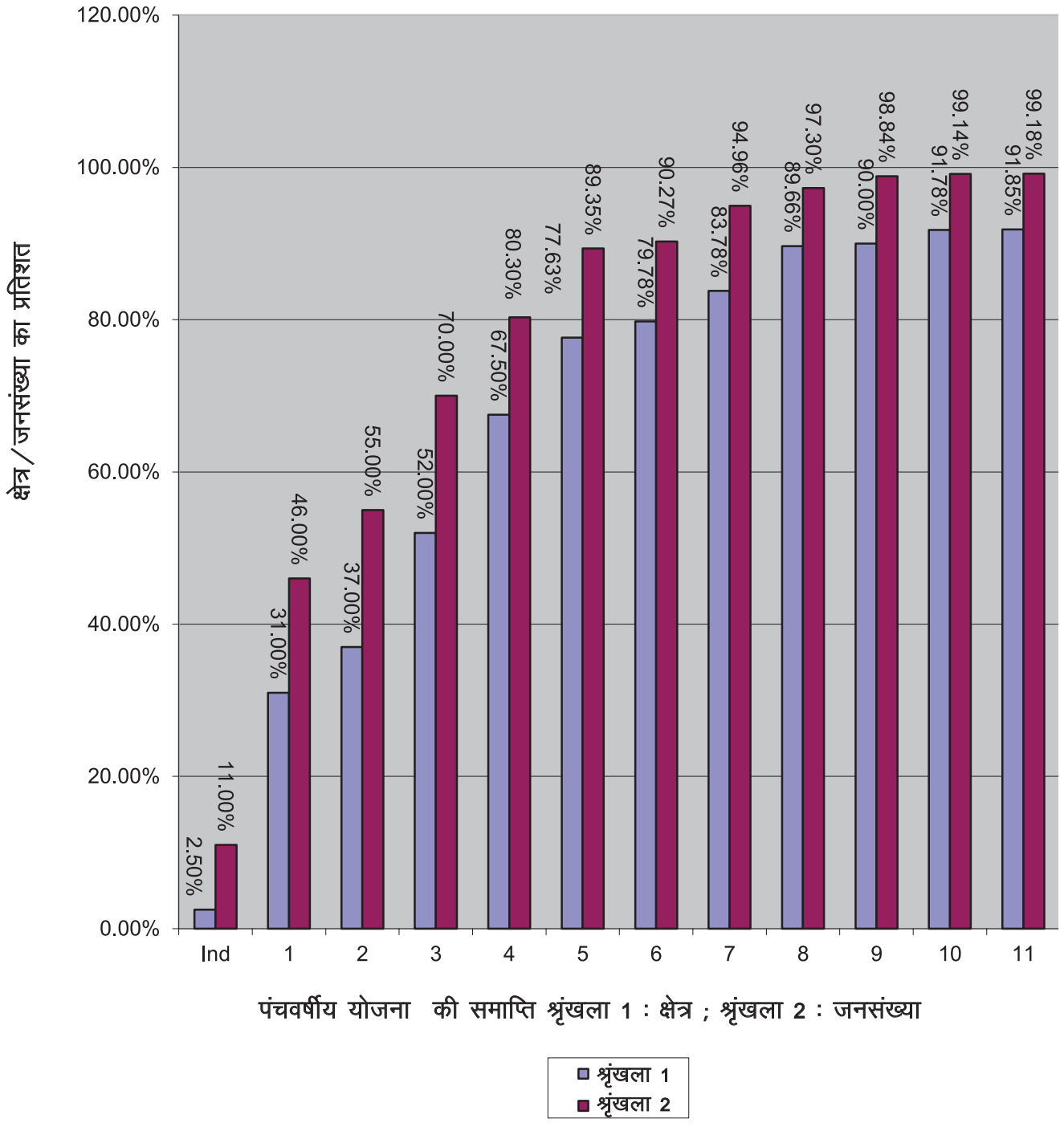

अध्याय – 4
चैनल और कार्यक्रम

पिछले आठ दशकों में आकाशवाणी के उल्लेखनीय विकास ने इसे विश्वभर में सबसे बडे मीडिया संगठन में से एक बना दिया है। इस नई सहस्त्राब्दि में आकाशवाणी के पास 241 केंद्र और 385 प्रेषित्र हैं। भारत जो कि बहुसामाजिक है (Plural Society) इसकी सूचना की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नेटवर्क ने नई तकनीक एवं नई कार्यक्रम निर्माण की तकनीक को अपना कर विस्तार किया है। आकाशवाणी की सेवाओं का डिजीटलीकरण किया जा रहा है।

उद्देश्य

आकाशवाणी जनसमुदाय को सूचना, शिक्षा और मनोरंजन, कल्याण और खुशहाली (बहुजन हिताय बहुजन सुखाय) को बढ़ावा देने के लिए प्रयत्नशील है :–

(1) देश की एकता को बनाए रखना और संविधान में प्रतिष्ठित लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखना।

(2) राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, स्थानीय एवं अंतर्राष्ट्रीय अभिरुचियों की सूचना की निष्पक्ष एवं संतुलित प्रस्तुति जिसमें अपने मत अथवा विचारधारा को प्रस्तुत किए बिना असमान दृष्टिकोणों को प्रस्तुत करना भी सम्मिलित है।

(3) संपूर्ण देश की अभिरुचियों एवं दिलचस्पियों को बढाना, देश में सौहार्द एवं समझदारी की आवश्यकता को ध्यान में रखना और यह सुनिश्चित करना कि कार्यक्रमों में वे सारे विभिन्न तत्व हों, जो भारत की संयुक्त संस्कृति को दर्शाते हैं।

(4) समस्त वर्गों के व्यक्तियों को जागरूक, सूचित, शिक्षित करना, और उन्हें मनोरंजन एवं समृद्धि प्रदान करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों को बनाना और प्रसारित करना।

(5) विकासशील गतिविधियों में कार्यक्रमों को उसके सभी पक्षों के साथ बनाना और प्रसारित करना जिसमें कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और विज्ञान एवं तकनीकी में विस्तार का कार्य सम्मिलित है।

(6) ग्रामीण, अशिक्षित और शोषित जनसंख्या का, युवाओं की विशेष आवश्यकताओं और रूचियों को ध्यान में रखकर, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अल्पसंख्यकों, जनजातीय जनसंख्या और सीमा क्षेत्रों, पिछडे एवं दूरवर्ती क्षेत्रों के लोगों की सेवा करना है।

(7) सामाजिक न्याय और शोषण के विरूद्ध युद्ध को बढावा देना और असमानता, छूआछूत एवं समिति संकीर्ण निष्ठाओं जैसी बुराईयों को कम करना।

(8) ग्रामीण जनसंख्या, अल्पसंख्यक, समुदायों, महिला, बाल, अशिक्षितों के साथ–साथ समाज के अन्य कमजोर एवं असुरक्षित वर्गों की सेवा करना।

(9) राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना।

त्रिस्तरीय प्रसारण

अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए कई वर्षों से आकाशवाणी ने राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और स्थानीय नाम से प्रसारण की त्रिस्तरीय प्रणाली विकसित की है। यह इस देश में महाद्वीपीय सीमा और सामुदायिक समाज के श्रोताओं की सूचना, शिक्षा एवं मनोरंजन की आवश्यकताओं को पूरा करता है। आकाशवाणी देश की लगभग पूरी जनसंख्या 2001 जनगणना के अनुसार 102.7 करोड की जनसंख्या को समाचार, संगीत उच्चरित शब्द और अन्य कार्यक्रम उपलब्ध करवाता है। आकाशवाणी की व्यापक पहुंच खासकर ग्रामीण एवं जनजातिय क्षेत्रों में पहुंचने के कारण इसको प्राथमिकता प्रदान करता है और कभी–कभी केवल आकाशवाणी ही सूचना एवं मनोरंजन का एकमात्र साधन होता है।

दिनांक 4.5.2010 को आकाशवाणी के स्टूडियो में श्रीमती शीला दीक्षित, मुख्य मंत्री दिल्ली के साक्षात्कार की रिकार्डिंग।

राष्ट्रीय चैनल राष्ट्रीय कार्यक्रमों का प्रसारण करता है, जिसे देश के बडे हिस्से में मीडियम वेव पर सुना जा सकता है। वर्तमान में इसका प्रसारण शार्ट वेव पर भी प्रारंभ हो गया है। क्षेत्रीय और उप–क्षेत्रीय केंद्रों के प्रसारण का एक दूसरा पहलू है जिसमें क्षेत्रीय भाषाओं में कार्यक्रमों का प्रसारण और क्षेत्रीय सांस्कृतिक पहलूओं को बढ़ावा दिया जाता है। इसके अतिरिक्त मेट्रो शहरों में एफ एम चैनल जनसमूह मुख्यतः युवाओं की आधुनिक आवश्यकताओं को पूरा करता है। 37 स्थानों पर विविध भारती को भी एफ एम प्रसारण में परिवर्तित कर दिया गया है। देश के विभिन्न भागों में छोटे शहरों के श्रोताओं की आवश्यकताओं एवं रूचियों को पूरा करने के लिए एफ एम मोड पर 173 केंद्र हैं। वर्तमान में पिछले कुछ वर्षों में स्थानीय जनजातीय जनसंख्या की सेवा के लिए उत्तर–पूर्व में 5 स्थानों पर सामुदायिक रेडियो केंद्रों की स्थापना की गई।

क्षेत्रीय चैनल

आकाशवाणी के क्षेत्रीय चैनल अधिकतर राज्यों की राजधानियों और प्रदेशों की मुख्य भाषीय सांस्कृतिक क्षेत्रों में स्थित हैं। देश में कुल मिलाकर 116 चैनल 29 राज्यों और 6 संघ राज्यों में फैले हैं। आकाशवाणी का लोक सेवा प्रसारक अंग, क्षेत्रीय चैनल अपने श्रोताओं के जीवन को समृद्ध बनाने के उद्देश्य से सूचना और मनोरंजन के कार्यक्रम प्रस्तुत करता है। क्षेत्रीय चैनल का मुख्यतः मीडियम वेव फ्रिक्वेंसी पर प्रसारण होता है और इसमें संयुक्त कार्यक्रम का सम्मिश्रण होता है। यह भारतीय शास्त्रीय संगीत पर मुख्य बल देते हुए कला और संस्कृति को बढावा देता है। प्राथमिक चैनलों पर कुल प्रसारण में से 40 प्रतिशत प्रसारण संगीत का होता है जिसमें शास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत, शास्त्रीय, लोक संगीत, फिल्म और अन्य समसामयिक विभिन्न भाषाओं का संगीत सम्मिलित होता है। प्रसारण समय 20 से 30 प्रतिशत समाचार और समसामयिक विषयों के कार्यक्रमों का होता है। रेडियो नाटक और ड्रामा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रम, महिलाओं व बच्चों के लिए कार्यक्रम, कृषि एवं गृह कार्यक्रम प्राथमिक चैनलों के अन्य महत्वपूर्ण खंड हैं जिनका उद्देश्य ग्रामीण जनसमूहों का सशक्तीकरण है। आकाशवाणी के समस्त चैनलों में से इन चैनलों की पहुंच सबसे ज्यादा है और यह सबसे ज्यादा समझी जाने वाली भाषा में अपने श्रोताओं तक पहुंचने का प्रयास करते है।

दिनांक 31.5.2010 को आकाशवाणी, दिल्ली के स्टूडियो में साक्षात्कार की रिकार्डिंग में श्री वजाहत हबीबुल्लाह, सी. आई.सी.।

स्थानीय रेडियो केंद्र (एल आर एस)

भारत में स्थानीय रेडियो तुलनात्मक दृष्टि से प्रसारण की नई अवधारणा है। छोटे से क्षेत्र के लिए सेवा उपलब्ध करवाते हुए प्रत्येक केंद्र उपयोगी सेवाएं उपलब्ध करवाता है और समाज के दिल तक सीधे पहुंचता है जो माइक्रोफोन के उपयोग से समाज के जीवन को समृद्ध करता है और प्रतिबिंबित करता है। स्थानीय रेडियो का जमीन से जुडी, घनिष्ठ एवं अबाधक दृष्टिकोण इसे क्षेत्रीय नेटवर्क से अलग करता है। स्थानीय रेडियो के कार्यक्रम विशिष्ट होते हैं। यह कार्यक्रम लचीले एवं सहज होते है जिससे केंद्र स्थानीय समुदाय के प्रवक्ता के रूप में कार्य कर पाता है।

स्थानीय रेडियो केंद्र

(15/4/2010 तक)

कुल –86 (मेगावाट –10, एफएम –76)

क्र.सं.	राज्य और स्थान	ट्रांसमीटर शक्ति	चालू होने की तारीख
आंध्र प्रदेश		**8 (मेगावाट –1, एफएम –7)**	
1.	आदिलाबाद	1 किलोवाट मेगावाट	12.10.86
2.	वारंगल	10 किलोवाट एफएम	17.02.90
3.	निजामाबाद	6 किलोवाट एफएम	09.09.90
4.	तिरूपति	10 किलोवाट एफएम 3 किलोवाट एफएम	01.02.91 (गैर– कोसाइटड) 17.02.01
5.	अनंतपुर	6 किलोवाट एफएम	29.05.91 (गैर– कोसाइटड)
6.	कुरनूल	6 किलोवाट एफएम	01.05.92
7.	मरकापुरम	6 किलोवाट एफएम	09.08.93
8.	मचेरल्ल	3 किलोवाट एफएम	02.12.07
अरुणाचल प्रदेश		**1(मेगावाट –1,)**	
9.	जाइरो	1 किलोवाट मेगावाट	10.06.00
असम		**4 (मेगावाट –1, एफएम –3)**	
10.	जोरहाट	10 किलोवाट एफएम	20.05.91
11.	हाफलांग	6 किलोवाट एफएम	29.10.92
12.	नोउगांग	6 किलोवाट एफएम	23.02.94
13.	दिफू	1 किलोवाट मेगावाट	04.02.96
बिहार		**2 (एफएम –2,)**	
14.	सासाराम	6 किलोवाट एफएम	02.05.91
15.	पूर्णिया	6 किलोवाट एफएम	25.10.92
छत्तीसगढ़		**3 (एफएम –3,)**	
16.	बिलासपुर	6 किलोवाट एफएम	01.05.91
17.	रायगढ़	6 किलोवाट एफएम	01.05.92
18.	सराईपल्ली	1 किलोवाट एफएम	21.06.05
गुजरात		**2 (मेगावाट –1, एफएम –2)**	
19.	गोधरा	6 किलोवाट एफएम	25.02.91

20.	सूरत	6 किलोवाट एफएम	30.03.92
21.	हिम्मतनगर	1 किलोवाट मेगावाट	21.06.05
हरियाणा		**2 (एफएम–2)**	
22.	कुरुक्षेत्र	6 किलोवाट एफएम	24.06.91
23.	हिसार	6 किलोवाट एफएम	26.01.99
हिमाचल प्रदेश		**1 (एफएम–2)**	
24.	हमीरपुर	6 किलोवाट एफएम	16.02.94
जम्मू व कश्मीर		**2 (एफएम–2)**	
25.	कठुआ	10 किलोवाट एफएम	24.04.91
26.	पुंछ	6 किलोवाट एफएम	04.10.94
झारखंड		**3 (एफएम–3)**	
27.	चाईबासा	6 किलोवाट एफएम	08.11.92
28.	हजारीबाग	6 किलोवाट एफएम	08.11.92 (गैर– कोसाइटड)
29.	डाल्टनगंज	10 किलोवाट एफएम	06.09.93
कर्नाटक		**5 (एफएम–5)**	
30.	चित्रदुर्ग	6 किलोवाट एफएम	03.05.91
31.	होसपेट	10 किलोवाट एफएम	01.05.92
32.	रायचूर	6 किलोवाट एफएम	28.08.93
33.	कारवार	3 किलोवाट एफएम	13.02.94
34.	बीजापुर	6 किलोवाट एफएम	12.09.97
केरल		**2 (एफएम–2)**	
35.	कोचीन	6 किलोवाट एफएम	01.10.89 (गैर– कोसाइटड)
36.	मंजेरी	3 किलोवाट एफएम	28.01.06
मध्यप्रदेश		**8ा (एफएम–8)**	
37.	खंडवा	6 किलोवाट एफएम	19.10.90
38.	बैतूल	6 किलोवाट एफएम	30.04.91
39.	छिन्दवाडा	6 किलोवाट एफएम	07.03.92
40.	बालाघाट	6 किलोवाट एफएम	28.10.92
41.	सागर	6 किलोवाट एफएम	02.05.93

42.	गुना	6 किलोवाट एफएम	10.04.9 (गैर– कोसाइटड)
43.	मंडला	1 किलोवाट एफएम	21.06.05
44.	राजगढ़	3 किलोवाट एफएम	23.06.05
महाराष्ट्र		**11 (मेगावाट –1, एफएम–10)**	
45.	शोलापुर	1 किलोवाट मेगावाट	04.04.86
46.	धुले	6 किलोवाट एफएम	23.02.94
47.	बीड	6 किलोवाट एफएम	10.11.90
48.	अहमदनगर	6 किलोवाट एफएम	14.04.91
49.	नांदेड़	6 किलोवाट एफएम	29.05.91
50.	अकोला	6 किलोवाट एफएम	01.05.92
51.	यवतमाल	6 किलोवाट एफएम	10.11.92
52.	सतारा	6 किलोवाट एफएम	13.11.92 (गैर– कोसाइटड)
53.	चंद्रपुर	6 किलोवाट एफएम	06.12.92
54.	नासिक	6 किलोवाट एफएम	31.10.94
55.	उस्मानाबाद	6 किलोवाट एफएम	09.12.96
मेघालय		**1 (मेगावाट –1,)**	
56.	जोवाई	6 किलोवाट एफएम	22.12.95
मिजोरम		**1 (मेगावाट –1,)**	
57.	चुराचांदपुर	6 किलोवाट एफएम	13.04.10
नागालैंड		**1 (मेगावाट –1,)**	
58.	मोकोकचुंग	6 किलोवाट एफएम	26.01.96
उड़ीसा		**8 (मेगावाट –4, एफएम–4)**	
59.	क्योंझर	1 किलोवाट मेगावाट	29.11.88
60.	बारीपदा	1 किलोवाट मेगावाट	25.02.91
		5 किलोवाट एफएम	01.09.07
61.	बहरामपुर	6 किलोवाट एफएम	01.04.93
62.	बोलंगीर	6 किलोवाट एफएम	29.12.93
63.	राउरकेला	6 किलोवाट एफएम	24.05.95 (गैर– कोसाइटड)
64.	पुरी	3 किलोवाट एफएम	29.06.95

65.	जोरांडा	1 किलोवाट मेगावाट	03.10.95
66.	सोरो	1 किलोवाट मेगावाट	02.12.07
पंजाब		**2 (एफएम –2,)**	
67.	भटिंडा	6 किलोवाट एफएम	20.04.91 (गैर– कोसाइटड)
68.	पटियाला	6 किलोवाट एफएम	01.05.92
राजस्थान		**7 (मेगावाट –1, एफएम –6)**	
69.	कोटा	20 किलोवाट मेगावाट	04.01.87 (गैर– कोसाइटड)
70.	अलवर	6 किलोवाट एफएम	14.01.91
71.	नागौर	6 किलोवाट एफएम	06.08.91
72.	बांसवाड़ा	6 किलोवाट एफएम	08.10.91
73.	चित्तौड़गढ़	6 किलोवाट एफएम	21.12.91 (गैर– कोसाइटड)
74.	स्वाई माधोपुर	6 किलोवाट एफएम	15.05.92 (गैर– कोसाइटड)
75.	झालावाड़	6 किलोवाट एफएम	24.01.93
तमिलनाडु		**2 (एफएम –2,)**	
76.	नागरकोयल	10 किलोवाट एफएम	13.10.84
77.	धर्मपुरी	10 किलोवाट एफएम	02.10.07
त्रिपुरा		**2 (एफएम –2,)**	
78.	बेलोनिया	6 किलोवाट एफएम	28.10.92
79.	कैलाशहर	6 किलोवाट एफएम	28.10.92 (गैर– कोसाइटड)
उत्तर प्रदेश		**3 (एफएम –3,)**	
80.	फैजाबाद	6 किलोवाट एफएम	17.06.93
81.	बरेली	6 किलोवाट एफएम	17.06.93
82.	झांसी	6 किलोवाट एफएम	11.07.93
पश्चिम बंगाल		**2 (एफएम –2,)**	
83.	मुर्शिदाबाद	6 किलोवाट एफएम	21.01.90
84.	शांतिनिकेतन	3 किलोवाट एफएम	01.11.02
केन्द्र शासित प्रदेशों		**2 (एफएम –2,)**	
85.	कराईकल	6 किलोवाट एफएम	06.03.95
86.	दमन	3 किलोवाट एफएम	17.05.95

एफ एम रेनबो

आकाशवाणी के एफ एम रेनबो चैनल का प्रारंभ उस समय हुआ था जब मुख्यतः बडे शहरों में रेडियो का सुनना घट रहा था। समाज के उच्च वर्ग के व्यक्तियों की सोच थी कि रेडियो कार्यक्रम सुनना फैशन के बाहर है क्योंकि उनके अनुसार यह कार्यक्रम मध्यम वर्ग के रेडियो श्रोताओं की आवश्यकताओं को पूरा करता है। साउंड रिकार्डिंग के क्षेत्र में किए गए तकनीकी सुधारों ने युवा संगीत प्रेमियों को अन्य संगीत वाद्य प्रणालियों के विकल्प अपनाने के लिए विवश किया क्योंकि मीडियम वेव मोड में गानों की रिसेप्शन क्वालिटी स्टीरियोफोनिक सिनेमा घरों अथवा डिजिटल इलैक्ट्रानिक उपकरणों की तुलना में उतनी सजीव नहीं थी। एफ् एम रेडियो ने श्रोताओं को बाधा रहित उच्चकोटि का संगीत प्रसारण सुनिश्चित कर इस अन्तर को प्रभावशाली रूप से भरा है। श्रोताओं की बदलती आवश्यकताओं के अनुसार एफ एम चैनल पर कम्पीयर की प्रस्तुति शैली में बदलाव किया गया है। कम्पीयर की बातचीत शैली ने युवाओं की नब्ज को पकडा और उन्हें रेडियो के करीब आने के लिए आकर्षित किया। एफ एम प्रसारण रेडियो श्रोताओं को 24 घंटे मनोरंजन प्रदान करता है। शीघ्र ही एफ एम ने आधुनिक रेडियो की प्रतिष्ठा प्राप्त कर ली क्योंकि वह अपनी शैली में बोल रहा था और उन्हें रेडियो सुनने का आनंद प्रदान कर रहा था। रेडियो श्रोताओं की बढोत्तरी से रेडियो को अपना पुराना गौरव एक बार फिर प्राप्त हो गया।

वर्तमान समय में आकाशवाणी के पास 173 एफएम प्रेषित्र है जिससे वह देश में 24.60 प्रतिशत क्षेत्र और 35.89 प्रतिशत जनसंख्या को कवर करता है। इसमें से एफ एम रेनबो चैनल 21 स्थानों नामतः दिल्ली, मुंबई, चेन्नै, कोलकाता, बैंगलूरु, लखनऊ, पणजी, जालंधर, कटक, कोडईकनाल, तिरूचिरापल्ली, कोयम्बटूर, विशाखापटनम एवं विजयवाडा पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त दिल्ली रेनबो, मसूरी, कानपुर, अलीगढ, कसौली, कर्सियांग एवं शिलांग से पूर्ण रूप से और आंशिक हैदराबाद, पणजी, धर्मशाला और भटिंडा से रिले किया जाता है। एफ एम चैनल में पॉप संगीत, फिल्म संगीत और शास्त्रीय व भक्ति संगीत, मुख्य समाचार सम्मिलित हैं। मीडियम वेव और शार्ट वेव पर एफ एम चैनल के लाभ निम्नलिखित हैः–

दिनांक 30.4.2010 को आकाशवाणी के स्टूडियो से लाइव फोन–इन–प्रोग्राम करते हुए श्री गुलाम नबी आजाद, केंद्रीय मंत्री, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण।

- उच्च कोटि साउंड
- स्टीरियो प्रसारण
- इन्टरफेस व शोर का न होना
- दिन और रात में एक समान कवरेज
- उपयोगी सेवा प्रदान करने की क्षमता

एफ एम गोल्ड

एफ एम गोल्ड 1 सितंबर 2001 से दिल्ली में उचित सूचना व मनोरंजन चैनल के रूप में प्रारंभ हुआ था जिसमें 30 प्रतिशत समाचार एवं सामयिक विषयों के कार्यक्रम और 70 प्रतिशत मनोरंजन कार्यक्रम थे। वर्तमान में एफ एम रेनबो के 24 घंटे प्रसारण की तुलना में एफ एम गोल्ड चैनल का दैनिक प्रसारण 18 घंटे है। वर्तमान में एफ एम चैनल 4 महानगरों दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नै में उपलब्ध है। यह अतिरिक्त चैनल अपने श्रोताओं को क्षेत्र में चल रहे समानांतर आकाशवाणी चैनल और निजी एफ एम चैनल के बीच चुनने का विकल्प प्रदान करता है। यह चैनल मनोरंजन के साथ सूचना उपलब्ध करवाने का प्रयास करता है और ट्रैफिक, एयरलाइनों, रेल, मौसम रिपोर्ट आदि की जानकारी की अद्यतन सूचना उपलब्ध करवाता है।

डी टी एच सेवा

डी टी एच रेडियो चैनल उपग्रह सेवा उन श्रोताओं के लिए है जिनके पास टी वी सेट है। डी टी एच सेवा प्रसार भारती के डी टी एच प्लेटफार्म के द्वारा उपलब्ध है जिसकी अपलिंकिंग सुविधाएं टोडापुर, दिल्ली में है। यह स्थलीय प्रसारण सेवा नहीं है और डी टी एच के कार्यक्रमों को साधारण रेडियो पर नहीं सुना जा सकता। डी टी एच पूरे देश के साथ–साथ पड़ोसी देशों को भी कवर करेगा। डी टी एच 24 घंटे चलने वाली डिजिटल प्रसारण सेवा है। कार्यक्रमों की योजना इस प्रकार बनाई गई है कि पुनः प्रसारण कम से कम हो।

डी टी एच सेवा विभिन्न भाषाओं के चैनलों को देश के हर कोने में उपलब्ध करवाता है। डी टी एच प्रसारण का सबसे महत्वपूर्ण पहलू डिजीटल क्वालिटी है। निम्नलिखित चैनल डी टी एच पर उपलब्ध है।

1. **हिंदी :** मूलरूप से आकाशवाणी दिल्ली के केन्द्र से इसका आरंभ हुआ है, अन्य हिंदी केंद्रों से कार्यक्रमों के लिए दिल्ली के साथ आकाशवाणी लखनऊ, आकाशवाणी जयपुर, आकाशवाणी भोपाल, आकाशवाणी शिमला और आकाशवाणी पटना के पास हिंदी डी टी एच चैनल जुडने की सुविधाएं हैं।
2. **गुजराती :** आाकशवाणी, अहमदाबाद केंद्र इसका उद्गम केंद्र है। गुजरात डी टी एच चैनल में वडोदरा, राजकोट, भुज और सूरत से गुजराती कार्यक्रमों को समायोजित किया जाता है।
3. **मराठी :** आकाशवाणी, मुंबई इसका उदगम केंद्र है। एफ एम रेनबो और एफ एम गोल्ड के अतिरिक्त नागपुर व पुणे के मराठी कार्यक्रम डी टी एच चैनल का हिस्सा है।
4. **बंगाली :** आकाशवाणी, कोलकाता इसका उद्गम केंद्र है। कोलकाता 'ए' के कार्यक्रम एफ एम कोलकाता और सिलिगुडी, बँगला डी टी एच चैनल का हिस्सा है।
5. **तेलुगु :** आकाशवाणी हैदराबाद इसका अपलिंक केंद्र है। हैदराबाद के मुख्य केंद्र के कार्यक्रमों के अतिरिक्त सी बी एस हैदराबाद, विजयवाडा, कडप्पा, विशाखापट्टनम भी कार्यक्रम उपलब्ध करवाते हैं।
6. **तमिल :** आकाशवाणी, चेन्नै इसका अपलिंक केंद्र है। तमिल डी टी एच चैनल में चेन्नै से कार्यक्रम एफ एम त्रिची, पांडिचेरी,मदुरै, विज्ञापन प्रसारण सेवा चेन्नै, एफ एम रेनबो चेन्नै इसमें सम्मिलित है।
7. **कन्नड :** आकाशवाणी बंगलूरू इसका मुख्य केन्द्र है। कन्नड डी टी टी चैनल में विज्ञापन प्रसारण सेवा बंगलौर, एफ एम रेनबो धारवाड, मैसूर, मैंगलोर सम्मिलित है।
8. **पंजाबी :** आकाशवाणी जालंधर मुख्य रूप से पंजाबी डी टी एच चैनल के लिए कार्यक्रम प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त जालंधर 'बी', एफ एम जालंधर और चंडीगढ के कार्यक्रम भी इस चैनल से प्रसारित किए जाएंगे।
9. **पूर्वोत्तर सेवा केंद्र** : आकाशवाणी शिलांग और पूर्वोत्तर में अन्य राजधानी केंद्र
10. **विविध भारती सेवा** : मुंबई
11. **एफ एम रेनबो** : दिल्ली
12. **एफ एम गोल्ड** : दिल्ली
13. **उर्दू** : विदेश प्रसारण सेवा
14. **मलयालम** : आकाशवाणी, तिरूवनंतपुरम्

15. उडिया	:	आकाशवाणी, कटक
16. असमिया	:	आकाशवाणी, गुवाहाटी
17. एफ एम रेनबो	:	आकाशवाणी, चेन्नै
18. एफ एम गोल्ड	:	आकाशवाणी, मुंबई
19. एफ एम रेनबो	:	आकाशवाणी, बंगलूरू
20. एफ एम रेनबो	:	आकाशवाणी, मुंबई

विविध भारती

प्रसिद्ध विविध भारती सेवा एक दिन में 15 घंटे मनोरंजन उपलब्ध कराती है। 37 विज्ञापन प्रसारण सेवा–विविध भारती केंद्रों और मुंबई, दिल्ली, चेन्नै और गुवाहाटी से 4 शार्ट वेव ट्रांसमीटरों से एक सिंक्रोनाइज्ड मीटर द्वारा जो देश के किसी भी भाग में समान वेवलेंथ पर सुनी जा सकती है। कार्यक्रम मुंबई में तैयार किए जाते हैं और अन्य आकाशवाणी विविध भारती केंद्रों द्वारा रिले किए जाते है। क्षेत्रीय केंद्र अपनी संबंधित भाषाओं में कुछ कार्यक्रम अपने निर्धारित समय पर तैयार करते है:–

दिनांक 8.4.2010 को विज्ञापन प्रसारण सेवा के निरीक्षण के अवसर पर संसदीय राजभाषा समिति।

ट्रांसमीटर	समय (प्रत्येक दिन)
I	प्रातः 05.55 से 10.05 बजे
II	दोपहर 12.00 से 05.30 शाम बजे
III	शाम 06.15 से 11.00 बजे

राजस्व अर्जित करने का दायित्व आकाशवाणी के विज्ञापन सेट–अप पर है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान रेडियो प्रसारण के क्षेत्र में तेजी से बदलते परिदृश्य के बावजूद, आकाशवाणी के विज्ञापन स्कंध ने अपने केंद्रीय विक्रय एकांश मुंबई और भारत के विभिन्न भागों में स्थित 15 मुख्य विज्ञापन केंद्रों तथा मुंबई, नई दिल्ली, चेन्नै, बंगलूरू, हैदराबाद, कोलकाता, कोच्चि, तिरूवनंतपुरम, गुवाहाटी और जालंधर के 10 विपणन विभागों के माध्यम से लोक सेवा प्रसारक के रूप में संवर्धन किया है।

कार्यक्रमों के साथ विज्ञापन प्रसारण आकाशवाणी की एक निर्धारित आचरण संहिता द्वारा नियंत्रित है। हाल ही में, एक प्रावधान जोडते हुए, आकाशवाणी पर विज्ञापन के लिए संहिता के खंड ।। (4) को संशोधित करते हुए मॉडल आचार संहिता लागू होने की अवधि के दौरान स्थानीय निकाय/राज्य विधानसभाओं/लोकसभा के आम चुनाव के दौरान अन्य व्यक्तियों

उम्मीदवारों/राजनीतिक पार्टियों से निर्धारित फीस के भुगतान और भारत के निर्वाचन आयोग, भारत के निर्वाचन आयोग के अधीन प्राधिकारी द्वारा प्रसारण से पूर्व जांच के बाद स्पॉट और तुकबंदी रेडियो पर विज्ञापन की अनुमति दी ।

सभी आकाशवाणी केंद्रों और विज्ञापन प्रसारण सेवा केंद्रों/विविध भारती केंद्रों/एफ एम चैनलों पर बजट संबंधी व कर्मचारियों की कमी के बावजूद एवं प्रसारण और विज्ञापन संहिता का पूर्णतः पालन करते हुए विज्ञापन स्कंध बडे कॉरपोरेट ग्राहकों/विज्ञापन दाताओं व साथ ही साथ सरकारी विभागों और पी एस यू से व्यापार प्राप्त करने में सक्षम हो पाया है। कुछ प्रमुख निजी कॉरपोरेट ग्राहक हैं– हिन्दुस्तान लीवर लि., डाबर (इंडिया) लि., हीरो होंडा, रिलायंस ग्रुप, एलजी, एयरटेल, वोडाफोन और रेनबैक्सी। सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्रों में से हमारे पास प्रमुख ग्राहक ग्रामीण विकास मंत्रालय, कृषि मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधक प्राधिकरण, जहाजरानी परिवहन एव राजमार्ग, इग्नू, प्रौढ शिक्षा विभाग, इंडियन ऑयल, बीपीएल, बी एस एन एल, एम टी एन एल, एन ए सी ओ, एन एच ए आई, एस बी आई, पंजाब नेशनल बैंक, आई आर डी ए इत्यादि रहे हैं।

बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए, विज्ञापन स्कंध ने इसे अधिक ग्राहक और प्रतिस्पर्धा अनुकूल बनाने के लिए टैरिफ कार्ड में संशोधन किया है। प्राइमरी चैनलों, विविध भारती चैनलों और एफ एम चैनलों की पैकेज दरों के अलावा, नए रेट कार्ड में कुछ नई विशेषताएं शामिल की गई है जैसे प्राइमरी चैनल स्टेट हुकअप पर इकट्ठी बुकिंग पर रियायत तथा एफ एम पैकेज दरों पर भी अनुमानित/विज्ञापन एजेंसियों को प्रेरित करने के लिए एजेंसियों को दिए जाने वाले वार्षिक प्रोत्साहन की न्यूनतम स्लैब को वर्तमान में 10 लाख रुपये से कम करके 5 लाख रूपये तक कर दिया है।

विज्ञापन स्कंध ने सभी प्राइमरी चैनलों, स्थानीय रेडियो केंद्रों, एफ एम के साथ–साथ विविध भारती केंद्रों पर स्पॉट–क्रय बुकिंग की चालू 1:1 बोनस योजना को लागू कर दिया है। इस बाजार अनुकूल योजना की मॉनिटरिंग करते हुए सभी विज्ञापन स्कंध प्रत्येक स्तर पर ग्राहक/विज्ञापन दाताओं से लगातार जुड़ा रहता है ताकि उन्हें आकाशवाणी पर, जो पूरे देश को कवर करने वाला अकेला माध्यम है, विज्ञापन खर्च के भाग को निवेश करने के लिए मनवाया जा सके। विपणन विभाग और विज्ञापन प्रसारण सेवा केंद्र अपने ग्राहकों को उनके उत्पादन/सेवाओं के प्रचार के लिए उपलब्ध बजट के अंदर कम लागत मीडिया योजना का ज्यादा से ज्यादा अवसर प्रदान करते हैं।

आकाशवाणी का विज्ञापन स्कंध आकाशवाणी के अन्य निष्पादन अनुभागों/स्कंधों से भी बराबर जुड़ा रहता है, ताकि वह वर्तमान प्रतिस्पर्धापूर्ण मीडिया पर्यावरण में रेडियो प्रसारण को और अधिक प्रभावशाली बनाने में कार्यक्रम स्कंध के नीति निर्माताओं की सहायता/नीतिगत प्रतिक्रिया दे सके। वास्तव में इस पूरे संगठन के राजस्व अर्जन का उत्तरदायित्व विज्ञापन विंग पर ही है और निसंदेह पिछले कुछ वर्षों में इस संगठन का कुल राजस्व बढ़ाने में इसने अच्छे परिणाम दिए हैं।

वाणिज्यिक से अर्जित सकल राजस्व (लाख रू. में)

वर्ष	विविध भारती	प्राथमिक चैनल *	संपूर्ण
1990–91	2525	1405	3930
1991–92	3489	1784	5273
1992–93	3766	2125	5891
1993–94	3696	2739	6435
1994–95	3544	2885	6429
1995–96	3732	4398	8130
1996–97	3629	4334	7963
1997.98	4305	5039	9344
1998–99	4363	5011	9374
1999–00	3483	4601	8084
2000–01	2971	4419	7390
2001–02	4652	5017	9669
2002–03	4695	5530	10225
2003–04			11769
2004–05			13600
2005–06			26883
2006–07			28365
2007–08			28921
2008–09			29159
2009–10			30308
2010–11			37296

*एफएम सेवा से राजस्व को प्राथमिक चैनल में शामिल किया गया है।

सीबीएस केंद्रों की सूची

1.	केंद्र निदेशक सीबीएस, आकाशवाणी, नवरंगपुरा, पीओ. बॉक्स–4040 अहमदाबाद – 380009 दूरभाषः – 079 7541597	9.	केंद्र निदेशक सीबीएस, आकाशवाणी, 5, पार्क हाउस, मिर्जा इस्माइल रोड, जयपुर – 302001 टेलीफोनः – 0141 368761
2.	केंद्र निदेशक सीबीएस, आकाशवाणी, राजभवन रोड पी. बी 5028, बंगलुरू टेलीफोनः – 080–2268697	10.	केंद्र निदेशक सीबीएस, आकाशवाणी, कानपुर–208002 टेलीफोनः – 0512 294600
3.	केंद्र निदेशक सीबीएस, आकाशवाणी, शिमाला हिल्स भोपाल–462002 टेलीफोनः – 0755–661076 022–2029556 / 8344037	11.	केंद्र निदेशक सीबीएस, आकाशवाणी, ब्रॉडकास्टिंग हाउस मुंबई 400002 टेलीफोनः –28692698
4.	केंद्र निदेशक सीबीएस, आकाशवाणी, ईडन गार्डन, कोलकाता –700001 टेलीफोनः – 033–2487648	12.	केंद्र निदेशक सीबीएस, आकाशवाणी, छाजु बाग, फ्रेजर रोड पी. बी. न. 80, पटना –800001 टेलीफोनः – 0612–225042
5.	केंद्र निदेशक सीबीएस, आकाशवाणी, चंडीगढ़ – 160022 टेलीफोनः – 0172–601847 / 601844	13.	केंद्र निदेशक सीबीएस, रेडियो कश्मीर, श्रीनगर–190001 टेलीफोनः – 0194–455071
6.	केंद्र निदेशक सीबीएस, आकाशवाणी, कटक –753001 टेलीफोनः – 0671–301210	14.	केंद्र निदेशक सीबीएस, आकाशवाणी, तिरुअनंतपुरम 695014 टेलीफोनः – 0471–322349
7.	केंद्र निदेशक सीबीएस, आकाशवाणी, 7, कामराज सलाई, मायलापुर चेन्नई 600004 टेलीफोनः – 044–4985818	15.	केंद्र निदेशक सीबीएस, आकाशवाणी, आकाशवाणी भवन नई दिल्ली –110001 टेलीफोनः– 011–3718028
8.	केंद्र निदेशक सीबीएस, आकाशवाणी, 3 मंजिल, रॉक भूमि, सैफाबाद हैदराबाद 500004 टेलीफोनः – 040–3240452	16.	केंद्र बिक्री, बिक्री केंद्रीय यूनिट, आकाशवाणी, ब्रॉडकास्टिंग हाउस बैकबे रिक्लेमेशन मुंबई –400020 टेलीफोनः –022–2029427 / 2876040
		17	निदेशक सीबीएस, ऑल इंडिया रेडियो, चांदमारी गुवाहाटी. टेलीफोनः – 0361–2664426

विविध भारती केंद्र

कुल 37 केंद्र और ट्रांसमीटर–38 (एफएम– 27 मेगावाट–11,)

क्र.स.	स्थान	राज्य	क्षेत्र	ट्रांसमीटर (मेगावाट/एफएम)	शक्ति	आवृत्ति किलोहर्टज/मेगाहर्ट्ज
1	अहमदाबाद	गुजरात	पश्चिम	एफएम	10 किलोवाट	96.7
2	इलाहाबाद	उत्तर प्रदेश	उत्तर	एफएम	10 किलोवाट	100.3
3	बंगलूरू	कर्नाटक	दक्षिण	एफएम	10 किलोवाट	102.9
4	भोपाल	मध्य प्रदेश	पश्चिम	एफएम	6 किलोवाट	103.5
5	चंडीगढ़ *	केंद्र शासित प्रदेश	उत्तर	एफएम	6 किलोवाट	103.1
6	चेन्नै	तमिलनाडु	दक्षिण	मेगावाट	20 किलोवाट	783
7	कटक	उड़ीसा	पूर्व	मेगावाट	1 किलोवाट	1314
8	दिल्ली	दिल्ली	उत्तर	मेगावाट	20 किलोवाट	1368
9	धारवाड़	कर्नाटक	दक्षिण	एफएम	10 किलोवाट	103
10	गुवाहाटी	असम	पूर्व	एफएम	10 किलोवाट	100.8
11	हैदराबाद	आंध्र प्रदेश	दक्षिण	एफएम	6 किलोवाट	102.8
12	इंदौर	मध्य प्रदेश	पश्चिम	एफएम	6 किलोवाट	101.6
13	जबलपुर	मध्य प्रदेश	पश्चिम	एफएम	10 किलोवाट	102.9
14	जयपुर	राजस्थान	उत्तर	एफएम	6 किलोवाट	100.3
15	जालंधर	पंजाब	उत्तर	मेगावाट	1 किलोवाट	1350
16	जम्मू	जम्मू व कश्मीर	उत्तर	एफएम	10 किलोवाट	104.5
17	जमशेदपुर	झारखंड	पूर्व	एफएम	6 किलोवाट	100.8
18	जोधपुर	राजस्थान	उत्तर	एफएम	6 किलोवाट	102.1
19	कानपुर *	उत्तर प्रदेश	उत्तर	मेगावाट	1 किलोवाट	1449
20	कोलकाता	पश्चिम बंगाल	पूर्व	मेगावाट	20 किलोवाट	1323
21	कोझीकोड	केरल	दक्षिण	एफएम	10 किलोवाट	103.6
22	लखनऊ	उत्तर प्रदेश	उत्तर	मेगावाट	10 किलोवाट	1278
23	मुंबई	महाराष्ट्र	पश्चिम	मेगावाट	50 किलोवाट	1188
24	नागपुर	महाराष्ट्र	पश्चिम	एफएम	6 किलोवाट	100.6
25	पणजी	गोवा	पश्चिम	मेगावाट	20 किलोवाट	1539
26	पटना	बिहार	पूर्व	एफएम	6 किलोवाट	102.5
27	पुणे	महाराष्ट्र	पश्चिम	एफएम	6 किलोवाट	101
28	राजकोट	गुजरात	पश्चिम	एफएम	10 किलोवाट	95.8
29	रांची	झारखंड	पूर्व	एफएम	6 किलोवाट	103.3
30	सिलिगुडी	पश्चिम बंगाल	पूर्व	एफएम	10 किलोवाट	101.4
31	श्रीनगर	जम्मू व कश्मीर	उत्तर	एफएम	10 किलोवाट	102.6
32	सूरत	गुजरात	पश्चिम	एफएम	6 किलोवाट	101.1
33	त्रिवेन्द्रम	केरल	दक्षिण	एफएम	10 किलोवाट	101.9
34	उदयपुर	राजस्थान	उत्तर	एफएम	1 किलोवाट	101.7
35	वडोदरा *	गुजरात	पश्चिम	एफएम	10 किलोवाट	93.9
36	वाराणसी	उत्तर प्रदेश	उत्तर	मेगावाट	1 किलोवाट	1602
				एफएम	1 किलोवाट	100.60
37	विजयवाड़ा	आंध्र प्रदेश	दक्षिण	मेगावाट	1 किलोवाट	1503

* विशेष विविध भारती केंद्र

नैशनल चैनल

आकाशवाणी का नैशनल चैनल शाम 6.50 बजे से अगली सुबह 6.10 बजे तक रात्रि सेवा के रूप में कार्य करता है. नैशनल चैनल की सेवाएं 18 मई 1988 को प्रारंभ हुई थीं।

भारत के पूरे क्षेत्र को एक अंचल के रूप में लेकर, इस चैनल के कार्यक्रमों की रूपरेखा ऐसे तैयार की जाती है कि वे देश की विविध संस्कृतियों के ताने – बाने और लोकाचार को संपूर्णता से प्रस्तुत कर सकें।

नैशनल चैनल की सेवा 3 भाषाओं – हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी में होती हैं, जिनमें विज्ञान, स्वास्थ्य, खेलकूद, साहित्य, हास्य, समसामयिक सामाजिक मामले और सांस्कृतिक धरोहर को मिलाकर विभिन्न कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं ताकि श्रोताओं की सभी प्रकार की जानकारी मिले. 'विविधा' कार्यक्रम के प्रसारण के केंद्र बिंदु शिक्षा, सामाजिक और आर्थिक विकास हैं। यह कार्यक्रम हिंदी और अंग्रेजी में एक दिन छोड़कर प्रसारित किया जाता है. इसी प्रकार उर्दू का 'मंजर' कार्यक्रम प्रतिदिन प्रसारित किया जाता है. अर्थशास्त्र, विज्ञान, खेलकूद, संगीत और साहित्य पर पत्रिका कार्यक्रम नियमित रूप से प्रसारित होते हैं। कैरियर मार्गदर्शन, समसामयिक मामले, और सामाजिक मुद्दों पर साप्ताहिक कार्यक्रम 'फोकस' में चर्चा की जाती है। अन्य साप्ताहिक कार्यक्रमों में वरिष्ठ नागरिक और मुलाकात कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों को बुलाया जाता है। परस्पर रेडियो परामर्शी कार्यक्रम 'हैलो जिंदगी' में जीवन और स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाती है. 'हँसते हँसाते' कार्यक्रम सप्ताह में दो बार प्रसारित किया जाता है। शास्त्रीय संगीत (हिंदुस्तानी और कर्नाटक) और क्षेत्रीय संगीत निर्धारित समय पर रोजाना प्रसारित किए जाते हैं।

कार्यक्रम गतिविधियों में श्रोताओं को शामिल करने और उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जवानों के 'जय जवान' कार्यक्रम सहित उनके संदेशों/अनुरोध के कार्यक्रम सप्ताह में छः दिन प्रसारित किए जाते हैं।

केवल नैशनल चैनल से रात्रि भर हिंदी और अंग्रेजी में समाचार हर घंटे बारी बारी से प्रसारित किए जाते हैं। जब संसद का सत्र चलता हैं तो नैशनल चैनल श्रोताओं के हितार्थ 'प्रश्न काल' की रिकार्डिंग का प्रसारण करता है।

रमजान के पवित्र मास में एक 50 मिनट का विशेष कार्यक्रम 'सहरगाही' रोजाना (प्रातः 4.10 से 5.00 बजे तक) प्रसारित किया गया जिसम मानवीय मूल्यों और भारत – मुस्लिम संस्कृति पर बल दिया गया।

नैशनल चैनल ने रेडियो कार्यक्रमों में डिप्लोमा के इग्नू के छात्रों को प्रशिक्षण दिया।

नैशनल चैनल का कार्यक्रम नागपुर (1916 एम – 1566 किलोहर्ट्ज) और दिल्ली (249.9 एम – 1215 किलोहर्ट्ज) पर 31 मीटर बैंड (9425 किलोहर्ट्ज और 9470 किलोहर्ट्ज) पर मीडियम वेव की सहायता से उपलब्ध हैं।

दिनांक 01.8.2010 को आकाशवाणी दिल्ली द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन में कवि।

वर्तमान आकाशवाणी केंद्र

(31.03.2011 तक)

कुल केंद्र–241

कुल ट्रांसमीटर–385 (मी. वेव 149, एफएम –182, शाट वेव–54,)

क्र.सं.	केंद्र	श्रेणी	ट्रांसमीटर	आवृत्ति	स्टूडियो
आंध्र प्रदेश (13)			कुल (मेगावाट + एफएम) कवरेजः क्षेत्र 99.00%		
ट्रांसमीटर –21 (मेगावाट –7, एफएम –13, शाट वेव–1)			जनसंख्या –99.50%		
			एफएम कवरेजः क्षेत्र 23.67% जनसंख्या –26.90%		
1	आदिलाबाद	स्थानीय रेडियो केंद्र	1 किलोवाट मेगावाट	1485 किलोहर्ट्ज	एम.पी
2	अनन्तपुर	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 किलोवाट एफएम	101.7 मेगाहर्ट्ज	एम.पी
3	कुडापाह	क्षेत्रीय	100 किलोवाट मेगावाट	900 किलोहर्ट्ज	प्रकार I
	(कडप्पा)				
4	हैदराबाद	क्षेत्रीय	200 किलोवाट मेगावाट	738 किलोहर्ट्ज	प्रकार चतुर्थ,
					अपलिंक
			20 किलोवाट मेगावाट	1377 किलोहर्ट्ज	फोन पर समाचार
			6 किलोवाट एफएम वीबी	102.8 मेगाहर्ट्ज	
			5 किलोवाट एफएम,	101.9 मेगाहर्ट्ज	स्टीरियो
			रेनवो		50 किलोवाट शाट वेव
5	कोटागुडम	क्षेत्रीय	6 किलोवाट एफएम	100.1 मेगाहर्ट्ज	
6	कुर्नूल	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 किलोवाट एफएम	102.4 मेगाहर्ट्ज	एम.पी
7	मरकापुरम्	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 किलोवाट एफएम	101.5 मेगाहर्ट्ज	एम.पी
8	निजामाबाद	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 किलोवाट एफएम	103.2 मेगाहर्ट्ज	एम.पी
9	तिरूपति	स्थानीय रेडियो केंद्र	10 किलोवाट एफएम	103.2 मेगाहर्ट्ज	एम.पी
			3 किलोवाट एफएम	107.5 मेगाहर्ट्ज	एम.पी
10	विजयवाड़ा	क्षेत्रीय	100 किलोवाट मेगावाट	837 किलोहर्ट्ज	
			1 किलोवाट मेगावाट वीबी	1503 किलोहर्ट्ज	प्रकार III
			1 किलोवाट एफएम	102.2 किलोहर्ट्ज	
			(इन्टिग्रेटेड स्थापित)		
11	विशाखापट्टनम	क्षेत्रीय	100 किलोवाट मेगावाट	927 किलोहर्ट्ज	प्रकार I
			10 किलोवाट एफएम,	102 मेगाहर्ट्ज	स्टीरियो
			रेनवो		
12	वारंगल	स्थानीय रेडियो केंद्र	10 किलोवाट एफएम	103.5 मेगाहर्ट्ज	एम.पी
13	मचेरला	स्थानीय रेडियो केंद्र	3 किलोवाट एफएम	103.1 मेगाहर्ट्ज	एम.पी
14	करीम नगर	रिले	1 किलोवाट एफएम		
अरूणाचल प्रदेश			कुल कवरेजः (मेगावाट + एफएम) क्षेत्र 57.00%		
(5)ट्रांसमीटर –7 (मेगावाट –5, शाट वेव–1 एफएम –1,)			जनसंख्या –76.00%		
			एफएम कवरेजः क्षेत्र 4.86% जनसंख्या –10.97%		
15	ईटानगर	क्षेत्रीय	100 किलोवाट मेगावाट	675 किलोहर्ट्ज	प्रकार I अपलिंक

क्र.सं.	केंद्र	श्रेणी	ट्रांसमीटर	आवृत्ति	स्टूडियो
			50 किलोवाट शार्ट वेव		
			10 किलोवाट एफएम	103.1	
16	पासी घाट	क्षेत्रीय	10 किलोवाट मेगावाट	1062 किलोहर्ट्ज	एम.पी
17	तवांग	क्षेत्रीय	10 किलोवाट मेगावाट	1521 किलोहर्ट्ज	एम.पी
18	तेजू	क्षेत्रीय	10 किलोवाट मेगावाट	1332 किलोहर्ट्ज	एम.पी
19	जीरो	स्थानीय रेडियो केंद्र	1 किलोवाट मेगावाट	1602 किलोहर्ट्ज	एम.पी
असम (10)			कुल कवरेज: (मेगावाट + एफएम) क्षेत्र 96.70%		
ट्रांसमीटर –14 (मेगावाट –7, शाट वेव–2 एफएम –5,)			जनसंख्या –98.87%		
			एफएम कवरेज: क्षेत्र 36.83% जनसंख्या –38.05%		
20	धुबरी	रिले	6 किलोवाट मेगावाट	103.3 मेगाहर्ट्ज	
21	डिब्रूगढ़	क्षेत्रीय	300 किलोवाट मेगावाट	567 किलोहर्ट्ज	प्रकार III
22	दिपु	स्थानीय रेडियो केंद्र	1 किलोवाट मेगावाट	1485 किलोहर्ट्ज	एम.पी
23	गुवाहाटी	क्षेत्रीय	100 किलोवाट मेगावाट	729 किलोहर्ट्ज	प्रकार चतुर्थ,
					अपलिंक
			10 किलोवाट मेगावाट	1035 किलोहर्ट्ज	
			10 किलोवाट एफएम वीबी		स्टीरियो
			50 किलोवाट शार्ट वेव		
			क्षेत्रीय सेवा		
			50 किलोवाट मेगावाट		
24	हॉफलॉग	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 किलोवाट एफएम	102 मेगाहर्ट्ज	एम.पी
25	जोरहाट	स्थानीय रेडियो केंद्र	10 किलोवाट एफएम	103.4 मेगाहर्ट्ज	एम.पी
26	कोकराझार	क्षेत्रीय	20 किलोवाट मेगावाट	1512 किलोहर्ट्ज	प्रकार I
27	नॉगाँव	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 किलोवाट एफएम	102.7 मेगाहर्ट्ज	एम.पी
28	सिलचर	क्षेत्रीय	20 किलोवाट मेगावाट	828 किलोहर्ट्ज	प्रकार I
29	तेजपुर	क्षेत्रीय	20 किलोवाट मेगावाट	1125 किलोहर्ट्ज	एम.पी
बिहार (6)			कुल कवरेज: (मेगावाट + एफएम) क्षेत्र 99.00%*		
ट्रांसमीटर –7 (मेगावाट –3, शाट वेव–शून्य एफएम –4,)			जनसंख्या –99.00%*		
			एफएम कवरेज: क्षेत्र 20.5% जनसंख्या –19.38%		
30	भागलपुर	क्षेत्रीय	20 किलोवाट मेगावाट	1458 किलोहर्ट्ज	प्रकार I
31	दरभंगा	क्षेत्रीय	20 किलोवाट मेगावाट	1296 किलोहर्ट्ज	प्रकार I
32	पटना	क्षेत्रीय	100 किलोवाट मेगावाट	621 किलोहर्ट्ज	प्रकार चतुर्थ, अपलिंक, समाचार फोन पर
			6 किलोवाट एफएम वी बी	102.5 मेगाहर्ट्ज	स्टीरियो
33	पूर्णिया	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 किलोवाट एफएम	102.3 मेगाहर्ट्ज	एम.पी
34	सासाराम	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 किलोवाट एफएम	103.4 मेगाहर्ट्ज	एम.पी
35	औरंगाबाद	एल.टी.पी.टी रिले	6 किलोवाट एफएम	102.4 मेगाहर्ट्ज	

छत्तीसगढ़ (6)			कुल कवरेजः (मेगावाट + एफएम) क्षेत्र 93.80%		
ट्रांसमीटर –14 (मेगावाट –7, एफएम –5, शाट वेव–2)			जनसंख्या –97.35%		
			एफएम कवरेजः क्षेत्र 9.1% जनसंख्या –13.80%		
36	अम्बिकापुर	क्षेत्रीय	20 किलोवाट मेगावाट	1260 किलोहर्ट्ज	प्रकार I
37	बिलासपुर	एल आर एस	6 किलोवाट एफएम	103.2 मेगाहर्ट्ज	एमपी
38	जगदलपुर	क्षेत्रीय	100 किलोवाट मेगावाट	756 किलोहर्ट्ज	प्रकार I
39	रायगढ़	स्थानीय रेडियो	6 किलोवाट एफएम	100.7 मेगाहर्ट्ज	एमपी
40	रायपुर	क्षेत्रीय	100 किलोवाट मेगावाट	981 किलोहर्ट्ज	प्रकार I अपलिंक, समाचार फोन पर
			1 किलोवाट एफएम (इंटरनैशनल स्थापित)	101.6 मेगाहर्ट्ज	स्टीरियो
41	सरायपल्ली	स्थानीय रेडियो	1 किलोवाट एफएम	102.8 मेगाहर्ट्ज	एमपी
दिल्ली			कुल कवरेजः (मेगावाट + एफएम) क्षेत्र 99.00%		
ट्रांसमीटर –22 (मेगावाट –5, शाट वेव–15 एफएम –2,)			जनसंख्या –99.00%		
			एफएम कवरेजः क्षेत्र 90.00% जनसंख्या –98.90%		
42	दिल्ली (1)	क्षेत्रीय	200 किलोवाट मेगावाट 'क'	819 किलोहर्ट्ज	प्रकार चतुर्थ इसके अलावा, अपलिंक
			100 किलोवाट मेगावाट 'ख'	666 किलोहर्ट्ज	फोन पर समाचार
			10 किलोवाट मेगावाट 'ग' (युवावाणी)	1368 किलोहर्ट्ज	
			10 किलोवाट एफएम (रेनबो)	1017 किलोहर्ट्ज	
			5 किलोवाट एफएम (गोल्ड)	102.6 मेगाहर्ट्ज	स्टीरियो
			20 किलोवाट मेगावाट एनसी	106.4 मेगाहर्ट्ज	स्टीरियो
			50 कि.वाट शार्ट वेव विदेश सेवा	1215 किलोहर्ट्ज	प्रकार III
			50 कि.वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			50 कि.वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			50 कि.वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			50 कि.वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			50 कि.वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			100 कि.वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			100 कि.वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			250 कि.वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			250 कि.वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			250 कि.वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			250 कि.वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			250 कि.वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			250 कि.वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			250 कि.वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
गोवा (1)			कुल कवरेजः (मेगावाट + एफएम) क्षेत्र 99.00%		
ट्रांसमीटर –5 (मेगावाट –2, एफएम –1, शाट वेव–2)			जनसंख्या –99.00%		
			एफएम कवरेजः क्षेत्र 90.00% जनसंख्या –90.90%		
43	पणजी	क्षेत्रीय	100 किलोवाट मेगावाट	1287 किलोहर्ट्ज	प्रकार III

			20 किलोवाट मेगावाट वीबी	1539 किलोहर्ट्ज	
			6 किलोवाट एफएम,	105.4 मेगाहर्ट्ज	स्टीरियो
			रेनबो		
			250 कि.वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			250 कि.वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
गुजरात [8]			**कुल कवरेजः (मेगावाट + एफएम) क्षेत्र 99.00%**		
ट्रांसमीटर - 11 (मेगावाट-6, एफएम-5)			**जनसंख्या –99.00%**		
			एफएम कवरेजः क्षेत्र 14.93% जनसंख्या –36.90%		
44	अहमदाबाद	क्षेत्रीय	200 किलोवाट मेगावाट	846 किलोहर्ट्ज	प्रकार चतुर्थ, अपलिंक, समाचार फोन पर
			10 किलोवाट एफएम वीबी	96.7 मेगाहर्ट्ज	स्टीरियो
45	अह्वा	क्षेत्रीय	1 किलोवाट मेगावाट	1485 किलोहर्ट्ज	एमपी
46	भुज	क्षेत्रीय	20 किलोवाट मेगावाट	1314 किलोहर्ट्ज	प्रकार II
47	गोधरा	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 किलोवाट एफएम	102.2 मेगाहर्ट्ज	एमपी
48	राजकोट	क्षेत्रीय	300 किलोवाट मेगावाट	810 किलोहर्ट्ज	प्रकार III
			10 किलोवाट एफएम वीबी	95.8 मेगाहर्ट्ज	स्टीरियो
			1000 कि.वाट शार्ट वेव विदेश सेवा	1071 किलोहर्ट्ज	प्रचलन में नहीं
49	सूरत	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 किलोवाट एफएम, वीबी	101.1 मेगाहर्ट्ज	एमपी
50	वडोदरा	वीबी ईएक्ससीएल	10 किलोवाट एफएम	93.9 मेगाहर्ट्ज	प्रकार II स्टीरियो
51	हिम्मतनगर	स्थानीय रेडियो केंद	1 किलोवाट मेगावाट	1584 किलोहर्ट्ज	एमपी
हरियाणा [3]			**कुल कवरेजः (मेगावाट + एफएम) क्षेत्र 99.00%***		
ट्रांसमीटर–4(मेगावाट–1, एफएम–3, शाटवेव–0)			**जनसंख्या –99.00%**		
			एफएम कवरेजः क्षेत्र 39.5% जनसंख्या –38.85%		
52	हिसार	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 किलोवाट एफएम	102.3 मेगाहर्ट्ज	एमपी अपलिंक (के तहत स्थापन)
53	कुरुक्षेत्र	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 किलोवाट एफएम	101.4 मेगाहर्ट्ज	एमपी
54	रोहतक	क्षेत्रीय	20 किलोवाट मेगावाट	1143 किलोहर्ट्ज	प्रकार III
			1 किलोवाट एफएम(इन्टिग्रेटेड स्थापित)	103.5 मेगाहर्ट्ज	स्टीरियो
हिमाचल प्रदेश [7]			**कुल कवरेजः (मेगावाट + एफएम) क्षेत्र 52.00%**		
ट्रांसमीटर–8 (मेगावाट–2, एफएम–5, शाटवेव–1)			**जनसंख्या – 88.91%**		
			एफएम कवरेजः क्षेत्र– 48.91% जनसंख्या –88.03%		
55	धर्मशाला	क्षेत्रीय	10 किलोवाट एफएम	103.4 मेगाहर्ट्ज	एमपी
56	हमीरपुर	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 किलोवाट एफएम	101.8 मेगाहर्ट्ज	एमपी
57	कसौली	रिले	10 किलोवाट एफएम	107.2 मेगाहर्ट्ज	
58	किन्नौर (कल्प)	रिले	1 किलोवाट मेगावाट	1584 किलोहर्ट्ज	
59	कुल्लू	रिले	6 किलोवाट एफएम	102.5 मेगाहर्ट्ज	

60	शिमला	क्षेत्रीय	100 कि. वाट मी. वेव	774 कि. हर्टज	टाइप 3,
			50 कि. वाट शार्ट वेव		अपलिंक
			1 कि.वाट एफ एम (अंतरिम सैटअप)	100.9 मेगा हर्टज	स्टीरियो
61	भारमोर	एलपीटी रिले	100 वा.एफएम	101.3 मेगा हर्टज	
62	कीलाँग	एलपीटी रिले	100 वा.एफएम	100.4 मेगा हर्टज	
जम्मू और कश्मीर (16) ट्रांसमीटर –25 (मी.वेव –14, शार्ट वेव–3, एफ एम –8,)			कुल कवरेज (मी.वेव. एफएम): क्षेत्र –48.05% जनसंख्या– 99.50% एफ एम कवरेज– क्षेत्र – 10.50% जनसंख्या – 63. 10%		
63	जम्मू	क्षेत्रीय	300 कि. वाट मी. वेव	990 कि. हर्टज	टाइप 3,
					अपलिंक
			3 कि. वाट एफ एम युववाणी	100.3 मेगा हर्टज	
			10 कि. वाट एफएम विविध भारती	104.5 मेगा हर्टज	
			50 कि. वाट शार्ट वेव		
64	कारगिल	क्षेत्रीय	1 कि. वाट मी. वेव	1584 कि. हर्टज	एमपी
			200 कि. वाट मी. वेव	684 कि. हर्टज	
65	कठुआ	स्थानीय रेडियो केंद्र	10 कि. वाट एफ एम	102.2 मेगा हर्टज	एम पी
66	लेह	क्षेत्रीय	20 कि. वाट मी. वेव	1053 कि. हर्टज	एम पी, अपलिंक
			10 कि. वाट शार्ट वेव		
			100 कि. वाट एफ एम		
67	पुंछ	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	100.7 मेगा हर्टज	एम पी
68	श्रीनगर	क्षेत्रीय	300 कि. वाट मी. वेव	1116 कि. हर्टज	टाइप 3,
					अपलिंक
			10 कि. वाट मी. वेव युववाणी	1224 कि. हर्टज	
			10 कि. वाट एफएम विविध भारती	102.6 मेगा हर्टज	स्टीरियो
			50 कि. वाट शार्ट वेव		
69	भदरवा	क्षेत्रीय	6 कि. वाट एफ एम	101.0 मेगा हर्टज	एम पी
70	कुपवाड़ा	रिले	20 कि. वाट मी. वेव	1350 कि. हर्टज	
71	खलसी	रिले	1 कि. वाट मी. वेव	1485 कि. हर्टज	
72	नौशेरा	रिले	20 कि. वाट मी. वेव	1089 कि. हर्टज	
73	राजौरी	रिले	10 कि. वाट एफ एम	101.9 मेगा हर्टज	
74	द्रास	रिले	1 कि. वाट मी. वेव	1485 कि. हर्टज	
75	तीसुरू	रिले	1 कि. वाट मी. वेव	1602 कि. हर्टज	
76	न्यौमा	रिले	1 कि. वाट मी. वेव	1485 कि. हर्टज	
77	दिसकित	रिले	1 कि. वाट मी. वेव	1602 कि. हर्टज	
78	पाडुम	रिले	1 कि. वाट मी. वेव		
झारखंड (5) ट्रांसमीटर–8 (मी.वेव – 2, शार्ट वेव – 1, एफ एम– 5,)			एफएम कवरेज (मी.वेव.+एफएम): क्षेत्र–99.00% जनसंख्या–99. 50% एफ एम कवरेजः क्षेत्र –35.09%. जनसंख्या– 36.02%		
79	चाइबासा	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	101.7 मेगा हर्टज	एम पी

80	डाल्टनगंज	स्थानीय रेडियो केंद्र	10 कि. वाट एफ एम	103 मेगा हर्टज	एम पी
81	हजारीबाग	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	102.1 मेगा हर्टज	एम पी
82	जमशेदपुर	क्षेत्रीय	1 कि. वाट मी. वेव	1584 कि. हर्टज	टाइप ।
			6 कि. वाट एफ एम विविध भारती	100.8 मेगा हर्टज	स्टीरियो
83	रॉची	क्षेत्रीय	100 कि. वाट मी. वेव	549 कि. हर्टज	टाइप 2,
					अपलिंक
			6 कि. वाट एफ एम विविध भारती	103.3 मेगा हर्टज	स्टीरियो
			50 कि. वाट शार्ट वेव		
कर्नाटक (14) ट्रांसमीटर –25 (मी.वेव–5, शार्ट वेव – 6, एफएम–14,)			**कुल कवरेज (मी.वेव.+एफएम)% क्षेत्र–96.40% जनसंख्या–97.30%एफ एम कवरेजः क्षेत्र –25.63%. जनसंख्या–36.36%**		
84	बंगलौर (बैंगलुरू)	क्षेत्रीय	200 कि. वाट मी. वेव	612 कि. हर्टज	टाइप 4,अप. लिंक फोन पर समाचार
			10 कि. वाट एफ एम विविध भारती	102.9 मेगा हर्टज	स्टीरियो
			10 कि. वाट एफ एम रेनबो	101.3 मेगा हर्टज	स्टीरियो
			500 कि. वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			500 कि. वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			500 कि. वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			500 कि. वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			500 कि. वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			500 कि. वाट शार्ट वेव विदेश सेवा और विविध भारती		
85	भदरावती	क्षेत्रीय	20 कि. वाट मी. वेव	675 कि. हर्टज	टाइप ।
86	बेल्लारी	क्षेत्रीय	1 कि. वाट एफ एम (अंतरिम सैटअप)	103.3 मेगा हर्टज	
87	बीजापुर	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	101.8 मेगा हर्टज	एम पी
88	चित्रदुर्ग	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	102.6 मेगा हर्टज	एम पी
89	धारवाड़	क्षेत्रीय	200 कि. वाट मी. वेव	765 कि. हर्टज	टाइप 3
			10 कि. वाट एफ एम विविध भारती	103.03 मेगा हर्टज	
90	गुलबर्गा	क्षेत्रीय	20 कि. वाट मी. वेव	1107 कि. हर्टज	
			1 कि. वाट एफ एम (अंतरिम सैटअप)	103.07 मेगा हर्टज	स्टीरियो
91	हासन	क्षेत्रीय	6 कि. वाट एफ एम	1107 कि. हर्टज	टाइप 1
92	हॉस्पेट	स्थानीय रेडियो केंद्र	10 कि. वाट एफ एम	102.2 मेगा हर्टज	एम पी
93	कारवार	स्थानीय रेडियो केंद्र	3 कि. वाट एफ एम	100.5 मेगा हर्टज	एम पी
94	मंगलौर	क्षेत्रीय	20 कि. वाट मी. वेव	1089 कि. हर्टज	एम पी
	/उडीपी				
			10 कि. वाट एफ एम	100.03 मेगा हर्टज	टाइप 1
95	मरकारा	क्षेत्रीय	6 कि. वाट एफ एम	103.1	
	(मडीकेरी)				
96	मैसूर	क्षेत्रीय	10 कि. वाट एफ एम	1017 कि. हर्टज	एम पी
97	रायचूर	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	102.1 मेगा हर्टज	एम पी
केरल (8) ट्रांसमीटर–12 (मी.वेव–4, शार्ट वेव – 1, एफ एम–7,)			**कुल कवरेज (मी.वेव.+एफएम): क्षेत्र–99.60% जनसंख्या–99.80% एफ एम कवरेज% क्षेत्र–41.57%. जनसंख्या–45.85%**		

98	एलेप्पी	रिले	200 कि. वाट मी. वेव	576 कि. हर्टज	
	(आलपुषा)				
99	कालीकट	क्षेत्रीय	100 कि. वाट मी. वेव	684 कि. हर्टज	टाइप 3
	(कोझीकोड)				
			10 कि. वाट एफएम (विविध भारती)	103.06 मेगा हर्टज	
100	कनानौर	क्षेत्रीय	6 कि. वाट एफ एम	101.5 मेगा हर्टज	एम पी
	(कन्नूर)				
101	कोचीन (कोच्चि)	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	102.3 मेगा हर्टज	एम पी
			10 कि.वाट एफएम विविध भारती	107.5 मेगा हर्टज	
102	इदुक्की	क्षेत्रीय	6 कि. वाट एफ एम	101.4 मेगा हर्टज	एम पी
	(देवीकुलम)				
103	त्रिचुर (तृश्शूर)	क्षेत्रीय	100 कि. वाट मी. वेव	630 कि. हर्टज	टाइप 1
104	त्रिवेन्द्रम	क्षेत्रीय	20 कि. वाट मी. वेव	1161 कि. हर्टज	टाइप 4,अपलिंक फोन पर समाचार
			10 कि.वाट एफएम विविध भारती	101.9 मेगा हर्टज	स्टीरियो
			50 कि. वाट शार्ट वेव		
105	मंजरी	स्थानीय रेडियो केंद्र	3 कि. वाट एफ एम रेनबो	102.7 मेगा हर्टज	एमपी
मध्य प्रदेश (16)			**कुल कवरेज (मी.वेव.+एफएम): क्षेत्र–99.30%**		
ट्रांसमीटर –20 (मी.वेव–6, शार्ट वेव – 1, एफ एम–13,)			**जनसंख्या–99.40%**		
			एफ एम कवरेज: क्षेत्र–23.74%. जनसंख्या–28.00%		
106	बालाघाट	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट मी. वेव	101.3 मेगा हर्टज	एम पी
107	बेतूल	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	103.1 मेगा हर्टज	एम पी
108	भोपाल	क्षेत्रीय	10 कि. वाट मी. वेव	1593 कि. हर्टज	टाइप 3, अपलिंक
			6 कि.वाट एफएम विविध भारती	103.5 मेगा हर्टज	स्टीरियो
			50 कि. वाट शार्ट वेव		
109	छत्तरपुर	क्षेत्रीय	20 कि. वाट मी. वेव	675 कि. हर्टज	टाइप 1
110	छिंदवाड़ा	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	102.2 मेगा हर्टज	एम पी
111	गुना	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	102.3 मेगा हर्टज	एम पी
112	ग्वालियर	क्षेत्रीय	20 कि. वाट मी. वेव	1386 कि. हर्टज	टाइप 1
113	इंदौर	क्षेत्रीय	200 कि. वाट मी. वेव	648 कि. हर्टज	टाइप 3
			6 कि.वाट एफएम विविध भारती	101.6 मेगा हर्टज	स्टीरियो
114	जबलपुर	क्षेत्रीय	200 कि. वाट मी. वेव	801 कि. हर्टज	टाइप 1
			10 कि.वाट एफएम विविध भारती	102.9 मेगा हर्टज	स्टीरियो
115	खंडवा	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	101.2 मेगा हर्टज	एम पी
116	रीवा	क्षेत्रीय	20 कि. वाट मी. वेव	1179 कि. हर्टज	टाइप 2
117	सागर	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	102.6 मेगा हर्टज	एम पी
118	शहडोल	क्षेत्रीय	6 कि. वाट एफ एम	102 मेगा हर्टज	एम पी
119	शिवपुरी	क्षेत्रीय	6 कि. वाट एफ एम	100.2 मेगा हर्टज	एम पी
120	मंडला	स्थानीय रेडियो केंद्र	1 कि. वाट एफ एम	100.4 मेगा हर्टज	एम पी
121	राजगढ़	स्थानीय रेडियो केंद्र	3 कि. वाट एफ एम	100.7 मेगा हर्टज	एम पी
122	पंचमढ़ी	रिले	100 वाट एफ एम	101.1 मेगा हर्टज	एम पी

महाराष्ट्र (22) ट्रांसमीटर–31 (मी.वेव –12, शार्ट वेव – 2, एफ एम–17,)			कुल कवरेज (मी.वेव.+एफएम): क्षेत्र–98.67% जनसंख्या–98.99% एफ एम कवरेजः क्षेत्र–24.3%. जनसंख्या–44.15%		
123	अहमदनगर	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्टज	एम पी
124	अकोला	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	102.4 मेगा हर्टज	एम पी
125	औरंगाबाद	क्षेत्रीय	1 कि. वाट एफ एम	1521 कि. हर्टज	टाइप 2,अपलिंक (संस्थापनाधीन)
			1 कि.वाट एफ एम (अंतरिम सैटअप)	101.7 मेगा हर्टज	स्टीरियो
126	बीड	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	102.9 मेगा हर्टज	एम पी
127	चन्द्रपुर	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	103 मेगा हर्टज	एम पी
128	धुले	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	100.5 मेगा हर्टज	एम पी
129	घरचीरोली	रिले	100 वाट एफ एम	101.8 मेगा हर्टज	
130	जलगांव	क्षेत्रीय	20 कि. वाट एफ एम	963 कि. हर्टज	टाइप 1
131	कोल्हापुर	क्षेत्रीय	6 कि. वाट एफ एम	102.7 मेगा हर्टज	एम पी
132	मुंबई	क्षेत्रीय	100 कि. वाट मी. वेव 'ए'	1044 कि. हर्टज	टाइप 4, प्लस अपलिंक
			100 कि. वाट मी. वेव 'बी'	558 कि. हर्टज	मल्टी ट्रेक
			50 कि.वाट मी. वेव विविध भारती	1188 कि. हर्टज	फोन पर समाचार
			10 कि. वाट एफ.एम. रेनबो	107.1 कि. हर्टज	स्टीरियो
			100 कि. वाट एफ.एम. गोल्ड	100.7 कि. हर्टज	स्टीरियो
			100 कि. वाट शार्ट वेव		
			50 कि. वाट शार्ट वेव		
133	नागपुर	क्षेत्रीय	300 कि. वाट मी.वेव	585 कि. हर्टज	टाइप 3
			6 कि.वा. एफ.एम. विविध भारती	100.6 मेगा हर्टज	स्टीरियो
			1000 कि.वा.मी.वेव एन.सी.	1566 हर्टज	
134	नांदेड	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	101.1 कि. हर्टज	एम पी
135	नासिक	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	101.4 मेगा हर्टज	एम पी
136	ओसमानाबाद	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	101.3 मेगा हर्टज	एम पी
137	परभणी	क्षेत्रीय	20 कि. वाट मी.वेव	1305 कि. हर्टज	टाइप 1
138	पुणे	क्षेत्रीय	100 कि. वाट मी.वेव	792 कि. हर्टज	टाइप 4
			6 कि.वा. एफ.एम. विविध भारती	101 मेगा हर्टज	स्टीरियो
139	रत्नागिरी	क्षेत्रीय	20 कि. वाट मी. वेव	1143 कि. हर्टज	टाइप 1
140	सांगली	क्षेत्रीय	20 कि. वाट मी. वेव	1251 कि. हर्टज	टाइप 1
141	सतारा	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	103.1 मेगा हर्टज	एम पी
142	सोलापुर	स्थानीय रेडियो केंद्र	1 कि. वाट मी. वेव	1602 कि. हर्टज	एम पी
143	यवतमाल	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	102.7 मेगा हर्टज	एम पी
144	ओरस	स्थानीय रेडियो केंद्र	5 कि. वाट एफ एम		एम पी

मणिपुर [2]			**कुल कवरेज (मी.वेव + एफएम): क्षेत्र-94.96%**		
ट्रांसमीटर- 4 (मी.वेव-1,शार्ट वेव-1, एफ एम-2)			**जनसंख्या -98.46%**		
			एफ एम कवरेज: क्षेत्र-42.13% जनसंख्या -65.62%		
145	इम्फाल	क्षेत्रीय	300 कि. वाट मी. वेव	882 कि. हर्टज	टाइप III , अपलिंक,फोन पर समाचार
			50 कि. वाट शार्ट वेव		
			10 कि. वाट एफ एम	103.5 मेगा हर्टज	
146	चुडाचांद्रपुर	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम		एम पी
मेघालय [5]			**कुल कवरेज (मी.वेव + एफएम): क्षेत्र-97.50%**		
ट्रांसमीटर-7(मी.वेव-4 शार्ट वेव-1,एफ एम-2)			**जनसंख्या -98.45%**		
			एफ एम कवरेज: क्षेत्र-46.32% जनसंख्या -48.12%		
147	जोवाइ	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	101.1 मेगा हर्टज	एम पी
148	नांगस्टोन	सी.आर.एस.	1कि. वाट मी. वेव	1485 कि. हर्टज	एम पी
149	शिलांग	क्षेत्रीय	100 कि. वाट मी. वेव	864 कि. हर्टज	टाइप II , अपलिंक
			50 कि. वाट शार्ट वेव पूर्वोत्तर इंटेग.		
			10 कि. वाट एफ एम रेनबो	103.6 मेगा हर्टज	स्टीरियो
150	तुरा	क्षेत्रीय	20 कि. वाट मी. वेव	1233 कि. हर्टज	टाइप I
151	विलियमनगर	सी.आर.एस.	1 कि. वाट मी. वेव	1602 कि. हर्टज	एम पी
मिजोरम [3]			**कुल कवरेज (मी.वेव + एफएम): क्षेत्र-59.56%**		
ट्रांसमीटर – 5 (मी.वेव-2, शार्ट वेव-1, एफ एम-2)			**जनसंख्या -73.27%**		
			एफ एम कवरेज: क्षेत्र% जनसंख्या -58.14%		
152	आईजोल	क्षेत्रीय	20 कि. वाट मी. वेव	540 कि. हर्टज	टाइप II , अपलिंक
			10 कि. वाट शार्ट वेव		
			6 कि. वाट एफ एम	100.7	
153	लुंगलेह	क्षेत्रीय	6 कि. वाट एफ एम	101.9 मेगा हर्टज	एम पी
154	सेहा	सी.आर.एस.	1 कि. वाट मी. वेव	1602 कि. हर्टज	एम पी
नागालैंड [4]			**कुल कवरेज (मी.वेव + एफएम): क्षेत्र-81.50%**		
ट्रांसमीटर- 6 (मी.वेव-3, शार्ट वेव-1 एफ एम-2)			**जनसंख्या -87.67%**		
			एफ एम कवरेज: क्षेत्र-41.75% जनसंख्या -43.38%		
155	कोहिमा	क्षेत्रीय	100 कि. वाट मी. वेव	639 कि. हर्टज	टाइप III, अपलिंक
			1 कि. वाट एफ एम	103 मेगा हर्टज	स्टीरियो
			50 कि. वाट शार्ट वेव		
156	मोकोकचुंग	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	100.9 मेगा हर्टज	एम पी
157	मोन	सी.आर.एस.	1 कि. वाट मी. वेव	1584 कि. हर्टज	एम पी
158	तुनसंग	सी.आर.एस.	1 कि. वाट मी. वेव	1602कि. हर्टज	एम पी

उड़ीसा [13]			**कुल कवरेज (मी.वेव+एफएम): क्षेत्र-98.27%**		
ट्रांसमीटर- 16 (मी.वेव-8, शा.वे.-1, एफ एम-7)			**जनसंख्या -99.00%**		
			एफ एम कवरेज: क्षेत्र-13.74% जनसंख्या -17.76%		
159	बारीपाड़ा	स्थानीय रेडियो केंद्र	5 कि. वाट एफ एम	102.9मेगा हर्टज	एम पी
160	बेहरामपुर	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	100.6मेगा हर्टज	एम पी
161	भवानीपटना	क्षेत्रीय	200 कि. वाट मी. वेव	1206 कि. हर्टज	टाइप I
162	बोलनगीर	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	101.9मेगा हर्टज	एम पी
163	कटक	क्षेत्रीय	300 कि. वाट मी. वेव	972 कि. हर्टज	टाइप IV, अपलिंक
			1 कि.वा. एफ.एम. विविध भारती	1314कि. हर्टज	
			6 कि. वाट एफ एम रेनबो	101.3मेगा हर्टज	स्टीरियो
164	जैपोर	क्षेत्रीय	100 कि. वाट मी. वेव	1467 कि. हर्टज	टाइप I
			50 कि. वाट शार्ट वेव		
165	जोरांडा	स्थानीय रेडियो केंद्र	1 कि. वाट मी. वेव	1485 कि. हर्टज	एम पी
166	क्योंझर	स्थानीय रेडियो केंद्र	1 कि. वाट मी. वेव	1584 कि. हर्टज	एम पी
167	पुरी	स्थानीय रेडियो केंद्र	3 कि. वाट एफ एम	103.4मेगा हर्टज	एम पी
168	राउरकेला	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	102.6 मेगा हर्टज	एम पी
169	संबलपुर	क्षेत्रीय	100 कि. वाट मी. वेव	945 कि. हर्टज	टाइप I
170	देवगढ	निम्न शक्ति प्रेषित्र रिले	100 वाट एफ एम	101.0मेगा हर्टज	
171	सोरो	स्थानीय रेडियो केंद्र	1 कि. वाट मी. वेव		एम पी
पंजाब [3]			**कुल कवरेज (मी.वेव+एफएम): क्षेत्र-99.00%***		
ट्रांसमीटर- 6 (मी.वेव-3, एफ एम-3)			**जनसंख्या -99.00%***		
			एफ एम कवरेज: क्षेत्र-55.44% जनसंख्या -59.97%		
172	भटिंडा	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	101.1मेगा हर्टज	एम पी
173	जालंधर	क्षेत्रीय	300 कि. वाट मी. वेव	873 कि. हर्टज	टाइप IV, अपलिंक
			200 कि. वाट मी. वेव	702 कि. हर्टज	उर्दू सेवा
			1 कि.वा. एफ.एम. विविध भारती	1350 कि. हर्टज	
			10 कि. वाट एफ एम रेनबो	102.7मेगा हर्टज	स्टीरियो
174	पटियाला	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	100.2मेगा हर्टज	एम पी
ट्रांसमीटर- 21 (मी.वेव-8, एफ एम-12, शा.वे.-1)			**कुल कवरेज (मी.वेव+एफएम): क्षेत्र-94.00%**		
राजस्थान [17]			**जनसंख्या -99.00%**		
			एफ एम कवरेज: क्षेत्र-25.36% जनसंख्या -31.55%		
175	अजमेर	रिले	200 कि. वाट मी. वेव	603 कि. हर्टज	
176	अलवर	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	103.1मेगा हर्टज	एम पी
177	बांसवाड़ा	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	101.3मेगा हर्टज	एम पी
178	बाड़मेर	क्षेत्रीय	20 कि. वाट मी. वेव	1458 कि. हर्टज	एम पी
179	बीकानेर	क्षेत्रीय	20 कि. वाट मी. वेव	1395 कि. हर्टज	टाइप II
180	चित्तौड़गढ़	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ एम	102.9मेगा हर्टज	एम पी
181	चुरू	क्षेत्रीय	6 कि. वाट एफ एम	100.7मेगा हर्टज	एम पी

182	जयपुर	क्षेत्रीय	1 कि. वाट मी. वेव	1476 कि. हर्टज	टाइप III, अपलिंक फोन पर समाचार
			6 कि. वाट एफ. एम. ट्रा.वि.भारती	100.3 मेगा हर्टज	स्टीरियो
			50 कि. वाट शार्ट वेव		
183	जैसलमेर	क्षेत्रीय	10 कि. वाट एफ. एम.	101.8 मेगा हर्टज	टाइप I
184	झालावाड़	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ. एम.	103.2 मेगा हर्टज	एम पी
185	जोधपुर	क्षेत्रीय	300 कि. वाट मी. वेव	531 कि. हर्टज	टाइप III
			6 कि.वाट एफ.एम. विविध भारती	102.1 मेगा हर्टज	
186	कोटा	स्थानीय रेडियो केंद्र	20 कि. वाट मी. वेव	1413 कि. हर्टज	एम पी
187	माउण्ट आबू	क्षेत्रीय	6 कि. वाट एफ. एम.	103.5 मेगा हर्टज	एम पी
188	नागौर	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ. एम.	103.7 मेगा हर्टज	एम पी
189	सवाई माधोपुर	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ. एम.	101.5 मेगा हर्टज	एम पी
190	सूरतगढ	क्षेत्रीय	300 कि. वाट मी. वेव	918 कि. हर्टज	टाइप I
191	उदयपुर	क्षेत्रीय	20 कि. वाट मी. वेव	1125 कि. हर्टज	टाइप I
			1 कि. वाट एफ एम (अंतरिम सैटअप)	1001.7 मेगा हर्ठज	स्टीरियो
सिक्किम [1]			**कुल कवरेज (मी.वेव.+एफएम) : क्षेत्र-72.00%**		
ट्रांसमीटर-2 (मी.वेव-1, शा.वे-1)			**जनसंख्या -95.60%**		
			एफ एम कवरेज: क्षेत्र-1.05% जनसंख्या -2.45%		
192	गंगटोक	क्षेत्रीय	20 कि. वाट मी. वेव	1404 कि. हर्टज	टाइप I
			10 कि. वाट शार्ट वेव		
तमिलनाडु [12]			**कुल कवरेज (मी.वेव.+एफएम) : क्षेत्र-99.00%***		
ट्रांसमीटर- 20 (मी.वेव-9,शा.वे-2, एफ एम- 9)			**जनसंख्या-99.00%***		
			एफ एम कवरेज: क्षेत्र-53.67% जनसंख्या -62.41%		
193	चेन्नै	क्षेत्रीय	200 कि. वाट मी. वेव 'ए'	720 कि. हर्टज	मल्टी ट्रेक
			20 कि. वाट मी.वेव 'बी'	1017 कि. हर्टज	टाइप IV प्लस, अपलिंक फोन
			20 कि. वाट मी.वेव विविध भारती	1395 कि. हर्टज	फोन पर समाचार
			20 कि. वाट एफएम (रेनबो)	101.4 मेगा हर्टज	स्टीरियो
			20 कि. वाट एफएम (गोल्ड)	102.3 मेगा हर्टज	स्टीरियो
			50 कि. वाट शार्ट वेव		
			100 कि. वाट शार्ट वेव विविध भारती		
194	कोयम्बटूर	क्षेत्रीय	20 कि. वाट मी. वेव	999 कि. हर्टज	टाइप I
			10 कि.वाट एफ.एम. विविध भारती	103 मेगा हर्टज	स्टीरियो
195	कोडईकनाल	क्षेत्रीय	10 कि. वाट एफ. एम.	100.5 मेगा हर्टज	एमपी (स्टीरियो)
196	मदुरै	क्षेत्रीय	20 कि. वाट मी. वेव	1269 कि.हर्टज	टाइप II
			1 कि. वाट एफ एम (अंतरिम सैटअप)	103.3 मेगा हर्टज	स्टीरियो
197	नागरकोइल	स्थानीय रेडियो केंद्र	10 कि. वाट एफ. एम.	101 मेगा हर्टज	एम पी
198	उटकामुंड	क्षेत्रीय	1 कि. वाट मी. वेव	1602 कि.हर्टज	एम पी
199	तिरूचिरापल्ली	क्षेत्रीय	100 कि. वाट मी. वेव	936 कि. हर्टज	टाइप IV
			10 कि.वाट एफ.एम. विविध भारती	102.1 मेगा हर्टज	स्टीरियो

200	तिरूनेलवेली	क्षेत्रीय	20 कि. वाट मी. वेव	1197 कि. हर्टज	टाइप I
201	तूतीकोरिन	क्षेत्रीय	200 कि. वाट मी. वेव विदेश सेवा	1053 कि. हर्टज	टाइप I
202	धर्मपुरी	स्थानीय रेडियो केंद्र	10 कि. वाट एफ. एम ट्रांस.	102.5 मेगा हर्टज	
203	सलेम (येरकाड)	एलपीटी रिले	100 वाट एफ. एम	100.9 मेगा हर्टज	
204	थानजवूर	एलपीटी रिले	100 वाट एफ. एम	101.2 मेगा हर्टज	
त्रिपुरा [3]			**कुल कवरेज (मी.वेव.+एफएम): क्षेत्र-84.31%**		
ट्रांसमीटर –4 (मी.वेव-1 , एफ एम -3)			**जनसंख्या -89.00%**		
			एफ एम कवरेज: Area-72.89% जनसंख्या -86.19%		
205	अगरतला	क्षेत्रीय	20 कि. वाट मी. वेव	1269 कि. हर्टज	टाइप I , अपलिंक
			10 कि. वाट एफ. एम	101.6 मेगा हर्टज	स्टीरियो
206	बेलोनिया	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ. एम	103.7 मेगा हर्टज	एम पी
207	कैलाशहर	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ. एम	103.2 मेगा हर्टज	एम पी
चंडीगढ			**कुल कवरेज (मी.वेव.+एफएम): क्षेत्र-99.00%***		
संघ राज्य क्षेत्र			**जनसंख्या -99.00%***		
ट्रांसमीटर –1 (एफ एम-1)			**एफ एम कवरेज: क्षेत्र-99.00%* जनसंख्या -99.00%***		
208	चंडीगढ [1]	विविध भारती एक्सक्ल्यूसिव	6 कि. वाट एफ. एम	103.1 मेगा हर्टज	स्टीरियो टाइप I
दमन एवं दीव			**कुल कवरेज (मी.वेव.+एफएम): क्षेत्र-99.00%***		
ट्रांसमीटर-1 (एफ एम)			**जनसंख्या -99.00%***		
			एफ एम कवरेज: क्षेत्र-64.28% जनसंख्या - 61.00%		
209	दमन [1]	स्थानीय रेडियो केंद्र	3 कि. वाट एफ. एम	102.3 मेगा हर्टज	एम पी
पुदुचेरी [2]			**कुल कवरेज: क्षेत्र-99.00%***		
ट्रांसमीटर –3 (मी.वेव-1 , एफ एम -2)			**जनसंख्या-99.00%***		
			एफ एम कवरेज: क्षेत्र-92.07% जनसंख्या -93.52%		
210	पुदुचेरी	क्षेत्रीय	20 कि. वाट मी. वेव	1215 कि. हर्टज	एम पी
			5 कि. वाट एफ. एम (अंतरिम सैटअप)	102.8 मेगा हर्टज	स्टीरियो (एफएम रेनबो चेन्नै)
211	कराईकल	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ. एम	100.3 मेगा हर्टज	
लक्ष्य एवं मिनिकाय द्वीप [1]			**कुल कवरेज (मी.वेव.+एफएम): क्षेत्र-99.00%***		
ट्रांसमीटर-1(मी.वेव)			**जनसंख्या -99.00%***		
			एफ एम कवरेज: क्षेत्र-0.0% जनसंख्या -0.0%		
212	कावारत्ती	क्षेत्रीय	1 कि. वाट मी. वेव	1584 कि. हर्टज	एम पी

अंडमान एवं निकोबार द्वीप [1]			**कुल कवरेज (मी.वेव.+एफएम): क्षेत्र-99.00%***		
ट्रांसमीटर-3(मी.वेव-1,शा.वे.-1,एफ एम-1)			**जनसंख्या -99.00%***		
			एफ एम कवरेज: क्षेत्र-36.3% जनसंख्या -28.00%		
213	पोर्टब्लेयर अंडमान एवं निकोबार	क्षेत्रीय	100 कि. वाट मी. वेव	684 कि. हर्टज	टाइप I
			10 कि. वाट शार्ट वेव		टाइप II
			10 कि. वाट एफ. एम	100.9 मेगा हर्टज	स्टीरियो
उत्तर प्रदेश [14]			**कुल कवरेज (मी.वेव.+एफएम): क्षेत्र-99.90%**		
ट्रांसमीटर –27(मी.वेव-11, शा.वे.- 6, एफएम- 10)			**जनसंख्या -99.90%**		
			एफ एम कवरेज: क्षेत्र-16.2% जनसंख्या -22.04%		
214	आगरा	क्षेत्रीय	20 कि. वाट मी. वेव	1530 कि. हर्टज	टाइप I
215	अलीगढ	रिले	6 कि. वाट एफ एम रेनबो	101.3 मेगा हर्टज	
			250 कि. वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			250 कि. वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			250 कि. वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			250 कि. वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
216	इलाहाबाद	स्थानीय रेडियो केंद्र	20 कि. वाट मी. वेव	1026 कि. हर्टज	टाइप III
			10 कि. वाट एफ एम विविध भारती	100.3 मेगा हर्टज	
217	बरेली	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ. एम	100.4 मेगा हर्टज	एम पी
218	फैजाबाद	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ. एम	101.9 मेगा हर्टज	एम पी
219	गोरखपुर	क्षेत्रीय	100 कि. वाट मी. वेव	909 कि. हर्टज	टाइप III
			50 कि. वाट शार्ट वेव विदेश सेवा		
			1 कि. वाट एफ. एम (अंतरिम सैटअप)	100.1 मेगा हर्टज	स्टीरियो
220	झांसी		6 कि. वाट एफ. एम	103 मेगा हर्टज	एम पी
221	कानपुर	विविध भारती एक्सक्ल्यूसिव	1 कि. वाट मी. वेव	1449 कि. हर्टज	टाइप I
			1 कि. वाट एफ. एम (अंतरिम सैटअप)	103.7 मेगा हर्टज	
222	लखनऊ	क्षेत्रीय	300 कि. वाट मी. वेव	747 कि. हर्टज	टाइप IV, अपलिंक, फोन पर समाचार
			10 कि. वाट एफ एम विविध भारती	1278 कि. हर्टज	
			10 कि. वाट एफ एम रेनबो	100.7 मेगा हर्टज	स्टीरियो
			50 कि. वाट शार्ट वेव		
223	मथुरा	क्षेत्रीय	1 कि. वाट मी. वेव	1584 कि. हर्टज	टाइप I
224	नजीबाबाद	क्षेत्रीय	200 कि. वाट मी. वेव	954 कि. हर्टज	टाइप I
225	ओबरा	क्षेत्रीय	6 कि. वाट एफ. एम	102.7 मेगा हर्टज	एम पी
226	रामपुर	क्षेत्रीय	20 कि. वाट मी. वेव	891कि. हर्टज	टाइप I
227	वाराणसी	क्षेत्रीय	100 कि. वाट मी. वेव	1242 कि. हर्टज	टाइप-II, अपलिंक (संस्थापनाधीन)
			1 कि. वाट मी. वेव विविध भारती	1602 कि. हर्टज	
			1 कि. वाट एफ. एम (अंतरिम सैटअप)	100.6मेगा हर्टज	

उत्तराखंड (7)			**कुल कवरेज (मी.वेव + एफएम): क्षेत्र – 52.80%**		
ट्रांसमीटर–7 (मी.वेव–5, एफएम–2)			**जनसंख्या–77.37%**		
			एफएम कवरेज : क्षेत्र–30.8% जनसंख्या–46.43%		
228	अल्मोड़ा	क्षेत्रीय	1 कि. वाट मी. वेव	999 कि. हर्टज	टाइप 1, अपलिंक
229	गोपेश्वर (चमोली)	क्षेत्रीय	1 कि. वाट मी. वेव	1485 कि. हर्टज	एम पी
230	मसूरी	रिले	10 कि. वाट एफ.एम. रेनबो	102.1 मेगा हर्टज	
231	पौड़ी	क्षेत्रीय	1 कि. वाट मी. वेव	1602 कि. हर्टज	एम पी
232	पिथौरागढ़	रिले	1 कि. वाट मी. वेव	1602 कि. हर्टज	
233	उत्तरकाशी	रिले	1 कि. वाट मी. वेव	1602 कि. हर्टज	
234	नैनीताल	एलपीटी रिले	1 कि. वाट मी. वेव	1602 कि. हर्टज	
पश्चिम बंगाल (7)			**कुल कवरेज (मी.वेव.+एफएम): क्षेत्र – 99.00%***		
ट्रांसमीटर.-16 (मी.वेव-6,शार्ट वेव-2, एफएम-8)			**जनसंख्या -99.00%***		
			एफ एम कवरेज: क्षेत्र-29.49% जनसंख्या -41.90%		
235	आसनसोल	रिले	6 कि. वाट एफ.एम. रिले	100.3 मेगा हर्टज	
236	कोलकाता	क्षेत्रीय	200 कि. वाट मी. वेव 'ए'	657 कि. हर्टज	टाइप IV, अपलिंक
			100 कि. वाट मी. वेव 'बी'	1008 कि. हर्टज	
			20 कि. वाट मी. वेव विविध भारती	1323 कि. हर्टज	
			10 कि.वाट एफएम ट्रोस.(गोल्ड)	100.2 मेगा हर्टज	स्टीरियो
			10 कि.वाट एफएम (रेनबो)	107 मेगा हर्टज	स्टीरियो
			50 कि. वाट शार्ट वेव		
			1000 कि.वाट मी.वेव विदेश	*594 कि. हर्टज और	* दिन में
			सेवा (चिंसुरा)	**1134 कि. हर्टज*	**रात में
237	कर्सियांग	क्षेत्रीय	50 कि. वाट शार्ट वेव		टाइप II
			1 कि. वाट मी. वेव क्षेत्रीय सेवा	1440 कि. हर्टज	
			5 कि.वाट एफएम (रेनबो)	102.3 मेगा हर्टज	
238	मुर्शिदाबाद	स्थानीय रेडियो केंद्र	6 कि. वाट एफ. एम	102.2 मेगा हर्टज	एम पी
239	शांतिनिकेतन	स्थानीय रेडियो केंद्र	3 कि. वाट एफ. एम	103.1 मेगा हर्टज	एम पी
240	सिलीगुड़ी	क्षेत्रीय	200 कि. वाट मी. वेव	711 कि. हर्टज	टाइप I
			10 कि.वाट एफ.एम विविध भारती	107 मेगा हर्टज	स्टीरियो
241	दार्जिलिंग	एलपीटी रिले	100 वाट एफ. एम	100.2 मेगा हर्टज	
				कुल	
				ट्रांसमीटर - 385	
				केंद्र -241	

दूरदर्शन

प्रस्तावना

दूरदर्शन भारत की राष्ट्रीय प्रसारण सेवा है। जो कि लोक सेवा प्रसारण के लिए समर्पित है। यह स्टूडियो एवं ट्रांसमीटरों की आधारभूत अवस्थापना और साफ्टवेयरों की विविधता और दर्शकता की दृष्टि से विश्व का सबसे बड़ा प्रसारण संगठन है। पहला प्रायोगिक प्रसारण सितंबर 1959 में दिल्ली में एक छोटे ट्रांसमीटर और अस्थायी स्टूडियो से आरंभ हुआ था और नियमित दैनिक प्रसारण 1965 में शुरु हुआ था। टेलीविजन 1976 में रेडियो से अलग हुआ और दूरदर्शन अस्तित्व में आया। तब से यह निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। दूरदर्शन का मुख्य चैनल डीडी–1, 1415 विभिन्न क्षमता के स्थलीय ट्रांसमीटरों से संचालित होकर देश की लगभग 92 प्रतिशत जनसंख्या तक पहुंचता है। दूरदर्शन समाचार चैनल की स्थलीय कवरेज लगभग 49 प्रतिशत जनसंख्या को उपलब्ध है। डीडी–1 और डीडी न्यूज़ की क्षेत्रानुसार कवरेज क्रमशः 82 प्रतिशत और 26 प्रतिशत है। राज्य अनुसार ट्रांसमीटरों की संख्या अनुलग्नक–2 में दी गई है।

वर्तमान में दूरदर्शन 35 उपग्रह चैनलों और 11 क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनलों का प्रसारण करता है। इसके अतिरिक्त राज्य नेटवर्क और अंतर्राष्ट्रीय चैनल इत्यादि भी हैं। कार्यक्रम निर्माण के लिए दूरदर्शन नेटवर्क में 66 स्टूडियो केंद्र हैं। इनमें 17 बड़े स्टूडियो केंद्र राज्यों की राजधानी में स्थित हैं। जहां राष्ट्रीय/क्षेत्रीय चैनल प्रसारित किए जाते हैं और विभिन्न सुविधाओं से सुसज्जित बाकी 49 स्टूडियो केंद्र राज्यों की राजधानियों और अन्य महत्वपूर्ण शहरों में स्थित हैं। कुल 66 स्टूडियो केंद्रों में से 21 स्टूडियो केंद्र (17 बड़े केंद्रों सहित) पूरी तरह से डिजीटल हैं और 33 स्टूडियो केंद्र आंशिक रुप से डिजीटल हैं। उपर्युक्त 66 केंद्रों की अवस्थिति अनुलग्नक 1 में दी गई है।

दूरदर्शन, अक्टूबर 2010 में दिल्ली में संपन्न हुए राष्ट्रमंडल खेलों का मेजबान प्रसारक था। पहली बार उद्घाटन समारोह और समापन समारोह सहित समस्त कवरेज एचडीटीवी फारमेट में की गई। दूरदर्शन के पांच चैनलों अर्थात् डीडी नेशनल, डीडी स्पोर्ट्स, डीडी इंडिया, डीडी भारती और डीडी उर्दू पर इन खेलों का प्रसारण किया गया।

दूरदर्शन नेटवर्क

डीडीः नेशनल

डीडी नेशनल विश्व में सबसे बड़ा स्थलीय नेटवर्क है जो देश की लगभग 92.0% जनसंख्या और 82.0% क्षेत्र को कवर करता है। लोक प्रसारक होने के नाते यह चैनल सामाजिक–आर्थिक परिवर्तनों को गति प्रदान करने, राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने, भ्रातृत्व और एकता की भावना पैदा करने और लोगों में वैज्ञानिक सोच पैदा करने में लगातार अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। यह चैनल जनसंख्या नियंत्रण के तरीकों के बारे में लोगों में जागरुकता पैदा करने, परिवार कल्याण, पर्यावरण संरक्षण, पारिस्थितिकीय संतुलन बनाने तथा महिलाओं और बच्चों के कल्याण के बारे में ज्ञान/शिक्षा और सूचना प्रदान करने में भी योगदान देता है। यह चैनल बच्चों, विकलांगों और शोषित वर्ग के लिए कार्यक्रमों का प्रसारण करता है। देश की कलात्मक एवं सांस्कृतिक धरोहर की संरक्षा करने में सहायता करता है तथा खेलकूद को बढ़ावा देता है।

डीडी नेशनल दशर्कता की दृष्टि से देश का नं.1 चैनल है। इसकी सेवा प्रातः 5.30 बजे से मध्य रात्रि तक स्थलीय मोड में उपलब्ध है। उपग्रह मोड में यह 24 घंटे उपलब्ध है। इस चैनल के विभिन्न कार्यक्रमों का प्रसारण समय इस तरह निर्धारित किया गया है कि यह अलग–अलग समय पर भिन्न–भिन्न दर्शकों की आवश्यकताओं को पूरा करता है।

दूरदर्शन पर फीचर फिल्में

फीचर फिल्में दूरदर्शन के लिए उच्च राजस्व प्रदान करने वाली संपदा हैं। प्रति सप्ताह दूरदर्शन के नेशनल नेटवर्क पर प्रसारित की जाने वाली पांच हिंदी फीचर फिल्मों से प्राप्त कुल राजस्व दो करोड़ रुपए से अधिक होता है। पैकेजिंग और विपणन के संदर्भ में प्रसारण को अधिक आकर्षक और बेहतर बनाने के लिए दूरदर्शन ने नवीनतम ब्लॉकबस्टर फिल्मों को दिखाने के लिए ''फ्राइडे हाउसफुल'', सुपरहिट लोकप्रिय फिल्मों को दिखाने के लिए ''सेटर्डे जुबली'', रविवार को प्रसिद्ध फिल्म निर्माताओं/कलाकारों द्वारा निर्मित विषय वस्तु पर आधारित फिल्मों को दिखाने के लिए ''रेट्रोस्पेक्टिव'', पुरानी क्लासिक एवं लोकप्रिय फिल्मों को सोमवार से बुधवार तक धारावाहिक के रुप में दिखाने के लिए ''बायस्कोप'' जैसे ब्रांड नाम दिए हैं। विगत में उपर्युक्त विभिन्न श्रेणियों के तहत दिखाई गई लोकप्रिय फिल्मों में 'पा', 'अलाद्दीन', 'धमाल', 'हे बेबी', 'अनुराधा', 'ब्लू', 'जोधा अकबर', 'कागज के फूल', 'फैशन', 'दिल्ली–6', 'शतरंज के खिलाड़ी', शामिल थीं। हाल ही में स्वतंत्रता दिवस पर देश भक्ति पर आधारित फिल्म 'लगे रहो मुन्ना भाई' प्रसारित की गई। इसी प्रकार रेस्ट्रोपेक्टिव स्लॉट में 'फुलझड़िया' शीर्षक के तहत त्यौहारों के दिनों में हास्य फिल्में प्रसारित की गईं।

राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त क्षेत्रीय फिल्में

दूरदर्शन हर महीने राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त दो क्षेत्रीय भाषा की फिल्मों का प्रसारण करता है। इन स्वर्ण कमल एवं रजत कमल पुरस्कार विजेता फिल्मों को बहु प्रसारण अधिकार के तहत 03 वर्षों के लिए प्राप्त किया जाता है तथा इन्हें प्रत्येक माह के दूसरे और चौथे रविवार को रात 11:30 बजे दूरदर्शन नेशनल नेटवर्क पर प्रसारित किया जाता है। 'पुलीजांमाम', 'गुलाबी टाकिज', 'कोटि चेन्नांयां', 'घर बाहर', 'मैं मां पंजाब दी', आदि राष्ट्रीय पुरस्कर प्राप्त फिल्में हाल ही में दिखाई गई हैं।

फिल्मों संबंधी नए दिशा–निर्देश 2007 में लागू किए गए हैं जिनके तहत फिल्म अनुभाग द्वारा दूरदर्शन के सभी चैनलों पर रायल्टी के आधार पर प्रसारण हेतु केंद्रीकृत रुप में फिल्में प्राप्त की जाती हैं।

आगामी वर्ष के लिए अंतिम योजना

फिल्मों संबंधी नए दिशा–निर्देशों के अंतर्गत प्राप्त फिल्मों के प्रति दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया को देखते हुए दूरदर्शन अधिक राजस्व प्राप्त करने तथा दर्शकों की संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से नवीनतम ब्लॉकबस्टर फिल्में प्राप्त करने हेतु प्रस्ताव आमंत्रित करने की योजना बना सकता है। दूरदर्शन मेसर्स यशराज फिल्म्स, मेसर्स यूटीवी आदि जैसे प्रसिद्ध फिल्म निर्माताओं से पैकेज के रुप में नवीनतम ब्लॉकबस्टर फिल्में प्राप्त करने की प्रक्रिया में हैं।

दूरदर्शन अपने राष्ट्रीय नेटवर्क और क्षेत्रीय केंद्रों से प्रसारण हेतु क्षेत्रीय भाषाओं की पुरस्कृत फिल्मों के साथ–साथ क्षेत्रीय भाषाओं की कमर्शियल फिल्मों के लिए भी नए दिशा–निर्देश तैयार कर रहा है।

दूरदर्शन समाचार

देशभर में दूरदर्शन समाचार ही एक द्विभाषी चैनल है। 3 नवंबर 2003 को आरंभ होने के बाद पिछले 7 वर्षों से दूरदर्शन न्यूज़ चैनल लोक प्रसारक की भूमिका को बखूबी निभा रहा है। दूरदर्शन समाचार और सामयिकी मामलों को संतुलित और यथार्थता के साथ सनसनी फैलाए बिना प्रस्तुत करने के लिए प्रतिबद्ध है। एक मात्र स्थलीय–सह सेटेलाइट समाचार चैनल होने की अपनी अलग पहचान के साथ दूरदर्शन समाचार गैर केबल गैर सेटेलाइट घरों तक पहुंचता हैं जो कि जनसंख्या का मुख्य भाग है। देशभर में इसकी सबसे अधिक पहुंच है और ऑल होम श्रेणी में यह मार्केट लीडर है। वर्ष 2010 के दौरान आमंत्रित दर्शकों और मेहमानों/विशषज्ञों के साथ स्टूडियो में तथा बाहरी स्थानों पर समसामयिक मामलों पर आपसी बातचीत का एक घंटे का साप्ताहिक कार्यक्रम आरंभ किया गया। सफल व्यक्तियों के विचारों को जनता तक पहुंचाने के लिए जानी–मानी हस्तियों के साथ साक्षात्कार पर आधारित आधे–आधे घंटे के दो कार्यक्रमों की भी शुरुआत की गई थी।

वर्ष 2010 के दौरान चैनल ने पूरे देश भर से समाचार सामग्री के इनपुट और विजुअल जुटाने के प्रयास किए। चैनल के 25 क्षेत्रीय समाचार एकांशों के माध्यम से प्राप्त सभी समाचार संबंधी इनपुट दिल्ली समाचार कक्ष को अविलंब उपलब्ध कराए गए। बिहार विधानसभा चुनाव की व्यापक कवरेज की गई जिसमें राज्य के प्रमुख जिलों को कवर करने तथा चुनाव संबंधी मुद्दों को सामने लाने के लिए तैनात किए गए संवाददाताओं के लाइव इनपुट शामिल किए गए।

जम्मू और कश्मीर तथा उत्तर–पूर्व राज्यों की विशेष कवरेज के तहत कश्मीर वादी पर दो विशेष कार्यक्रमों तथा लेह में बादल फटने की व्यापक कवरेज इस वर्ष की मुख्य घटनाएं रही। महिलाओं, बच्चों और विकलागों से संबंधित सामाजिक मुद्दों पर विशेष कार्यक्रम बनाए गए देश के विभिन्न भागों में केंद्र के अग्रणी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की गई। अमेरिका के राष्ट्रपति, ब्रिटिश प्रधानमंत्री, फ्रांस के राष्ट्रपति, चीन के प्रीमियर और रुस के राष्ट्रपति के महत्वपूर्ण दौरों का दिल्ली, मुंबई और बंगलौर से एक्सक्लूसिव कवरेज अन्य प्रमुख कार्य थे। बिना किसी तड़क–भड़क के केवल दूरदर्शन समाचार द्वारा दी गई लाइव फीड सभी भारतीय और विदेशी मीडिया द्वारा प्रयोग में लाई गई। माननीय राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के विदेशी दौरे पर केंद्रित और व्यापक कवरेज ने विश्व समुदाय के साथ भारतीय राजनैयिक संबंधों के पहलुओं को और मजबूत किया।

न्यूज़रुम पूरे देश में 24X7 के आधार पर वर्ष भर आयोजनों की व्यापक कवरेज करके अपने लाखों दर्शकों तक नवीनतम समाचार पहुचाने में लगा रहा है। इस वर्ष से दूरदर्शन समाचार ने प्रातः 6:15 बजे बधिरों के लिए प्रतिदिन 15 मिनट के समाचार बुलेटिन की शुरुआत की है। समाचार कक्ष के जनरल पैकेजिंग डेस्क, स्पोर्ट्स, बिजनेस डेस्क ने विषय–वस्तु के महत्व को और बढ़ाने में योगदान दिया है। पूरे वर्ष ब्रेकिंग इन न्यूज़ की स्थिति को विशेष कार्यकमों के माध्यम से सही ढंग से प्रस्तुत किया गया था ताकि घटना की नवीनतम जानकारी बिना तोड़–मरोड़ के दर्शकों तक पहुंचाई जा सके। चैनल को अप्रैल के प्रथम सप्ताह में नई सुविधाओं से युक्त दूरदर्शन भवन ,फेस– 2 में शिफ्ट कर दिया गया। सीपीसी में प्रयोग में लाए जा रहे विनक्यू सिस्टम को चरणबद्ध और व्यवस्थित ढंग से न्यूज़ ओटोमेटेड ईएनपीएस, इंटेग्रेटेड न्यूज़ आटोमेटेड सिस्टम से बदला गया। 24 घंटे सीधे प्रसारित करने वाले इस तरह के चैनल की समाचार सुविधाओं को योजनाबद्ध ढंग से शिफ्ट करना एक महत्वपूर्ण कदम था। मार्च, 2010 के अंतिम सप्ताह में बुलेटिन प्रसारण सुविधाओं को शिफ्ट करना शुरु किया गया और 24 घंटे के चैनल की प्रसारण संबंधी सुविधाओं को अप्रैल, 2010 को नई पद्धति के साथ जोड़ दिया गया। भारत द्वारा अक्टूबर, 2010 में एक बहुत बड़े मैगा–स्पोर्ट्स सीडब्लयूजी 2010 का आयोजन किया गया। दूरदर्शन समाचार चैनल ने खेलों से पहले तथा ऐतिहासिक खेलों के दौरान जिनमें भारत ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, की व्यापक कवरेज की। सीडब्ल्यूजी खेलों को एक अच्छी छवि प्रदान करने के लिए खेलों के शुरु होने से एक माह पहले चैनल ने काउंटडाउन स्टोरीज/कैप्स्यूल प्रसारित किए। आयोजन से पूर्व के कार्यक्रमों में खेलों के लिए उपलब्ध कराई गई विभिन्न स्टूडियो सुविधाओं की जानकारी देने के लिए आधे घंटे का एक विशेष कार्यक्रम शामिल था। खेलों के यथार्थ स्वरुप की व्यापक कवरेज उपलब्ध कराने के लिए खेलों के दौरान चैनल ने विशेष सीडब्ल्यूजी– 2010 बुलेटिन 'क्वेस्ट फॉर ग्लोरी' का दिन में चार बार अर्थात 07:30, 13:00, 19:00 और 23:00 बजे प्रसारण किया। वर्ष के दौरान दूरदर्शन समाचार ने प्रतिदिन 16 घंटों के सीधे प्रसारण किए हैं, जिसमें 17 हिंदी और अंग्रेजी बुलेटिन शामिल हैं। साप्ताहिक बधिर बुलेटिनों के अलावा प्रतिदिन उर्दू और संस्कृत के एक–एक बुलेटिन भी प्रसारित किए जाते हैं। दूरदर्शन राष्ट्रीय नेटवर्क के लिए दूरदर्शन समाचार प्रतिदिन प्रातः दो और शाम को दो क्रमशः हिंदी और अंग्रेजी के बुलेटिनों का निर्माण करता है।

दूरदर्शन समाचार के 25 सक्रिय क्षेत्रीय समाचार एकांश हैं। उन्होंने प्रतिदिन 28 विभिन्न भाषाओं में 112 क्षत्रीय समाचार बुलेटिन प्रसारित किए। इन बुलेटिनों में मुख्यतः क्षेत्रीय समाचार शामिल होते हैं लेकिन महत्वपूर्ण राष्ट्रीय समाचारों, विशेषकर केंद्र के अग्रणी कार्यक्रमों को भी इनमें पर्याप्त महत्व दिया जाता है। ये 25 क्षेत्रीय समाचार एकांश विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण गतिविधियों को राष्ट्रीय समाचार पैनल पर फीड करते हैं और यह सुनिश्चित किया जाता है कि राष्ट्रीय समाचार बुलेटिन दिल्ली केंद्रित न हो कर देशभर में सभी महत्वपूर्ण विकासों का मिश्रण हो। फोन–इन जैसे लाइव इनपुट उपलब्ध करा कर उन्होंने सुनिश्चित

किया कि राष्ट्रीय बुलेटिन अद्यतन और प्रभावशाली हो। मेट्रोस्केन, स्टेटस्केन और राज्यों से समाचार जैसे क्षेत्रीय विंडो के माध्यम से डीडी न्यूज़ पूरे देश के विभिन्न राज्यों के महत्वूर्ण समाचारों का प्रसारण करता है। क्षेत्रीय समाचार एकांश अपने क्षेत्रीय समाचारों की प्रस्तुति और विषयवस्तु को और बेहतर बनाने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। क्षेत्रीय समाचार एकांश तिरुवनंतपुरम ने एक साप्ताहिक बिजनेस बुलेटिन और साथ ही साप्ताहिक समाचार और समसामयिकी पर चर्चा आधारित कार्यक्रम की शुरुआत की है। इन दोनों कार्यक्रमों को पूरे राज्य से जनता की प्रशंसा प्राप्त हो रही है। जयपुर ने अपने क्षेत्रीय समाचार बुलेटिन की अवधि 15 मिनट से बढ़ाकर 30 मिनट कर दी है। जिससे उसे क्षेत्रीय समाचारों के विस्तृत कवरेज करने का अवसर मिल रहा है। दर्शकों की इच्छा के अनुसार क्षेत्रीय समाचार एकांश, बंगलौर ने डीडी चांदना चैनल पर दोपहर बाद 15 मिनट के समाचार बुलेटिन शुरु किया है। इसी तरह उत्तर–पूर्व में शिलांग से 15 मिनट का समाचार बुलेटिन शुरु करने के प्रयास किए जा रहे हैं जबकि 15 मिनट के साप्ताहिक कार्यक्रम 'अरुणाचल इस हफ्ते' की शुरुआत ईटानगर की आरएनयू द्वारा प्रतिदिन समाचार बुलेटिन प्रसारित करने के लिए एक अग्रणी कार्यक्रम के रुप में कर दी गई है। मौसम समाचार भी डीडी न्यूज़ चैनल का अभिन्न अंग है। वर्ष के दौरान हिंदी और अंग्रेजी में मौसम अनुमान सहित एक 02 मिनट का मौसम कैप्सूल दिन में 03 बार प्रसारित किया गया।

दूरदर्शन समाचार की बेबसाइट www.ddinews.gov.in अद्यतन समाचार अपडेट उपलब्ध कराती है। यह वेबसाइट नेट पर लाइव दूरदर्शन समाचार बुलेटिन भी उपलब्ध कराती है।

डीडी स्पोर्ट्स

दूरदर्शन के स्पोर्ट्स चैनल का शुभारंभ 18 मार्च 1999 को किया गया था। 25 अप्रैल, 1999 से चैनल का प्रसारण समय प्रतिदिन 10 घंटे से बढ़ाकर 12 घंटे कर दिया गया था और चैनल की लोकप्रियता को देखते हुए जून, 2000 से प्रसारण समय 24 घंटे तक बढ़ा दिया गया। प्रसार भारती ने खेलकूद के मैगा अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों की कवरेज के लिए प्रोडक्शन स्टाफ के अब तक के सबसे बड़े दल को लगाया तथा आयोजनों को बड़े पैमाने पर कवरेज दिया। इसके अतिरिक्त इस अवधि के दौरान प्रसार भारती ने भारत में राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न खेल कूद आयोजनों को कवरेज दी।

19 मार्च 2007 को अधिसूचित खेल प्रसारण सिग्नल (प्रसार भारती के साथ अनिवार्य शेयरिंग) अधिनियम 2007 के अनुसार दूरदर्शन (स्पोर्ट्स) इस अवधि के दौरान क्रिकेट के मुख्य आयोजनों का भी प्रसारण कर रहा है। इस अधिनियम के अनुसार अधिकारधारक को अधिसूचित स्पोर्ट्स आयोजनों के लाइव सिग्नल दूरदर्शन नेशनल और डीटीएच नेटवर्क पर प्रसारण के लिए दूरदर्शन के साथ शेयर करने पड़ते हैं। गैर ओलंपिक और परंपरागत खेलों को कवर करने के लिए कैश आउटफ्लो प्रणाली लागू करने का निर्णय लिया गया। कैश आउटफ्लो राशि मुख्यतः कमेंटेटरों को दी जाने वाली राशि के साथ–साथ डीएसएनजी और ओबी वैन को ले जाने पर होने वाले खर्च को पूरा करने के लिए ली जाती है। विभिन्न खेलकूद संघों और एसोसिएशन, जिनके साथ हमारा अनुबंध हैं और जिनके लिए दूरदर्शन अधिकार शुल्क का भुगतान करता है, द्वारा आयोजित खेलकूद आयोजनों की कवरेज को जारी रखने का भी निर्णय लिया गया।

जब से खेल प्रसारण सिग्नल (प्रसार भारती के साथ अनिवार्य शेयरिंग) अधिनियम 2007 अधिसूचित हुआ है दूरदर्शन खेल अधिनियम के अनुपालन में दूरदर्शन के राष्ट्रीय स्थलीय चौनल तथा निःशुल्क डीटीएच नेटवर्क पर राष्ट्रीय महत्व के खेल आयोजनों का प्रसारण कर रहा है।

डीडी भारती

डीडी भारती का शुभारंभ 26 जनवरी, 2002 को किया गया था। चैनल ने 26 जनवरी, 2011 को 9 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस चैनल पर स्वास्थ्य, बाल, कला एवं संस्कति, संगीत, नृत्य, महिलाओं, शिक्षा, सफरनामा और देश की महान विरासत एवं मूल्यों को संरक्षित बनाए रखने वाले कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है। चैनल को 7 जून 2010 से नया रुप दिया गया था। तब से चैनल पर कला, साहित्य एवं संस्कृति के कार्यक्रमों का प्रसारण किया जा रहा है। आठ घंटे का लूप लागू किया गया है जिसे दिन में तीन बार प्रसारित किया जा रहा है।

स्वास्थ्य खंड में अर्जन श्रेणी के तहत प्राप्त ध्यान मार्ग (26) और आप की सेहत (26) जैसे नए कार्यक्रम देशभर के दर्शकों (ग्रामीण और शहरी) द्वारा पसंद किया गया है। इसी तरह नाक की बीमारियों की रोकथाम और उपचार नामक इन–हाउस निर्माण की भी दर्शकों द्वारा सराहना की गई।

डीडी भारती पर बच्चों (6 से 18 वर्ष की आयु वर्ग) के लिए बाल एवं युवा कार्यक्रम जैसे एनिमेशन, टेलेंट हंट शो, वन्य जीव फिल्में, विज्ञान फिल्में, परामर्श शो इत्यादि का प्रतिदिन प्रसारण किया जाता है। युवाओं के साथ एक घंटे की अवधि के फोन–इन लाइव शो–मेरी बात ने न केवल भारत में बल्कि विश्व के अन्य भागों में भी दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया है।

साहित्य, थिएटर, कला, शिल्प, चित्रकला, मूर्तिकला, शास्त्रीय नृत्य/संगीत, सांस्कृतिक विरासत पर 'प्राइड आफ इंडिया' तथा 'शौर्य–ए–अवध' जैसे कार्यक्रम ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व वाले स्मारकों और स्थानों पर 'धरोहर' तथा प्रतिष्ठित कवियों और लेखकों के जीवन और कृतियों पर 'शब्द से साहित्य तक' और 'कलम के जादूगर' जैसे कार्यक्रम प्रसारित किए गए। चैनल ने निम्नलिखित प्रायोजित कार्यक्रमों को भी आकर्षित किया है :–

1. सिंधु संस्कृति और परंपराओं को दर्शाता 'सिंधु दर्शन'
2. भारतीय संस्कृति भाषा संस्थान द्वारा संस्कृत भाषा में 'संस्कृत भाषा शिक्षणम' कार्यक्रम
3. 'नई एवं अक्षय उर्जा क्विज शो'
4. वन्य जीवन और पर्यावरण पर 'हमारी जमीन हमारा आसमान' श्रृंखला

डीडी भारती देश भर में हुए संगीत, नृत्य एवं साहित्यिक आयोजनों का सीधा प्रसारण कर रहा है जैसे ग्वालियर का तानसेन संगीत समारोह, बिहार के जमाई जिले का, गिधोर उत्सव, मध्यप्रदेश का खजुराहो नृत्य समारोह, तुरा का मृदंगोत्सव, तमिलनाडु का त्यागराज समारोह, कोणार्क समारोह, भोपाल (कैश आउटफ्लो आधार पर) पुणे का संगीत समारोह, इलाहाबाद के कुंभ और अर्धकुंभ शाही स्थान, कपूरथला का सांस्कृतिक विरासत उत्सव एवं श्री बाबा हरबल्लभ संगीत सम्मेलन– जालंधर (पंजाब), सार्क साहित्य उत्सव दिल्ली, उत्तर पूर्व बसंतोत्सव दीमापुर, राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार – दिल्ली, रजत जयंती समारोह पर सांस्कृतिक कार्यक्रम– दूरदर्शन केंद्र गुवाहाटी, 'चले आओ चक्रधर चमन में' दूरदर्शन केंद्र दिल्ली, 'इंडिया एडवांटेज शो' – डीडी न्यूज़ 'पुरातन कला उत्सव' – दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस–2010– विज्ञान भवन, दिल्ली, दिल्ली हाफ मैराथन–2010– दिल्ली, प्रधानमंत्री की एनसीसी रैली, 41 वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह 2010 का उद्घाटन और समापन समारोह– गोआ, छठपर्व– पटना, दशहरा राज्य उत्सव– मैसूर, गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस समारोह की कवरेज का सीधा प्रसारण– दिल्ली, कुतुब महोत्सव– दिल्ली और राष्ट्रमंडल खेल– 2010

डीडी उर्दू

डीडी उर्दू ने 15 अगस्त 2010 को अपने चार वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान डीडी उर्दू ने 616 में से उपयुक्त निर्माताओं के चयन हेतु सर्वश्रेष्ठ साफ्टवेयर को संस्थापित करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है।

डीडी उर्दू ने 21 वीं सदी के पहले दशक में उर्दू शायरी की प्रवृतियों के प्रदर्शन और संरक्षण हेतु उर्दू शायरों की राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी का आयोजन और प्रसारण किया। वर्ष 2010 के ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता डॉ. के ए.एम.के. शहरयार ने इसमें भाग लिया और अध्यक्षता की। स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्र के नाम संदेश का उर्दू रुपांतर प्रसारित किया गया। डीडी उर्दू ने सॉफ्टवेयर बैंक की स्थापना की जो अन्य बातों के साथ–साथ भारत के स्वाधीनता संग्राम में उर्दू की भूमिका तथा राष्ट्र के सांस्कृतिक दूत के रुप में राष्ट्रीय सौहार्द में इसकी उपस्थिति को संस्थापित करता है।

डीडी – इंडिया

दूरदर्शन ने दिनांक 14 मार्च, 1995 को अपने अंतर्राष्ट्रीय चैनल की शुरुआत के साथ पूरे विश्व के लिए दरवाजे खोल दिए। प्रारंभ में डीडी वर्लड के नाम से जाना जाने वाले इस चैनल को वर्ष 2002 में डीडी इंडिया का नाम दिया गया। डीडी इंडिया 24 घंटे का चैनल है तथा इसे नई दिल्ली से अप–लिंक किया जाता है। आईएस–10 (पीएएस–10) और जी–13 उपग्रह के माध्यम से इसे विश्व भर के 89 देशों में देखा जा सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों के कार्यक्रमों में भारतीय समाज, संस्कृति, राजनीतिक और आर्थिक विषयों के अपडेट शामिल होते हैं। डीडी–इंडिया पर न्यूज़ बुलेटिन, सामाजिक घटनाओं पर रूपक, मनोरंजन कार्यक्रम, फीचर फिल्में, संगीत और नृत्य के कार्यक्रम, बच्चों के कार्यक्रम, आयोजन एवं पर्यटन संबंधी कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। हिंदी और अंग्रेजी कार्यक्रमों के अतिरिक्त उर्दू, पंजाबी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम, गुजराती और मराठी भाषाओं के कार्यक्रम इस अंतर्राष्ट्रीय चैनल के अभिन्न अंग हैं। प्रतिदिन उर्दू, गुजराती, तमिल, तेलुगु, मलयालम और पंजाबी में 15–15 मिनट के समाचार सभी देशों में प्रसारित किए जा रहे हैं।

डीडी इंडिया जनवरी, 2011 से अपने फिक्सड/प्वाइंट चार्ट को नया रूप देकर अपने कार्यक्रमों की सामग्री को और समृद्ध करने के लिए भरसक प्रयास कर रहा है। डीडी इंडिया चैनल के नए फिक्स्ड प्वांइट चार्ट में फीचर फिल्में और 'भारत एक खोज' जैसे अभिलेखीय कार्यक्रम भी शामिल किए गए हैं।

विदेश में रहने वाले दर्शकों विशेषतः एनआरआई और पीआईओ से पत्रों एवं ई–मेल के माध्यम से नियमित फीडबैक प्राप्त की जा रही है। डीडी–इंडिया चौनल दूरदर्शन की उपग्रह डीटीएच सेवा डीडी डायरेक्ट प्लस पर भी उपलब्ध है।

विदेश में चैनल का वितरण :–

1. एमबीसी (मारिशस प्रसारण निगम) के माध्यम से मारिशस में और एसबीएस के माध्यम से आस्ट्रेलिया में प्रसारण हेतु चैनल का वितरण किया गया है।
2. दूरदर्शन और इसके क्षेत्रीय चैनलों के विदेश में वितरण और विपणन के लिए सार्वभौम निविदा हेतु बोली आमंत्रित की गई है।
3. यूएसए, यूके, कनाडा, दक्षिणी अफ्रीका, मारिशस, मलेशिया, सिंगापुर और थाइलैंड में डीडी–इंडिया चैनल की पहुंच और प्रभाव पर अध्ययन करने के लिए अनुभवी परामर्शदाता एजेंसियों को रखने के लिए ईओआई आमंत्रित की गई हैं।

पूरे विश्व के निम्नलिखित देशों में डीडी इंडिया चैनल देखा जा सकता है :–

एशिया (दक्षिण–पूर्व एशिया) अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, ब्रुनेई, चीन (अंशतः), कंबोडिया, हांगकांग, इंडोनेशिया, कोरिया (उत्तर और दक्षिण), मालदीव, मलेशिया, माइक्रोनेशिया, मंगोलिया, म्यंमार, जापान, लाओस, नेपाल, पलाऊ, पपुआ न्यू गीनिया, फिलीपींस, सिंगापुर, श्रीलंका, ताइवान, थाइलैंड, वियतनाम।

सीआईएस

अल्बानिया, अर्मेनिया, अजरबैजान, बेलारूस, क्रोएशिया, जार्जिया, एस्टोनिया, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, लताविया, मकदूनिया, मोलडोवा, चैक गणराज्य, रोमानिया, रूस परिसंघ, स्लोवाकिया, तजाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, युक्रेन, युगोस्लाविया ।

पश्चिमी एशिया

बहरीन, ईराक, इरान, इजरायल, जोर्डन, कुवैत, लेबनान, ओमान, कतर, फिलिस्तीन, सउदी अरब, सीरिया, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात, यमन।

अफ्रीका

अंगोला, अल्जीरिया, बेनिन, बुर्कीना फासो, बुरुंदी, बोत्स्वाना, कैमरून, सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक, चाड, कांगो, कोट डी आयवरी, जीबूती, मिश्र, इरीट्रिया, इथोपिया, गैबन, घाना, गीनिया, इक्वेटोरियल गीनिया, गीनिया बिसाऊ, केन्या, लिसोथो, लाइबेरिया, लीबिया, मेडागास्कर, मालावी, माली, मोरक्को, मारीशस, मॉरीतानिया, मोजाम्बिक, नामिबिया, नाइजीरिया, नाइजर, रवांडा गणराज्य, सेनेगल, सेशल्स, सिएरा लियोन, सोमालिया, दक्षिण अफ्रीका, स्वाजीलैंड, सूडान, तंजानिया, टोगोलिस गणराज्य, ट्यूनीशिया, युगांडा, ज़ायरे, ज़ाम्बिया, ज़िम्बाब्वे ।

यूरोप

आस्ट्रिया, बेल्जियम, साइप्रस, डेनमार्क, फ्रांस, फिनलैंड, ग्रीस, जर्मनी, हंगरी, आयरलैंड, इटली, लीस्टेंस्टीन, लिथूनिया, लग्जमबर्ग, माल्टा, मोनाको, नार्वे, नीदरलैंड, पोलैंड, पुर्तगाल, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, यूनाइटेड किंग्डम।

अन्य

आस्ट्रेलिया, संयुक्त राज्य अमरीका, कनाडा, मेक्सिको।

क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनल (आरएलएससी)

क्षेत्रीय भाषाओं में अतिरिक्त सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराने के लिए 11 क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनल (आरएलएससी) राज्य की संबंधित भाषा में 24 घंटे कार्यक्रमों का प्रसारण कर रहे हैं जो राज्य के क्षेत्रीय प्रसारण के दौरान स्थलीय और अन्य समय में उपग्रह मोड में उपलब्ध हैं। राज्य से बाहर के दर्शकों के लिए ये कार्यक्रम उपग्रह मोड में उपलब्ध हैं। स्थानीय केंद्र इन कार्यक्रमों को स्थानीय भाषा और बोली में बनाते हैं और ये कार्यक्रम क्षेत्र विशिष्ट होते हैं।

क्षेत्रीय चैनल : (11)

डीडी पोढ़िगै	डीडी नॉर्थ ईस्ट	डीडी उड़िया	डीडी बांग्ला
डीडी केरलम्	डीडी चांदना	डीडी गिरनार	डीडी पंजाबी
डीडी सप्तगिरि	डीडी सह्याद्रि	डीडी कशीर	

डीडी उड़िया

डीडी उड़िया की शुरुआत 02.11.1993 को हुई थी तथा दिनांक 01.04.2011 के (उत्कल दिवस) अवसर पर इसे 24 घंटे का चैनल बना दिया गया था। इसके साथ ही उड़ीसा की कला संस्कृति एवं समृद्ध धरोहर के प्रचार–प्रसार को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुत बढ़ावा मिला। डीडी उड़िया सेवा पर दिनांक 13.07.2010 (मंगलवार) को प्रातः 8:00 बजे से सायं 04:30 बजे तक प्रसारित पुरी से भगवान जगन्नाथ की श्री गुंडिचा यात्रा तथा दिनांक 21.07.2010 (बुधवार) को प्रातः 09:00 से सायं 05:00 बजे तक प्रसारित भगवान जगन्नाथ की वापसी रथ यात्रा अत्यंत महत्वपूर्ण कार्यक्रम थे।

डीडी बांग्ला

दिनांक 20 अगस्त, 1992 को एक अस्थाई भू–केंद्र से सी बैंड में अपलिकिंग करके डीडी–बांग्ला की शुरुआत की गई

थी (उपग्रह कवरेज – इस महाद्वीप के 36 देशों में पहुंच रही है)। डीडी बांग्ला पर कोलकाता से कार्यक्रमों की शुरुआत 15 अगस्त, 1994 को हुई। दिनांक 26 जनवरी, 2000 से डीडी बांग्ला पर प्रातः 6.45 बजे समाचार बुलेटिन की शुरुआत की गई। 14 अप्रैल, 2000 से 08.50 बजे 10 मिनट का अतिरिक्त बंगाली समाचार बुलेटिन तथा 10.02 बजे 05 मिनट का बुलेटिन आंरभ किया गया। 01 अगस्त, 2000 से डीडी–3 पर डीडी बांग्ला को स्थलीय सहायता प्रदान की गई। जनवरी, 2003 से डिजीटल स्थलीय ट्रांसमीटरों (डीटीटी) ने 05 दूरदर्शन चैनलों अर्थात डीडी–1, डीडी–2, डीडी बांग्ला, डीडी भारती और डीडी–इंडिया के प्रसारण की शुरुआत की। 01 अप्रैल, 2004 को डीडी बांग्ला उपग्रह चौनल की डिजीटल अप–लिकिंग की शुरुआत की गई।

ग्रामीण और कृषि कार्यक्रमः– डीडी बांग्ला पर ग्रामीण और कृषि कार्यक्रम नियमित रूप से प्रसारित किया जाता है। इस कार्यक्रम में कृषि संबंधी पहलुओं, लोक जीवन की सांस्कृतिक गतिविधियों और ग्रामीण बंगाल के सामाजिक–आर्थिक परिवेश को शामिल किया जाता है।

संथाली कार्यक्रमः– डीडी बांग्ला पर प्रत्येक शनिवार सायं 5.05 बजे 'सथारी आखरा' नामक कार्यक्रम प्रसारित किया जाता है। इस कार्यक्रम में संथाली लोक संस्कृति, ड्रामा, साक्षात्कार, बच्चों के कार्यक्रम तथा विभिन्न विषयों पर स्पोकन वर्ड कार्यक्रम शामिल होते हैं। यह कार्यक्रम संथाल समुदाय के जीवन के विभिन्न पहलुओं की दर्शाता है।

डीडी–सह्याद्रि

डीडी सह्याद्रि मराठी भाषा का उपग्रह चैनल है जिसका शुभांरभ 15 अगस्त, 1994 को किया गया था। वर्ष, 2000 में यह 24 घंटे का चैनल बन गया। इस चैनल के कार्यक्रम मुंबई, पुणे और नागपुर स्थित स्टूडियो में बनाए जाते हैं तथा इसके कार्यक्रम उच्च निर्माण मूल्य वाले होते हैं। प्राइवेट चैनलों की बहुत कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद डीडी सह्याद्रि ने प्रसिद्ध धारावाहिकों, सूचनापरक कार्यक्रमों, लोक वाद–विवाद तथा फिल्म आधारित कार्यक्रमों के प्रसारण द्वारा अपना स्थान बनाए रखा है। डीडी सह्याद्रि महाराष्ट्र के सुप्रसिद्ध नागरिकों और विभूतियों को विभिन्न क्षेत्रों में उनके योगदान के लिए विभिन्न सह्याद्रि पुरस्कारों अर्थात् नवरत्न पुरस्कार, मानिक पुरस्कार सह्याद्रि मराठी सिने पुरस्कार, नवज्योति पुरस्कार, कृषिरत्न पुरस्कार तथा हिरकानी पुरस्कार से सम्मानित करता है।

डीडी सह्याद्रि को इनसैट–3ए उपग्रह के माध्यम से सी–बैंड में मुंबई से अपलिंक किया जाता है और इसे इनसैट–3ए के पूरे प्रसारण क्षेत्र में देखा जा सकता है। यह चैनल दूरदर्शन की निःशुल्क डीटीएच सेवा डीडी डायरेक्ट प्लस पर भी उपलब्ध है। दूरदर्शन केंद्र, मुंबई क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनल 'सह्याद्रि' का उपग्रह मोड में चौबीसों घंटे और स्थलीय सहायता से नेशनल नेटवर्क पर सुबह 06:00 बजे से 09:00 बजे तक और सायं 03:00 बजे से 08:00 बजे तक प्रसारण करता है। अपने समग्र तकनीकी और निर्माण विकास से यह चैनल आज 70% से भी अधिक इन–हाउस कार्यक्रमों का निर्माण करने की स्थिति में है।

महाराष्ट्र में उपलब्ध सभी मराठी टीवी चैनलों के बीच डीडी सह्याद्रि एकमात्र लोक सेवा प्रसारक है। यह चैनल अपने समय का 46% से अधिक समय सूचनापरक, शैक्षिक और अन्य लोक सेवा कार्यक्रमों को समर्पित करता है।

सह्याद्रि चैनल की कार्यक्रम स्थिति

क्रम. सं.	कार्यक्रम श्रेणी	%
(i)	स्पोर्ट्स	44.6
(ii)	मनोरंजन	9.5
(iii)	समाचार – सामयिकी	15.9
(iv)	लोक सेवा	13.6
(v)	स्वास्थ्य	1.6
(vi)	बाल कार्यक्रम	3.2
(vii)	अन्य श्रेणी (स्लाइड/फिर्ल्स/प्रोमो आदि)	11.6

क्रम. सं.	कार्यक्रम स्रोत	%
(i)	समाचार सहित इन–हाउस	56.2
(ii)	कमीशंड/एसएफसी	9.3
(iii)	फिल्में	7.9
(iv)	प्रायोजित	13.8
(v)	अन्य (एसएफसी/स्लाइड/प्रोमो/फिल्म आदि)	12.9

डीडी सप्तगिरि

10 अक्तूबर, 1993 को प्रारंभ किया गया डीडी सप्तगिरि आवश्यकता अनुसार हर जगह पहुंचा है। न केवल राज्य में प्राकृतिक आपदाओं के समय अपितु महाराष्ट्र और गुजरात में भूकंप के दौरान सबसे पहले पहुंचने और मदद के लिए हाथ बढ़ाने वालों में हैदराबाद की टीम के सदस्य शामिल थी। इसने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों यथा अमरीका के माननीय राष्ट्रपति श्री बिल क्लिंटन और श्री जार्ज डब्ल्यू बुश का राज्य का दौरा, राष्ट्रीय खेल, एफ्रो–एशियन खेल, चौथे वर्ल्ड मिलिट्री गेम्स आदि की कवरेज में अपनी कुशलता को साबित किया है। रियो–डी–जनेरो, साइप्रस पहुंचे हमारे देश के प्रतिनिधि मंडल के साथ न्यूज़ स्टाफ के सदस्य भी गए थे और उनकी रिपोर्टों की बहुत सराहना की गई थी। डीडी सप्तगिरि अब दूरदर्शन के डीटीएच प्लेटफार्म – 'डीडी डायरेक्ट प्लस' पर भी उपलब्ध है।

आंध्र प्रदेश राज्य सरकार और भारत सरकार की विकास संबंधी गतिविधियों तथा कल्याण योजनाओं के लिए अलग से स्लॉट उपलब्ध करवा कर इनकी कवरेज डीडी सप्तगिरि द्वारा की गई। इन योजनाओं का प्रसारण 'फ्लैगशिप कार्यक्रमों' की श्रेणी के अंतर्गत किया गया। इन कार्यक्रमों में सरकारी कर्मचारियों तथा लाभार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। भारत देश प्रजा विश्वासम् 'भारत में है विश्वास' कार्यक्रम, जिसमें भारत की विकास योजनाओं और गतिविधियों के मुख्य अंशों को दर्शाया गया है, का प्रसारण सोमवार को प्रातः 7:15 बजे किया गया तथा वीरवार को प्रातः 7:15 बजे उसका पुनः प्रसारण किया गया।

नाटक पाद्यगानअमृतम्– पौराणिक/ऐतिहासिक रंगमंच नाट्य कविताओं के प्रति युवाओं में जागरूकता पैदा करने के लिए यह कार्यक्रम डीडी सप्तगिरि पर शीघ्र ही शुरू किया जाएगा।

डीडी पोढ़िगै

दूरदर्शन चेन्नै के 24 घंटे के उपग्रह चैनल 'पोढ़िगै टीवी' का विधिवत् उदघाटन पोंगल दिवस पर 15 जनवरी, 2000 को किया गया था। इस चैनल को 'सूचनापरक कार्यक्रमों' का पैकेज कहा गया है। इस चैनल के मुख्य आकर्षण 'कालै कधीर'

नामक 90 मिनट का ब्रेकफास्ट शो और प्रातः 07:00 बजे 15 मिनट तथा दोपहर 12:00 बजे 05 मिनट के दो अतिरिक्त न्यूज़ बुलेटिन हैं।

पोढ़िगै चैनल को नई छवि प्रदान करने के लिए समय के साथ कार्यक्रमों की विषय वस्तु और स्वरूप में परिवर्तन किया गया है और अगस्त, 2009 से कार्यक्रमों की अद्यतन अनुसूची लागू की गई है। पोढ़िगै में लगभग 65% इन–हाउस कार्यक्रम हैं। इस समय 08 न्यूज़ बुलेटिन हैं जो दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। दूरदर्शन की मदुरै, पुदुच्चेरी और कोयम्बटूर में स्थित अन्य संस्थापनाएं भी पोढ़िगै के लिए कार्यक्रमों का निर्माण कर रही हैं। स्रोत–वार कार्यक्रमों की संरचना निम्नानुसार है :

क्रम सं.	प्रसारण	अवधि मिनटों में	प्रतिशत %
1.	पोढ़िगै स्रोत	256790	49.0
2.	क्षेत्रीय	138272	26.4
3.	ईबीएस (पुनः प्रसारित पैकेज)	129428	24.7
	कुल	**524490**	**100.0**

डीडी – गुजराती/डीडी–गिरनार

उपग्रह क्षेत्रीय भाषा सेवा (एसआरएलएस) जिसे गुजराती में डीडी–11 के नाम से जाना जाता है, की शुरुआत दिल्ली से अपलिंकिंग द्वारा 01.10.1993 को की गई थी तथा इस सेवा को स्थानीय अपलिंकिंग द्वारा 15.08.1994 से शुरू किया गया था। उपग्रह क्षेत्रीय भाषा सेवा पर 24 घंटे का प्रसारण दिनांक 01.05.2000 से शुरू किया गया था। इस पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों में फीचर फिल्मों/प्रायोजित कार्यक्रमों/धारावाहिकों के अलावा प्राइमरी चैनल के कार्यक्रम शामिल हैं।

डीडी–11 पर गुजराती में प्रसारण के उपग्रह मोड को डाउनलिंक करके केबल के माध्यम से न केवल पूरे देश में अपितु 34 एशियाई देशों यथा श्रीलंका, ईराक, अर्मेनिया, म्यंमार, अजरबैजान, सीआईएस के भाग, अमन, वियतनाम, टर्की, उजबेकिस्तान, बांग्लादेश, सीरिया, क्रिगिस्तान, यूएई, मलेशिया, सुमात्रा, तुर्केमेनिस्तान, भूटान, यमन, केएसए, अफगानिस्तान, थाईलैंड, मिस्र, बहरीन, नेपाल, इरान, कुवैत, पाकिस्तान, साइप्रस, चीन, कतर, ताजिकिस्तान, मंगोलिया में देखा सकता है।

यह चैनल 24 घंटे स्थलीय मोड में उपलब्ध है जिसमें स्थलीय क्षेत्रीय नेटवर्क प्रसारण दूरदर्शन केंद्र, अहमदाबाद द्वारा किया जाता है।

डीडी–गिरनार पर सोमवार से रविवार तक प्रसारित किए जा रहे कुछ नए कार्यक्रम निम्नलिखित हैं :–

युवा तर्वरत (पत्रिका कार्यक्रम), इक डाल ना पंखी (इन–हाउस दैनिक धारावाहिक), कथा सरिता (टेलीफिल्म), हर्ता फर्ता (मोबाइल क्विज), श्यामली (धारावाहिक), मारा साजनजी– सामाजिक संबंधों पर धारावाहिक कहानी, स्मार्ट ग्रहणी (महिलाओं के लिए गेम शो), सदाबहार (प्रतिस्पर्धा पर आधारित संगीत प्रतिभा खोज संबंधी कार्यक्रम – नया कार्यक्रम) मार्वल्स ऑफ टेक्नालॉजी, रमत जगतः स्पोर्ट्स कार्यक्रम आदि।

डीडी नार्थ–ईस्ट

डीडी नार्थ ईस्ट चैनल उत्तर–पूर्व में स्थित राज्यों के लिए सामूहिक उपग्रह सेवा है जो कुल 1257536 वर्ग कि.मी. के भौगोलिक क्षेत्र (79.5% क्षेत्र) को कवर करता है और पूर्वोत्तर में दूरदर्शन द्वारा 86% जनसंख्या को कवर करता है। यह चैनल असम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, नागालैंड एवं सिक्किम में उनकी बोलियों में कार्यक्रमों का प्रसारण करता है। ये कार्यक्रम धारावाहिकों, मनोरंजन, सामाजिक–आर्थिक, सामयिकी मामले, कला और संस्कृति, समाचार आदि का मिश्रण हैं जिनका निर्माण गुहावाटी, शिलांग, कोहिमा, अगरतला, सिल्वर, डिब्रूगढ़, इंफाल, आइजोल, तुरा और ईटानगर में स्थित दूरदर्शन स्टूडियो में किया जाता है।

डीडी कशीर

प्रारंभ में दिनांक 27.03.1995 से स्थलीय प्रसारण के माध्यम से चैनल की प्रति दिन 4 घंटे की सेवा उपलब्ध करवाई गई थी। लेकिन वास्तव में अलग क्षेत्रीय उपग्रह चौनल के रूप में डीडी कशीर की पहचान तब हुई जब 26.06.2000 को इसका शुभारंभ किया गया। इस समय प्रातः 0600 बजे से उपग्रह द्वारा इस चैनल का प्रसारण 24 घंटे उपलब्ध है। यह दूरदर्शन का एकमात्र उपग्रह चैनल है जिसका प्रसारण घाटी के विभिन्न भागों में स्थित स्थलीय ट्रांसमीटरों के माध्यम से भी उपलब्ध है।

डीडी कशीर पर प्रति दिन 12 घंटे से भी अधिक अवधि के नए कार्यक्रम दिखाए जाते हैं। चैनल पर कश्मीर घाटी के दर्शकों सहित उप महाद्वीप के करोड़ों दर्शकों को मनोरंजन, सूचना और शिक्षा पर आधारित कार्यक्रम उपलब्ध कराए जाते हैं।

कशीर चैनल बहुत ही मजबूत और आकर्षक सेवा बन गई है। दर्शकों की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने वाले सूचनाप्रद तथा मनोरंजन कार्यक्रम दिखाकर और पीर–ए–वार (संतों की वाटिका) के अमर पहलुओं के चित्रण द्वारा सूफी मत तथा ऋषि मत को बढ़ावा देकर कशीर चैनल सशक्त और आकर्षक सेवा उपलब्ध करवाने का जरिया बन गया है। डीडी–कशीर गली–गली के दर्शकों तक पहुंचता है और उन्हें दिलचस्प त्योहारों, आयोजनों, सुविधाओं और गतिविधियों की जानकारी देता हैं।

डीडी पंजाबी

जालंधर से क्षेत्रीय उपग्रह सेवा हेतु भू–केंद्र की अपलिकिंग दिनांक 06.08.1998 से आरंभ हुई। चैनल पर 24 घंटे के प्रसारण का उद्घाटन 05.08.2000 को किया गया। यह न केवल भारतीय लोगों की मीडिया संबंधी जरूरतों को पूरा करता है अपितु पंजाब की समृद्ध संस्कृति का वास्तविक नियंत्रण रेखा के उस पार भी प्रचार–प्रसार करता है। प्रारंभ में चैनल साइमल्कास्ट 2+1 में एनालॉग मोड में कार्य करता था जो 22 मार्च, 2004 तक चलता रहा। इस चैनल को 22 मार्च, 2004 को डिजीटल प्रसारण चैनल में बदल दिया गया।

यह चैनल भारत तथा अन्य देशों, जहां इनसेट 3ए और इनसेट 4बी के सिग्नल पहुंचते हैं, में व्यापक रूप से देखा जाता है। डीडी पंजाबी चैनल डीटीएच प्लेटफार्म, इनसेट 4बी उपग्रह पर भी उपलब्ध है। इस चैनल पर स्पोर्ट्स, सीधे प्रसारण तथा मनोरंजन के कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है।

चैनल पर क्षेत्रीय भाषा के सात समाचार बुलेटिन प्रसारित किए जाते है। मुख्य बुलेटिन 19:00 बजे 15 मिनट की अवधि का है तथा अन्य बुलेटिन 08:00 बजे, 10:00 बजे, 12:30 बजे, 15:00 बजे (डीडी–पंजाबी चैनल पर), 17:00 बजे, 19:00 बजे (क्षेत्रीय और डीडी पंजाबी दोनों पर) और 21:30 बजे (डीडी पंजाबी और डीडी इंडिया चैनलों पर) प्रसारित किए जाते हैं।

डीडी चंदना

कन्नड़ भाषा के उपग्रह चैनल को 15 अगस्त, 1994 को आरंभ किया गया था। बंगलौर और गुलबर्गा स्थित स्टूडियो इस चैनल के लिए कार्यक्रम बनाते हैं। वर्ष 2000 में यह 24 घंटों का चैनल बन गया। आरएलएसएस का कुल राजस्व ₹ 1,68,07,295/– (अप्रैल, 2010 से मार्च, 2011 तक) था। मार्च, 2011 माह के लिए क्षेत्रीय कार्यक्रमों की कार्यक्रम संरचना (आरएलएसएस सहित) निम्नानुसार हैः–

स्रोत के अनुसार	मिनट	प्रतिशत
इन–हाउस एवं कमीशंड	22650	67.65
प्रायोजित	10830	32.35
श्रेणी के अनुसार		
खेलकूद	560	1.69
मनोरंजन (लोक सेवा सहित)	3510	10.62
शैक्षणिक	--	--
समाचार और सामयिकी	2015	6.10
पर्यावरण	120	0.36
बच्चों के कार्यक्रम	120	0.36
अन्य	26715	80.86
भाषा के अनुसार		
कन्नड़	32240	99.26
उर्दू, कोडवा, कोंकणी और तुलु	240	0.74

डीडी मलयालम

24 घंटे प्रसारण करने वाला उपग्रह चैनल डीडी मलयालम पूरे देश सहित विश्व के 60 देशों में देखा जा सकता है। इसे 15 अगस्त, 1994 को आरंभ किया गया था। वर्ष 2000 में इस चैनल ने 24 घंटों का प्रसारण शुरू किया। इस चैनल के कार्यक्रमों का निर्माण तिरुवनंतपुरम और त्रिस्सूर स्थित डीडी स्टूडियो में किया जाता है। इस चैनल की पहुंच स्थलीय मोड में राज्य की शत प्रतिशत जनसंख्या तक है। चैनल पर कार्यक्रमों की भाषा–वार अवधि और प्रतिशत निम्नानुसार है:–

भाषाएं	अवधि	प्रतिशत
	मिनट	
स्थानीय भाषा (मलयालम)	165728	99.45
हिंदी	268	0.16
अंग्रेजी	654	0.39
उर्दू	00	0
संस्कृत	00	0
तमिल	00	0
अन्य भाषाएं	00	0
बोलियां	00	0
विदेशी भाषाएं	00	0
भाषा रहित कार्यक्रम	00	0
कुल	**166650**	**100.00**

दूरदर्शन के अन्य अनुभाग/चैनल

केंद्रीय कमिशनिंग एकक

यह एकक दूरदर्शन चैनलों पर प्रसारण के लिए विभिन्न विषयों पर सॉफ्टवेयर प्राप्त कर रहा है।

1. मैसर्स बब्बर फिल्म्स द्वारा निर्मित 'महाराजा रणजीत सिंह' धारावाहिक की 52 कड़ियों का प्रसारण दिनांक 13.04.2010 से नेशनल चैनल पर किया जा रहा है।
2. श्री जी.एस चन्नी द्वारा निर्मित 'भारत के दुर्ग' की 26 कड़ियों का प्रसारण दिनांक 14.11.2010 से डीडी नेशनल पर किया जा रहा है।
3. स्वास्थ्य पर आधारित 'मन की बात' नामक धारावाहिक की 52 कड़ियों का प्रसारण दिनांक 21.04.2010 से डीडी नेशनल पर सप्ताह में दो बार किया जा रहा है।
4. मृदुला गर्ग के क्लासिक उपन्यास 'उसके हिस्से की धूप' पर आधारित कार्यक्रम का प्रसारण 02 दिसंबर, 2010 से डीडी नेशनल पर किया जा रहा है।
5. 'हम लोग' की तर्ज पर समाज से जुड़े मुद्दों पर आधारित 'हम' नामक 26 कड़ियों के धारावाहिक का इस समय डीडी नेशनल पर सप्ताह में दो बार प्रसारण किया जा रहा है।
6. 'सामान्य पूजा स्थान (कॉमन वर्शिप सेंटर्स) पर 52 कड़ियों के धारावाहिक का डीडी–नेशनल पर प्रसारण किया जा रहा है।
7. डॉ. पुष्पेश पंत द्वारा निर्मित 16 कड़ियों का 'इंस्टीट्यूशन आफ डेमोक्रेसी' नामक विशेष कार्यक्रम निर्माणाधीन है।

डीटीएच सेवा (डीडी डायरेक्ट प्लस)

दिसंबर, 2004 में दूरदर्शन ने निःशुल्क डीटीएच सेवा डीडी डायरेक्ट प्लस आरंभ की थी जिसके बुके में 33 चैनल थे। इस समय दूरदर्शन डीटीएच प्लेटफार्म की क्षमता 59 टीवी चैनल हैं। दूरदर्शन डीटीएच प्लेटफार्म की इस 59 चैनल की क्षमता को बढ़ाकर 97 चैनल करने की योजना को अगस्त, 2010 में स्वीकृति प्रदान की गई है। अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के लिए 10 चैनल के बुके के साथ सी–बैंड में डीटीएच सेवा सितंबर, 2009 से शुरू की गई है।

दूरदर्शन चैनल	अन्य टीवी चैनल
1. डीडी नेशनल	20. लोक सभा
2. डीडी न्यूज़	21. रशिया टुडे
3. डीडी स्पोर्ट्स	22. व्यास टीवी
4. डीडी इंडिया	23. श्रद्धा
5. डीडी भारती	24. अमृता टीवी
6. डीडी बांग्ला	25. आईबीएन लोकमत
7. डीडी चांदना	26. 9X
8. डीडी गिरनार	27. स्टार जलसा
9. डीडी कशीर	28. 9Xएम
10. डीडी नार्थ ईस्ट	29. टाइम टीवी
11. डीडी उड़िया	30. ज्ञानदर्शन–11
12. डीडी पोढ़िगै	31. पीटीसी न्यूज़
13. डीडी पंजाबी	32. आस्था
14. डीडी सह्याद्रि	33. ईटीसी म्यूज़िक
15. डीडी सप्तगिरि	34. प्रज्ञा टीवी

दूरदर्शन चैनल	अन्य टीवी चैनल
16. डीडी मलयालम	35. जी स्माइल
17. डीडी राज्य सभा	36. जी जागरण
18. डीडी उर्दू	37. एमएच वन
19. ज्ञानदर्शन–1	38. पी–7 न्यूज़
	39. टोटल टीवी
	40. शक्ति टीवी
	41. जय हिंद टीवी
	42. महुआ
	43. कलैगनार टीवी
	44. डीडब्ल्यू टीवी
	45. स्टार उत्सव
	46. स्माइल टीवी
	47. बी4यू
	48. ज्ञानदर्शन–2
	49. मेगा टीवी
	50. कैराली टीवी
	51. एनएचके वर्ल्ड
	52. न्यूज़ लाइव
	53. एबीएन आंध्र ज्योति
	54. इंडिया न्यूज़
	55. न्यूज़ 24
	56. एंटर 10
	57. आजाद न्यूज़
	58. एसवी भक्ति
	59. एचडीटीवी

दूरदर्शन के डीटीएच प्लेटफार्म 'डीडी डायरेक्ट प्लस' पर उपलब्ध टीवी चैनल

कृषि नैरोकास्टिंग

कृषि पर क्षेत्र विशिष्ट की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से वर्ष 2002 में दूरदर्शन द्वारा एक प्रायोगिक परियोजना शुरू की गई थी जो पूरे देश में 11 ट्रांसमीटरों के माध्यम से 18 राज्यों में लागू की गई थी। नैरोकास्टिंग की इस अवधारणा के सफल कार्यान्वयन के फलस्वरूप देश के अन्य भागों में इस परियोजना को आगे बढ़ाने की मांग सामने आई। तदनुसार कृषि मंत्रालय, भारत सरकार के माध्यम से एक प्रस्ताव योजना आयोग को भेजा गया। केंद्रीयकृत प्रायोजित परियोजना 'मास मीडिया सपोर्ट टु एग्रीकल्चर एक्सटेंशन' अनुमोदित की गई तथा तत्कालीन प्रधानमंत्री द्वारा जनवरी, 2004 में इसकी शुरुआत की गई। इस समय इस परियोजना को 102.95 करोड़ रुपए के वार्षिक बजट के साथ कार्यान्वित किया जा रहा है। चालू वित्त वर्ष 2010–11 में भी यह उसी बजट के साथ कार्यान्वित की जा रही है।

1. नेशनल चैनल पर :– देश के लिए विशिष्ट कृषि कार्यक्रमों का सप्ताह में (सोमवार से शनिवार) 06 दिन सुबह 6:30 बजे से 07:30 बजे तक प्रसारण किया जाता है। इनमें से 05 नए कार्यक्रम होते हैं तथा शनिवार के स्लॉट में कृषि मंत्रालय द्वारा निर्मित वृत्तचित्र का प्रसारण किया जाता है जिसके लिए प्रसारण शुल्क लिया जा रहा है।

2. 18 क्षेत्रीय चैनलों पर :– राज्य के लिए विशिष्ट कृषि कार्यक्रमों का प्रसारण प्रतिदिन 30 मिनट की अवधि के लिए शाम के समय सप्ताह में 05 दिन (सोम–शुक्र) किया जाता है तथा अगली सुबह 06:30 से 07:00 बजे तक उसी कार्यक्रम को संबंधित क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनल (आरएलएसएस) पर सप्ताह में 05 दिन (सोम–शुक्र) पुनः प्रसारित किया जाता है।
3. नैरोकास्टिंग' मोड में :– देश के 140 जिलों के किसानों की जरूरतों और क्षेत्र विशेष की जरूरतों को पूरा करने के लिए क्षेत्र विशेष की सूचनाओं को सप्ताह में 05 दिन (सोम–शुक्र) पीजीएफ और क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से शाम के समय देश भर में 180 ट्रांसमीटरों से प्रसारित किया जाता है जिनमें से 02 कार्यक्रम नए होते हैं तथा शेष पुनः प्रसारित कार्यक्रम होते हैं।

कार्यक्रमों का निर्माण कृषि, बागवानी, पशु विज्ञान, मत्स्य विज्ञान आदि के विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है। इन विषयों के सभी पहलुओं को दिन प्रतिदिन के आधार पर कवर किया जाता है जिनमें प्रत्येक फसल की विभिन्न तकनीकों, विभिन्न योजनाओं, किसानों की सफलता की कहानियों, मौसम रिपोर्टों, किसान क्रेडिट कार्ड, कृषि समाचार, मंडी भाव बुलेटिन, न्यूनतम समर्थन मूल्य, खरीफ फसल के दौरान बीज उपचार पर चलाए गए अभियान और डीएसी, कृषि मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराई गई अन्य सूचनाओं को शामिल किया जाता है। उपर्युक्त के अलावा कुछ महत्वपूर्ण विशेष कार्यक्रम मुख्यतः फसल संगोष्ठियों का भी निम्नानुसार प्रसारण किया जाता है:–

(i) संबंधित राज्य नेटवर्क पर फसल संगोष्ठियों का सीधा प्रसारण किया जाता है। प्रत्येक वर्ष रबी और खरीफ के समय कम से कम इस तरह के एक कार्यक्रम का प्रसारण किया जाता है। इस अवधारणा का बहुत ही विशेष प्रभाव देखने को मिला है तथा संबंधित राज्य सरकार से उसकी मांग प्राप्त हो रही है।

(ii) साप्ताहिक 'फोन–इन' कार्यक्रम प्रसारित किया जाते हैं जिनमें संबंधित राज्यों/'नैरोकास्टिंग' क्षेत्र के किसान टेलीफोन पर प्रश्न पूछते हैं तथा विशेषज्ञ उसी समय प्रश्नों को समाधान करते हैं।

(iii) भारतीय मौसम विभाग पुणे के कृषि मौसम प्रभाग द्वारा मौसम संबंधी सूचनाओं को उनकी वेबसाइट पर उपलब्ध कराए गए प्रत्येक केंद्र के विशेष आइकॉन पर अद्यतन किया जाता है तथा संबंधित केंद्र उसे डाउनलोड कर बुलेटिन प्रस्तुत करता है जिसमें संबंधित राज्य की प्रत्येक सप्ताह की कृषि–मौसम संबंधित सूचनाएं शामिल होती हैं।

(iv) एक दैनिक समाचार बुलेटिन, जिसमें नीति, निर्यात, मौसम आदि की सूचनाएं होती है, का नेशनल चैनल पर प्रसारण किया जाता है। साथ ही सभी 18 क्षेत्रीय केंद्र सप्ताह में 05 दिन (सोम–शुक्र) और 36 नैरोकास्टिंग केंद्र सप्ताह में दो बार प्रसारण करते हैं।

(v) एक दैनिक बाजार भाव बुलेटिन, जिसमें विभिन्न मंडियों में प्रत्येक अनाज के बाजार भावों को शामिल किया जाता है, का नेशनल चैनल पर प्रतिदिन तथा क्षेत्रीय केंद्रों पर सप्ताह में 5 दिन (सोम–शुक्र) तथा 36 नैरोकास्टिंग केंद्रों पर सप्ताह में 02 बार प्रसारण किया जाता है।

विस्तार कर्मियों, योजनाकारों और शिक्षित किसानों के लाभ के लिए 55 निर्माण केंद्रों में से प्रत्येक के कार्यक्रमों की तारीख वार अनुसूची विशेष पोर्टल (www.dacnet.nic.in/csms) पर अपलोड की जाती है।

कार्यक्रम निर्माताओं के कार्य कौशल और ज्ञान को अद्यतन बनाने के लिए उन्हें निर्माण कौशल, चावल, विपणन आदि विषयों पर प्रशिक्षण देकर उनकी क्षमता का निर्माण सुनिश्चित किया जाता है। प्रशिक्षण मैनेज, हैदराबाद, आईवीआरआई, बरेली, सीआरआरआई, कटक, एनआईएएम, जयपुर, सीएजैडआरआई, जोधपुर, आईआईएचआर, बंगलौर, एनआईएएनपी, बंगलौर आदि में दिया जाता है।

देश के दूर–दराज के इलाकों में स्थित दूरदर्शन केंद्रों में योजना का विस्तार करने और नैरोकास्टिंग केंद्रों से नए कार्यक्रमों के प्रसारण की आवर्तिता को प्रति सप्ताह 2 से बढ़ाकर 05 किए जाने के संबंध में महानिदेशक, दूरदर्शन ने सचिव, कृषि मंत्रालय से बैठक की है। कृषि मंत्रालय की आवश्यकता के अनुसार महानिदेशक, दूरदर्शन ने एक विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत कर दिया है जो विचाराधीन है।

पर्यावरण दर्शन

दूरदर्शन ने वर्ष 2010–11 के दौरान डीडी नेशनल और 18 क्षेत्रीय केंद्रों में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की सहायता से 'मास मीडिया सपोर्ट टु इन्वायरमेंटल अवेरनैस' नामक योजना कार्यान्वित की है। इस योजना के तहत संबंधित क्षेत्र के विभिन्न पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर वहां की स्थानीय भाषा में प्रकाश डाला जाता है। पर्यावरण दर्शन के निर्माताओं की क्षमता का विकास करने के लिए सीपीसीबी द्वारा दिल्ली में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

ग्रामीण भारत

दूरदर्शन ने वर्ष 2010–11 के दौरान डीडी नेशनल और 18 क्षेत्रीय केंद्रों में पंचायती राज मंत्रालय की सहायता से 'मास मीडिया सपोर्ट टु पंचायती राज' योजना कार्यान्वित की है। इस योजना के तहत संबंधित क्षेत्र के पंचायती राज से सबंधित मुद्दों पर वहां की स्थानीय भाषा में प्रकाश डाला जाता है। ग्रामीण भारत के निर्माताओं की क्षमता का विकास करने के लिए दिल्ली में पंचायती राज मंत्रालय द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

डीडी कमर्शियल

दूरदर्शन विज्ञापन सेवा दूरदर्शन पर सामान और सेवाओं के विज्ञापनों की बुकिंग के लिए उत्तरदायी है। आमतौर पर विज्ञापन बुकिंग और प्रायोजकता प्रत्यायित और पंजीकृत एजेंसियों के माध्यम से स्वीकार की जाती है इसके अलावा एजेंसी को कमीशन दिए बिना अग्रिम भुगतान पर सीधे भी बुकिंग स्वीकार की जाती हैं। जिन क्षेत्रीय केंद्रों में इस प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं वहां नई कमर्शियल यूनिटों को स्थापना की गई है। दूरदर्शन उच्च शक्ति ट्रांसमीटरों (एचपीटी) और अल्प शक्ति ट्रांसमीटरों (एलपीटी) में स्क्रोल विज्ञापन भी स्वीकार करता है जहां से कार्यक्रमों का प्रसारण नहीं होता है। वर्ष 2010–11 के दौरान कमर्शियल अनुभाग द्वारा अर्जित राजस्व 1092.52 करोड़ रुपए है (बिना लेखा परीक्षा के आंकड़े)।

डीडी वार्षिक पुरस्कार

दूरदर्शन ने इन–हाउस कार्यक्रमों की विषय–वस्तु, सौंदर्यपरकता एवं तकनीकी उत्कृष्टता को स्वीकार करने और महत्व प्रदान करने के लिए वर्ष 2001 में दूरदर्शन पुरस्कारों की शुरुआत की थी। इन पुरस्कार का मुख्य उद्देश्य उच्च कोटि और अभिनव कार्यक्रमों के निर्माण के लिए स्टाफ के बीच एक प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देना है। वार्षिक पुरस्कार समारोह की रूपरेखा इस प्रकार से तैयार की जाती है कि उससे विभिन्न केंद्रों के प्रतिभाशाली निर्माताओं को सीखने का अवसर उपलब्ध होता है तथा उनका मनोबल बढ़ता है। विगत पुरस्कार समारोह में 34 श्रेणियों को पुरस्कृत किया गया था।

10वें दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार 25 मई, 2011 को दिल्ली में प्रदान किए गए। कुल 32 श्रेणियों में पुरस्कृत प्रदान किए गए। दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार 2011 के लिए माननीय सूचना और प्रसारण मंत्री ने एक नई श्रेणी अभिनव विचार और अभिनव निरूपण की घोषणा की है। दूरदर्शन के 10वें पुरस्कार समारोह से 80 लाख रुपए का राजस्व अर्जित प्राप्त हुआ।

विपणन प्रभाग

डीडी नेशनल, डीडी क्षेत्रीय केंद्रों, डीडी न्यूज़ और देश में प्रसारण कर रहे विभिन्न उपग्रह चैनलों पर कार्यक्रमों की इन–हाउस मार्केटिंग को बढ़ावा देने के लिए मुंबई, नई दिल्ली, कोलकाता, हैदराबाद, बंगलौर, चेन्नै, तिरुवनंतपुरम, गुवाहाटी, कोच्चि और जालंधर में प्रसार भारती के विपणन प्रभाग हैं।

दूरदर्शन का अग्रणी चैनल डीडी–1 (नेशनल) है जो विभिन्न फार्मेटों जैसे एसएफसी (स्व वित्त), अर्जन, कमीशंड आदि में प्राप्त किए गए कार्यक्रमों के माध्यम से दूरदर्शन के कुल सकल राजस्व का 55% राजस्व अर्जित करता है।

इस समय डीडी नेशनल नेटवर्क के 95% से अधिक कार्यक्रम एसएफसी के तहत लिए गए हैं। इस योजना में चैनल सॉफ्टवेयर के स्थायी अधिकार अपने पास रखता है और अधिकतम राजस्व अर्जित करने के लिए उनका प्रयोग करता है। विपणन प्रभाग रियल्टी शो/गेम शो आदि सहित चैनल पर प्रसारित किए जाने वाले विभिन्न शैलियों के कार्यक्रमों का विपणन करने में सफल रहा है। भारती, एयरटेल, एचएलएल, डाबर, इमामी, कोलगेट पामोलिव आदि जैसी राष्ट्रीय कंपनियों ने चैनल पर भारी निवेश किया है। मनोरंजन के अलावा कार्यक्रमों में महिला सशक्तिकरण और सामाजिक विषयों को भी शामिल किया जाता है।

चैनल इन्वेटरी के प्रबंधन और विपणन तथा चैनल द्वारा समय–समय पर आंरभ की गई विभिन्न लोक सेवा पहल कदमियों से राजस्व जुटाना भी इसी की जिम्मेदारी है।

मीडिया संबंधी पहलें

महानिदेशालय का जन संपर्क अनुभाग एक छोटी सी यूनिट है जो मीडिया एवं प्रचार गतिविधियों की देख–रेख करती है। दूरदर्शन की गतिविधियों और कार्यक्रमों का प्रचार करने के लिए संचार के सभी माध्यमों जैसे विज्ञापन, डायरेक्ट मेलर्स, प्रैस विज्ञप्ति आदि का प्रयोग किया जाता है।

दूरदर्शन कार्यक्रमों की संपूर्ण गाइड 'दूरदर्शन इस सप्ताह' जन संपर्क यूनिट द्वारा प्रकाशित की जाती है इसे पीटीआई, यूएनआई, सभी समाचारपत्रों जैसी सभी मीडिया एंजेसिंयों में परिचालित किया जाता है तथा इलेक्ट्रानिक प्रोग्राम गाइड हेतु डीटीएच प्लेटफार्म को भेजा जाता है। कार्यक्रम संबंधी सूचना के बारे में दर्शकों तक अद्यतन सूचना पहुंचाने के लिए जन संपर्क अनुभाग दूरदर्शन की वेबसाइट को प्रतिदिन अपडेट करता है। राष्ट्रमंडल खेलों का प्रचार तथा दूरदर्शन पुरस्कार समारोह का प्रचार पिछले वर्ष के विशेष प्रचार अभियान थे।

दूरदर्शन भवन की बाहरी दीवारों पर इल्यूमिनेटिव बिल बोर्ड लगाए गए हैं। जब भी आवश्यकता होती है प्रैस के साथ बातचीत का आयोजन किया जाता है।

पीएसबीटी

विभिन्न विषयों से जुड़े मुद्दों पर अच्छी गुणवत्ता वाले वृत्तचित्र प्राप्त करने के लिए लोक सेवा प्रसारण ट्रस्ट (पीएसबीटी) राष्ट्रीय प्रसारक और प्राइवेट संस्था के बीच एक सफल भागीदारी निभाता है। प्रख्यात, नवोदित और फिल्म निर्माताओं द्वारा निर्मित इन वृत्तचित्रों को डीडी नेशनल और डीडी न्यूज़ पर प्रसारित किया जाता है। हर वर्ष यूनेस्को की भागीदारी के साथ द ओपन फ्रेम इंटरनेशनल फेस्टीवल एंड फोरम में दुनिया भर की कुछ बेहतरीन फिल्में और कार्यक्रम दिखाए जाते हैं। इस वर्ष पीएसबीटी की फिल्मों ने बहुत से अंतर्राष्ट्रीय और 02 राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

डीडी अभिलेखागार :–

वर्ष 2003 में दूरदर्शन अभिलेखागार ने एक नए दृष्टिकोण के साथ अपने आपको पुनः जागृत किया और वर्ष 2003 से दृश्य–श्रव्य जगत की चुनौतियों से मुकाबला करने के लिए अपने को तैयार किया, यह यूनिट केंद्रों से पुरातन टेपों को मंगवाकर उन्हें डिजीटल माध्यम में बदलने का कार्य कर रही है।

दूरदर्शन अभिलेखागार निम्नलिखित श्रेणियों में सेवाएं प्रदान कर रहा है :–

- कार्यक्रम का डिजीटलीकरण
- डीवीडी और सीडी रिलीज करना
- अभिलेखीय फुटेज की बिक्री
- कस्टमाइज्ड डीवीडी
- चैनलों के लिए सॉफ्टवेयर की आपूर्ति
- चैनलों के लिए नए सॉफ्टवेयर
- कार्यक्रम का डिजीटलीकरण

वर्ष 2008 में मीडिया एसेट मैनेजमेंट (एमएएम) प्राप्त करके डीडी अभिलेखागार ने डिजीटलीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। एमएएम 1200 घंटों के डिजीटलीकृत कार्यक्रमों को स्टोर कर सकता है अब तक 550 घंटे के डिजीटलीकृत सामग्री को अभिलेखागार में स्टोर कर दिया गया है, दिसंबर, 2010 तक सामग्री को फाइल फॉर्मेट में डिजीटलीकृत किया गया है। वर्ष 2004 से 2010 तक विभिन्न फार्मेटों से डीवीसी टेपों में कुल 13,460 घंटे के कार्यक्रम डिजीटलीकृत किए गए हैं।

- डीवीडी/सीडी रिलीज करना

इस वर्ष इस प्रतिष्ठित डीवीडी परियोजना ने अपने 100 टाइटल पूरे कर लिए हैं। दिनांक 04.01.2011 को माननीय सूचना और प्रसारण मंत्री आंबिका सोनी ने निम्नलिखित डीवीडी रिलीज किए थे :–

1. पेटिंग ऑफ इंडिया– 6 डीवीडी का सेट – द्वारा निर्देशित विनय के. बहल
2. सीक्रेट्स ऑफ शास्त्राज/रिवील्ड बाई गुरुज – 05 डीवीडी का सेट
   - भरतांजलि
   - नित्योपास्ना
   - नाट्यशास्त्र
3. सुरभि – आंध्र प्रदेश में रंगमंच आंदोलन के 125 वर्ष पर एक डीवीडी
4. फिलीग्री ऑफ रिदम – महान तबला उस्तादों पर डीवीडी – उस्ताद अहमदजान थिरकवा; पं. किशन महाराज; पं. समता प्रसाद – 2 डीवीडी का सेट
5. महान नर्तकी – डॉ सोनल मान सिंह – 02 डीवीडी का सेट

निम्नलिखित डीवीडी रिलीज की जानी हैं :–

दो खंडों में भारतनाट्यम श्रृंखला :

- अभिलेखागार फुटेज कस्टमाइज्ड डीवीडी, सीडी की बिक्री से दूरदर्शन अभिलेखागार ने 30 नवंबर, 2010 तक कुल 41.10 लाख रुपए और कमर्शियल फुटेज की बिक्री से 2.79 लाख रुपए अर्जित किए हैं। इस प्रकार कुल 43.89 लाख रुपए की राशि अर्जित की है।

- चैनलों के लिए सॉफ्टवेयर की आपूर्ति

दूरदर्शन अभिलेखागार ने निर्माण की भाषा रूपांतरण की बड़ी परियोजना पर कार्य शुरू किया है। इस प्रकार इसने दूरदर्शन के क्षेत्रीय चैनल के क्षेत्रीय सॉफ्टवेयर कंटेंट को समृद्ध बनाया है। कार्यक्रमों की कुल 802 कड़ियों को विभिन्न भाषाओं में डब किया गया है।

- चैनल के लिए नए सॉफ्टवेयर

नई रिकार्डिंग करते हुए दूरदर्शन अभिलेखागार ने कुछ मृत प्रायः वाद्य यंत्रों जैसे सुंदरी वादन, जलतंरग की रिकार्डिंग की है। दूरदर्शन के स्वर्ण जयंती अवसर पर दूरदर्शन अभिलेखागार ने कार्यक्रमों का निर्माण और उनका प्रसारण किया है। ये कार्यक्रम उन कलाकारों से संबंधित हैं जो दूरदर्शन से जुड़े रहे हैं।

गुरूदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर की 150वीं जयंती के अवसर पर, कार्यक्रम को बहुत ही सुंदर ढ़ंग से री–पैकेज करके और नेशनल चैनल पर प्रसारित किया गया।

दूरदर्शन अभिलेखागार द्वारा गांधी, बुद्ध, विलासिनी नाट्यम जैसे बहुत सी परियोजनाएं रिकार्ड की गई हैं जिनका संपादन किया जाना है।

दूरदर्शन अभिलेखागार ने अपनी प्रतिष्ठित परियोजना अर्थात भारत के 04 महान नेताओं महात्मा गांधी, पं. जवाहरलाल नेहरु, श्रीमती इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की दृश्य–श्रव्य रिकार्डिंगों पर आधारित एक वेबसाइट के निर्माण पर कार्य किया है। यह वेबसाइट साधारण और उन्नत सर्च के माध्यम से 100 घंटे का दृश्य और 100 घंटे का श्रव्य डाटा उपलब्ध कराती है। इस वेबसाइट की विशेषता यह है कि हम नेताओं को सीधे देख एवं सुन सकते हैं। परियोजना जनवरी, 2009 में पूरी हो गई थी और अभी इसका विमोचन किया जाना है।

केंद्रीय कार्यक्रम निर्माण केंद्र (सीपीसी)

विगत वर्ष 2010–11 के दौरान सीपीसी, दूरदर्शन की गतिविधियों के प्रमुख अंश निम्नानुसार हैं :–

डीडी स्पोर्ट्स

1) अंग्रेजी और हिंदी में 30–30 मिनट के एक घंटे का कार्यक्रम 'स्पोर्ट्स आवर' का इन हाउस निर्माण जिसमें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेलकूद आयोजनों को कवर किया जाता है।

2) राष्ट्र मंडल खेल – 2010, नई दिल्ली, एशियाई खेल–2010, और राष्ट्रीय खेल–2011, रांची का सफलतापूर्वक सीधा प्रसारण।

3) डीडी स्पोर्ट्स पर प्रसारण हेतु साप्ताहिक कार्यक्रम 'मिशन दिल्ली–2010' का इन हाउस निर्माण।

4) विभिन्न आयोजनों पर विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए गए जैसे विश्व फुटबाल कप पर फुटबाल फ्रेंजी कार्यक्रम, क्वीन बैटन रिले पर 3 अक्तूबर, 2010 तक टीवी रिपोर्ट, सुल्तान अजलान शाह अंतर्राष्ट्रीय हॉकी चौम्पियनशिप पर 05.05.2010 से 15.05.2010 तक परिचर्चा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण, हरियाणा स्पोर्ट्स टेलेंट हंट (प्ले फॉर इंडिया) का 15.04.2010 से 17.04.2010 तक सीधा प्रसारण और विश्व कप क्रिकेट के मैच के दिन पर परिचर्चा कार्यक्रम (हाऊ इज दैट) का सीधा प्रसारण।

डीडी स्पोर्ट्स की कार्यक्रम अनुसूची दूरदर्शन महानिदेशालय के डीडी स्पोर्ट्स द्वारा तैयार की जाती है परंतु उसका प्रसारण सीपीसी डीडी द्वारा किया जाता है।

डीडी एचडी

दिनांक 15.10.2010 से दूरदर्शन नया एचडी चैनल चला रहा है जिसका नाम डीडी एचडी है और सीपीसी दूरदर्शन प्रतिदिन 1900 बजे से 2200 बजे तक 03 घंटे का कार्यक्रम प्रसारित कर रहा है जिसमें खेल–कूद, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आयोजन शामिल होते हैं।

डीडी उर्दू

1) सीपीसी दूरदर्शन डीडी उर्दू पर प्रसारण के लिए भी कार्यक्रमों का इन–हाउस निर्माण करता है।

डीडी इंडिया

1) सीपीसी, डीडी इंडिया पर प्रसारण के लिए 'युअर्स ट्रयूली' नामक साप्ताहिक कार्यक्रम के अंतर्गत व्यापार मेला, कला और संस्कृति, प्रवासी भारतीय दिवस आदि विषयों पर 30 मिनट की अवधि का इन–हाउस – कार्यक्रम बनाता है।

2) सीपीसी, डीडी इंडिया पर प्रसारण के लिए 60 मिनट की अवधि का 'दिल्ली डेट लाइन' नामक सामयिक मामलों पर साप्ताहिक इन–हाउस कार्यक्रम भी बनाता है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त सीपीसी क्षेत्र में आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों, आयोजनों, सेमिनारों, स्टेज शो, त्योहारों, प्रदर्शनियों की ओ.बी. और सीधी कवरेज का भी प्रसारण कर रहा है।

डीडी नेशनल

सीपीसी, कृषि मंत्रालय के लिए मास मीडिया सपोर्ट के तहत दूरदर्शन केंद्र, दिल्ली से डीडी–1 (नेशनल नेटवर्क) पर सप्ताह में 06 दिन (सोम–शनि) प्रसारण हेतु 30 मिनट की अवधि के इन–हाउस 'कृषि दर्शन' कार्यक्रम का निर्माण कर रहा है।

2010–11 के लिए इन–हाउस कार्यक्रम

1) पंचायती राज मंत्रालय और ग्रामीण विकास मंत्रालय के लिए मास मीडिया सपोर्ट के तहत 09.06.2010 से प्रसारित किए जा रहे वृत्तचित्र आधारित साप्ताहिक कार्यक्रम 'ग्रामीण भारत'।

2) सीपीसीः डीडी सामाजिक ज्ञान पर आधारित 'हम ऐसे क्यों हैं' साप्ताहिक कार्यक्रम का भी इन–हाउस निर्माण कर रहा है।

- सीपीसीः डीडी–1 (नेशनल नेटवर्क) पर प्रतिदिन प्रातः 04:30 बजे प्रसारण हेतु 30 मिनट की अवधि का भक्ति संगीत कार्यक्रम 'आराधना' नियमित रूप से उपलब्ध करा रहा है।
- सीपीसीः डीडी–1 (नेशनल नेटवर्क) पर हर रविवार को प्रातः 06:30 बजे प्रसारण हेतु 30 मिनट की अवधि का सुगम संगीत कार्यक्रम 'गीत गज़ल' भी उपलब्ध करा रहा है।
- उपर्युक्त के अलावा, सीपीसी, डीडी देश के विभिन्न दूरदर्शन केंद्रों को समय–समय पर उनसे प्राप्त मांग के आधार पर उच्च गुणता के संगीत कार्यक्रम भी नियमित रूप से उपलब्ध करा रहा है।
- सीपीसीः डीडी– दूरदर्शन महानिदेशालय की कमर्शियल शाखा द्वारा भेजी गई अनुसूची के अनुसार सीपीसी 'डीडी उर्दू' और 'कृषि दर्शन' पर प्रायोजित/कमीशंड कार्यक्रम भी प्रसारित करता है।

विकास संप्रेषण प्रभाग

विकास संप्रेषण प्रभाग (डीसीडी) भारत सरकार के मंत्रालयों, विभागों एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा गैर सरकारी संगठनों के सभी टेलीविजन अभियानों का कार्य देखता है। साथ ही यह प्रभाग विशेष दिन और सप्ताह मनाने आदि सहित परामर्श, मीडिया प्लानिंग, श्डयूलिंग, मानिटरिंग, बिलिंग, प्राप्तियों और ग्राहक सेवा के लिए सिंगल विंडो सेवा उपलब्ध कराता है। वर्ष 2010–11 के दौरान डीसीसी ने पूरे देश में 158 अभियान चलाए और पूरे किए और वर्ष के दौरान 262 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया जो लक्ष्य से अधिक है। इस प्रभाग ने दूरदर्शन के कुल राजस्व में 24 प्रतिशत राजस्व का योगदान दिया।

सरकारी एजेंसियां प्राथमिक अभियान के लिए धन उपलब्ध कराती हैं जबकि दूरदर्शन राष्ट्रीय लोक सेवा प्रसारक के रूप में अपने दायित्व को पूरा करते हुए 60 से 250 प्रतिशत की रेंज में निःशुल्क एयरटाइम उपलब्ध कराता है। डीसीडी ने बीबीसी डब्ल्यूएसटी, एमटीवी और यूनिसेफ जैसी विभिन्न गैर सरकारी एजेंसियों के साथ सामाजिक महत्व के मुद्दों पर केंद्रित विश्व स्तर के कार्यक्रम बनाने के लिए भागीदारी बनाई है।

वर्ष 2010–11 के दौरान लगभग 900 कार्यक्रम बनाए गए और देश में निर्माण आधार का विस्तार करने के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। दूरदर्शन की अत्यधिक सराही गई और पुरस्कृत श्रृंखला कल्याणी जो कि भारत का सबसे बड़ा स्वास्थ्य अभियान है, का निर्माण वर्ष 2002 से 16 राज्यों में 7 भाषाओं और 17 बोलियों में इन–हाउस तौर पर किया जा रहा है। कल्याणी II अभियान 4 अप्रैल 2011 से उत्तर–पूर्वी राज्यों में आरंभ किया गया है। इसने लगभग 82,000 कल्याणी स्वास्थ्य कल्ब स्वयं सेवकों के साथ सरकारी निजी भागेदारी बनाने में सहायता की है। इन स्वयं सेवकों ने कल्याणी को एक मिशन बना लिया है। कल्याणी के अनूठे मॉडल को स्वीकार करते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने वर्ष 2011–12 के दौरान पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, गुजरात तथा जम्मू और कश्मीर राज्यों में कल्याणी का विस्तार करने का निर्णय लिया है (तब कल्याणी अभियान 21 राज्यों में 10 भाषाओं और 17 बोलियों में हो जाएगा)।

वर्ष 2010 के दौरान डीसीडी ने अपनी 9 वर्षों की यात्रा पर एक ब्रोशर, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन में आरसीएच मुद्दों पर कल्याणी के प्रभाव पर एक सूचनापत्र प्रकाशित किया और इस विषय पर एक विशेष फिल्म बनाई जो विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा मातृ एवं बाल स्वास्थ्य पर 13 नवंबर 2010 को दिल्ली में आयोजित विश्व सम्मेलन में दिखाई गई। इस सम्मेलन का उद्घाटन भारत के महामहिम राष्ट्रपति ने किया था। नई दिल्ली में आयोजित इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में महिला और बाल स्वास्थ्य संबंधी कार्य को आगे बढ़ाने वाले 15 शीर्षस्थ वैश्विक 'अभिनव प्रयासों' में से कल्याणी को भी चुना गया था। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा सूचना पत्र फिल्म और पोस्टरों को 14 नवंबर 2010 से प्रगति मैदान में आयोजित वार्षिक व्यापार मेले में भी प्रदर्शित किया गया था।

प्रगति मैदान के कल्याणी मंडप में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री गुलाम नबी आजाद,

दूरदर्शन द्वारा वर्ष 2010–11 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय राबोकॉन प्रतियोगिताएं

पृष्ठभूमि

दूरदर्शन द्वारा वर्ष 2002 में केवल चार प्रतिभागियों से भारत में रोबोकॉन (रोबोटिक कन्टेंट) प्रतियोगिताओं की शुरुआत की गई थी। देश में इसकी लोकप्रियता बढ़ने के साथ–साथ अब यह संख्या बढ़कर 55 कालेजों तक पहुंच गई है।

मार्च 2010 में पुणे में भारतीय राष्ट्रीय रोबोकॉन प्रतियोगिता का आयोजन। दूरदर्शन (प्रसार भारती) और महाराष्ट्र इंजीनियरिंग अकादमी, पुणे के बीच हुए समझौता ज्ञापन के आधार पर शिवाजी छत्रपति क्रीड़ा संकुल, बालवाड़ी, पुणे में राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह 4 मार्च 2010 को और समापन समारोह 6 मार्च 2010 को आयोजित किया गया।

दूरदर्शन के नेशनल, स्पोर्ट्स और सह्याद्रि चैनलों पर इन आयोजनों की व्यापक कवरेज की गई।

इस आयोजन के सह आयोजक महाराष्ट्र इंजीनियरिंग अकादमी आलंदी थे। इस आयोजन का नेशनल स्पोर्ट्स और सह्याद्रि चैनलों पर कई प्रोमो और कर्टेन रेजर व्यापक प्रसारण किया गया।

सितंबर 2010 में कायरो, में अंतर्राष्ट्रीय रोबोकॉन

अंतराष्ट्रीय रोबोकॉन कायरो, मिस्र में 22 संतंबर 2010 को अयोजित की गई जिसमें 17 देशों के 18 इंजीनियरी कालेजों ने भाग लिया। रोबोकॉन 2010 की थीम 'रोबो–फेरोल्स बिल्ड पिरामिड्स' थी। इस प्रतियोगिता की विजेता चीनी टीम रही जिसने मात्र 18 सेकेंड में कार्य पूरा कर लिया।

रोबोकॉन 2011 की तैयारियां

अगली अंतर्राष्ट्रीय रोबोकॉन 28 अगस्त, 2011 को बेंकाक, थाइलैंड में ''**क्रथांग, लाइटिंग हैप्पीनैस विद फ्रेंडशिप**'' थीम पर आयोजित की जाएगी।

भारतीय रोबोकॉन बेवसाइट www.roboconindia अद्यतन बना दी गई है।

दर्शक अनुसंधान

दूरदर्शन का दर्शक अनुसंधान एकांश देश के विभिन्न दूरदर्शन केंद्रों में स्थित 19 क्षेत्रीय इकाइयों के साथ वर्ष 1976 से ही प्रसारण के विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान कर रहा है। इसकी क्षेत्रीय इकाइयां रांची, जयपुर, दिल्ली, अहमदाबाद, नागपुर, चेन्नै, बंगलुरु, लखनऊ, हैदराबाद, भुवनेश्वर, भोपाल, कोलकाता, गुवाहाटी, मुंबई, गोरखपुर, राजकोट, जालंधर, तिरुवनंतपुरम और श्रीनगर में स्थित हैं। इन यूनिटों में प्रोफेशनल अनुसंधानकर्ता कार्यरत हैं तथा इनके प्रमुख निदेशालय स्तर पर निदेशक, दर्शक अनुसंधान हैं।

वर्ष 2010–11 के दौरान दर्शक अनुसंधान एकांश का योगदान निम्नानुसार रहा :–

- साप्ताहिक आधार पर टीएएम टीवीआर का विश्लेषण और रिपोर्ट प्रस्तुत करना।
- वर्ष 2010–11 के लिए प्रसार भारती तथा सूचना और प्रसारण मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट तैयार करना।
- 'भारत में महिलाओं और परिवारों पर दूरदर्शन, प्राइवेट केबल और उपग्रह चैनलों का प्रभाव' पर 27 राज्यों में आयोजित अनुसंधान परियोजना की अंतिम रिपोर्ट तैयार करना।
- सूचना प्रौद्यौगिकी संबंधी स्थायी संसदीय समिति की सिफारिश पर आधारित पूरे भारत को कवर करते हुए संशोधित डार्ट पैनल सर्वेक्षण 10 सितंबर से आरंभ किया गया।
- डीटीएच रिसीवर मुहैया कराने पर अध्ययन – उसकी परिपूर्णता और दर्शकों की पर्सेप्शन का अध्ययन दिसंबर 2010 में पूरा किया गया जिसकी रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

आईआरएसक्यू 2011 के अनुसार भारत के विभिन्न राज्यों में टीवी स्वामित्व एवं उपग्रह की उपलब्धता और टीवी दर्शकता संबंधी परिवारों के आकंड़े निम्नानुसार हैं :–

आईआरएस 2011 क्यू 1 घरेलू आधार: अखिल भारत भारत में टीवी वाले घर और उपग्रह उपलब्धता		
सभी		
सैंपल	सं.	254295
अनुमानित घर (000')	हजारों में	234641
टीवी वाले घर		
टीवी वाले		53.1
बिना टीवी वाले		46.9
उपग्रह उपलब्धता		
उपलब्ध		43.4
अनुपलब्ध		9.7
बिना टीवी वाले घर		46.9

सभी		
सैंपल	सं.	254295
अनुमानित घर (000)	हजारों में	234641
टीवी वाले घर		
टीवी वाले	हजारों में	124679
बिना टीवी वाले	हजारों में	109962
उपग्रह उपलब्धता		
उपलब्ध	हजारों में	101853
अनुपलब्ध	हजारों में	22826
बिना टीवी वाले घर	हजारों में	109962

टीवी दर्शकता और उपग्रह उपलब्धता

आई आर एस क्यु1 2011 घरेलू

राज्य/शहरी/ग्रामीण (000 में आंकड़े)		टीवी वाले घर					उपग्रह उपलब्धता				गैर टीवी वाले घर	
	सभी		मालिकाना		गैर मालिकाना		उपलब्ध		उपलब्ध नहीं		गैर टीवी वाले घर	
नमूना	संख्या	254295	175106	%	79189	%	150295	%	24811		79189	
संभवित घर (हजारों में)	हजारों में	234641	124679		109962		101853		22826		109962	%
राज्य: आंध्र प्रदेश												
शहरी/ग्रामीण												
शहरी	हजारों में	5499	4681	85.1	817	14.9	4539	82.5	143	2.6	817	14.9
ग्रामीण	हजारों में	14812	8900	60.1	5912	39.9	8580	57.9	320	2.2	5912	39.9
राज्य: असम												
शहरी/ग्रामीण												
शहरी	हजारों में	944	689	73.0	255	27.0	562	59.5	127	13.5	255	27.0
ग्रामीण	हजारों में	5178	1696	32.8	3482	67.2	931	18.0	765	14.8	3482	67.2
राज्य: बिहार												
शहरी/ग्रामीण												
शहरी	हजारों में	1794	1012	56.4	782	43.6	749	41.8	262	14.6	782	43.6
ग्रामीण	हजारों में	16139	1899	11.8	14239	88.2	678	4.2	1221	7.6	14239	88.2
राज्य: झारखंड												
शहरी/ग्रामीण												
शहरी	हजारों में	1281	954	74.5	327	25.5	831	64.9	123	9.6	327	25.5
ग्रामीण	हजारों में	4875	843	17.3	4032	82.7	426	8.7	417	8.6	4032	82.7
राज्य: चंडीगढ़												
शहरी/ग्रामीण												
शहरी	हजारों में	253	237	93.7	16	6.3	220	87.0	17	6.7	16	6.3
ग्रामीण	हजारों में	.	.		.		.		.		.	
राज्य: दिल्ली												
शहरी/ग्रामीण												
शहरी	हजारों में	3814	3447	90.4	367	9.6	3219	84.4	228	6.0	367	9.6
ग्रामीण	हजारों में	.	.		.		.		.		.	
राज्य: दिल्ली और शहरी वातावरण												
शहरी/ग्रामीण												
शहरी	हजारों में	4707	4210	89.4	497	10.6	3928	83.5	282	6.0	497	10.6
ग्रामीण	हजारों में	.	.		.		.		.		.	

राज्यः गोवा												
शहरी/ग्रामीण												
शहरी	हजारों में	192	176	91.7	16	8.3	154	80.2	22	11.5	16	8.3
ग्रामीण	हजारों में	170	146	85.9	24	14.1	98	57.6	48	28.2	24	14.1
राज्यः गुजरात												
शहरी/ग्रामीण												
शहरी	हजारों में	5094	3974	78.0	1120	22.0	3293	64.6	681	13.4	1120	22.0
ग्रामीण	हजारों में	7152	3208	44.9	3944	55.1	2049	28.6	1159	16.2	3944	55.1
राज्यः हरियाणा												
शहरी/ग्रामीण												
शहरी	हजारों में	1733	1487	85.8	246	14.2	1393	80.4	94	5.4	246	14.2
ग्रामीण	हजारों में	3351	2173	64.8	1178	35.2	1841	54.9	332	9.9	1178	35.2
राज्यः हिमाचल प्रदेश												
शहरी/ग्रामीण												
शहरी	हजारों में	181	165	91.2	17	9.4	144	79.6	21	11.6	17	9.4
ग्रामीण	हजारों में	1316	1003	76.2	313	23.8	787	59.8	216	16.4	313	23.8
राज्यः जम्मु कश्मीर												
शहरी/ग्रामीण												
शहरी	हजारों में	194	177	91.2	17	8.8	149	76.8	28	14.4	17	8.8
ग्रामीण	हजारों में	-	-		-		-		-		-	
राज्यः कर्नाटक												
शहरी/ग्रामीण												
शहरी	हजारों में	4971	4347	87.4	623	12.5	4127	83.0	221	4.4	623	12.5
ग्रामीण	हजारों में	8025	4756	59.3	3269	40.7	4443	55.4	312	3.9	3269	40.7
राज्यः केरल												
शहरी/ग्रामीण												
शहरी	हजारों में	2083	1971	94.6	112	5.4	1843	88.5	127	6.1	112	5.4
ग्रामीण	हजारों में	5928	5402	91.1	527	8.9	4919	83.0	483	8.1	527	8.9
राज्यः मध्य प्रदेश												
शहरी/ग्रामीण												
शहरी	हजारों में	3752	2823	75.2	929	24.8	2335	62.2	488	13.0	929	24.8
ग्रामीण	हजारों में	10192	2239	22.0	7952	78.0	1422	14.0	818	8.0	7952	78.0
राज्यः छत्तीसगढ़												
शहरी/ग्रामीण												
शहरी	हजारों में	1056	812	76.9	244	23.1	668	63.3	144	13.6	244	23.1
ग्रामीण	हजारों में	4004	1317	32.9	2687	67.1	896	22.4	421	10.5	2687	67.1
राज्यः महाराष्ट्र												
शहरी/ग्रामीण												
शहरी	हजारों में	11079	9252	83.5	1827	16.5	7963	71.9	1290	11.6	1827	16.5
ग्रामीण	हजारों में	13279	6376	48.0	6903	52.0	4382	33.0	1994	15.0	6903	52.0
राज्यः उड़ीसा												
शहरी/ग्रामीण												
शहरी	हजारों में	1443	1120	77.6	323	22.4	908	62.9	212	14.7	323	22.4
ग्रामीण	हजारों में	8272	2412	29.2	5860	70.8	1694	20.5	718	8.7	5860	70.8
राज्यः पंजाब												
शहरी/ग्रामीण												
शहरी	हजारों में	2069	1901	91.9	168	8.1	1689	81.6	212	10.2	168	8.1
ग्रामीण	हजारों में	3321	2653	79.9	668	20.1	2036	61.3	617	18.6	668	20.1
राज्यः राजस्थान												
शहरी/ग्रामीण												
शहरी	हजारों में	2916	2304	79.0	612	21.0	1872	64.2	432	14.8	612	21.0
ग्रामीण	हजारों में	8657	2652	30.6	6005	69.4	1733	20.0	919	10.6	6005	69.4
राज्यः तमिलनाडु												
शहरी/ग्रामीण												
शहरी	हजारों में	8064	7477	92.7	587	7.3	7206	89.4	271	3.4	587	7.3
ग्रामीण	हजारों में	9294	8398	90.4	896	9.6	7874	84.7	524	5.6	896	9.6
राज्यः उत्तर प्रदेश												
शहरी/ग्रामीण												
शहरी	हजारों में	6903	4595	66.6	2307	33.4	3655	52.9	940	13.6	2307	33.4
ग्रामीण	हजारों में	23887	5645	23.6	18242	76.4	1991	8.3	3654	15.3	18242	76.4
राज्यः उत्तराखंड												
शहरी/ग्रामीण												
शहरी	हजारों में	521	457	87.7	63	12.1	386	74.1	71	13.6	63	12.1
ग्रामीण	हजारों में	1380	785	56.9	595	43.1	473	34.3	312	22.6	595	43.1
राज्यः वेस्ट बंगाल												
शहरी/ग्रामीण												
शहरी	हजारों में	5661	4263	75.3	1398	24.7	3912	69.1	351	6.2	1398	24.7
ग्रामीण	हजारों में	13916	3856	27.7	10060	72.3	2783	20.0	1072	7.7	10060	72.3

टीवी दर्शकों की संख्या

आई आर एस क्यु1 2011 व्यक्तिगत.		सभी	टीवी दर्शकों की संख्यां	%
नमूना	संख्या	243573	174469	
संभावित व्यक्तियों (हजारों में)	हजारों में	885122	522444	
राज्यः आंध्र प्रदेश				
शहरी/ग्रामीण				
शहरी	हजारों में	20193	18183	90.0
ग्रामीण	हजारों में	47220	35227	74.6
राज्यः असम				
ग्रामीण/शहरी				
शहरी	हजारों में	3497	2939	84.0
ग्रामीण	हजारों में	19014	10486	55.1
राज्यः बिहार				
ग्रामीण/शहरी				
शहरी	हजारों में	8225	5059	61.5
ग्रामीण	हजारों में	59970	9141	15.2
राज्यः झारखंड				
ग्रामीण/शहरी				
शहरी	हजारों में	5807	4574	78.8
ग्रामीण	हजारों में	16798	4136	24.6
राज्यः चंडीगढ़				
ग्रामीण/शहरी				
शहरी	हजारों में	874	816	93.4
राज्य दिल्ली				
ग्रामीण/शहरी				
शहरी	हजारों में	14974	13677	91.3
राज्यः दिल्ली और शहरी परिवेश				
ग्रामीण/शहरी				
शहरी	हजारों में	18402	16579	90.1
राज्यः गोवा				
ग्रामीण/शहरी				
शहरी	हजारों में	655	617	94.2
ग्रामीण	हजारों में	615	584	95.0
राज्यः गुजरात				
ग्रामीण/शहरी				
शहरी	हजारों में	19834	15404	77.7
ग्रामीण	हजारों में	26787	12014	44ण्9
राज्यः हरियाणा				
ग्रामीण/शहरी				
शहरी	हजारों में	6725	5598	83.2
ग्रामीण	हजारों में	13124	7450	56.8
राज्यः हिमाचल प्रदेश				
ग्रामीण/शहरी				
शहरी	हजारों में	638	565	88.6
ग्रामीण	हजारों में	4929	3719	75.5
राज्यः जम्मू और कश्मीर				
ग्रामीण/शहरी				
शहरी	हजारों में	811	746	92.0
राज्यः कर्नाटक				
ग्रामीण/शहरी				
शहरी	हजारों में	17982	16584	92.2
ग्रामीण	हजारों में	30181	22774	75.5
राज्यः केरल				
ग्रामीण/शहरी				
शहरी	हजारों में	7476	7143	95.5
ग्रामीण	हजारों में	20959	18897	90.2
राज्यः मध्य प्रदेश				
ग्रामीण/शहरी				

शहरी	हजारों में	15264	12331	80.8
ग्रामीण	हजारों में	36483	11443	31.4
राज्यः छत्तीसगढ़				
शहरी/ग्रामीण				
शहरी	हजारों में	4209	3549	84.3
ग्रामीण	हजारों में	13221	6398	48.4
राज्यः महाराष्ट्र				
शहरी/ग्रामीण				
शहरी	हजारों में	42563	36230	85.1
ग्रामीण	हजारों में	48574	26945	55.5
राज्यः उड़ीसा				
शहरी/ग्रामीण				
शहरी	हजारों में	5616	4997	89.0
ग्रामीण	हजारों में	26537	13224	49.8
राज्यः पंजाब				
शहरी/ग्रामीण				
शहरी	हजारों में	8560	7650	89.4
ग्रामीण	हजारों में	14035	10263	73.1
राज्यः राजस्थान				
शहरी/ग्रामीण				
शहरी	हजारों में	12712	9859	77.6
ग्रामीण	हजारों में	35590	9956	28.0
राज्यः तमिलनाडु				
शहरी/ग्रामीण				
शहरी	हजारों में	28058	26494	94.4
ग्रामीण	हजारों में	30563	27851	91.1
राज्यः उत्तर प्रदेश				
शहरी/ग्रामीण				
शहरी	हजारों में	33143	22530	68.0
ग्रामीण	हजारों में	103871	29758	28.6
राज्यः उत्तराखंण्ड				
शहरी/ग्रामीण				
शहरी	हजारों में	2149	1901	88.5
ग्रामीण	हजारों में	5203	3115	59.9
राज्यः पश्चिम बंगाल				
शहरी/ग्रामीण				
शहरी	हजारों में	21900	18568	84.8
ग्रामीण	हजारों में	49578	23050	46.5

स्रोतः आईआरएस क्यु1 2011

हिंदी अनुभाग

दूरदर्शन महानिदेशालय तथा उसके अधीनस्थ कार्यालयों में संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के लिए दूरदर्शन महानिदेशालय में अलग से हिंदी अनुभाग है। हिंदी अनुभाग द्वारा वर्ष 2010–11 के दौरान किए गए प्रमुख कार्य निम्नानुसार हैं :–

1. महानिदेशालय में राजभाषा नीति के अनुपालन की स्थिति की समीक्षा के लिए वर्ष के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार बैठकें आयोजित की गई।
2. वर्ष के दौरान चार हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।
3. कार्यालय में दिनांक 15 से 29 सितंबर, 2010 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा विजेता प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।
4. वर्ष के दौरान संसदीय राजभाषा समिति द्वारा 4 दूरदर्शन केंद्रों/कार्यालयों का निरीक्षण किया गया।

5. महानिदेशालय की हिंदी गृह पत्रिका 'दर्शन' का पंचम अंक स्वर्ण जयंती अंक के रूप में प्रकाशित किया गया।

6. विभिन्न दूरदर्शन केंद्रों द्वारा प्रकाशित हिंदी पत्रिकाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ पत्रिका पुरस्कार योजना के तहत 7 दूरदर्शन केंद्रों/कार्यालयों की पत्रिकाओं को शील्ड/ट्राफी से पुरस्कृत किया गया।

प्रशासन

बजट अनुभाग पूरे देश में फैले सभी दूरदर्शन केंद्रों/दूरदर्शन अनुरक्षण केंद्रों/उच्च शक्ति ट्रांसमीटरों/अल्प शक्ति ट्रांसमीटरों से बजट अनुमान मंगवा कर दूरदर्शन के प्रत्येक वित्तीय वर्ष के बजट अनुमान तैयार करता है। बजट अनुभाग द्वारा वित्त वर्ष 2010–11 के दौरान किए गए मुख्य कार्य निम्नानुसार है :–

- बजट का समुचित उपयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से योजनागत और गैर–योजना व्यय के रुझान की समीक्षा करने के लिए समय–समय पर समीक्षा बैठकें आयोजित की जाती हैं।
- आउटकम बजट तैयार करने के लिए सामग्री एकत्रित कर प्रसार भारती को भेजी गई।
- प्रसार भारती द्वारा आबंटित/स्वीकृत बजट अनुदान सभी दूरदर्शन केंद्रों/दूरदर्शन अनुरक्षण केंद्रों/उच्च शक्ति ट्रांसमीटरों/अल्प शक्ति ट्रांसमीटरों को उनकी आवश्यकता के अनुपात में वितरित किया गया।
- वर्ष के संशोधित अनुमान प्रस्तुत करते समय दूरदर्शन केंद्रों/दूरदर्शन अनुरक्षण केंद्रों आदि से प्रस्ताव मंगाए गए और पूरे दूरदर्शन के संशोधित बजट अनुमान समेकित करके प्रसार भारती को भेजे गए।
- प्रसार भारती द्वारा आबंटित संशोधित अनुमान सभी दूरदर्शन केंद्रों/दूरदर्शन अनुरक्षण केंद्रों/उच्च शक्ति ट्रांसमीटरों/अल्प शक्ति ट्रांसमीटरों को वितरित किए गए।
- सभी संबंधितों से मासिक व्यय विवरण मंगवा कर सभी क्षेत्रीय इकाइयों के संबंध में योजनागत और गैर योजनागत व्यय की मॉनिटरिंग की गई और उसे समेकित कर प्रसार भारती को भेजा गया।

  31.12.2010 की स्थिति के अनुसार दूरदर्शन में समूहवार पदधारिता स्थिति इस प्रकार है:

31.12.2010 की स्थिति के अनुसार दूरदर्शन में पदधारिता स्थिति				
क्रम सं.	समूह चार	स्वीकृत संख्या	विद्यमान स्थिति	रिक्त
1.	क	1116	0398	0718
2.	ख	4183	3468	0715
3.	ग	12027	9222	2805
4.	घ	4374	3057	1317
	कुल	**21700**	**16145**	**5555**

आरटीआई वार्षिक विवरणी सूचना प्रणाली 2010–2011			
वर्ष 2010–11 में प्रगति			
तिमाही के दौरान प्राप्त (अन्य लोक प्राधिकारियों द्वारा हस्तांतरित मामलों सहित)	अन्य लोक प्राधिकारियों को हस्तांतरित मामले	ऐसे निर्णय जिनमें अनुरोध/अपील रद्द की गई	ऐसे निर्णय जिनमें अनुरोध/अपील स्वीकार की गई
2680	77	शून्य	2603
155	13	शून्य	142

ऐसे मामलों की संख्या जिनमें किसी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की गई	शून्य

पदनामित सीएपीआईओ की संख्या	पदनामित सीपीआईओ की संख्या	पदनामित अपील प्राधिकारियों की संख्या
59	316	23

उन मदों की संख्या जिनमें अनुरोधों को अस्वीकार करते समय उपबंधों को इन्वोक किया गया आरटीआई अधिनियम 2005 की सुसंगत धाराएं													
धारा 8(1)								धाराएं					
क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	9	11	24	अन्य
				23			05		26				27

वसूल किए गए प्रभारों की राशि (रुपए में)		
पंजीकरण शुल्क राशि	अतिरिक्त शुल्क और अन्य प्रभार	शास्ति राशि
9,479	13,033	शून्य

दूरदर्शन महानिदेशालय में शिकायत याचिकाओं के ब्यौरे			
01.04.2010 को याचिकाओं की संख्या	01.04.2010 से 31.03.2011 तक के दौरान प्राप्त याचिकाओं की संख्या	01.04.2010 से 31.03.2011 तक निपटाई गई याचिकाओं की संख्या	01.04.2011 को शेष याचिकाओं की संख्या
33	86	51	68

क्षेत्रीय/स्थानीय दूरदर्शन केंद्र

कार्यक्रमों का निर्माण करने के लिए दूरदर्शन नेटवर्क में 66 स्टूडियो केंद्र हैं। इनमें राज्यों की राजधानियों में स्थित 17 बड़े स्टुडियो केंद्र शामिल हैं जहां से राष्ट्रीय/क्षेत्रीय चैनल प्रसारित किए जाते हैं। अलग–अलग प्रकार की सुविधाओं वाले अन्य 49 स्टूडियो केंद्र राज्यों की राजधानियों और अन्य महत्वूर्ण नगरों में स्थित हैं। केंद्र अपने–अपने कवरेज क्षेत्रों में क्षेत्रीय और स्थानीय/क्षेत्र विशिष्ट कार्यक्रम प्रसारित करते हैं।

कुछ क्षेत्रीय दूरदर्शन केंद्रों और वर्ष 2010–11 के दौरान उनके कार्यकलापों का संक्षिप्त ब्यौरा नीचे दिया गया है :–

दूरदर्शन केंद्र, अहमदाबाद

दूरदर्शन केंद्र, अहमदाबाद 1977 में अस्तित्व में आया था। गुजरात के पिज गांव में 1 किलोवाट के मीडियम वेव टीवी ट्रांसमीटर ने 15.03.1977 से काम करना शुरु किया था। थल्तेज, अहमदाबाद में स्थित 10 किलोवाट के विद्यमान ट्रांसमीटर से 19.11. 1983 से दूरदर्शन कार्यक्रम आरंभ किए थे। अपेक्षित कार्यक्रम निर्माण सुविधाओं सहित विद्यमान दूरदर्शन स्टूडियो 02.10.1987 को चालू किया गया था। यह केंद्र अब दिन–रात चौबीस घंटे का प्रसारण कर रहा है। केंद्र के बहुप्रतीक्षित क्षेत्रीय लिंक अप का उद्घाटन 30.12.1992 को किया गया था।

दूरदर्शन केंद्र, अहमदाबाद में विज्ञापन सेवा 7 जनवरी 1988 से आरंभ की गई थी। देश के आठवें शहर के रूप में अहमदाबाद में डीडी–2 मेट्रो का प्रसारण 01.05.1994 को आरंभ किया गया था जिसे 3 नवंबर 2003 से 24 घंटे के समाचार चैनल में बदल दिया गया था। स्थलीय प्रसारण समय प्रतिदिन 15:00 बजे से 20:00 बजे तक 5 घंटे है। सोमवार से शुक्रवार तक 10:00 बजे से 10:30 बजे तक स्थलीय प्रसारण में शैक्षिक कार्यक्रम भी प्रसारित किए जाते हैं।

अहमदाबाद और राजकोट में कार्यक्रम निर्माण केंद्रों के साथ यह दूरदर्शन केंद्र गुजरात के 93.08 प्रतिशत भूक्षेत्र में स्थित 94.7 प्रतिशत जनसंख्या की आवश्यताओं को पूरा करता है। अहमदाबाद (एचपीटी) और गांधीनगर (अल्प शक्ति ट्रांसमीटर) शहरों में डीडी न्यूज़ चैनल भी उपलब्ध है। दूरदर्शन केंद्र राजकोट सोमवार से शुक्रवार तक 08:00 बजे से 09:00 बजे तक एक घंटे का रिपीट कार्यक्रम दूरदर्शन केंद्र, अहमदाबाद को उपलब्ध कराता है।
इस समय दूरदर्शन केंद्र, अहमदाबाद प्रतिमाह प्राथमिक चैनल पर लगभग 59 घंटे के कार्यक्रम स्वनिर्मित प्रस्तुत करता है। इनमें इन–हाउस खंड, समाचार और सामयिकी, प्रायोजित कार्यक्रम/धारावाहिक/अभिलेखागार से दैनिक धारावाहिक तथा भाषाई अल्पंख्यकों के कार्यक्रम जैसे उर्दू, सिंधी और राष्ट्रभाषा हिंदी के कार्यक्रम/सम्मिलित हैं। ग्राम जगत और कृषि दर्शन नामक आधे घंटे के कृषि एवं ग्रामीण कार्यक्रम सप्ताह में पांच दिन प्रसारित किए जाते हैं। गुजरात शैक्षणिक प्रौद्यौगिकी संस्थान द्वारा निर्मित 30 मिनट के शैक्षणिक कार्यक्रम सोमवार से शुक्रवार तक प्रातः 10 बजे से 10:30 बजे तक (प्रति सप्ताह 2:30 घंटे) प्रसारित किए जाते हैं।

द्वारका और मथुरा में आयोजित जन्माष्टमी समारोहों का सीधा प्रसारण नेशनल नेटवर्क पर और अहमदाबाद से रथयात्रा का सीधा प्रसारण दूरदर्शन के क्षेत्रीय नेटवर्क पर किया जाता है।

रथयात्रा अहमदाबाद

द्वारका में जन्माष्टमी समारोह

संदर्भाधीन वर्ष के दौरान निम्नलिखित महत्वपूर्ण आयोजनों को क्षेत्रीय समाचारों में कवर किया गया :

4 जनवरी को विश्व ब्रेल दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय समाचार एकांश ने नेत्रहीन समाचार वाचक और नियमित समाचार वाचक द्वारा प्रस्तुत समाचारों का प्रसारण किया।

देहगाम–गांधीनगर, बरेजा–अहमदाबाद, जसदान–राजकोट और अन्य स्थानों पर पत्र सूचना कार्यालय द्वारा सरकारी योजनाओं का प्रचार करने के लिए आयोजित जन सूचना अभियान की गहन कवरेज की गई ताकि आम आदमी इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठा सकें।

राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए केंद्र में 1–15 सितंबर 2010 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। केंद्र में हिंदी पखवाड़े के उद्घाटन और हिंदी कार्यशाला में प्रतिभागियों के फोटोग्राफ।

1–15 सितंबर 2010 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन

दूरदर्शन केंद्र, अहमदाबाद को प्राप्त पुरस्कार :

आकाशवाणी और दूरदर्शन के अभियांत्रिकी क्षेत्र में तकनीकी इनोवेशन, बीईएस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, नई दिल्ली 2010

प्रसारण में उत्कृष्ट, बीईएस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, नई दिल्ली:2010

''एक डाल ना पंखी'' के लिए सर्वश्रेष्ठ दैनिक धारावाहिक का विशेष पुरस्कार

(विशेष उपलब्धिः चल रहा धारावाहिक–1580 कड़ियों) – ट्रांसमीडिया पुरस्कार – 2010 मुंबई

'हीड द काल आफ द अर्थ' नामक पर्यावरण कार्यक्रम – पर्यावरण परिदृश्य पर गीत के लिए संगीत श्रेणी में मेरिट सर्टिफिकेट प्रदान किया गया, दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार–2010

डीडी गुवाहाटी

दूरदर्शन केंद्र, गुवाहाटी का शुभारंभ 24 मार्च 1985 को किया गया था। डार्ट सर्वेक्षण से पता चलता है कि दूरदर्शन केंद्र, गुवाहाटी के कार्यक्रम दर्शकों में लोकप्रिय हैं। मुख्य प्रसारण कार्यक्रम (68%) के रूप में इन–हाउस कार्यक्रम हैं। उसके पश्चात् प्रायोजित कार्यक्रम (15%), कमीशंड कार्यक्रम (7%) और अन्य (10%) का स्थान है। केंद्र के कार्यक्रमों के प्रसारण की प्रमुख भाषा असमिया (85%) है जबकि अंग्रेजी (7%), हिंदी(3%), बोडो (4%) और अन्य बोलियां (1%) में भी कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। वर्ष के दौरान 42% सूचनाप्रद कार्यक्रम प्रसारित किए गए जबकि 30% शैक्षिक कार्यक्रम और 28% मनोरंजन कार्यक्रम प्रसारित किए गए।

उपलब्धियां/प्राप्त पुरस्कर : केंद्र को इस वर्ष 2010 के दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कारों में निम्नलिखित श्रेणियों में 3 पुरस्कार प्राप्त हुए :

टेलीफिल्म श्रेणी में श्रीमती अजंता दास, प्रस्तुति सहायक द्वारा निर्मित 'एति सपनेव पाम खेडी' नामक कार्यक्रम को वर्ष 2010 का सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टि पुरस्कार प्राप्त हुआ।

महिला श्रेणी में श्रीमती अजंता दास, प्रस्तुति सहायक द्वारा निर्मित 'एति सपनेव पाम खेडी' नामक कार्यक्रम को वर्ष 2010 का सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टि पुरस्कार प्राप्त हुआ।

दूरदर्शन केंद्र गुवाहाटी को उत्तर–पूर्व क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ अनुरक्षण केंद्र की श्रेणी में पुरस्कार प्राप्त हुआ। श्री ए.के. मंगालगी, अधीक्षण अभियंता, दूरदर्शन केंद्र, गुवाहाटी ने केंद्र की ओर से पुरस्कार ग्रहण किया।

गतिविधियां :

- दिनांक 15.04.2010 को रोंगली बीहू पर एक विशेष कार्यक्रम *'जतिर दपन–रोंगली बीहू'* का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 06.06.2010 को धुदनोई में हुए जनक्रिस्टी *समारोह – ग्रामीण संगीत* का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 12.07.2010 को तृतीय *अखिल भारतीय सामाजिक एवं आधारिक संरचना पर सम्मेलन* का होटल नक्षत्र, गुवाहाटी से सीधा प्रसारण जिसमें उत्तर–पूर्व पर विशेष बल दिया गया था।
- दिनांक 15.08.2010 को स्वंत्रता दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम *'मोर देश मोर स्वदेश'* का प्रसारण किया गया।
- दूरदर्शन के स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर दिनांक 03.09.2010 को संगीत एवं लोकनृत्य समारोह *'सुर सुनोवली'* का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 15.09.2010 को दूरदर्शन स्थापना दिवस के अवसर पर संगीत शो कार्यक्रम *'एनाजोरी'* का सीधा प्रसारण किया गया।
- दिनांक 05.10.2010 से 14.10.2010 तक *राष्ट्रमंडल खेल*–2010 के मुख्य अंशों का प्रादेशिक रूपांतर प्रसारित किया गया।
- दिनांक 11.11.2010 को *''राष्ट्रीय शिक्षा दिवस''* एक परिचर्चा कार्यक्रम प्रसारित किया गया।
- दिनांक 15.01.2011 को भोगली बीहू के अवसर पर *'भोगलीर भोगजारा'* नामक एक वृत्तचित्रीय कार्यक्रम प्रसारित किया गया।
- दूरदर्शन केंद्र, गुवाहाटी विभिन्न समुदायों की समृद्ध लोक संस्कृति को बढ़ावा देने, संरक्षित और प्रसारित करने हेतु पहली बार ग्रामीण संगीत समारोह जन क्रिस्टी समारोह की श्रृखंलाओं का आयोजन कर रहा है। दिनांक 30.05.2010 को गोलपाड़ा जिला के दुधनोई क्षेत्र में पहला समारोह आयोजित किया गया और दिनांक 12.01.2011 को सोनितपुर जिले के गोहपुर क्षेत्र में दूसरा समारोह आयोजित किया गया।
- दिनांक 08.03.2011 को संभावना पुरस्कार समारोह का सीधा प्रसारण।
- असम राज्य विधानसभा चुनाव 2011 पर दिनांक 13.03.2011 को पैनल परिचर्चा–जनादेश 2011 का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 22.03.2011 को विश्व जल दिवस पर क्षेत्र आधारित कार्यक्रम *'जीवन प्राणपानी'* का प्रसारण किया गया।

अप्रैल 2010 से मार्च 2011 तक की अवधि के लिए दूरदर्शन केंद्र, गुवाहाटी का विपणन प्रभाग मुबंई द्वारा दर्ज कुल राजस्व अर्जन 1,91,52,890/– ₹ है जबकि वर्ष 2010–11 हेतु इस केंद्र के लिए 4.0 करोड़ ₹ के राजस्व अर्जन का लक्ष्य रखा गया था।

दूरदर्शन भुवनेश्वर

उड़ीसा राज्य में दूरदर्शन का प्रवेश सितंबर, 1973 में कटक में आधार निर्माण केंद्र (बीपीसी) के शुरू होने के रूप में हुआ था। कटक में उपग्रह दूरदर्शन केंद्र (यूडीके) अगस्त, 1974 में साइट हेतु कार्यक्रमों की फीड देने के लिए अस्तित्व में आया था। इस अवधि के दौरान कटक केंद्र में उड़िया भाषा के कार्यक्रम आरंभ किए गए तथा मध्यप्रदेश के हिंदी भाषी ग्रामीण दर्शकों हेतु कार्यक्रम भी दिए गए। दिनांक 30.04.1978 को संबलपुर के दर्शकों हेतु साइट सतत स्थलीय प्रसारण शुरु हुआ। प्रसारण अवधि 1 घंटा 15 मिनट थी। दिनांक 10.03.1985 को दूरदर्शन केंद्र कटक में एक उच्च शक्ति ट्रांसमीटर स्थापित किया गया तथा इसके प्रसारण क्षेत्र के 80–100 कि.मी. की परिधि में आने वाले दर्शकों के लिए इनसैट–बी के माध्यम से कार्यक्रम रिले किए जाने लगे।

कटक केंद्र का स्थानीय प्रसारण दिनांक 12.11.1987 से प्रारंभ हुआ। क्षेत्रीय उड़िया कार्यक्रम दिनांक 16.11.1987 से आरंभ हुए। क्षेत्रीय समाचार बुलेटिन दिनांक 01.07.1988 से आरंभ हुआ।

उड़ीसा के नेटवर्क को क्षेत्रीय कार्यक्रम अपलिंकिंग सुविधा दिनांक 07.09.1991 से उपलब्ध कराई गई थी जिससे राज्य के सभी एचपीटी/एलपीटी द्वारा क्षेत्रीय कार्यक्रमों का प्रसारण संभव हुआ। दिनांक 19.11.1992 को भुवनेश्वर में नया दूरदर्शन कांप्लेक्स स्थापित किया गया तथा केंद्र तब से उड़ीसा के दर्शकों को सूचना देने, शिक्षा और मनोरंजन जैसे निश्चित लक्ष्यों को पूरा करने का भरसक प्रयास कर रहा है।

जुलाई, 2002 में दूरदर्शन केंद्र भुवनेश्वर में प्रातःकालीन प्रसारण में उड़िया में एक अन्य न्यूज़ बुलेटिन शुरु किया गया तथा अपराह्न 3:00 बजे तथा शाम 5 बजे दो नए न्यूज़ बुलेटिन आरंभ किए गए।

आज उड़ीसा में दूरदर्शन के डीडी–1 के लिए 84 ट्रांसमीटर तथा डीडी–न्यूज़ के लिए 11 ट्रांसमीटर हैं। डीडी–1 राज्य के कुल 88.7% क्षेत्र को और कुल 93.3% जनसंख्या को कवर करता है। दूसरी ओर डीडी न्यूज़ राज्य के 12.4% भू क्षेत्र तथा 25.3% जनसंख्या को कवर करता है।

दूरदर्शन केंद्र भुवनेश्वर का क्षेत्रीय समाचार एकांश (आरएनयू) चार बुलेटिनों का प्रसारण कर रहा है। प्रातः 8:00 बजे और शाम 7:00 बजे 15–15 मिनट की अवधि के दो प्राइम टाइम बुलेटिन तथा अपराह्न 3:00 बजे और अपराह्न 5:00 बजे 2–2 मिनट की अवधि के मुख्य समाचार। इसके अतिरिक्त आरएनयू विधानसभा सत्र के दौरान विधानसभा बुलेटिन का प्रसारण करता है। इसके अतिरिक्त यह एकांश तीन दिन सोमवार, मंगलवार और शुक्रवार को स्टेट स्कैन का भी प्रसारण भी करता है।

अप्रैल 2010 से जनवरी 2011 के दौरान महत्वपूर्ण आयोजन :

- देव स्नान पूर्णिमा दिनांक 26.06.2010 (शनिवार) को श्री मंदिर, पुरी में देवताओं का स्नानोत्सव
- दिनांक 13.07.2010 (मंगलवार) को क्षेत्रीय सेवा तथा राष्ट्रीय सेवा पर प्रातः 8:00 बजे से शाम 4:30 बजे तक पुरी से भगवान जगन्नाथ की श्री गुंदीचा यात्रा।
- दिनांक 22.07.2010 (गुरुवार) को पुरी से सुना बेशा (देवताओं की स्वर्णिम पोशाक)
- दिनांक 15.09.2010 को स्टुडियो से दूरदर्शन स्थापना दिवस कार्यक्रम – सप्तरंग(2 घंटे)
- 14–16 जनवरी, 2011 के दौरान उड़ीसा सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित ओडिसी नृत्य उत्कृष्टता पर 9 घंटे के वार्षिक मुक्तेश्वर नृत्य महोत्सव का डीडी भारती पर सीधा प्रसारण किया गया।

दूरदर्शन केंद्र भुवनेश्वर को दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार–2010

सर्वश्रेष्ठ अनुरक्षित केंद्र–2010

माननीय सूचना और प्रसारण मंत्री श्रीमती अंबिका सोनी से पुरस्कार प्राप्त करते श्री एल.के.प्रधान, अधीक्षण अभियंता

वर्ष 2010–11 के दौरान दूरदर्शन केंद्र भुवनेश्वर द्वारा अर्जित राजस्व 595.00 लाख ₹ है।

डीडी कोलकाता

दूरदर्शन कोलकाता ने 9 अगस्त 1975 को प्रसारण शुरु किया था। तब से दूरदर्शन कोलकाता ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते हुए लोक सेवा प्रसारण के क्षेत्र में कई मील के पत्थर पार किए हैं। अवधि के दौरान दूरदर्शन कोलकाता ने 55.4% इन–हाउस तथा कमीशंड कार्यकमों और 23.0% प्रायोजित कार्यक्रमों का प्रसारण किया जबकि 11.9% कार्यक्रम विभिन्न स्रोतों से प्राप्त किए हुए तथा शेष स्लाइडें/फिलर/उद्घोषणा/विज्ञापन आदि थे।

पश्चिम बंगाल में कवर किया गया क्षेत्र और जनसंख्या

चैनल	क्षेत्र(%)	जनसंख्या
डीडी नेशनल	97.7	97.9
डीडी न्यूज़	55.2	64.6

दूरदर्शन कोलकाता के समाचार बुलेटिन :

कुल 18 समाचार बुलेटिन, बंगाली–16, उर्दू–1, अंग्रेजी–1

- प्रातः (06:00 बजे से 10:00 बजे) : 6(छः) बुलेटिन
- दोपहरः (11:00 बजे से 14:55 बजे) : 5(पांच) बुलेटिन
- सांयः (17:00 बजे से 22:20 बजे) तकः 5 (पांच) बुलेटिन, 1(एक) उर्दू बुलेटिन, 1(एक) अंग्रेजी बुलेटिन

अप्रैल 2010 से मार्च 2011 के दौरान महत्वपूर्ण लाइव कवरेज तथा इन–हाउस कार्यक्रम :–

- दिनांक 15.04.2010 को 07:00 बजे बंगाली नव वर्ष पर एक विशेष कार्यक्रम 'स्वागत नव वर्ष' का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 22.04.2010 को 15:30 बजे 'नव आनंदे जागो' (साइंस सिटी ऑडिटोरिम में रिकार्ड किया गया संगीत का रंगारंग कार्यक्रम) का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 09.05.2010 को 06:02 बजे से टैगोर की जन्म शताब्दी पर जोरासंको ठाकुर बाड़ी और रवींद्र सदन परिसर से 'कवि प्रणाम' नामक कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया।
- दिनांक 01.06.2010 को 07:00 बजे कवि काज़ी नज़रुल इस्लाम के जन्म स्थान चुरुलिया पर 'ज्येष्ठर झर' नामक कार्यक्रम का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 07.07.2010 को 20:00 बजे प्रजनन, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन के बारे में जागरुकता लाने वाला 'घरे बायरे' नामक कार्यक्रम का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 12.07.2010 को 09:00 बजे श्रीहरिकोटा से कार्टोसेट–2बी को ले जाते हुए ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) सी–15 का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 09.08.2010 को 20.00 बजे कोलकाता दूरदर्शन के 36 वें स्थापना दिवस पर 'उदय' कार्यक्रम का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 28.08.2010 को 15:30 बजे 'योग वियोग' कार्यक्रम में 'भारत के स्वतंत्रता आंदोलन' में अगस्त माह के महत्व पर आधारित 'महान अगस्त' नामक लघु कार्यक्रम का प्रसारण किया गया।
- दिनांक 13.10.2010 को (20:35 बजे), 14.10.2010 को (06:02 बजे), 15.10.2010 को (07:00 बजे), 16.10.2010 को (07:00 बजे), 17.10.2010 को (08:27 बजे) दुर्गापूजा का बेलूर मठ से सीधा प्रसारण।
- दिनांक 31.10.2011 को 17:00 बजे वर्ष 2009 के राष्ट्रीय एकता के लिए 'इंदिरा गांधी पुरस्कार' का तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली से सीधा प्रसारण।
- दिनांक 08.11.2010 को 17:00 बजे अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा संसद सदस्यों को संबोधन का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 12.11.2010 को 17:30 बजे '16वें एशियाई खेल 2010' के उद्घाटन समारोह का ग्वांग्जू (चीन) से सीधा प्रसारण।
- दिनांक 21.11.2010 से 17:00 बजे भारत के 41 वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समाराह के उद्घाटन समारोह का पणजी, गोवा से सीधा प्रसारण।
- दिनांक 31.12.2010 को 21:00 बजे नव वर्ष की पूर्व संध्या पर विशेष कार्यक्रम 'दशे दश' का प्रसारण।
- दिनांक 01.01.2011 को 07:00 बजे श्री रामकृष्ण परमहंस के 'कल्पतरु उत्सव' का सीधा प्रसारण।
- स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर दिनांक 12.01.2011 को 09:00 बजे से 11:00 बजे तक राकृष्ण मिशन, गोलपार्क से संगीत महोत्सव का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 23.01.2011 को 18:00 बजे 'नेताजीः ''थ्रू द आइज आफ हिज डॉटर'' पर कार्यक्रम तथा उसी दिन 21:00 बजे नेताजी सुभाष चंद्र बोस पर एक अन्य कार्यक्रम का प्रसारण।
- गणतंत्र दिवस 2011 के अवसर पर दिनांक 26.01.2011 को 09:50 बजे से 11:00 बजे तक इंदिरा गांधी सरनी (रेड रोड), कोलकाता से मार्च पास्ट का सीधा प्रसारण।
- महात्मा गांधी की शहादत की 63वें शहीदी दिवस पर दिनांक 30.01.2011 को 16:00 बजे से 17:30 बजे तक 'सर्व धर्म प्रार्थना' का सीधा प्रसारण।
- दिनाक 26.02.2011 को 17:28 बजे से 20:00 बजे तक '34 वें राष्ट्रीय खेल 2011' के समापन समारोह का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 19.03.2011 को 20:00 बजे बसंत पर आधारित टैगोर के गीत एवं नृत्य पर 'बसंती हे भुवनमोहिनी' नामक विशेष कार्यक्रम।

वर्ष 2010–11 के दौरान दूरदर्शन, कोलकाता द्वारा ₹ 18,10,21,937 का राजस्व अर्जित किया गया।

दूरदर्शन मुंबई

दूरदर्शन मुंबई 2 अक्टूबर, 1972 को टेजीविजन मानचित्र पर आया। आरंभ में प्रतिदिन 2 घंटे प्रसारण किया जाता था। प्रसारण एक छोटे से ट्रांसमीटर द्वारा किया जाता था जो कुछ ही टीवी घरों की जरुरतों को पूरी करता था। आज दूरदर्शन केंद्र, मुंबई डीडी 1 (नेशनल नेटवर्क) और सह्याद्रि (आरएलएसएस) नामक दो चैनलों पर 24 घंटे प्रसारण की व्यवस्था करता है। दूरदर्शन केंद्र, मुंबई उपग्रह मोड में क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनल 'सह्याद्रि' का 24 घंटे प्रसारण करता है जबकि स्थलीय मोड में राष्ट्रीय नेटवर्क पर प्रातः 06:00 से 09:00 बजे तक तथा अपराह्न 03:00 से 08:00 बजे तक प्रसारण करता है। समग्र तकनीकी और निर्माण विकास के साथ आज केंद्र 70% से भी ज्यादा इन–हाउस कार्यक्रमों का निर्माण करने की स्थिति में है।

वर्ष 2010–11 के दौरान दूरदर्शन केंद्र, मुंबई के महत्वूर्ण आयोजन :

क्रम संख्या	कार्यक्रम	माह
1.	नवरत्न पुरस्कर	मई 2010
2.	सह्याद्रि माणिक पुरस्कार	जून 2010
3.	सह्याद्रि मराठी सिने पुरस्कार	सितंबर 2010
4.	नवज्योति सह्याद्रिच्या	दिसंबर 2010
5.	सह्ययाद्रि कृषि सम्मान सोहला	फरवरी 2011
6.	हीरकानी पुरस्कार	मार्च 2011

वर्ष 2010–2011 के दौरान महाराष्ट्र के महत्वूर्ण आयोजनों का सीधा प्रसारण :

क्रम संख्या	कार्यक्रम	माह
1.	पंढ़रपुर आषाढ़ी एकादशी	जुलाई 2010
2.	84वां अखिल भारतीय मराठी सम्मेलन	दिसंबर 2010
3.	91वां अखिल भारतीय मराठी नाट्य सम्मेलन	जनवरी 2011
4.	मुंबई मैराथन	जनवरी 2011

वर्ष 2010–2011 में केंद्र द्वारा निर्मित महत्वपूर्ण कार्यक्रम :

1. अर्थ मंथन– वित्त पर साक्षात्कार/परिचर्चा पर आधारित कार्यक्रम
2. उत्तरार्ध– वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण हेतु कार्यक्रम
3. चंदेरी सोनेरी– फिल्म आधारित कार्यक्रम
4. राष्ट्रमंडल खेल 2010 में महाराष्ट्र के पदक विजेताओं का अभिनंदन कार्यक्रम
5. कृषि प्रभात– प्रायोजित कार्यक्रम
6. दयांगंगा– प्रायोजित कार्यक्रम
7. भ्रामंती– प्रायोजित कार्यक्रम
8. महामुंबई
9. मुंबई तरुणांची

पुरस्कार विजेता कार्यक्रम : लोक सेवा पुरस्कार 2010–11 श्री मधुकर शिशुपाल (लोक सेवा प्रसारण और गांधी दर्शन पुरस्कार)

वर्ष 2010–2011 के दौरान अर्जित विज्ञापन राजस्व 41.33 करोड़ रूपए है। दूरदर्शन केंद्र, मुंबई के बारे में सूचना दूरदर्शन केंद्र मुंबई के अंतर्गत www.ddindia.gov.in पर उपलब्ध है।

डीडी चेन्नै

चेन्नै में टेलीविजन केंद्र का शुभारंभ 15 अगस्त, 1975 को हुआ था। आरंभ में इसकी सेवा अल्प शक्ति ट्रांसमीटर द्वारा 20 कि. मी. की रेंज में ही सीमित थी। उस समय यह केंद्र सायं 7:00 बजे से 9:00 बजे तक प्रतिदिन 2 घंटे के कार्यक्रमों का प्रसारण करता था। जुलाई 1976 में स्थाई टी.वी.टावर चालू होने के पश्चात् सेवा क्षेत्र बढ़कर चेन्नै के आस–पास 80 किमी की परिधि हो गया। यह 12,000 वर्ग किमी का क्षेत्र कवर करता है और 94.4 लाख जनसंख्या तक पहुंचता है। 1 दिसंबर 1975 से प्रसारण अवधि आधा घंटा बढ़ाई गई तथा 15 अगस्त 1976 से बढ़ाकर साढ़े तीन घंटे कर दी गई। 4 जुलाई 1976 को स्थाई टावर चालू किया गया। इसके साथ ही रविवार को सुबह का प्रसारण आरंभ किया गया। केंद्र ने 19 अगस्त 1975 से शिक्षा टीवी का प्रसारण आरंभ किया। सन् 1982 से रंगीन कार्यक्रमो का प्रसारण शुरु किया गया था और उसी दिन से राष्ट्रीय नेटवर्क कार्यक्रम का भी प्रसारण हुआ था। दूरदर्शन केंद्र, चेन्नै के इतिहास में दिनांक 14.01.1987 का दिन एक और महत्वपर्ण दिन था जब 'पोंगल त्योहार' के दिन कोडैईकनाल में स्थापित किए गए 10 किलोवाट के ट्रांसमीटर ने चेन्नै के कार्यक्रमों का प्रसारण करना शुरु किया। तमिलनाडु में दूरदर्शन के इतिहास में 01.07.1988 का दिन एक और यादगार दिन था जब चैन्ने दूरदर्शन के दूसरे चैनल (डीडी–2) का शुभारंभ किया गया था। 15 अगस्त, 2004 को क्षेत्रीय सेवा का विस्तार रात्रि 8:30 बजे से रात्रि 11:00 बजे तक कर दिया गया।

(15 अगस्त, 1990) को तमिलनाडु के लिए पूर्ण क्षेत्रीय नेटवर्क लागू होने से सारे उच्च शक्ति ट्रांसमीटरों, अल्प शक्ति ट्रांसमीटरों, अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटरों द्वारा क्षेत्रीय कार्यक्रमों का प्रसारण आरंभ हुआ। 19 जून 1994 को चैनल II स्टूडियो के नाम से एक नए स्टूडियो कॉम्प्लेक्स का श्रीगणेश हुआ। फिलहाल तमिलनाडु के क्षेत्रीय कार्यक्रमों का प्रसारण 10 उच्च शक्ति ट्रांसमीटरों, 54 अल्प शक्ति ट्रांसमीटरों, 7 अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटरों और एक ट्रांसपोजर द्वारा रविवार से गुरुवार तक अपराह्न 3:00 बजे से रात्रि 11:00 बजे तक और शुक्रवार एवं शनिवार को अपराह्न 3:00 बजे से रात्रि 9:30 बजे तक किया जा रहा है। 95.8 प्रतिशत आबादी एवं क्षेत्र को इसका लाभ मिलता है।

पुरस्कार:

1. विशेष आमंत्रित दर्शकों के समक्ष दूरदर्शन का स्वर्ण जयंती समारोह शास्त्रीय एवं हिंदुस्तानी वॉकल जुगलबंदी: डॉ बालमुरलीकृष्ण और पंडित अजय चक्रवर्ती द्वारा: अप्रैल 2010
2. 'एमरजेंसी एक्शन' धारावाहिक – एस. राजकुमार एवं टी.एम.एस. मनोहरन, कैमरा मैन – बेस्ट सिनिमेटोग्राफी: 2010
3. एमरजेंसी एक्शन – धारावाहिक – आर.एम. शेखर और पन्नीर सेल्वम, एडिटर – बेस्ट एडिटिंग: 2010

वर्ष 2010–11 के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रमों की कवरेज की गई :–

1. शनिवार, दिनांक 10.04.2010 को दूरदर्शन का स्वर्ण जयंती समारोह– नारदगण सभा, चेन्नै
2. दिनांक 25.04.2010 को कोयंबटूर में सातंवी राष्ट्रीय युवा एथलेटिक्स चौंपियनशिप (18 वर्ष की आयु से कम) की रिकार्डिंग
3. दिनांक 14.05.2010 को तमिलनाडु के तंजौर जिले के पूंडी में पूंडी माता चर्च के स्थोत्सव का सीधा प्रसारण
4. इंडियन ओपन इंटरनेशनल ग्रांड प्रिक्स बैडमिंटन का सीधा प्रसारण– जवाहरलाल नेहरु स्टडियम, चेन्नै– दिनांक 13.06. 2010 को
5. 'उलग तमिझ चेम्मोषी मानाडु' का सीधा प्रसारण – कोयंबटूर– दिनांक 23.06.2010 से 27.06.2010 तक

6. विश्व शास्त्रीय तमिल सम्मेलन (चेम्मोषी मानाडू) के अवसर पर आयोजित 'इनियवै नारपतू' कार्यक्रम का सीधा प्रसारण– कोयंबटूर– 23.06.2010

7. पी.एल.एल.वी.सी 15/कार्टोसैट–2 बी के प्रक्षेपण का सीधा प्रसारण– श्रीहरिकोटा– दिनांक 12.07.2010

8. तमिलनाडु के माननीय मुख्य मंत्री द्वारा रचित नृत्यनाटक की रिकार्डिंग – संगीत अकादमी चेन्नै– दिनांक 12.07.2010

9. अखिल भारतीय महिला एवं पुरुष बास्केट बॉल टूर्नामेंट की लाइव कवरेज– जेपीयार इंजीनियरिंग कॉलेज, चेन्नै– दिनांक 18.07.2010 से 20.07.2010 तक

10. विश्व जनसंख्या दिवस की पट्टीमंड्रम धर्मपुरी में रिकार्डिंग– दिनांक 08.08.2010

11. फोर्ट सेंट जार्ज, चेन्नै से स्वंत्रतता दिवस के ध्वजारोहण समारोह एवं तमिलनाडु के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा संदेश का सीधा प्रसारण – दिनांक 15.08.2010

12. चेन्नै मैराथन 2010 का सीधा प्रसारण – दिनांक 29.08.2010

13. वेलांकन्नी स्थोत्सव का सीधा प्रसारण – वेलांकन्नी नागपट्टिनम – दिनांक 07.09.2010

14. भारत और ब्राजील के बीच खेले गए डेविस कप वर्ल्ड ग्रुप प्ले ऑफ टाईज का सीधा प्रसारण दिनांक 17.09.2010 से 19.09.2010 तक

15. तंजौर के वृहदीश्वर मंदिर के हजार वर्ष पूरे होने पर सहस्त्राब्दी समारोह का सीधा प्रसारण, तंजौर – दिनांक 25.09.2010

16. एफआईवीबी टूर्नामेंट का सीधा प्रसारण – चेन्नै – दिनांक 29.09.2010 से 02.10.2010

17. दीपावली के लिए विशेष पट्टीमंडपम (वाद विवाद) कार्यक्रम की रिकार्डिंग – भारतीय विद्या भवन – दिनांक 25.10.2010

18. तिरुचेदूंर, तमिलनाडु के श्री सुब्रहमण्य स्वामी मंदिर में श्री सुरसंहारम समारोह का सीधा प्रसारण – दिनांक 11.11.2010

19. तमिलनाडु के तिरुवन्नामलै में श्री अरुणाचलेश्वर मंदिर में श्री कार्तिकै दीपम उत्सव का सीधा प्रसारण – 21.11.2010

20. तमिलनाडु के तिरुकोयिल, श्रीरंगम के श्री अरल्मिगु अरंगनाथ स्वामी मंदिर में परमपद वासल (स्वर्ग द्वार) खुलने का सीधा प्रसारण दिनांक 17.12.2010

21. परमपद वासल(स्वर्ग द्वारा) खुलने का सीधा प्रसारण – श्री पार्थसारथी को बिल मंदिर त्रिप्लीकेण – दिनांक 17.12.2010

22. एचएसएआर केंद्र, श्रीहरिकोटा से जी–सेट–5–पी जीएसएलवी एफ–06 के प्रक्षेपण का सीधा प्रसारण दिनांक 20.12.2010–16.00 बजे

23. पोंगल त्योहार के लिए 'कवि अरंगम' का रिकार्डिंग– पुदुकोट्टै – दिनांक 29.12.2010

24. माननीय प्रधान मंत्री द्वारा 'साइंस कांग्रेस' के उद्घाटन का सीधा प्रसारण – एसआरएम यूनिवर्सिटी, चेन्नै – दिनांक 3.1.2011

25. मेलमरुवत्तूर के आदिपराशक्ति अम्मन मंदिर से 'तै पूसम' समारोह का सीधा प्रसारण– दिनांक 20.01.2011
26. ''संत त्यागराज आराधना समारोह'' का सीधा प्रसारण– तिरुवय्यूर– दिनांक 21.01.2011 से 25.01.2011 तक
27. गणतंत्र दिवस समारोह का सीधा प्रसारण – चेन्नै– 26.01.2011
28. तमिलनाडु विधान सभा में बजट पेश करने का सीधा प्रसारण – 05.02.2011
29. तमिलनाडु के चिदंबरम के नटराज मंदिर में महाशिवरात्री के अवसर पर आयोजित 'नाट्यांजली' कार्यक्रम का सीधा प्रसारण – दिनांक 02.03.2011 से 06.03.2011 तक
30. 'चित्तिरै तिरुनाल' समारोह के लिए आयोजित विशेष पट्टीमंडपम (वाद–विवाद) की रिकार्डिंग भारतीय विद्या भवन चेन्नै – दिनांक 20.03.2011

वर्ष 2010–11 के दौरान दूरदर्शन केंद्र, चेन्नै द्वारा अर्जित विज्ञापन राजस्व 16.72 करोड़ रुपए है ।

दूरदर्शन हैदराबाद

दूरदर्शन केंद्र, हैदराबाद का शुभारंभ 23 अक्टूबर 1977 को किया गया था। यह केंद्र उपग्रह टेलीविजन (साईट) के माध्यम से सूचना देने के लिए भारत के प्रयोग के अंग के रूप में शुरु किया गया था। डीआरएस (डाइरेक्ट रिसेप्शन सेट) तथा एकल ट्रांसमीटर अवस्था आगे निकल कर इस सेवा को संपूर्ण राज्य तथा देश और विश्व के कुछ भागों तक पहुंचा दिया गया है।

अब तक केंद्र को अपने कार्यक्रमों हेतु आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित 102 'नंदी' पुरस्कार तथा 12 दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। इनमें से नवीनतम सर्वश्रेष्ठ दूरदर्शन केंद्र का दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कर 2010 है। केंद्र को वर्ष 2011 में 'लेट्स प्ले प्लीज' हेतु स्विस टीवी पुरस्कार और धारावाहिक एवं लघु फिल्म 'निवेदिता' हेतु यूनीसेफ पुरस्कार (संयुक्त रूप से) प्राप्त हुआ है। केंद्र को 'अमलापुरम स्थित एलपीटी से नैरोकास्टिंग' पर दर्शक अनुसंधान सर्वेक्षण रिपोर्ट हेतु पहली बार स्थापित दूरदर्शन महानिदेशक का विशेष पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है। केंद्र ने ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता स्वर्गीय श्री विश्वनाथ सत्यनारायण और डॉ. सी. नारायण रेड्डी जैसे प्रतिष्ठित और प्रसिद्ध लेखकों की साहित्यिक कृतियों पर आधारित कार्यक्रमों की कई विशेष श्रृंखलाओं का निर्माण किया है।

2010–11 के दौरान महत्वपूर्ण इन–हाउस कार्यक्रम :

- **नव्या :–** महिला पत्रिका कार्यक्रम – सोमवार से शनिवार दोपहर 1:30 बजे। यह महिलाओं से जुड़े विभिन्न विकास पहलुओं– सफलता गाथाओं, स्वास्थ्य, विधिक पहलू, पाक–विधि, फैशन आदि पर बनाया गया एक उपयोगी कार्यक्रम है।
- **नैरोकास्टिंग कृषि कार्यक्रम :–** इस वित्तीय वर्ष के दौरान सामाजिक वानिकी पर विजयनगरम में फसल सेमिनार और पशुपालन पर सांगारेड्डी (मेडक जिला) में किसान सेमिनार आयोजित किया गया। इन कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण किया गया।
- **प्रगति पथम :–** प्रगति पथम (गल्फ विंडो) खाड़ी और मध्यपूर्व क्षेत्र के तेलुगू दर्शकों के लिए एक विशेष पत्रिका कार्यक्रम है।
- **अम्मा :–** यह माताओं पर आधारित विशेष कार्यक्रम है। इसे हर शुक्रवार को प्रातः 7:35 बजे प्रसारित किया जाता है।
- **ग्रामीण भारत :–** इस कार्यक्रम में विभिन्न ग्रामीण पहलुओं जैसे कि ग्राम सभा का महत्व, महिला सशक्तिकरण, पंचायतों में महिलाओं की भूमिका, ग्राम पंचायतों की सफलता, विकास गतिविधियां – पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य,

गांवों की समस्याओं को तत्काल सुलझाने हेतु अधिकारियों से बातचीत करना आदि सम्मलित होते हैं।

केंद्र ने राजस्व में वृद्धि करने के उद्देश्य से सरकारी एजेंसियों/विभागों और साथ ही निजी संस्थानों के लिए कुछ कार्यक्रम बनाए हैं।

- **संक्रांति संबरालु :–** संक्रांति सिवोहम और शिवरात्रि की पूर्व संध्या पर संक्रांति की बधाई पर एक विशेष गीत का विशेष कार्यक्रम और एक वृत्तचित्र का प्रसारण किया गया। इसके अलावा फिल्म गायक निहाद द्वारा गाए गए श्लोकों और शिव सूत्रों का भी प्रसारण किया गया।
- **पतला पल्लकी :–** यह एक रियलटी शो है। यह कार्यक्रम संगीत पर आधारित है। इसका उद्देश्य सुगम संगीत को प्रोत्साहन देना और आंध्र प्रदेश के विभिन्न भागों के युवा पीढ़ी के गायकों को सुगम संगीत के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करना है। इस कार्यक्रम का प्रसारण हर रविवार 8:30 बजे किया जाता था।
- **खेलकूद :–** राष्ट्रमंडल खेलों में भागीदारी : इस केंद्र के कर्मचारियों ने दिल्ली में हुए राष्ट्रमंडल खेल–2010 के दौरान प्रसारण सूचना कार्यालय में सक्रिय भूमिका अदा की। इस केंद्र ने विजयवाड़ा में आयोजित आईटीएफ पुरुष टूर्नामेंट (टेनिस) और हैदराबाद में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कैडेट टेबल टेनिस टूर्नामेंट को कवर किया।
- **पर्यावरण दर्शन :–** पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण की रोकथाम की जरूरत के बारे में जागरूकता लाने के लिए इस विशेष कार्यक्रम का प्रसारण किया गया।
- **जीवन रेखा :–** विशेष दिवसों (जैसे विश्व किडनी दिवस) के महत्व पर आधारित स्वास्थ्य और विभिन्न बीमारियों पर विभिन्न कार्यक्रमों को कवर किया गया।
- **जनपद साहित्य मौलिक स्वरूपम :–** यह कार्यक्रम दूरदर्शन सप्तगिरि और आंध्र प्रदेश सारस्वत परिषद, हैदराबाद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता और पद्मभूषण डॉ. सी.नारायण रेड्डी ने इस कार्यक्रम में व्याख्यान दिया। आंध्र प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कई प्रोफेसरों और प्रसिद्ध लोक कला समूहों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

दूरदर्शन बेंगलुरू

दूरदर्शन बेंगलुरू राज्य की 82.4% जनसंख्या और 76.2% क्षेत्र की मीडिया संबंधी जरूरतों को पूरा कर रहा है। 2010–11 के दौरान केंद्र द्वारा निर्मित कुल कार्यक्रमों में से 63.35% इन–हाउस और कमीशंड कार्यक्रम थे जबकि 36.65% प्रायोजित कार्यक्रम थे। भाषावार इस केंद्र ने कन्नड़ में 98.30% और उर्दू, कोडवा, कोंकणी और तुलु में 1.70% कार्यक्रम निर्मित किए।

केंद्र की मुख्य उपलब्धियां

- 2010–11 के दौरान सर्वश्रेष्ठ अनुरक्षित केंद्र
- हिंदी गृह पत्रिका 'आदित्य' को 2009–10 के लिए द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

महत्वपूर्ण इन–हाउस कार्यक्रम

1. दैट एंत हेली (क्विज कार्यक्रम)
2. मधुर मधुरव मनुला गाना (पुरानी कन्नड़ फिल्मों के हिट गानों पर आधारित कार्यक्रम)
3. बेलागू (फोन इन)

4. हैलो गेलयरे (फोन इन)
5. टीवी डॉक्टर (फोन इन)
6. जीवन दर्शन (जीवन मूल्यों के विशेषज्ञ से टेलीफोन पर बातचीत)
7. मार्ग दर्शन (नैतिक और आध्यात्मिक वार्तालाप)
8. सत्य दर्शन (धर्म संदेश और महाकाव्योंध्पुराणों के गहन विषय)

स्थलीय चैनल का कुल राजस्व ₹ 3,92,09,751/–

दूरदर्शन तिरुवनंतपुरम

19 नवम्बर, 1982 को नई दिल्ली के एशियाई खेलों की पूर्व संध्या पर एक अल्प शक्ति टीवी ट्रांसमीटर संस्थापित किया गया था। तब से दूरदर्शन केंद्र तिरुवनंतपुरम प्रगति के पथ पर अग्रसर है। अब स्थलीय ट्रांसमीटरों के नेटवर्क के माध्यम से दूरदर्शन राज्य के कोने–कोने तक पहुँचता है। तिरुवनंतपुरम, त्रिचूर और कोझिकोड में कार्यक्रम निर्माण सुविधाएं स्थापित की गई हैं। तिरुवनंतपुरम, कोच्चि, कोझिकोड और कन्नानूर में उच्च शक्ति ट्रांसमीटर तथा पूरे राज्य में स्थित अल्प शक्ति ट्रांसमीटरों और अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटरों के नेटवर्क की सहायता से दूरदर्शन केंद्र, तिरुवनंतपुरम द्वारा प्रसारित कार्यक्रम बिना केबल कनेक्शन के राज्य भर में देखे जा सकते हैं। दूरदर्शन केंद्र, तिरुवनंतपुरम संघ राज्यक्षेत्र लक्षद्वीप और माही में भी अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है। वर्ष 2010–11 राज्य का चुनावी वर्ष था। केंद्र द्वारा चुनाव परिणामों का सीधा प्रसारण दिखाने हेतु व्यापक प्रबंध किए गए तथा कार्यक्रम को लोगों द्वारा भली प्रकार देखा गया। इसके अलावा केंद्र ने राज्य की सभी महत्वपूर्ण राजनीतिक गतिविधियों को कवर किया जिनमें नए मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह, राज्यपाल का राज्य विधानसभा को संबोधित करना और राज्य बजट पेश करना शामिल है।

वर्ष के दौरान केंद्र ने कई उत्कृष्ट लाइव कवरेज किए हैं। केंद्र वेल्लारपदम में कंटेनर थर्मल प्रोजेक्ट और तिरुवनंतपुरम में भारत के माननीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन टर्मिनल को राष्ट्र को समर्पित करने संबंधी समारोह का मेज़बान प्रसारक था। अन्य मुख्य लाइव कवरेज में सबरीमाला में मकरविलाकू उत्सव, तिरुवनंतपुरम से अट्टुकल–पोंगल, तृश्शूर से तृश्शूर–पुरम और अलेप्पी से नेहरु ट्रॉफी नौका दौड़ शामिल हैं।

2010 में केंद्र ने एक नए क्षेत्र रियल्टी शो की दुनिया में कदम रखा और लोक प्रसारक के लिए एक स्पष्ट विकल्प सामाजिक रियल्टी शो ही है। दूरदर्शन केंद्र, तिरुवनंतपुरम द्वारा निर्मित पहला सामाजिक रियल्टी शो 'ग्रीन केरल एक्सप्रेस' देश के मीडिया इतिहास में ऐतिहासिक सिद्ध हुआ। कार्यक्रम ने यह स्थाई संदेश दिया कि सफल स्थानीय सरकार के लिए संस्थानों को दीर्घकालीन विकास के आदर्शों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इसके बाद केंद्र ने एक अन्य रियल्टी शो जैसे 'हरित विद्यालयम' (राज्य में सर्वश्रेष्ठ विद्यालय के चयन हेतु रियल्टी शो) तथा 'एलारम कोलानु' (लोकगीत पर आधारित रियल्टी शो) का निर्माण किया। इनसे चैनल की दर्शकता को बढ़ाने में मदद मिली है।

दूरदर्शन केंद्र, तिरुवनंतपुरम को दूरदर्शन के सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय समाचार प्रभाग (आरएनडी) के लिए दूरदर्शन का राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया। 23 मार्च, 2011 को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में डॉ. के. अमपादी ने श्रीमती अम्बिका सोनी, सूचना और प्रसारण मंत्री से पुरस्कार प्राप्त किया। वर्ष 2010–11 के दौरान केंद्र को कई अन्य पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्राप्त हुए। दूरदर्शन केंद्र, तिरुवनंतपुरम द्वारा प्रसारित प्रायोजित धारावाहिक 'आग्नेयम' को फरवरी, 2011 में घोषित केरल राज्य सरकार टेलीविजन पुरस्कार 2009 के 5 पुरस्कार प्राप्त हुए। धारावाहिक 'आग्नेयम' को सर्वश्रेष्ठ टेलीविजन धारावाहिक, सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और सर्वश्रेष्ठ कला–निर्देशन हेतु केरल राज्य समालोचना पुरस्कार भी प्राप्त हुए।

केंद्र ने इन–हाउस कार्यक्रम निर्माण को सुचारू रूप प्रदान किया है और समाचारों को छोड़कर 64.34% इन–हाउस निर्माण किया है। यदि समाचार को भी इन–हाउस में सम्मिलित कर लिया जाए तो यह 70% तक पहुंच जाएगा।

सार्वजनिक मंदी और निजी टेलीविजन चैनलों से कड़ी स्पर्धा के बावजूद केंद्र ने डीसीबी को छोड़कर जोकि सभी क्षेत्रीय केंद्रों में सबसे अधिक है, 9.47 करोड़ रूपए का राजस्व अर्जित करने में सफलता प्राप्त की है और यदि डीसीबी को भी इसमें सम्मिलित कर लिया जाए तो चालू वित्तीय वर्ष 2010–11 के लिए केंद्र का कुल राजस्व 17.5 करोड़ रूपए हो जाएगा। समग्र रूप में लें तो निस्संदेह यह वर्ष केंद्र के इतिहास में सबसे अधिक संतोषजनक वर्ष रहा।

दूरदर्शन नागपुर

दूरदर्शन केंद्र, नागपुर 15 अगस्त, 1982 को भारत के प्रसारण मानचित्र पर आया जब इसने दिल्ली से प्रसारित कार्यक्रमों को 1 किलोवाट के ट्रांसमीटर के माध्यम से रिले करना आरंभ किया। दूरदर्शन केंद्र, नागपुर द्वारा निर्मित क्षेत्र विशेष कार्यक्रमों की शुरुआत और नागपुर, चन्द्रपुर, गढ़चिरौली और गोंडिया के लिए नई दिल्ली से इन्सेट के माध्यम से प्रसारण की शुरुआत वर्ष 1983 में हुई। अक्तूबर, 1985 में ट्रांसमीटर की क्षमता 1 कि.वा. से बढ़ाकर 10 कि.वा. कर दी गई। नागपुर की मराठी जनसंख्या की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दूरदर्शन केंद्र, मुंबई के लोकप्रिय कार्यक्रमों को पहले इस केंद्र से रिले किया जाता था। एक छोटे से मेक शिफ्ट कार्यक्रम निर्माण स्टूडियो की स्थापना मई 1994 में की गई तथा एक घंटे के इन–हाउस कार्यक्रम निर्माण की शुरुआत हुई। 150 वर्ग मीटर के स्टुडियो की शुरुआत 25.5.1999 को हुई जिसमें निर्माण सुविधाएं उपलब्ध हैं। नागपुर महाराष्ट्र की दूसरी राजधानी है। इसे देखते हुए सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने यहां अपलिंकिंग की सुविधा उपलब्ध कराई है। नेशनल कार्यक्रमों और समाचार कार्यक्रमों के प्रसारण हेतु दूरदर्शन केंद्र, नागपुर में 10 कि.वा. के 2 ट्रांसमीटर हैं। इसके अतिरिक्त दूरदर्शन केंद्र, नागपुर विदर्भ क्षेत्र के कलाकारों को मंच उपलब्ध कराता है। नवम्बर, 2002 में केंद्र से नैरोकास्टिंग कार्यक्रमों का निर्माण शुरु किया गया। इस समय केंद्र 100% इन–हाउस कार्यक्रमों का निर्माण करता है जिसमें 90% कार्यक्रम सूचना एवं शिक्षा तथा 10% मनोरंजन कार्यक्रम होते हैं।

यह केंद्र मुंबई के सह्याद्रि चैनल (आरएलएसएस) को नियमित रूप से कार्यक्रम उपलब्ध कराता है। डिजीटल भू–केंद्र की सुविधा होने के साथ दूरदर्शन केंद्र, मुंबई के सामयिक कार्यक्रमों की हॉट स्विचिंग की जाती है। संबंधित न्यूज़ बुलेटनों में शामिल करने के लिए भू–केंद्र दूरदर्शन केंद्र, मुंबई और नई दिल्ली को न्यूज़ फीड की सुविधा भी देता है और कभी–कभी दूरदर्शन केंद्र, मुंबई के न्यूज़ बुलेटिन बटम्या के लिए भी नागपुर से हॉट स्विचिंग की जाती है।

वर्ष 2010–11 के दौरान दूरदर्शन केंद्र, नागपुर द्वारा महत्वपूर्ण कवरेज और कार्यक्रम :

1.	अतंर्राष्ट्रीय नागपुर मैराथन 2010	–	2 अक्तूबर, 2010
2.	अतंर्राष्ट्रीय कविता उत्सव 'कृत्य'	–	फरवरी, 2011
3.	56वां धम्म चक्र परावर्तन दिन	–	हर वर्ष की तरह

वाणिज्यिक राजस्व

2010–11	12,13,300/–	वन विभाग, महाराष्ट्र सरकार	(विदर्भ में विभिन्न टाइगर परियोजनाओं पर वृत्तचित्र)
2010–11	1,50,054/–	अन्य स्रोतों से	(प्रशिक्षण/विज्ञापन)

दूरदर्शन केंद्र, दिल्ली

राजधानी और उसके आसपास की जनता को शैक्षणिक और विकास संबंधी कार्यक्रम उपलब्ध कराने के लिए प्रायोगिक आधार पर सप्ताह में 03 दिन 30 मिनट के कार्यक्रम के साथ सितम्बर, 1959 से दिल्ली दूरदर्शन ने अपना कार्य प्रारंभ किया था। अब यह भारत में स्थित सभी दूरदर्शन केंद्रों में सबसे बड़ा स्थलीय प्रसारण केंद्र बन गया है। इसकी सेवाओं में डीडी–1 नेटवर्क पर 25 घंटे की स्थानीय/क्षेत्रीय सेवा, 32 घंटे के राष्ट्रीय और 78 घंटे के नेटवर्क कार्यक्रम तथा सिग्नल मैट्रो सहित 126 घंटे का मैट्रो नेटवर्क और 133 घंटे की दूरदर्शन अतंर्राष्ट्रीय सेवा शामिल हैं।

विकास प्रक्रिया के दौरान केंद्र ने सामाजिक–आर्थिक परिवर्तन लाने, राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने, वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करने, जनसंख्या नियंत्रण एवं परिवार कल्याण, कृषि संबंधी सूचना एवं जानकारी देने, पर्यावरण संरक्षण तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, महिलाओं, बच्चों और दुर्बल वर्गों की सामाजिक आवश्यकताओं को आगे लाने, खेल–कूद को बढ़ावा देने तथा देश की कलात्मक और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षण देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

सालों साल कार्यक्रमों के स्वरूप और संरचना में बहुत से परिवर्तन हुए हैं। दिल्ली दूरदर्शन ने अपने नेटवर्क और गतिविधियों में विस्तार किया है। 338 ट्रांसमीटर (एचपीटीएलपीटी) समय के विभिन्न अंतरालों में दिल्ली क्षेत्रीय सेवा कार्यक्रमों का रिले कर रहे हैं जो देश के 19 राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों के 137.2 मिलियन दर्शकों तक पहुंचते हैं। नेशनल नेटवर्क 296 मिलियन दर्शकों तथा मैट्रो नेटवर्क भी 116 मिलियन दर्शकों तक पहुंचता है। इन कार्यक्रमों में 71% कार्यक्रम इन–हाउस तथा कमीशंड कार्यक्रम हैं जबकि 15.8% अधिग्रहित, 5.4% सरकारी एजेंसियों, 3.8% अन्य तथा 3.1% प्रायोजित कार्यक्रम हैं। वर्ष 2010–11 के दौरान 48% लोक सेवा, मनोरंजन और अन्य कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया। इसके बाद 23.3% समाचार और सामयिकी, 11.6% अन्य, 7% खेल–कूद, 3.3% बच्चों के कार्यक्रम, 3% स्वास्थ्य, 2.7% शैक्षणिक तथा 1.1% पर्यावरण संबंधी कार्यक्रम प्रसारित किए गए।

डीडी–1 पर दूरदर्शन केंद्र, दिल्ली द्वारा प्रसारित महत्वपूर्ण कार्यक्रम/ओबी निम्नानुसार हैं :

- फोर्थ एम्पायर : त्रिकोणीय एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला : दूरदर्शन स्टूडियो से सीधा प्रसारण
- प्रवासी भारतीय दिवस – 2010 का उद्घाटन – विज्ञान भवन से सीधा प्रसारण
- आर्मी डे परेड – 2010 – गैरिसन परेड ग्राउंड से सीधा प्रसारण
- सीएसपीओसी के अध्यक्षों का 20वां सम्मलेन
- 10वां इदिरा गांधी सम्मेलन – प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन – तीन मूर्ति से सीधा प्रसारण
- सेना दिवस परेड 2011– गैरीसन परेड ग्राउंड से सीधा प्रसारण
- शपथ ग्रहण समारोह तथा मंत्रिमंडल का विस्तार – राष्ट्रपति भवन से सीधा प्रसारण
- भारतीय निर्वाचन आयोग के डायमंड जुबली समारोह का होटल ताज पैलेस से सीधा प्रसारण
- फिल्म अवार्ड– होटल ताज पैलेस से सीधा प्रसारण

गणतंत्र दिवस परेड– राजपथ से सीधा प्रसारण

- बीटिंग रिट्रीट – 2011 विजय चौक से सीधा प्रसारण
- प्रधान मंत्री द्वारा मुख्य मंत्री सम्मेलन का उद्घाटन – विज्ञान भवन से सीधा प्रसारण
- संयुक्त बजट सत्र में महामहिम राष्ट्रपति का संबोधन – संसद भवन से सीधा प्रसारण
- 2011–12 संघीय रेल बजट का प्रस्तुतिकरण – संसद भवन से सीधा प्रसारण
- सीआरपीएफ की 88वीं महिला बटालियन का रजत जयंती समारोह – झड़ोदा कलां से सीधा प्रसारण
- नव वर्ष की पूर्व संध्या पर कार्यक्रमः आगत का स्वागत
- नवोमेष – 2011 – श्रीमती अम्बिका सोनी, सूचना और प्रसारण मंत्री द्वारा दूरदर्शन अभिलेखागार का डीवीसी विमोचन समारोह – श्री सत्य साई स्टेडियम से सीधा प्रसारण
- स्वामी विवेकानन्द की 150वी जयंती का उद्घाटन – विज्ञान भवन से सीधा प्रसारण
- स्वतन्त्रता दिवस की संध्या पर महामहिम भारत के राष्ट्रपति का संदेश
- माननीय प्रधान मंत्री द्वारा लाल किले पर ध्वजारोहण – लालकिले से सीधा प्रसारण
- प्रधान मंत्री श्रम पुरस्कार वितरण समारोह – विज्ञान भवन से सीधा प्रसारण
- अतंर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस समारोह – 2010 – विज्ञान भवन से सीधा प्रसारण
- 57वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार वितरण समारोह – विज्ञान भवन से सीधा प्रसारण
- श्रीमती इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर स्मृति समारोह – 1, अकबर रोड से सीधा प्रसारण
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय एकता पुरस्कार वितरण – तीन मूर्ति से सीधा प्रसारण
- अमेरिका के राष्ट्रपति और भारत के प्रधान मंत्री की संयुक्त प्रैस कांफ्रेंस – हैदराबाद हाउस से सीधा प्रसारण
- अमेरिका के राष्ट्रपति का संसद के संयुक्त सत्र को संबोधन – संसद भवन से सीधा प्रसारण
- प्रधान मंत्री की एनसीसी रैली – गैरिसन परेड ग्राउंड से सीधा प्रसारण

दूरदर्शन रांची

झारखंड के आदिवासियों सहित क्षेत्र के लोगों के सामाजिक–आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास को गति प्रदान करने के लिए 25 सितम्बर, 1984 को प्राथमिकता के आधार पर दूरदर्शन केंद्र, राँची की शुरुआत हुई थी। केंद्र ने झारखंड क्षेत्र की एकल नृजाति संस्कृति के लिए 2 अप्रैल, 2002 तक 'क्षेत्र विशिष्ट कार्यक्रमों' का निर्माण किया। 2 अप्रैल, 2002 को केंद्र एक क्षेत्रीय यूनिट बन गया और इसकी कवरेज का विस्तार पूरे झारखंड में हो गया। इसी दिन एक और यादगार घटना के रूप में केंद्र से क्षेत्रीय समाचार के प्रसारण की शुरुआत हुई। राज्य की अर्थव्यवस्था, संस्कृति और परम्परा पर विशेष बल देते हुए महिलाओं, बच्चों, युवाओं, जनजाति तथा कृषि, स्वास्थ्य, संगीत और नृत्य, साहित्य, औद्योगिक विकास जैसे क्षेत्रों के कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी जाती है। केंद्र की शुरुआत से ही इसने राज्य की प्रतिभाओं के साथ उच्च स्तर के कार्यक्रमों के निर्माण में महत्वपूर्ण प्रगति की है। केंद्र का प्रसारण समय बढ़ने के साथ–साथ शोध पर आधारित कल्याणी, कृषि दर्शन, जैसे अग्रणी कार्यक्रमों का निर्माण किया जा रहा है इनके साथ केंद्र के प्रसारण समय में बढ़ोतरी हुई है। डीडी–1 और डीडी न्यूज़ झारखंड के कुल क्षेत्र का क्रमशः 96.7% और 15.7% तथा इसी तरह राज्य की जनसंख्या का 97.4% और 23.4% को कवर करते है।

वर्ष 2010–11 के दौरान प्रसारित/रिकार्ड किए गए कुछ विशेष कार्यक्रम :

- केंद्र द्वारा 16 और 17 सितम्बर, 2010 को महान साहित्यकार **"बाबा नागार्जुन"** की जन्म शताब्दी मनाई गई।
- केंद्र ने दिनांक 15.9.2010 को दूरदर्शन स्थापना दिवस कार्यक्रम – **"सोना नागपुर"** का सीधा प्रसारण किया। राज्य के समृद्ध लोक संगीत और नृत्य (नागपुरी, खोरथा, पैका, छऊ, उरांव, मुंडरी, पंचप्रगनिया और कुर्माली) के मेल से यह कार्यक्रम बहुत ही मनोरंजक था।
- 31.12.2010 को सांस्कृतिक कार्यक्रम **"जोहर"** का प्रसारण किया गया। दिनांक 31.12.2010 को रात्रि 9.00 बजे नव वर्ष की पूर्व संध्या पर एक विशेष कार्यक्रम "ब्रेक डाउन" का प्रसारण किया गया। इस कार्यक्रम में लोक गीतध्नृत्य, स्किट के साथ आधुनिक गीत/नृत्य, हास्य कविता पाठ शामिल था। कार्यक्रम ने 23.54 की टीआरपी प्राप्त की।
- दिनांक 01.01.2011 को कार्यक्रम **"नव वर्ष"** का प्रसारण किया गया। इसमें भोजपुरी गीत/नृत्य, खोरथा गीत एवं नृत्य, रोमांटिक गीत, आधुनिक नागपुरी नृत्य के कुछ आकर्षक संगीत कार्यक्रम शामिल थे।
- 12 से 26 फरवरी, 2011 तक झारखंड राज्य के तीन अलग–अलग शहरों राँची, जमशेदपुर और धनबाद में आयोजित 34वें **राष्ट्रीय खेलों** के दौरान मेजबान केंद्र के नाते में दूरदर्शन केंद्र, राँची ने दूरदर्शन महानिदेशालय को हर प्रकार की लाजिस्टिक सहायता प्रदान की। 12 से 26 फरवरी, 2011 के दौरान सीधे प्रसारण के साथ–साथ खेलों के मुख्य अंश डीडी स्पोर्ट्स और दूरदर्शन केंद्र, राँची से भी प्रतिदिन अपराह्न 4:00 बजे से 6:00 बजे तक प्रसारित किए गए।

राष्ट्रीय खेल 2011 की कवरेज के लिए राँची के स्टेडियम की जांच कर रहे दूरदर्शन के अधिकारी

34वें राष्ट्रीय खेल 2011 का समापन समारोह : अपने दल के साथ नृत्य करती कटरीना कैफ

स्वतंत्रता दिवस (15.08.2010) पर और गणतंत्रता दिवस (26.01.2011) पर झारखंड के माननीय राज्यपाल श्री एम.ओ.एच. फारूक का संदेश हिंदी तथा अंग्रेजी में प्रसारित किया गया।

केंद्र से विश्व तंबाकू निषेध दिवस (31.05.2010), क्रांति दिवस (30.06.2010), राष्ट्रीय खेल दिवस (29.08.2010), शिक्षक दिवस (05.09.2010), नेत्र दान पखवाड़ा (07.09.2010), राष्ट्रीय पोषण सप्ताह (07.09.2010), अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस (08.09.2010), राजभाषा दिवस (14.09.2010), टीबी सील दिवस (30.09.2010), डाक सप्ताह (15.10.2010), विश्व अशक्तता दिवस (03.12.2010) और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (08.03.2011) जैसे अवसरों पर विशेष कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया।

केंद्र ने रक्षा बंधन (24.08.2010), जन्माष्टमी (01.09.2010), ईद–उल–फितर (10.09.2010), छठ (13.10.2010), बकरीद (17.11.2010), मिलाद–उन–नबी (19.11.2010), क्रिस्मस (25.12.2010) और होली (19.03.2011) जैसे विभिन्न धार्मिक त्यौहारों पर विशेष कार्यक्रमों का प्रसारण किया।

वर्ष 2010–11 के दौरान केंद्र ने ₹ 1,43,79,450.00 का राजस्व अर्जित किया।

दूरदर्शन जयपुर

राजस्थान से क्षेत्रीय स्थलीय सेवा प्रति दिन 30 मिनट के कार्यक्रम के साथ जुलाई 1987 में आरंभ की गई थी। इस समय केंद्र सोमवार से शनिवार तक प्रतिदिन 4 घंटे का प्रसारण करता है तथा रविवार को प्रसारण की अवधि 90 मिनट है। डीडी–1/डीडी–14 (जयपुर) की पहुँच जनसंख्या के अनुसार 79.3% और राजस्थान के क्षेत्र के अनुसार 72.4% है। डीडी न्यूज़ के मामले यह 36.1% जनसंख्या और राज्य के 13.2% क्षेत्र को कवर करता है। अन्य कार्यक्रमों के अलावा केंद्र प्रतिदिन दो समाचार बुलेटिन – एक 10 मिनट की अवधि का बुलेटिन राजस्थानी में और एक 30 मिनट का हिंदी में प्रसारित करता है। हिंदी समाचार बुलेटिन की अवधि 15 मिनट प्रतिदिन थी। इसे 1 मार्च 2010 से 15 मिनट से बढ़ाकर 30 मिनट कर दिया गया है। प्रसारित किए जाने वाले कार्यक्रमों में से 75.53% कार्यक्रम हिंदी में जबकि 10.05% स्थानीय भाषा/बोलीयों में हैं। इन दो प्रमुख भाषाओं के अलावा, अन्य भाषाओं जैसे अंग्रेजी, उर्दू, संस्कृत, सिंधी, पंजाबी आदि में भी कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं।

जयपुर में क्षेत्रीय समाचार बुलेटिन की शुरुआत केंद्र के क्षेत्रीय समाचार एकांश द्वारा हिंदी भाषा में समाचार के साथ 11 फरवरी 1990 से की गई। इसके उपरांत वर्ष 2001 के दौरान केंद्र ने राजस्थानी भाषा में एक और समाचार बुलेटिन आरंभ किया। इस समय क्षेत्रीय समाचार एकांश तीन समाचार बुलेटिन नियमित रूप से प्रसारित कर रहा है। इन तीन बुलेटिनों में से दो बुलेटिन क्रमशः हिंदी में और राजस्थानी में प्रसारित किया जाते हें और एक बुलेटिन सप्ताह में तीन बार डीडी न्यूज़ पर 'राज्यों से समाचार' श्रेणी के अंतर्गत प्रसारित किया जाता है।

ऑटोमेटिड समाचार सेल का आरंभ जनवरी 2009 में हुआ। इस सेवा के शुरू होने से प्रमुख समाचार एजेंसियाँ सीधे कंप्यूटर से जुड़ गई हैं और केंद्र बुलेटिनों के प्रसारण के बीच में महत्वपूर्ण समाचार जोड़ने में सक्षम हो गया है। सरकारी विभाग/निजी क्षेत्र से वर्ष 2010–11 का सकल राजस्व 5,60,35,626 रुपए है।

गतिविधियाँ, प्रमुख पहलें और उपलब्धियाँ :

- जयपुर दूरदर्शन ने लोकोत्सव नामक एक कार्यक्रम का आयोजन किया। यह दूरदर्शन की स्वर्ण जयंती पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में था। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न भागों से लगभग 150 कलाकारों ने भाग लिया और उन्होंने संबंधित क्षेत्रों का लोक नृत्य/संगीत प्रस्तुत किया।
- जयपुर, दूरदर्शन ने सूचना का अधिकार विषय के अन्तर्गत 'दूरदर्शन की भूमिका' पर एक व्याख्यान आयोजित किया।
- केंद्र ने 'सद्भावना समय' नामक परिचर्या का प्रसारण किया। बाबरी मस्जिद और राम लला जन्म भूमि विवाद पर उच्च न्यायालय के निर्णय वाले दिन सायं 4 बजे इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया।
- लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड में पहले ही स्थान बना चुका 'प्रश्नोत्तरी' कार्यक्रम 18 वर्ष के प्रसारण में दर्शकों का सबसे पसंदीदा कार्यक्रम बना हुआ है।
- गुर्जर आरक्षण आंदोलन के कारण मई, जून और दिसम्बर 2010 के माह में राज्य में राजनैतिक और कानून व्यवस्था में भी गहमा–गहमी का माहौल रहा।
- वर्ष के दौरान अजमेर जिले के खानपुरा गाँव में अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की वीडियो कान्फ्रेंस का डीडी न्यूज़ पर सीधा प्रसारण किया गया। भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल उदयपुर के दौरे पर आई तथा भारत के उपराष्ट्रपति श्री हामिद अंसारी और ब्रिट्रेन के प्रिंस चार्ल्स ने जोधपुर का दौरा किया।
- राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री तथा पूर्व उप राष्ट्रपति एवं राज्यपाल श्री भैरो सिंह शेखावत के दुखद निधन पर कहानियों पर आधारित कार्यक्रम प्रसारित किया गया। जैन मुनि आचार्य महाप्रज्ञा के दुखद निधन पर भी समाचार कथा प्रसारित की गई।
- राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक विजेता एथलीट श्रीमती कृष्णा पुनिया के साक्षात्कार की रिकार्डिंग का प्रसारण किया गया।

दूरदर्शन गोरखपुर

पूर्वी उत्तर प्रदेश के दर्शकों की अपेक्षाओं और उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए 14 नवंबर 1984 को सीमित घंटों के प्रसारण के साथ दूरदर्शन गोरखपुर आरंभ किया गया था। 'कृषि विस्तार के लिए जनमाध्यम सहयोग' योजना के अंतर्गत कृषि दर्शन कार्यक्रम की समयावधि बढ़ाने के लिए 3.2.2011 से केंद्र का प्रसारण समय 90 मिनट से बढ़ाकर 115 मिनट (सायं 05:05 बजे से 07:00 बजे) तक कर दिया गया है। नए फिक्सड प्वाइंट चार्ट के अनुसार केंद्र सप्ताह में सायं 5:30 से सायं 6:30 तक एक घंटे का कृषि कार्यक्रम प्रसारित कर रहा है।

कृषि दर्शन के अलावा केंद्र की प्रमुख गतिविधियों में बच्चों, युवाओं, महिलाओं स्वास्थ्य, सुगम, सेमी क्लासिकल, लोक संगीत, नाट्य, प्रश्नोतरी, वृत्तचित्र, वरिष्ठ नागरिकों पर कार्यक्रम, गैर सरकारी संस्थानों पर कार्यक्रम, चर्चित मुद्दों पर परिचर्चा, साहित्यिक कार्यक्रम/कवि सम्मेलन, खेलकूद और लोक कला संस्कृति तथा क्षेत्रीय परंपराओं पर विशेष कार्यक्रम शामिल हैं। सप्ताह की सांस्कृतिक गतिविधियों, महत्वपूर्ण आयोजनों, शहर की घटनाओं को आस–पास कार्यक्रम में विस्तृत रूप से कवर किया जाता है।

- बाल दिवस के अवसर पर दूरदर्शन परिसर में बाल मेला का आयोजन किया गया जिसमें 22 स्कूलों के लगभग 500 बच्चों ने भाग लिया। इस आयोजन के पीछे मुख्य उद्देश्य उन्हें बाल दिवस को एक ही प्लेटफार्म पर मनाने का अवसर प्रदान करना ओर उनकी प्रतिभाओं को दिखाने का मौका देना था।

बाल दिवस कार्यक्रम

- दूरदर्शन केंद्र, गोरखपुर के 27वें स्थापना दिवस पर प्रसिद्ध स्थानीय कलाकारों द्वारा आमंत्रित दर्शकों (लगभग 1000) के समक्ष 'सांस्कृतिक कार्यक्रमों' का आयोजन किया गया। इस आयोजन के दौरान 'दूरदर्शन गोरखपुर की यात्रा', पुरस्कार प्राप्ति संबंधी कार्यक्रमों की क्लिपिंग्स और पुरस्कार समारोह 2009, जिसमें दूरदर्शन केंद्र, गोरखपुर ने उत्तरी क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ रूप से स्थापित स्टुडियो और सर्वश्रेष्ठ अनुरक्षित ट्रांसमीटर का पुरस्कार प्राप्त किया था, पर लघु फिल्में भी दिखाई गईं।
- नव वर्ष में 45 मिनट का ताबड़तोड़ चैनल नामक एक इन–हाउस प्रायोजित मनोरजंक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।
- रुटीन संगीत कार्यक्रमों के अलावा गोरखपुर के विभिन्न गाँवों और बाहर के लगभग 50 लोक कलाकारों को आमंत्रित करके उनकी रिकार्डिंग की गई।

दूरदर्शन पटना

दूरदर्शन केंद्र, पटना 13.10.1990 को आरंभ किया गया था। बिहार के सभी ट्रांसमीटरों के साथ उपग्रह संपर्क 1994 में स्थापित किया गया था। दूरदर्शन केंद्र, पटना में विज्ञापन सेवा 1995 में आरंभ की गई थी। छज्जुबाग, पटना में नए स्टुडियो परिसर ने मार्च, 1999 में कार्य आरंभ किया था। प्रसारण की प्रमुख भाषा हिंदी है।

प्रमुख उपलब्धियाँ और पहलें :–

- 9 जनवरी 2011 से 11 जनवरी 2011 तक पटना साहिब में ''श्री गुरू गोबिंद सिंह जी महाराज के जन्म दिन समारोह'' का सीधा कवरेज/प्रसारण किया गया जिसे डीडी–1, डीडी भारती और डीडी पंजाबी पर प्रसारित किया गया।
- दूरदर्शन के पचास वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 15 सितम्बर, 2010 को आमंत्रित दर्शकों के समक्ष 'कव्वाली' और 'सूफी' गीतों पर आधारित विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

- 12.11.2010 को सबसे पवित्र पर्व छठ (सूर्य पर्व) का प्रसारण।
- 15.10.2010 से 24.10.2010 तक बिहार विधान सभा चुनाव – 2010 का प्रसारण किया गया जिसमें' चुनाव की रिकार्डिंग और विभिन्न संबंधित गतिविधियों का प्रसारण शामिल है जो दिसम्बर 2010 तक जारी रहा।
- अंतर्राष्ट्रीय रूप से प्रख्यात 'सोनपुर मेले' से 16.12.2010 से 18.12.2010 तक फसल सेमिनार तथा 'चलो आज देसवा की ओर' नामक विशेष लोक कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया।
- वर्ष 2010 की विदाई और आगामी वर्ष 2011 का स्वागत करने के लिए क्रमशः 31.12.2010 और 01.01.2011 को मनोरंजन से भरपूर कार्यक्रम निर्मित कर प्रसारित किए गए।

विशेष रिकार्डिंग और कवरेज :

(1) 01.05.2010 से 04.05.2010 तक राँची में फेडरेशन कप की कवरेज।

(2) 23.05.2010 से 26.05.2010 तक पीसीएस पर डीडी स्पोर्ट्स के लिए जूनियर पुरुष और महिला थ्रो बॉल चौम्पियनशिप की लाइव कवरेज।

(3) क्वीन्स बेटन रिले की लाइव कवरेज – 15.07.2010

(4) दूरदर्शन स्वर्ण जयंती समारोह की रिकार्डिंग – 15.09.2010

(5) दूरदर्शन केंद्र, जालंधर के लिए गुरूद्वारे से प्रकाश उत्सव की लाइव कवरेज और कवि दरबार की रिकार्डिंग – 09.11.2010 से 11.01.2011

(6) डीडी स्पोर्ट्स के लिए झंझारपुर से '20–20 क्रिकेट मैच' की लाइव कवरेज।

(7) 'ओपन थियेटर भारतीय नृत्य कला मंदिर' से लोक संगीत कार्यक्रम की कवरेज – 31.03.2011

विभिन्न स्रोतों से विज्ञापन आय

(1) 3 करोड़ के लक्ष्य की तुलना में ₹ 320426.25/– का राजस्व अर्जन ।

(2) व्यवसायिक प्रशिक्षण से ₹ 831369/–

दूरदर्शन श्रीनगर

इसे 26 जनवरी 1973 को आरंभ किया गया था। परिसर की आधारशिला 9 मई 1970 को रखी गई थी। शुरू में 10 कि.वा. का एक ट्रांसमीटर कमीशन किया गया था और कार्यक्रम ब्लैक एंड व्हाईट में निर्मित किए जाते थे। उस समय से लेकर अब तक दूरदर्शन ने न केवल प्रसारण समय में वृद्धि करके बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों की रुचि और अपेक्षाओं के अनुसार कार्यक्रम बनाकर काफी प्रगति की है।

1973 में कुछेक साक्षात्कार आधारित कार्यक्रम, वृत्तचित्र, गीत और नाटक ही सॉफ्टवेयर इनपुट हुआ करते थे जिनका प्रसारण किया जाता था और जिसमें दर्शकों की काफी रुचि थी। केंद्र को राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों द्वारा बोली जाने वाली 12 विभिन्न भाषाओं/बोलियों मे कार्यक्रम निर्मित करने में महारत हासिल है। इनमें कश्मीरी, उर्दू, अंग्रेजी, हिंदी, डोगरी, लद्दाखी, पंजाबी, गोजरी, पहाड़ी, बाल्टी, शीना और पश्तो शामिल हैं।

नए फार्मेटों को शामिल करने और उनके उचित उपयोग से क्षेत्रीय और कशीर दोनों चैनलों से हमारे प्रसारण को नया रंग मिला है। इस केंद्र ने कार्यक्रम निर्माण का विस्तार करने के लिए कई कदम उठाए हैं जिसमें मानव शक्ति, उपस्करों और अन्य सुविधाओं आदि का अधिकतम उपयोग शामिल है।

2010–2011 में केंद्र की गतिविधियाँ :

- 05.03.2010 को संगीत प्रतिभा शो 'मिले सुर' के दो घंटे के ग्रैंड फिनाले का सीधा प्रसारण (कुल कड़ियाँ = 134, कुल प्रतियोगी = 332)
- 07.06.2011 को एसकेआईसीसी, श्रीनगर से एसकेएयूएसटी, कश्मीर के 5वें दीक्षांत समारोह का सीधा प्रसारण जिसमें माननीय प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह मुख्य अतिथि थे।
- 16 जून 2010 को जम्मू क्षेत्र के दूर दराज क्षेत्र भद्रवाह, जिला डोडा में अपनी ही तरह के पहले पर्यटक उत्सव का सीधा प्रसारण किया गया। यह क्षेत्र अभी भी उग्रवाद से प्रभावित है।
- 20 जून 2010 को जम्मू और कश्मीर विधान सभा हॉल, श्रीनगर से माननीय लोक सभा अध्यक्ष की अध्यक्षता में विधायी निकायों के सभापतियों और सचिवों के सम्मेलन का सीधा प्रसारण।
- 29.06.2010 को शालीमार से एसकेआईसीसी, श्रीनगर – तक 3 कि.मी. दूरी की क्वीन्स बेटन रिले (राष्ट्रमंडल खेल, दिल्ली–2010) का सीधा प्रसारण।
- एम.ए. स्टेडियम, जम्मू से (10.11.2010 से 13.11.2010 तक) द्वितीय सब जूनियर नेशनल कबड्डी चैम्पियनशिप के लिए ओबी।
- 28.02.2011 को जम्मू और कश्मीर के महामहिम राज्यपाल द्वारा जम्मू और कश्मीर विधान सभा और विधान परिषद के जम्मू से उद्घाटन सम्बोधन का सीधा प्रसारण।
- 07.03.2011 को जम्मू और कश्मीर विधान सभा और विधान परिषद के बजट सत्र का सीधा प्रसारण।

वित्त वर्ष 2010–2011 के दौरान केंद्र का विज्ञापन अर्जन ₹ 62,11,631/– है।

दूरदर्शन इंदौर (मध्य प्रदेश)

दूरदर्शन केंद्र, इंदौर ने 100 वाट के ट्रांसमीटर के साथ डीडी रिले सेंटर के रूप में नवम्बर 1982 में कार्य करना आरंभ किया था। प्रारंभिक अवस्था में जनवरी, 1985 में 10 कि.वा. का एक ट्रांसमीटर कमीशन किया गया था। स्टूडियो भवन मार्च 1997 में पूरा हुआ था। इसके बाद स्टूडियो उपस्करों की संस्थापना मई 1999 में पूरी हुई। स्टूडियो की कमीशनिंग 7 मई 2000 को पूरी हो गई थी। स्थानीय प्रसारण (नैरोकास्टिंग के अंतर्गत) का आरंभ 21 जनवरी 2004 को हुआ और 3 सितम्बर 2007 से आधे घंटे के नैराकॉस्टिंग कृषि दर्शन कार्यक्रमों के अतिरिक्त सामान्य प्रसारण सायं 5:00 बजे से 5:30 बजे के बीच सोमवार से शुक्रवार तक आधे घंटे के नियमित प्रसारण के साथ आरंभ हुआ। जून, 2008 से स्थानीय प्रसारण में सायं 5:00 बजे से 5:30 बजे के बीच प्रत्येक शुक्रवार को ई–गर्वनेंस में नई खोजों और फ्लैगशिप कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है। साहित्य, खेल–कूद, कविता, लोक कला, फिल्मी प्रतिभाओं आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों से स्थानीय प्रतिभाओं को पेश करने के लिए दूरदर्शन केंद्र, भोपाल को नियमित योगदान दिया जा रहा है।

केंद्र की गतिविधियाँ :

1. मालवांचला – (प्रत्येक शनिवार को सायं 4:15 बजे) यह कार्यक्रम मालवा और निमाड क्षेत्र में साहित्य, शिक्षा, खेल–कूद, संस्कृति आदि संबंधी गतिविधियों पर आधारित है। मालवांचल कार्यक्रम के अतिरिक्त दूरदर्शन केंद्र, भोपाल द्वारा समझदार नारी और कल्याणी कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाते हैं।
2. न्यूज़ कवरेज – अति विशिष्ट व्यक्तियों/विशिष्ट व्यक्तियों जैसे भारत के महामहिम राष्ट्रपति जी, प्रधानमंत्री जी, सूचना और प्रसारण मंत्री और अन्य अति विशिष्ट व्यक्तियों/विशिष्ट व्यक्तियों के दौरे के दौरान दूरदर्शन केंद्र, इंदौर स्थानीय प्रसारण के लिए समारोहों की कवरेज करता है और आईएसडीएन के माध्यम से क्षेत्रीय समाचारों/राष्ट्रीय समाचारों के प्रसारण के लिए वीडियो क्लिप भी भेजता है।

डीडी स्पोर्ट्स के लिए जूनियर टेनिस चैम्पियनशिप, क्रिकेट आदि जैसे महत्वपूर्ण आयोजन सफलतापूर्वक कवर किए गए।

दूरदर्शन केंद्र, इंदौर को मुख्य अभियंता (प.क्षे.) टीवीएम, मुंबई द्वारा तीन बार सर्वश्रेष्ठ अनुरक्षित केंद्र के लिए नामित किया गया है।

वर्ष 2010–11 के लिए विभिन्न स्रोतों से विज्ञापन अर्जन ₹ 6,46,630/– है।

दूरदर्शन शिमला

दूरदर्शन केंद्र, शिमला 7 जून, 1995 को कमीशन किया गया था। यह केंद्र माउंट प्लीजेंट पर राष्ट्रीय राजमार्ग–22 से 90 डिग्री के कोण पर स्थित है। यह केंद्र इस समय सोमवार से शनिवार सायं 4:00 बजे से 8:00 बजे तक और रविवार को सायं 6:30 बजे से क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रसारित कर रहा है।

2010–11 के दौरान गतिविधियाँ :–

क) अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव : दूरदर्शन केंद्र, शिमला ने जिला प्रशासन के साथ समन्वय करते हुए 2 जून से 6 जून, 2010 के दौरान रिज, द माल, शिमला में अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव का आयोजन किया। प्रतिदिन सायं 7:00 बजे से 8:00 बजे तक एक घंटे के लाइव शो का प्रसारण किया गया जबकि सायं 7:00 बजे से मध्य रात्रि तक विभिन्न प्रस्तुतियों की रिकार्डिंग प्रसारित की गई।

ख) भाषा और संस्कृति विभाग, हिमाचल प्रदेश के सहयोग से 22 और 23 जुलाई, 2010 को "श्रावणोत्सव" नामक एक लोक/सुगम संगीत समारोह आयोजित किया गया। यह दोनों दिन ऐतिहासिक गेटी थियेटर शिमला में दर्शक आधारित प्रस्तुति थी। यह कार्यक्रम रिकार्ड करके डीडी भारती और डीडी शिमला चैनलों पर प्रसारित किया गया।

ग) चारू कैसल फाउंडेशन, शिमला ने दूरदर्शन शिमला तथा भाषा और संस्कृति विभाग, शिमला के सहयोग से गेटी थियेटर शिमला में 28.09.10 से 03.10.10 तक अखिल भारतीय महिला लोक नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की।

घ) क्वीनस बेटन रिले : राष्ट्र मंडल खेलों के संबंध में दिनांक 05.07.2011 को क्वीन्स बेटन के आगमन की रिकार्डिंग की गई। डीडी स्पोर्ट्स पर सायं 7:00 बजे से 9:00 बजे तक दूरदर्शन शिमला द्वारा रिज, द माल, शिमला से क्वीन्स बेटन रिले के सीधे प्रसारण की व्यवस्था की गई। राज्य में बेटन के आगमन की टीवी रिपोर्टों का भी प्रसारण किया गया।

ङ) 31 दिसम्बर, 2010 को रात 9:00 बजे से 10:00 बजे तक नव वर्ष की पूर्व संध्या पर विशेष लोकप्रिय कार्यक्रम 'वाह जी वाह' का प्रसारण किया गया जिसमें हिमाचल प्रदेश के प्रमुख कलाकारों ने भाग लिया।

च) दूरदर्शन केंद्र, शिमला के सहयोग से गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने 16 तथा 17 मार्च, 2011 को संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा संगोष्ठि एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जिसमें संपूर्ण भारत से गणमान्य प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर दूरदर्शन केंद्र, शिमला ने एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसकी सभी ने सराहना की।

छ) नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन दूरदर्शन केंद्र, शिमला के सहयोग से दिनांक 16.03.11 को सीपीआरआई, शिमला के सभागार में किया गया।

ज) दिनांक 20 से 26 मार्च, 2011 तक कुल्लू में संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली तथा भाषा एवं संस्कृति विभाग, हिमाचल प्रदेश द्वारा संयुक्त रूप से लोक एवं परंपरागत मंचन कला समारोह का आयोजन किया गया। दूरदर्शन शिमला ने संपूर्ण समारोह को रिकार्ड किया तथा इसका प्रसारण किया। इस समारोह में हिमाचल प्रदेश के सभी बारह जिलों के सुप्रसिद्ध लोक कलाकारों ने भाग लिया।

इन कार्यक्रमों के अतिरिक्त जन्म दिवस, पुण्य तिथि और समारोहों से जुड़े जिन अन्य विशेष कार्यक्रमों का प्रसारण इस अवधि के दौरान किया गया वे इस प्रकार हैं :–

1. अंतर्राष्ट्रीय लवी मेला पर टीवी रिपोर्टों का प्रसारण दिनांक 02.12.10 तथा 06.12.10 को किया गया।
2. रेणुका मेला पर टीवी रिपोर्टों का प्रसारण दिनांक 13 तथा 15 दिसम्बर 2010 को किया गया।
3. विंटर कार्निवल मनाली पर टीवी रिपोर्टों का प्रसारण दिनांक 7, 9 तथा 10 फरवरी, 2011 को किया गया।
4. अंतर्राष्ट्रीय मंडी शिव रात्रि पर टीवी रिपोर्टों का प्रसारण दिनांक 7, 11 तथा 14 मार्च, 2011 को किया गया।

विभिन्न स्रोतों से विज्ञापन से प्राप्त आय इस प्रकार हैं :–

सरकारी स्रोत	:	₹ 86.79 लाख
अन्य	:	₹ 19.46 लाख
कुल	:	**₹ 106.25 करोड़**

दूरदर्शन चंडीगढ़

दूरदर्शन केंद्र, चंडीगढ़ का उद्घाटन 28 अप्रैल, 2001 को किया गया था। दूरदर्शन केंद्र, चंडीगढ़ की क्षेत्रीय सेवा की शुरुआत मई 2001 से हुई जब दूरदर्शन केंद्र, जालंधर की डीडी क्षेत्रीय सेवा के सिग्नलों को डीडी चंडीगढ़ के 500 वाट के ट्रांसमीटर से प्रसारित किया गया। डीडी मेट्रो और क्षेत्रीय सेवा की औपचारिक शुरुआत 3 सितम्बर, 2001 को हुई जब कार्यक्रमों का निर्माण स्थानीय स्तर पर करके सायं 6:00 बजे से आधे घंटे के लिए उनका प्रसारण किया जाने लगा। स्थानीय प्रसारण की अवधि को सोमवार से शुक्रवार तक सप्ताह के पाँच दिनों के लिए बढ़ाकर एक घंटे के लिए अर्थात सायं 6:00 बजे से 7:00 बजे तक के लिए कर दिया गया। इसके बाद 24 अप्रैल, 2006 से प्रसारण अवधि को सोमवार से शुक्रवार तक सप्ताह के पाँच दिनों के लिए बढ़ाकर दो घंटे के लिए अर्थात सायं 5:00 बजे से 7:00 बजे तक कर दिया गया। दूरदर्शन चंडीगढ़ का कवरेज क्षेत्र 25 कि.मी. (चंडीगढ़ और आसपास के क्षेत्र) है।

दूरदर्शन केंद्र, चंडीगढ़ से दिनांक 24 अप्रैल, 2006 से स्थानीय समाचार बुलेटिन प्रारंभ किया गया जब यहाँ पर समाचार एकांश की स्थापना की गई। मंगलवार और बृहस्पतिवार को शाम 5:45 बजे तथा शुक्रवार को शाम 5:30 बजे हिंदी समाचार का प्रसारण किया जाता है तथा सोमवार और बुधवार को सायं 5:30 बजे पंजाबी भाषा में समाचारों का प्रसारण किया जाता है। मंगलवार, बृहस्पतिवार और शुक्रवार को हिंदी समाचार का सीधा प्रसारण किया जाता है तथा इसे 'राज्यों के समाचार' कार्यक्रम के तहत डीडी न्यूज़ चैनल पर दिखाया जाता है।

केंद्र की उपलब्धियां :–

1. पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ में 10 नवम्बर 2010 को आयोजित दूरदर्शन के स्वर्ण जयंती समारोह का प्रसारण किया गया।
2. नव वर्ष के अवसर पर दूरदर्शन केंद्र के परिसर में आमंत्रित दर्शकों के समक्ष 'फुलकारी 2011' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

दूरदर्शन संबलपुर

01 अगस्त 1975 से 31 जुलाई 1976 तक उड़ीसा राज्य में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने इसकी शुरुआत की थी। बाद

में एक कि.वाट पावर के स्थलीय ट्रांसमीटर को वीएचएफ बैंड–III पर संबलपुर में संस्थापित किया गया और 30 अप्रैल, 1978 से नियमित प्रसारण की शुरुआत हुई। वर्ष 2000 में ट्रांसमीटरों का उन्नयन किया गया। डीडी नेशनल के कार्यक्रमों को प्रसारित करने के साथ–साथ स्थानीय कार्यक्रम के लिए 15 मिनट के कार्यक्रम रिकार्ड करके ट्रांसमीटरों के माध्यम से प्रसारित किए जाते थे। इसके साथ ही प्रसारण के लिए कटक से भी रिकार्ड किए हुए कार्यक्रम प्राप्त किए जाते थे। स्थानीय स्तर पर निर्मित इनमें से अधिकांश कार्यक्रम कृषि, लोक संस्कृति, महिला एवं बाल विकास आदि से जुड़े होते हैं।

सामान्य कार्यक्रम सप्ताह में दो दिन अर्थात सोमवार और बृहस्पतिवार को सायं 5:02 बजे से 5:30 बजे तक दिखाया जाता है। संबलपुरी नृत्य/गीत, लोक गीत, लोक नृत्य, पर्यावरण–पर्यटन पर कार्यक्रम और इस क्षेत्र की संस्कृति के विभिन्न पहलू इन कार्यक्रमों में सम्मिलित रहते हैं। सोमवार से शुक्रवार तक सायं 5:30 बजे से 6:00 बजे तक के लिए नैरोकास्टिंग किसान कार्यक्रमों का निर्माण और प्रसारण किया जाता है। अप्रैल, 2006 में डीडी किसान के प्रसारण का क्लस्टर मोड में विस्तार किया गया जिसे अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, कुचिंडा, रैराखोल, बारगढ़ तथा सुंदरगढ़ से एक साथ प्ले बैक किया जाता है।

भारत के प्रधान मंत्री का 'भारत निर्माण' नामक बारह सूत्री फ्लैगशिप कार्यक्रम 6 जून 2008 से प्रारंभ किया गया।

नव वर्ष, नौनखाई, भैजीयूनटिया, दशहरा, स्वतंत्रता दिवस और होली जैसे अवसरों पर विशेष कार्यक्रमों का निर्माण और प्रसारण इस केंद्र से किया जाता है। स्वास्थ्य और स्वच्छता, खेल–कूद, लोक संस्कृति और बच्चों से संबंधित कार्यक्रम यहाँ पर लोकप्रिय हैं। सभी कार्यक्रम प्रत्येक शनिवार को 6.30 बजे डीडी–1, डीडी 6, डीटीएच पर डीडी भुवनेश्वर से प्रसारित किए जाते हैं।

इस केंद्र के दो कार्यक्रमों को अखिल भारतीय स्तर पर दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार 2010 प्रदान किए गए। वृत्तचित्र वर्ग में 'पक्षीर नीड़' (पक्षियों के घोंसले) और नृत्य वर्ग में 'पचिम सुर' (पश्चिमी उड़ीसा का ताल) को सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम घोषित किया गया। साथ ही इस केंद्र के एक कार्यक्रम "ग्रीन माइंड, ग्रीन एक्शन" को कॉमनवेल्थ प्रसारण संघ, लंदन के विज्ञान कार्यक्रम एवं रिपोर्टिंग श्रेणी की अंतिम सूची में स्थान मिला।

दूरदर्शन जालंधर

अमृतसर में 29 सितम्बर, 1973 को डीडी–I क्षेत्रीय चैनल का शुभारंभ किया गया था। बाद में इसे 13 अप्रैल, 1979 को स्थानांतरित कर जालंधर से शुरु किया गया। दूरदर्शन केंद्र, जालंधर की आधारशिला 27 अप्रैल, 1975 को रखी गई थी। यहां दिनांक 01.06.1981 को स्टुडियो परिसर से 4 कि.मी. की दूरी पर जालंधर–नकोदर मार्ग पर स्थित खुर्ला किंगरा गाँव में 10 किलोवाट के ट्रांसमीटर की संस्थापना के बाद पूर्णतः कार्य प्रारंभ हुआ। वर्ष 2010–11 के दौरान निर्मित 61.89% कार्यक्रम इन–हाउस और कमीशंड श्रेणी के तथा 31.48% प्रायोजित श्रेणी के हैं। पंजाबी कार्यक्रमों के अतिरिक्त हिंदी और उर्दू में भी कुछ कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं। इस क्षेत्रीय चौनल के संबंध में अन्य ब्यौरे इस प्रकार हैं :

पंजाब में कवरेज क्षेत्र	–	99.9% (पंजाब में प्राथमिक सेवा क्षेत्र में 85 कि.मी. की परिधि में)। (हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, संघ राज्यक्षेत्र चंडीगढ़ और जम्मू के कुछ भागों को भी कवर करता है)
जनसंख्या कवरेज	–	99.9%

10 केवी के ट्रांसमीटर की संस्थापना के साथ 25 जून, 1994 को डीडी न्यूज़ चैनल का उद्घाटन किया गया जो प्राथमिक सेवा क्षेत्र में 50 कि.मी. की परिधि को कवर करता है। इस चैनल पर चौबीसों घंटे समाचार और सामयिक कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं।

दूरदर्शन रायपुर

ग्रामीणों के लिए कार्यक्रम प्रसारित करने के उद्देश्य से 1 कि.वा. के उच्च शक्ति टीवी ट्रांसमीटर की संस्थापना एवं शुभारंभ होने के साथ सन् 1977 में दूरदर्शन केंद्र, रायपुर की शुरुआत की गई थी। यह केंद्र नई दिल्ली में तैयार और रिकार्ड किए गए कार्यक्रमों का 2 घंटे प्रसारण किया करता था। दिनांक 1.6.1985 से दूरदर्शन केंद्र के कार्यक्रमों को उपग्रह के माध्यम से प्राप्त कर उन्हें रायपुर में रिकार्ड करके बाद में निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप उनका प्रसारण किया जाता था। 1.6.1987 से यह केंद्र दूरदर्शन केंद्र, दिल्ली के सभी कार्यक्रमों को उपग्रह के माध्यम से रिले करने लगा। इस केंद्र ने 7.4.1989 से आधे घंटे की अवधि के एक साप्ताहिक कार्यक्रम का प्रसारण प्रारंभ किया। धीरे–धीरे केंद्र से प्रसारण की अवधि और दिवसों में बढ़ोतरी होती गई। 17.8.1998 से केंद्र ने 90 मिनट का स्थानीय प्रसारण प्रारंभ किया। यह प्रसारण सप्ताह के पाँच दिन सोमवार से शुक्रवार तक किया जाता था जिसमें 20–25 मिनट के कृषि कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण किया जाता था। दूरदर्शन केंद्र, रायपुर के क्षेत्रीय समाचार एकांश का शुभारंभ 20 सितम्बर, 2002 को किया गया था।

सितम्बर, 2002 में डिजिटल भू–केंद्र (अर्थ स्टेशन) की शुरुआत हुई और इसी के साथ छत्तीसगढ़ राज्य के लिए क्षेत्रीय सेवा तथा क्षेत्रीय समाचारों की शुरुआत हुई। 6 फरवरी 2006 से इस केंद्र की क्षेत्रीय प्रसारण अवधि बढ़ा दी गई। इस समय यह केंद्र सोमवार से शनिवार तक प्रत्येक दिन 4 घंटे का क्षेत्रीय प्रसारण तथा प्रत्येक रविवार को 90 मिनट का प्रसारण करता है। वर्तमान में यह एकांश सायं 7:00 बजे से 7:15 बजे तक के एक समाचार बुलेटिन का निर्माण करता है।

दूरदर्शन केंद्र, रायपुर ने वित्तीय वर्ष 2010–11 के दौरान ₹ 716432/– (मात्र इकहत्तर लाख छः हजार चार सौ बत्तीस ₹) की आय विज्ञापन से अर्जित की है।

वर्ष 2010–11 के दौरान केंद्र की गतिविधियां इस प्रकार रहीं :

- 15 सितम्बर को दूरदर्शन स्थापना दिवस के अवसर पर आमंत्रित दर्शकों के समक्ष विशेष कार्यक्रम की व्यवस्था की गई।
- नव वर्ष की पूर्व संध्या पर विशेष कार्यक्रम का निर्माण करके प्रसारण किया गया।
- अभिलेखागार तथा प्रसारण के उद्देश्य से प्रसिद्ध लेखक विनोद कुमार शुक्ल पर एक कार्यक्रम रिकार्ड किया गया। स्टूडियो में एक कवि सम्मेलन भी रिकार्ड किया गया।

'पंचायती राज' पर सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम के निर्माण तथा प्रसारण के लिए भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय ने दूरदर्शन केंद्र, रायपुर को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया।

दूरदर्शन पुदुच्चेरी

इस केंद्र का शुभारंभ 15 अगस्त, 1992 को किया गया था। वर्तमान में सप्ताह के पाँच दिन (सोमवार से शुक्रवार तक) शाम 5:00 बजे से 7:00 बजे तक के लिए दो घंटे के कार्यक्रमों का प्रसारण स्थलीय मोड में किया जा रहा है। 27 मई, 2010 से (बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर) इस प्रसारण अवधि में आधे घंटे की वृद्धि की गई। पुदुच्चेरी में आयोजित महत्वपूर्ण आयोजनों को फीड के माध्यम से दूरदर्शन समाचार, दूरदर्शन केंद्र, चेन्नै भेजा जाता है। 26 मई, 2010 तक इस केंद्र का स्थानीय प्रसारण समय 1730 से 1900 बजे तक था लेकिन 27 मई, 2010 से यह प्रसारण 1700

बजे से 1900 बजे तक हो गया है। इस केंद्र ने विज्ञापनों से ₹ 5,19,085/– का राजस्व अर्जित किया है।

दूरदर्शन की स्वर्ण जयंती के अवसर पर केंद्र ने 15 सितम्बर, 2010 को कंबन कलाई अरंगम, पुदुच्चेरी में आमंत्रित दर्शकों के समक्ष एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया।

पुदुच्चेरी एड्स नियंत्रण सोसायटी द्वारा प्रायोजित तथा दूरदर्शन केंद्र, पुदुच्चेरी द्वारा इन–हाउस निर्मित स्वास्थ्य कार्यक्रम के प्रसारण के लिए प्रत्येक शनिवार को डीडी–पोढ़िगै पर दोपहर बाद 1.15 बजे से 1.40 बजे तक का समय केंद्र को आबंटित किया गया है। दर्शक डीडी, पुदुच्चेरी के कार्यक्रमों का आनंद उपग्रह चैनलों पर ले सकें, इसके लिए हर माह के चौथे बृहस्पतिवार को डीडी–पोढ़िगै चैनल पर केंद्र को बाल कार्यक्रमों हेतु समय आबंटित किया जाता है।

उपर्युक्त कार्यक्रमों के अतिरिक्त तमिल नव वर्ष, दिवाली, क्रिस्मस, नव वर्ष, पोंगल उत्सव के अवसर पर और अन्य विशेष कार्यक्रमों की रिकार्डिंग भी केंद्र द्वारा की गई है।

दूरदर्शन राजकोट

स्थानीय केंद्र के रूप में दूरदर्शन राजकोट ने 30 अगस्त 1984 से कार्य आरंभ किया। यह केंद्र सायं 5:00 बजे से 6:00 बजे तक सप्ताह में पांच दिन अर्थात सोमवार से शुक्रवार केवल एक घंटे का प्रसारण करता है। सभी कार्यक्रम 100% इन हाउस निर्मित होते हैं और गुजराती भाषा में होते हैं। यह क्षेत्रीय भाषा उपग्रह सेवा पर तथा स्थलीय मोड में प्रसारण के लिए डीडी गिरनार को एक घंटे के कार्यक्रम और क्षेत्रीय समाचार एकक पर यथापेक्षित योगदान देता है। केंद्र में क्षेत्रीय समाचार एकक नहीं है । केंद्र ने विभिन्न स्त्रोतों से ₹ 6,88,960/– का कुल राजस्व अर्जित किया है।

प्रमुख पहलों और उपलब्धियों सहित केंद्र के कार्यकलाप :–

1. अरविंद भाई मनियार हाल में साहित्य अकादमी और आकाशवाणी राजकोट द्वारा 'स्वर्णिम गुजरात' पर कविता पाठ के साहित्यिक कार्यक्रम का प्रसारण किया गया।
2. 'अस्मिता पर्व' के दौरान मोरारी बापू द्वारा तलगाजर्दा, महुआ में अनुभवी संगीत कलाकारों, चित्रकारी के कलाकारों को 'हनुमंत पुरस्कार' देने संबंधी साहित्यिक कार्यक्रम का प्रसारण किया।
3. 64वें स्वतंत्रता दिवस पर राजकोट में राज्य स्तर के समारोहों पर एक विशेष कार्यक्रम निर्मित और प्रसारित किया गया।
4. सौराष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित सौराष्ट्र के इंटर–कालेज विद्यार्थियों के लिए 'चट सवाल पट जबाव' एक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम की अंतिम कड़ी आमंत्रित दर्शकों के समक्ष रिकार्ड की गई जिसके लिए एक विनोदपूर्ण कार्यक्रम 'रंग जमावो' भी आयोजित किया गया।
5. निम्न विषयों पर लाइव–फोन इन कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया।
   (i) अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस
   (ii) भूसंपदा के क्रय संबंधी हिदायतें जिसमें जिला कलक्टर ने दर्शकों के प्रश्नों के उत्तर दिए।

दूरदर्शन डिब्रूगढ़

केंद्र स्वयं असमिया, हिंदी, अंग्रेजी भाषाओं तथा स्थानीय बोलियों में इन हाउस कार्यक्रमों का निर्माण करता है। वाणिज्यिक कार्यक्रमों के अलावा हिंदी और असमिया भाषाओं में सरकारी और प्राइवेट प्रायोजित कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है। वर्ष 2010–11 में इस केंद्र द्वारा अर्जित कुल राजस्व 10 लाख रुपए है। क्षेत्र की सभी महत्वपूर्ण गतिविधियों को कवर करके एक साप्ताहिक समाचार पत्रिका का नियमित प्रसारण किया जाता है। नए कार्यक्रम जैसे 'हैलो डॉक्टर', मुक्त मंच (किसी ज्वलंत मुद्दे पर दर्शकों के साथ वार्तालाप), 'हैलो मुर्चना' 'मुखा मुखी' जैसे अन्य कार्यक्रम भी शुरु किए गए जो दर्शकों के बीच

लोकप्रिय हो रहे हैं। सरकार द्वारा प्रायोजित 'अग्रणी' कार्यक्रम जो कि सूचनाप्रद और शिक्षाप्रद होते हैं, भी प्रसारित किए जाते हैं। 2010 में 'रंगोर सुभाष' कार्यक्रम को टीवी शो कार्यक्रम श्रेणी में डीडी अवार्ड्स के लिए नामित किया गया था।

दूरदर्शन गंगटोक

केंद्र स्थलीय मोड में और अधिकतर नेपाली भाषा में 30 मिनट के कार्यक्रम प्रसारित करता है। ये मुख्यतः ईएनजी कैमरा से रिकार्ड किए गए फिल्ड आधारित कार्यक्रम होते हैं और कुछेक स्टूडियो में रिकार्ड किए जाते हैं। वर्ष 2010–11 में केंद्र का कोई विज्ञापन राजस्व नहीं था क्योंकि केंद्र की पहुंच लगभग 30 कि.मी. के क्षेत्र पूर्वी सिक्किम तक ही सीमित है जिसमें गंगटोक शामिल है और शहर में कोई वाणिज्यिक संस्थापना नहीं है। वर्ष 2010–11 में केंद्र की गतिविधियां निम्नानुसार रहीं :

1. राष्ट्रमंडल खेल 2010 के लिए क्वींस बेटन रिले की विस्तृत कवरेज की गई।
2. आल इंडिया गवर्नर्स गोल्ड कप फुटबाल टूर्नामेंट की कवरेज।
3. गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री के संदेश का प्रसारण।
4. 'कृषि विस्तार को जनसंचार समर्थन' योजना के अंतर्गत फसल सेमीनार आयोजित किया।
5. डीडी नेशनल और डीडी गुवाहाटी को नियमित रूप से न्यूज़ फीड भेजी जाती है।

दूरदर्शन लेह

11500 फीट की ऊंचाई पर स्थित दूरदर्शन केंद्र, लेह वर्ष 2002 में लद्दाख क्षेत्र के लोगों की अपेक्षाओं की पूर्ति करने हेतु अस्तित्व में आया। इस समय केंद्र सप्ताह में पांच दिन सोमवार से शुक्रवार को सायं 6 बजे से 7 बजे तक एक घंटे का कार्यक्रम प्रसारित कर रहा है। कार्यक्रम सभी फार्मेटों में प्रसारित किए जाते हैं जिनमें टेली धारावाहिक, टेली फिल्में, वार्ताएं और परिचर्चाएं शामिल हैं। इनमें से अधिकतर कार्यक्रम बोधी, बाल्टी और तिब्बती भाषा में बनाए जाते हैं। केंद्र सायं 7:15 बजे से 7:30 बजे तक उर्दू समाचार और प्रातः 7:00 बजे से 11 बजे तक डीडी कशीर का प्रसारण भी करता है। वर्ष 2010–11 के लिए केंद्र का विज्ञापन राजस्व 3 लाख रुपए है। दूरदर्शन केंद्र, लेह समय–समय पर डीडी न्यूज़, दिल्ली, दूरदर्शन केंद्र, श्रीनगर और जम्मू के लिए अति विशिष्ट व्यक्तियों के लेह दौरे की महत्वपूर्ण कवरेज करने के अलावा मानव अभिरूचि के कार्यक्रम बनाने में भी योगदान देता है तथा इसके अलावा श्रीनगर को प्रसारण के लिए एक साप्ताहिक समाचार पत्रिका कार्यक्रम लद्दाख डायरी भी देता है।

केंद्र के कार्यक्रम संबंधी गतिविधियां :

1. लद्दाख के समाज से जुड़े सामाजिक – आर्थिक मुद्दों के अलावा सांस्कृतिक धरोहर को प्रस्तुत करते हुए एक धारावाहिक का निर्माण किया गया।
2. भारत निर्माण चरण–II की प्रत्येक योजना के महत्व को उजागर करने हेतु नियमित रूप से कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।
3. इंडस सभ्यता की विरासत पर केंद्रित लद्दाख उत्सव और सिंघे खबास पर कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसमें उत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों और खेलकूद आयोजनों को कवर किया गया।
4. अगस्त, 2010 में लद्दाख में आई भयंकर बाढ़ के कारण क्षेत्र का जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया और करोड़ों की संपति नष्ट होने के साथ–साथ 275 से भी अधिक लोगों की मृत्यु हो गई। इस विपदा के दौरान हवाई अड्डे, आकाशवाणी, बीएसएनएल, बिजली और संचार सेवाएं ठप्प हो गईं परंतु दूरदर्शन केंद्र, लेह इन प्रतिकूल परिस्थितियों में भी डीडी न्यूज़ और दूरदर्शन केंद्र, श्रीनगर को समाचार देता रहा। इस घटना के पहले चार दिनों के दौरान केंद्र ने अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय

समाचार एजेंसियों के लिए 32 घंटों के समाचारों की फीड उपलब्ध कराई।

5. लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद के चुनाव और शपथ ग्रहण समारोह को भी कवर किया।
6. केंद्र ने हिंदी पखवाड़ा, सतर्कता सप्ताह, सद्भावना कार्यक्रमों का आयोजन किया तथा समय–समय पर अन्य स्थानीय पारंपरिक त्यौहारों की भी कवरेज की।

दूरदर्शन भवानीपटना

केंद्र ने 15.09.2004 को दूरदर्शन स्थापना दिवस के अवसर पर स्थानीय प्रसारण आरंभ किया। केंद्र जिस कृषि कार्यक्रम को 01.11.2004 से निर्मित और प्रसारित कर रहा था उसे 25.07.2005 से दूरदर्शन केंद्र, भवानीपटना और उसके पांच क्लस्टर अ. श. ट्रांसमीटरों नामतः बोलंगीर, खरियार, नौपाड़ा, नवरंगपुर और जेपोर से एक साथ प्रसारण के लिए नैरोकास्टिंग मोड में परिवर्तित किया गया जिससे इस जनजातीय क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ और स्थायी बनाया जा सके। इस समय दूरदर्शन केंद्र, भवानीपटना सोमवार और गुरुवार सायं 5:02 बजे से 6:00 बजे तक 58 मिनट के लिए तथा मंगलवार, बुधवार और शुक्रवार को सायं 5.30 बजे से 6.00 बजे तक 30 मिनट का कार्यक्रम अर्थात् प्रत्येक सप्ताह कुल 3 घंटे 26 मिनट के स्थानीय कार्यकमों का प्रसारण कर रहा है। वर्ष 2010–11 के दौरान स्थानीय चौनल के लिए इन–हाउस कार्यक्रमों की प्रायोजकता और अपने घरेलू उपयोग के लिए असंपादित वीडियो/फुटेज की बिक्री से विज्ञापन अर्जन ₹ 26,052/– है।

व्यापक पहुंच के लिए दूरदर्शन केंद्र, भवानीपटना भुवनेश्वर द्वारा डीडी–1 पर शनिवार को प्रातः 6:00 बजे से 6:30 बजे तक प्रसारण के लिए 30 मिनट के कार्यक्रम का नियमित रूप से योगदान देता है। इसके अतिरिक्त यह केंद्र क्षेत्रीय भाषा उपग्रह सेवा डीडी–6 पर प्रसारण के लिए भी कार्यक्रमों का योगदान देता है। अविभाजित केबीके क्षेत्र के सभी प्रमुख समाचार आयोजनों को कवर किया जाता है और राज्य और देश भर में प्रसारण के लिए इसे आरएनयू भुवनेश्वर भेज दिया जाता है। यह केंद्र नई दिल्ली में दूरदर्शन के केंद्रीय अभिलेखागार को अभिलेखीय महत्व के कार्यक्रम नियमित रूप से भेजता है।

वर्ष 2010–11 के दौरान प्रस्तुत किए गए कार्यक्रम निम्नानुसार हैं :

- मार्च 2011 में विशेष संगीत कार्यक्रम
- अग्रणी/भारत निर्माण/अन्य कार्यक्रम।
- विशेष कार्यक्रम (संगीत/दूरदर्शन स्थापना दिवस/नव वर्ष कार्यक्रम आदि)

दूरदर्शन पुणे

यह एक कार्यक्रम निर्माण सुविधा केंद्र है और केंद्र का प्रमुख कार्य कृषि कार्यक्रमों का निर्माण और प्रसारण करना है। ये सभी कार्यक्रम कृषि मंत्रालय प्रायोजित करता है। ये कार्यक्रम सायं 6:00 से 6:30 बजे तक (सोमवार से शुक्रवार) उच्च शक्ति ट्रांसमीटर, पुणे तथा अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, मनगांव, कराड़, सांगली, कोल्हापुर (महाराष्ट्र राज्य) से प्रसारित किए जाते हैं। सप्ताह में दो नए कार्यक्रम और तीन रिपीट कार्यक्रम दिखाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, दूरदर्शन केंद्र, पुणे सप्ताह में दूरदर्शन केंद्र, मुंबई (सह्याद्रि चैनल के उपग्रह और स्थलीय नेटवर्क) को दो कृषि कार्यक्रमों को योगदान देता है। भाषा प्रमुखतः मराठी होती है। नेशनल नेटवर्क को केंद्र का योगदान हिंदी/अंग्रेजी में होता है।

केंद्र प्रत्येक वर्ष नैरोकास्टिंग मोड में 104 नए कृषि कार्यक्रमों का निर्माण करता है। भारत सरकार का कृषि मंत्रालय प्रसार भारती निगम को प्रति कार्यक्रम ₹ 1,00,000/– प्रदान कर रहा है। केंद्र द्वारा अर्जित राजस्व 1 करोड़ 4 लाख रूपए हैं। इसके अतिरिक्त केंद्र ने प्रमुखतः इन–हाउस प्रायोजित कार्यक्रमों और इच्छुक पार्टियों को सीडी के विक्रय से ₹ 10,00,000/– (केवल

दस लाख) का राजस्व अर्जित किया है।

दूरदर्शन तुरा

दूरदर्शन केंद्र, तुरा ने प्रयोग के आधार पर 26 जनवरी 1993 से कार्य आरंभ किया था । इसके बाद इसे 21 मई 1993 को कमीशन किया गया और स्थानीय कार्यक्रमों का प्रसारण 31 मई 1993 से शुरु किया गया। इसके बाद 16 दिसंबर 1995 को डीडी–2 और 19 अगस्त 2000 को मेट्रो एचपीटी का उद्घाटन हुआ। इस समय केंद्र का प्रसारण समय सोमवार से शुक्रवार तक सायं 5.30 बजे से 7.45 बजे है जिसमें सायं 7.15 बजे से 7:30 बजे तक न्यूज़ ब्रेक अप रहता है। दूरदर्शन केंद्र, शिलांग से सायं 7:45 बजे से 8:00 बजे सायं तक प्रसारित (31 दिसंबर 2010 की स्थिति अनुसार) 'सिटी स्कैन' रिले किया जाता है।

अधिकांश कार्यक्रम गारो भाषा में होते हैं जिनमें हाजोंग, रावा, कोच और बोड़ो लोक संगीत/नृत्य शामिल होता है। यह केंद्र बंगाली, हिंदी, असमिया और नेपाली भाषाओं में अग्रणी कृषि कार्यक्रमों का भी निर्माण करता है। केंद्र के 90% कार्यक्रम गारो भाषा के होते हैं। वर्ष 2010–11 के दौरान केंद्र ने डीसीडी से ₹ 7,81,999/– और इन–हाउस निर्माण से ₹ 45,180/– का राजस्व प्राप्त किया।

केंद्र ने वर्ष 2010 के दौरान डालू में ग्रामीण कंसर्ट का निर्माण और प्रसारण किया जो केंद्र की एक बड़ी उपलब्धि है।

दूरदर्शन वारंगल

वारंगल में 10 कि.वा. के एनईसी टीवी उच्च शक्ति ट्रांसमीटर की स्थापना होने से पहले 02.08.1984 से 02.12.2001 तक 100 वाट का एक बीईएल 131 वीएचएफ चैनल : 6 अल्प शक्ति ट्रांसमीटर कार्य कर रहा था। बाद में इस अल्प शक्ति ट्रांसमीटर को 10 कि.वा. के उच्च शक्ति ट्रांसमीटर में अपग्रेड कर दिया गया जिससे डीडी नेशनल और क्षेत्रीय सेवा (डीडी सप्तगिरि) की स्थलीय कवरेज 70 कि.मी. तक पहुंच गई तथा इससे वारंगल शहर और आस–पास के क्षेत्र की आवश्यकताएं पूरी हो गईं। उच्च शक्ति ट्रांसमीटर वारंगल अधिकारिक तौर पर 03.12.2001 से कार्यशील है और औपचारिक तौर पर इसका उद्घाटन 16.06.2002 को किया गया था। दूरदर्शन स्टूडियो का उद्घाटन 14.04.2005 को किया गया था। शुरु में यह दूरदर्शन अनुरक्षण केंद्र, वारंगल के प्रशासनिक नियंत्रण में था जिसे इस वित्तीय वर्ष के मध्य में इसे दूरदर्शन केंद्र हेतु स्थापना के अधीन कर दिया गया।

वर्ष के विशेष कार्यक्रम :–

- उगाड़ी उत्सव के अवसर पर राजेंद्र एंड पार्टी द्वारा विशेष नृत्य कार्यक्रम
- गुड फ्राइडे के विशेष अवसर पर स्वर मिनिस्ट्रीज के सदस्यों द्वारा गीत गाए गए।
- डॉ.बी. आर. अंबेडकर की जयंती पर के. भास्कर एंड पार्टी द्वारा एक विशेष गीत।

दूरदर्शन पणजी (गोवा)

गोवा में दूरदर्शन के कार्यक्रमों का प्रसारण 01 कि. वा. के ट्रांसमीटर के माध्यम से 19 नवम्बर, 1982 से प्रारंभ किया गया था। इसे बाद में 28 नवम्बर 1986 को अपग्रेड करके 10 कि. वा. का कर दिया गया जिससे गोवा के संपूर्ण क्षेत्र में दूरदर्शन के कार्यक्रम उपलब्ध होने लगे। 23 जून, 1990 से अप्रैल 1994 की अवधि में स्थानीय कार्यक्रमों के निर्माण तथा उनकी प्रसारण की अवधि 30 मिनट से बढ़ाकर 60 मिनट की कर दी गई। मराठी कार्यक्रमों की शुरूआत (मराठी कार्यक्रमों सहित कुल प्रसारण अवधि 75 मिनट) अक्टूबर 1996 से हुई। भू–उपग्रह केंद्र की स्थापना 19 फरवरी 2003 को की गई तथा और अधिक कार्यक्रमों के निर्माण संबंधी आवश्यकता को देखते हुए 19 दिसम्बर 2008 को अतिरिक्त स्टूडियो संबंधी सुविधाओं की स्थापना की गई। इस केंद्र को विज्ञापनों द्वारा 10 लाख रुपए का राजस्व अर्जित करने का लक्ष्य दिया गया था जो आंशिक रूप से प्राप्त कर

लिया गया। यहाँ से प्रसारित कुछ कार्यक्रमों की झलकियां इस प्रकार हैं :–

- अग्रणी कार्यक्रम (फ्लैगशिप प्रोग्राम): भारत सरकार ने समाज के कमजोर वर्गों के लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं बनाई हैं। केंद्र द्वारा इन योजनाओं को जन–जन तक पहुँचाने का कार्य इन पर कार्यक्रमों के निर्माण द्वारा किया जा रहा है। प्रति शुक्रवार सांय 6.00 बजे इन कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है।
- स्वास्थ्य कार्यक्रमः वाईजूकी मालार – यह साप्ताहिक कार्यक्रम स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आधारित है। स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के अलावा, शल्यक्रिया का सीधा प्रदर्शन, चिकित्सा के क्षेत्र में प्रयोग में लाए जाने वाले आधुनिकतम उपकरणों के उपयोग एवं सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं पर इसमें रोशनी डाली जाती है। इसके अंतर्गत एड्स जागरूकता, कुष्ठरोग निवारण एवं जीवाणु जनित व्याधियों पर महत्वपूर्ण कार्यक्रम प्रसारित किए गए।
- सार्वभौतिनीः यह कार्यक्रम गोवा और उसके आस–पास की सामजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों पर आधारित है। इस साप्ताहिक सामाजिक–सांस्कृतिक पत्रिका कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस, नौ सेना अकादमी पासिंग आउट परेड, ई–गर्वनेंस की शुरूआत, बृहद वृक्षारोपण अभियान को ईएनजी यूनिट द्वारा कवर किया गया।
- भारत का अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहः गोवा इस समारोह का स्थायी मेजबान है। केंद्र फिल्म समारोह के उद्घाटन एवं समापन का सीधा प्रसारण करता है। और इसके अलावा यह राष्ट्रीय नेटवर्क हेतु फिल्म समारोह की पूर्वावलोकन एवं दैनिक रिपोर्ट भी तैयार करता है।
- आजछे पाहुनेरूः गोवा एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित व्यक्तियों को विभिन्न संस्थाओं द्वारा मेहमान, व्याख्याता, प्रदर्शक के रूप में आमंत्रित किया जाता है। इन गणमान्य व्यक्तियों को केंद्र द्वारा अपने स्टूडियो में आमंत्रित किया जाता है।
- महिलाओं के कार्यक्रमः महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर साक्षात्कारों, परिचर्चाओं के माध्यम से प्रकाश डाला जाता है। महिला सप्ताह के अवसर पर प्रतिष्ठित महिलाओं, वकीलों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ वार्ताएं प्रसारित की गई थीं।
- फूलती फूलें (बाल कार्यक्रम): बाल कार्यक्रमों में कहानी सुनाना, जादू का प्रदर्शन, शिल्प प्रशिक्षण, प्रोत्साहित करने वाले विशिष्ट पर प्रहसन एवं लघु नाटिकाओं का प्रदर्शन किया जाता है।

दूरदर्शन जम्मू

इस केंद्र को वर्ष 2008 में अपलिंक करने की सुविधा प्राप्त हुई और इसके साथ ही यहाँ से प्रसारित कार्यक्रम यहाँ के पूरे क्षेत्र में, विशेषकर सीमावर्ती क्षेत्रों में जहाँ गोजरी एवं पहाड़ी भाषाएं बोली जाती हैं, देखे जाने लगे। यहाँ नियमित रूप से डोगरी, पहाड़ी, पंजाबी, उर्दू, हिंदी, कश्मीरी एवं भद्रवाही भाषाओं के कार्यक्रमों का निर्माण किया जाता है। दूरदर्शन केंद्र, जम्मू के लिए वर्ष 2010–11 को कार्यक्रम संबंधी गतिविधियों के क्षेत्र में नवजागरण का वर्ष कहा जा सकता है।

- रूथ राडे – जम्मू की सांस्कृतिक परम्परा पर 25 मिनट के एक वृतचित्र का निर्माण एवं प्रसारण किया गया।
- डोगरी साहित्य के कीर्तिस्तंभों जैसे श्री नरसिंह देव जामवाल श्री यश शर्मा, श्री मोहन सिंह पर वृत्त–नाटिकाओं का निर्माण एवं प्रसारण किया गया।
- डोगरी और उर्दू के बहामी लिसानी रवाबित, यह विषय था स्व. जितेन्द्र शर्मा स्मृति व्याख्यान का एवं यह व्याख्यान दिया गया प्रोफेसर जहूर–उद्दिन द्वारा। यह इस तरह का पहला व्याख्यान था और इसमें डीडी उर्दू ने भी आवश्यक सहयोग

दिया। इस व्याख्यान के दौरान स्व. जितेन्द्र शर्मा के जीवन एवं कृतियों पर एक वृत्तचित्र भी प्रदर्शित किया गया।

- इन कार्यक्रमों के अलावा सीमावर्ती क्षेत्रों पर कई फिल्मों का प्रसारण भी किया गया। इस श्रृंखला के अंतर्गत एक कार्यक्रम ''सरहद की गोद में'' था।
- ''धरा दे नजारे'' के अंतर्गत डुगर देश के वास्तुशिल्प पर श्रृंखला का निर्माण किया गया।
- डुगर भूमि की प्रसिद्ध लोककथा ''कुंजो चांचलू'' पर 13 कड़ियों के एक धारावाहिक का निर्माण और प्रसारण किया गया। इस धारावाहिक को दर्शकों ने खूब पसंद किया।
- नववर्ष की पूर्व संध्या पर ''वेलकम 2011'' का निर्माण एवं प्रसारण किया गया। यह संगीत का एक शानदार कार्यक्रम था।
- ''पहाड़ों नी लोकां'' पर एक धारावाहिक का निर्माण एवं प्रसारण किया गया।

दूरदर्शन मदुरै

दक्षिणी तमिलनाडु की अलग–अलग सांस्कृतिक, सामाजिक एवं बौद्धिक अभिरुचि की पूर्ति हेतु ऐतिहासिक शहर, मदुरै में 15 अगस्त 2005 को कार्यक्रम निर्माण केंद्र की स्थापना की गई। इस केंद्र में एक ही स्टूडियो है जो डिजीटल है। इस केंद्र की मुख्य गतिविधियां स्टूडियो रिकार्डिंग एवं ईएनजी है। यहाँ तैयार किए गए कार्यक्रमों को संपादन उपरांत प्रसारण हेतु दूरदर्शन केंद्र, चेन्नै भेजा जाता है। यहाँ तैयार कार्यक्रम सांस्कृतिक, धार्मिक, औद्योगिक, सामाजिक एवं बौद्धिक विषयों पर होते हैं।

अप्रैल 2010 से यहाँ निम्नलिखित स्टूडियो रिकॉर्डिंग की गई हैं :

1. श्री व्यंकटेश महात्मयमः 25–25 मिनट की अवधि की 15 कड़ियां क्रोमा कीईंग इफेक्ट सहित।
2. श्री कण्णपीड़न कधाईमुतुः 15–15 मिनट की 16 कड़ियां।
3. श्री व्यंकटेश महात्मयमः 25–25 मिनट की अवधि की 15 कड़ियां क्रोमा कीईंग इफेक्ट सहित।
4. शास्त्रीय कलातै वेंट्रा कवियाराशु कलातै वेंट्रा कवियाराशु कण्णाडसनः (कार्यक्रम का अंतिम भाग)

दूरदर्शन बरेली

दूरदर्शन केंद्र, बरेली ने 30 जून, 1995 से कार्य करना प्रारंभ किया था। इस केंद्र ने 30 जून 2010 को अपने पंद्रहवें स्थापना दिवस समारोह में आमंत्रित दर्शकों के समक्ष एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस केंद्र ने आमंत्रित दर्शकों के समक्ष एक और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम ''नज़राना–2010'' आई.एम.ए. हॉल, बरेली में प्रस्तुत किया। इस केंद्र ने वर्ष 2010–11 में केवल एक प्रायोजित कार्यक्रम ''भक्ति लहर'' के माध्यम से ₹ 1,57,509/– का राजस्व अर्जित किया।

दूरदर्शन इम्फाल

वर्ष 1982 में एशियन गेम्स के दौरान आकाशवाणी इम्फाल परिसर में 100 वा. एलपीटी की स्थापना के साथ मणिपुर में दूरदर्शन का आगमन हुआ। सितम्बर 1987 में इस एलपीटी की क्षमता बढ़ाकर इसे 1 कि.वा. का एचपीटी बना दिया गया एवं इसे पोरोम्पट स्थित दूरदर्शन केंद्र, इम्फाल के परिसर में स्थानांतरित कर दिया गया।

पहली बार 30 अप्रैल, 1993 को इस क्षेत्र के लोगों ने अपने क्षेत्रीय प्रसारण को देखा। आरंभ में यह रंगीन क्षेत्रीय प्रसारण मात्र आधे घंटे की अवधि का था। दूसरे वर्ष यह अवधि बढ़कर 45 मिनटों की हो गई एवं फरवरी 1995 तक इस केंद्र ने सप्ताह में

पाँच दिन 60 मिनटों के कार्यक्रमों का प्रसारण शुरू कर दिया। उसके बाद इस केंद्र ने 4 अप्रैल 2004 से सप्ताह में सात दिन सायं 5.30 से रात्रि 08.00 तक 2.30 घंटे के कार्यक्रमों का प्रसारण प्रारंभ कर दिया। 4 अक्टूबर, 2009 से केंद्र ने शनिवार एवं रविवार को अप. 3.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक कार्यक्रमों का प्रसारण शुरू कर दिया। इस केंद्र से सामान्यतः मणिपुरी भाषा में कार्यक्रमों का प्रसारण होता है। यह केंद्र दर्शकों के विशेष वर्ग जैसे कृषि, बाल, महिला, युवा, वरिष्ठ नागरिक, पर्यावरण संबंधी कार्यक्रमों का निर्माण करता है। वार्षिकी/जयंती संबंधी कार्यक्रमों के अलावा केंद्र ने 15 मिनटों का साप्तहिक कार्यक्रम खंड अल्पसंख्यकों एवं पिछड़े वर्गों के लिए रखा है। केंद्र द्वारा नियमित रूप से विभिन्न प्रकार के रंगारंग आदिवासी गीतों एवं नृत्यों का प्रसारण भी किया जाता है। यहाँ की बहुप्रतीक्षित समाचार सेवा संबंधी अपेक्षा की पूर्ति वर्ष 2005 में हो गई जब दूरदर्शन केंद्र इम्फाल के स्टूडियो से मणिपुरी समाचारों का सीधा प्रसारण प्रारंभ हुआ। इस समय केंद्र प्रतिदिन शाम 5.30 बजे 5 मिनटों की अवधि वाले एवं शाम 7.00 बजे 10 मिनटों की अवधि वाले दो मणिपुरी समाचार बुलेटिनों का प्रसारण कर रहा है।

यह केंद्र 24 घंटे के उत्तर–पूर्व के उपग्रह चैनल के लिए कार्यक्रम उपलब्ध कराता है। यहाँ से प्रसारित किए जाने वाले लगभग सभी कार्यक्रमों का निर्माण केंद्र द्वारा ही किया जाता है। सिर्फ कुछ कमीशंड एवं प्रायोजित कार्यक्रम ही बाहरी होते हैं।

केंद्र द्वारा सप्ताह में पांच दिन 'लोबुक मालकेई पंग्लासी' नामक 30 मिनट के लोकप्रिय कृषि दर्शन कार्यक्रम का प्रसारण किया जाता है। महत्वपूर्ण जयंतियों एवं विभिन्न समुदाय के त्योहारों पर भी यहाँ नियमित रूप से कार्यक्रम तैयार किए जाते हैं।

मणिपुर एक खेलप्रेमी राज्य है। इस केंद्र द्वारा विभिन्न खेल आयोजनों की कवरेज तथा उनके मुख्य अंशों और अन्य कार्यक्रमों का प्रसारण नियमित रूप से किया जाता है। वर्तमान में केंद्र द्वारा प्रति सप्ताह 30 मिनटों के खेल कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है।

राज्य में कानून एवं व्यवस्था संबंधी समस्याओं के होते हुए भी यह केंद्र राज्य के सुदूर भागों में आयोजित होने वाले सेना एवं अर्ध–सैनिक बलों के समारोहों की कवरेज करता है।

दूरदर्शन हिसार

इस केंद्र का उद्घाटन 1 नवम्बर 2002 को किया गया था। अपने 9 वर्षों के समय में यह लगातार हरियाणा की जनता की सेवा कर रहा है। इस अवधि में राज्य के विभिन्न जिलों से टेपों के द्वारा समाचार संकलन की प्रक्रिया को छोड़कर अब ई–मेल, एफटीपी प्रणाली द्वारा समाचार संकलन किया जा रहा है जिससे ताजा समाचार दैनिक समाचार बुलेटिन में शामिल किए जा रहे हैं। इस उपलब्धि के साथ ही डीडी हिसार द्वारा प्रसारित किए जाने वाला 15 मिनट का समाचार बुलेटिन एक नए रूप में सामने आ रहा है तथा इसमें दृश्यों सहित अधिकतम समाचार एवं जन प्रतिक्रियाओं का समावेश हो गया है। वर्ष 2010–11 में केंद्र ने विज्ञापनों के माध्यम से ₹ 13, 69, 044/– का राजस्व अर्जित किया है।

वर्ष 2010–11 के दौरान केंद्र एवं इसके विभिन्न एकांशों की पहलों एवं उपलब्धियों का विवरण इस प्रकार से है :–

1. केंद्र ने 55 मिनट के एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम 'तरंग 2011' का निर्माण किया जिसमें हरियाणा की सांस्कृतिक विरासत पर प्रकाश डाला गया था। इस कार्यक्रम का प्रसारण 31.12.2010 को नव वर्ष की पूर्व संध्या पर किया गया।
2. हरियाणा पंचायत चुनावों की राज्य के हर हिस्से से व्यापक कवरेज की गई।
3. महत्वपूर्ण तिथियों, घटनाओं एवं जयंतियों से संबंधित कार्यक्रमों जैसे कि स्वतंत्रता सेनानियों आदि पर, कार्यक्रमों का निर्माण किया गया।
4. बालिकाओं को बचाने संबंधी कार्यक्रम 'कन्या भ्रूण हत्या' एवं महिला उत्थान से संबंधित कार्यक्रम 'बंदन कुकट नगरी'

कार्यक्रमों का निर्माण किया गया।

5. मिर्चपुर की घटना एवं जाट आरक्षण आंदोलन जैसे संवेदनशील मामलों की सावधानीपूर्वक कवरेज करके समाचारों के लिए फीड नियमित रूप से डीडी न्यूज़ को भेजी गई।

6. मई 2010 में हुई फरीदाबाद एवं गुड़गांव नगर निगम चुनाव तथा 10 नगरपालिका परिषदों एवं 28 नगरपालिका समितियों के चुनावों की व्यापक कवरेज की गई। 13 जिलों के पंचायत चुनाव एवं पंचायतों के उपचुनाव को भी कवर कर उनका परिणाम समाचार बुलेटिनों में दिया गया।

7. जुलाई–अगस्त माह में हरियाणा में अचानक आई बाढ़ की व्यापक कवरेज कर नियमित रूप से उसकी फीड डीडी न्यूज़ को उपलब्ध करवाई गई।

8. जनगणना – 2011 को भी व्यापक रूप से कवर किया गया एवं समाचार बुलेटिनों में अधिकांश जिलों से इस संबंध में कथा समाचार दिए गए।

दूरदर्शन इलाहाबाद

दूरदर्शन केंद्र, इलाहाबाद की आधारशिला 1 अगस्त, 1983 को रखी गई थी तथा 2 दिसम्बर, 1984 को 10 कि. वा. का एक बीईएल ट्रांसमीटर चालू किया गया था। स्टूडियो की आधारशिला 7 जुलाई, 1990 को रखी गई थी एवं उसका उद्घाटन 11 अगस्त, 1998 को किया गया था। 1 दिसम्बर, 2000 से स्थानीय प्रसारण प्रारंभ हुआ। शुरु में इस केंद्र द्वारा तैयार किए गए कार्यक्रमों का प्रसारण दूरदर्शन केंद्र लखनऊ द्वारा किया जाता था। 1 दिसम्बर, 2005 से स्टूडियो से सीधा प्रसारण शुरू हुआ। कृषि दर्शन की नैरोकास्टिंग के लिए प्रसारण समय 17.30–1800 बजे तक का है एवं सोमवार, शनिवार एवं रविवार के अलावा स्थानीय प्रसारण का समय 1830–1900 बजे तक है।

महत्वपूर्ण गतिविधियां :

- इस केंद्र द्वारा एक सांस्कृतिक संध्या (संगीत का रंगारंग कार्यक्रम) का आयोजन दिनांक 25, 26 एवं 29 मार्च, 2011 को किया गया जिसमें उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध कलाकारों ने आमंत्रित दर्शकों के समक्ष सुगम संगीत, लोक संगीत एवं शास्त्रीय संगीत का प्रदर्शन किया।
- इस केंद्र द्वारा नैरोकास्टिंग कार्यक्रम के अंतर्गत सेमिनार (कृषि गोष्ठी) का आयोजन किया गया।
- केंद्र द्वारा भारत सरकार द्वारा जारी फ्लैगशिप कार्यक्रमों का निर्माण एवं प्रदर्शन किया गया।

वर्ष 2010–11 में केंद्र को व्यवसायिक प्रशिक्षण से ₹ 1, 75, 377.00/– (एक लाख पचहत्तर हजार तीन सौ सतहत्तर रूपए) की वाणिज्यिक आय की प्राप्ति हुई।

दूरदर्शन त्रिस्सूर

दूरदर्शन केंद्र, त्रिस्सूर ने 6 सितम्बर, 2001 को कार्य करना आरंभ किया था। यह एक पी.जी.एफ. केंद्र है। इस केंद्र द्वारा गाँधी दर्शन, कृषि कार्यक्रमों की नैरोकास्टिंग, कला एवं संस्कृति पर शोध आधारित कार्यक्रम जैसे मोहिनीअट्टम, कथाकली, मुडियेट्टू, कलामेजुतु, शाविट्टुनाटकम इत्यादि पर वृत्त–रूपक प्रसारित किए गए। 'प्रदक्षिणम्' नामक एक साप्ताहिक पत्रिका जिसमें मध्य केरल की सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को कवर किया जाता है उसका निर्माण इस केंद्र द्वारा किया जाता है एवं

प्रत्येक शनिवार को अप. 2.00 बजे दूरदर्शन केंद्र, तिरूवनंतपुरम से उसका प्रसारण किया जाता है।

वर्ष 2010–11 में महत्वपूर्ण गतिविधियां :

- हाल ही में केंद्र ने मोहिनीअट्टम की विकास–यात्रा पर 9 कड़ियों के एक वृत्त–रूपक का निर्माण किया है। दर्शकों द्वारा इस कार्यक्रम की अत्यधिक सराहना की गई क्योंकि इसमें मोहिनीअट्टम की सभी प्रतिष्ठित हस्तियों को शामिल किया गया था। इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ है।
- केंद्र द्वारा प्रतिवर्ष प्रसिद्ध चेम्बाई संगीतोत्सवम्, गुरूवयूर, की रिकार्डिंग की जाती है जिसमें सुप्रसिद्ध संगीतज्ञों द्वारा 15 मिनट से एक घंटे की अवधि तक का शास्त्रीय संगीत वादन प्रस्तुत किया जाता है। इसका प्रसारण नियमित रूप से प्रतिदिन दूरदर्शन केंद्र, तिरूवनंतपुरम द्वारा आधे घंटे के लिए किया जाता है।
- इस केंद्र द्वारा त्रिस्सूरपुरम, मंदिर महोत्सव का सीधा प्रसारण जहां दर्शकों की संख्या बढ़ा रहा है। वहीं राजस्व भी अर्जित कर रहा है। यह अप्रैल–मई के त्योहार वाले मौसम में आयोजित किया जाता है।
- गुरूवयूर से चेम्बाई संगीत समारोह एवं त्रिस्सूरपुरम का सीधा प्रसारण।

केंद्र द्वारा इन–प्लांट प्रशिक्षण के माध्यम से वर्ष 2010–11 में ₹ 18, 768/– (अठारह हजार सात सौ अड्सठ रूपए) का राजस्व अर्जित किया गया।

दूरदर्शन डाल्टनगंज

यह केंद्र दूरदर्शन के कवरेज क्षेत्र में 10.03.1991 को आया। कार्यक्रम निर्माण सुविधाओं (पी.जी.एफ.) की शुरूआत यहाँ 25.06.1995 को तत्कालीन सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री के.पी.सिंह देव द्वारा की गई एवं उसी दिन से केंद्र से सायं 6.30 से 7.00 बजे तक स्थानीय कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाने लगा। तथापि, इस केंद्र से नियमित रूप से कार्यक्रमों का प्रसारण 01. 07. 95 से प्रारंभ हुआ। कृषि कार्यक्रमों की नैरोकास्टिंग की शुरूआत 20. 01. 2004 से हुई। वर्तमान में यहाँ कार्यक्रमों का प्रसारण समय सायं 5.30 से 6.30 (सोमवार से शुक्रवार) तक है। यहाँ प्रति सप्ताह पांच घंटे के कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है और अधिकांश कार्यक्रम हिंदी तथा स्थानीय बोलियों में होते हैं।

वर्ष 2010–11 के दौरान प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का विवरण :–

वर्षगांठ कार्यक्रम :–

- विश्व रेडक्रास दिवस पर कार्यक्रम (जनसेवा में रेडक्रास का योगदान)– 07.05.10
- विश्व पर्यावरण दिवस (पर्यावरण संरक्षणः क्यों और कैसे)– 04.06.10
- विश्व जनसंख्या दिवस (छोटा परिवार समग्र विकास)– 16.07.10
- हिंदी पखवाड़ा (हिंदी भाषा की दशा और दिशा)– 14.09.2010
- विश्व नेत्रहीन पखवाड़ा – 28.10.10
- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस– 08.03.11

त्योहार/सांस्कृतिक कार्यक्रम :–

- श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर विषेश कार्यक्रमः 01.09.10 और 02. 09.10
- ईद पर विशेष कार्यक्रम (ईद मुबारक): 10.09.10

- दुर्गा पूजा पर विशेष कार्यक्रमः 15.10.10
- छठ पर विशेष कार्यक्रमः 11. 11. 10 और 12.11.10
- मुहर्रम पर विशेष कार्यक्रम (शहादत–ए–हुसैन)– 17.12.10
- शिवरात्रि पर विशेष कार्यक्रमः 02.03.11
- होली पर विशेष कार्यक्रमः 16.03.11, 17.03.11 एवं 18.03.11
- डाल्टनगंज में रेड रिबन एक्सप्रेसः 26.07.2010
- हिंदी पखवाड़ा समापन पर विशेष कविगोष्ठीः 28.09.10 एवं 30.09.10
- नववर्ष पूर्व संध्या कार्यक्रम – 31.12.10
- नववर्ष कार्यक्रम (सुस्वागतम–2011)– 03.01.11
- गणतंत्र दिवस समारोह पर टीवी रिपार्ट – 26.01.11

दूरदर्शन का वर्तमान नेटवर्क एवं सेवाएं

उपग्रह चैनल

अखिल भारतीय चैनल (7)	डी.डी.नेशनल	डी.डी.राज्यसभा	डी.डी.उर्दू	डी.डी. भारती
	डी.डी. स्पोर्टस	डी.डी. ज्ञानदर्शन	डी.डी.न्यूज़	
क्षेत्रीय चैनल (11)	डी.डी. पोढ़िगै	डी.डी. नार्थईस्ट	डी.डी.उडिया	डी.डी. बांग्ला
	डी.डी. केरलम	डी.डी. चांदना	डी.डी. गिरनार	डी.डी. पंजाबी
	डी.डी. सप्तगिरि	डी.डी. सह्याद्रि	डी.डी. कशीर	
राज्य नेटवर्क (15)	उत्तराखण्ड	अरुणाचल प्रदेश	बिहार	मिजोरम
	झारखंड	हिमाचल प्रदेश	त्रिपुरा	राजस्थान
	मेघालय	मध्य प्रदेश	मणिपुर	नागालैंड
	छत्तीसगढ़	उत्तर प्रदेश	हरियाणा	
अंतर्राष्ट्रीय चैनल (1)	डी.डी.इंडिया			
एच.डी.टी.वी. चैनल (1)	डीडीएचडी			

दूरदर्शन वर्तमान में 35 उपग्रह चैनलों का प्रचालन कर रहा है। चैनलों का विवरण इस प्रकार है :

निःशुल्क डीटीएच सेवा

देश में दूरदर्शन डीडी डायरेक्ट के अंतर्गत निःशुल्क डीटीएच सेवा (केयू बैंड) ''डीडी. डायरेक्ट +'' उपलब्ध करा रहा है। इसकी शुरुआत स्थलीय प्रसारण द्वारा कवर न किए गए क्षेत्रों को टीवी कवरेज उपलब्ध कराने के लिए की गई थी। इस समय डीटीएच प्लेटफार्म पर 56 टीवी चैनल उपलब्ध हैं। एक छोटे आकार की डिश रिसीव यूनिट की सहायता से देश में कहीं भी (अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के अलावा) सिग्नल प्राप्त किए जा सकते हैं। अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह हेतु, सी बैंड में डीटीएच

10 चैनला के बुके में उपलब्ध है।

वर्ष 2010–11 के दौरान विकास संबंधी गतिविधियां

एचडी टीवी चैनल

दूरदर्शन का एचडी टीवी उपग्रह चैनल डीडी एचडी राष्ट्रमंडल खेलों की पूर्व संध्या पर 30.09.2010 को प्रारंभ हुआ। एचडी टीवी चैनल का प्रसारण सी बैंड एवं केयू बैंड (डीटीएच) दोनों में उपलब्ध है।

राज्य नेटवर्क

ईटानगर, कोहिमा, इम्फाल में स्थित उच्च शक्ति ट्रांसमीटरों एवं अल्प शक्ति ट्रांसमीटरों से उपर्युक्त स्थानों में स्थित दूरदर्शन केंद्रों द्वारा निर्मित कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है। 15 अगस्त 2010 से उपर्युक्त राज्यों में स्थित दूरदर्शन चैनल इस प्रकार से है :

डीडी 27 कोहिमा (नागालैंड), डीडी 28 इम्फाल (मणिपुर), डीडी 29: ईटानगर (अरूणाचल प्रदेश), एचपीटी कोकराझार (स्थायी सेटअप) – कोकराझार में 150 मीटर के टावर के एंटेंना लगाकर 10 कि.वा. का ट्रांसमीटर। एचपीटी बिलासपुर 20 कि.वा. ट्रांसमीटर (यूएचएफ) ने 150 मी. टावर द्वारा कार्य करना शुरू किया (अल्प शक्ति ट्रांसमीटर के स्थान पर)

ऑटोमोड निम्न शक्ति ट्रांसमीटर (पुराने अल्प शक्ति ट्रांसमीटर के स्थान पर)

निम्नलिखित आठ आटोमोड ए अल्प शक्ति ट्रांसमीटर (1+1 के अभिविन्यास में 500 वाट की क्षमता वाले) की शुरूआत

रानीबेन्नूर (कर्नाटक), वारसी (महाराष्ट्र), गुरूदासपुर (पंजाब), डीग (राजस्थान), रामपुर डीडी न्यूज़ (उ.प्र.), मथुरा (उ.प्र.), काशीपुर (उत्तराखंड), पाली (राजस्थान)।

स्टूडियो परियोजनाएं :

निम्नलिखित स्टूडियो परियोजनाएं पूर्ण होने की स्थिति में हैं।

क. दूरदर्शन केंद्र जम्मू में अतिरिक्त स्टुडियो।

ख. दूरदर्शन केंद्र चंडीगढ़ में अतिरिक्त स्टूडियो।

ग. लेह में स्थायी स्टुडियो सेट अप।

भू उपग्रह केंद्र :

जम्मू (3 चैनल प्रणाली) में स्थायी भू उपग्रह केंद्र पूर्ण होने को है।

नई योजनाएं

डिजिटलीकरण :

अप्रैल 2010 में ₹ 620 करोड़ के परिव्यय वाली डिजिटलीकरण योजना को अनुमोदित किया गया इसकी महत्वपूर्ण परियोजनाएं इस प्रकार से है :

- 39 स्टूडियो केंद्रों का पूर्ण डिजिटलीकरण किया जाना है। (31 आंशिक रूप से एवं 8 एनालाग स्टूडियो केंद्र)
- 40 स्थानों पर अंकीकृत उच्च शक्ति ट्रांसमीटरों की स्थापना।

अंकीकृत किए जाने वाले स्टूडियो (39) का विवरण अनुलग्नक III में दिया गया है। अंकीकृत किए जाने वाले उच्च शक्ति

ट्रांसमीटरों (40) का विवरण अनुलग्नक IV में दिया गया है। उपर्युक्त परियोजनाओं पर कार्य प्रारंभ हो गया है।

डीटीएच उन्नयन

वर्तमान में डीटीएच प्लेटफार्म की क्षमता 59 टी.वी. चैनलों की है। अगस्त 2010 में डी.टी.एच. प्लेटफार्म की क्षमता 59 से बढ़ाकर 97 चैनलों तक किए जाने की 75.43 करोड़ रूपए की परिव्यय वाली योजना को अनुमोदित कर दिया गया था। उस योजना का कार्यान्वयन शुरू हो गया है एवं वर्ष 2012 तक डीटीएच प्लेटफार्म का उन्नयन कार्य पूर्ण हो जाने की उम्मीद है। इसके सभी चैनल निःशुल्क होंगे एवं दर्शकों द्वारा इस हेतु कोई शुल्क नहीं दिया जाएगा।

प्रशिक्षण

दूरदर्शन प्रसारण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास को ध्यान में रखते हुए अपने कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण पर अधिक जोर दे रहा है। भर्ती किए नए कर्मचारियों और साथ ही विद्यमान कर्मचारियों के कार्य कौशल को नई उभरती हुई प्रौद्योगिकियों के अनुरूप अपग्रेड करने के लिए अपने प्रशिक्षण संस्थानों जैसे कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान. दिल्ली, डीटीआई, लखनऊ, शिलांग, भुवनेश्वर एवं मलाड (मुंबई) स्थित क्षेत्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों और प्रबंधन कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। आईआईटी कानपुर, आईआईएम. शिलांग और अन्य बाहरी संस्थानों में भी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसके अलावा उपस्कर निर्माताओं द्वारा भी प्रशिक्षण दिया जाता है। वर्ष 2010 में लगभग एक हजार इंजीनियरिंग अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया है।

महत्वपूर्ण कवरेज

राष्ट्रमंडल खेल :

दूरदर्शन अक्तूबर, 2010 में दिल्ली में आयोजित किए गए राष्ट्रमंडल खेलों का मेजबान प्रसारक था। राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में पहली बार खेलों की पूरी कवरेज तथा उद्घाटन एवं समापन समारोह का प्रसारण एचडी टीवी फार्मेट में किया गया।

अधिकारधारक प्रसारक के रूप में दूरदर्शन ने 3.10.2010 से 17.10.2010 तक राष्ट्रमंडल खेलों की कवरेज की। भारतीय दर्शकों के लिए राष्ट्रमंडल खेल–2010 के एच.डी. कवरेज की व्यापक व्यवस्था की गई थी। एचडी एवं एसडी फार्मेट का प्रसारण क्रमशः डीडी एचडी चैनल एवं डीडी सपोर्टस चैनल पर किया गया। साथ ही साथ डीडी उर्दू एवं डीडी भारती चैनलों को भी उनमें से कुछ खेलों की फीड उपलब्ध कराई गई।

ग्वांगजू एशियन खेल :

दूरदर्शन ने ग्वांगजू में आयोजित 16वें एशियाई खेलों के अधिकारधारक प्रसारक के रूप में 12–27 नवम्बर 2010 तक 20 भारत से संबद्ध 20 खेल आयोजनों की टी.वी. कवरेज भारतीय दर्शकों तक पहुँचाई इसके अलावा उद्घाटन एवं समापन समारोहों का भी सीधा प्रसारण किया गया। इसके लिए आई.बी.सी. ग्वांगजू में दूरदर्शन द्वारा 3 कैमरा वाले स्टूडियो सेट अप, प्रोडक्शन नियंत्रण कक्ष, संपादान एवं निर्माण पश्चात स्थापना की। मास्टर स्वीचिंग कक्ष एवं फीड रिकार्ड कक्ष को स्थापित किया गया था। दूरदर्शन के चैनलों पर प्रसारण हेतु प्रथागत टीवी सिग्नल एवं भारत विशिष्ट फीड उपग्रह के माध्यम से भारत भेजी गई थी।

अन्य आयोजन

वर्ष 2010–11 में दूरदर्शन द्वारा कवर किए गए अन्य महत्वपूर्ण आयोजन इस प्रकार हैं :–

1. 15.04.10 को श्री हरिकोटा से जियो सिंक्रोनस उपग्रह का प्रक्षेपण।

2. 12.05.10 को राष्ट्रपति भवन से भारत के मुख्य न्यायाधीश के शपथ–ग्रहण समारोह का सीधा प्रसारण।

01. 06. 2010 को पिपावव शिपयार्ड का प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन

3. 23 से 27 जून 2010 तक विश्व–स्तरीय तमिल सम्मेलन का चेन्नै से सीधा प्रसारण।

4. 29.06.2010 को बाघा बार्डर से क्वीन बेटेन रैली की कवरेज।

5. 12.07.2010 को श्री हरिकोटा से पीएसएलवी के प्रक्षेपण का सीधा प्रसारण।

6. 21–22.07.2010 को भुवनेश्वर से रथ यात्रा का सीधा प्रसारण।

7. 15.08.2010 को लाल किला से स्वाधीनता दिवस का सीधा प्रसारण।

8. 6 से 8 नवम्बर 2010 तक संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति का दौरा।

9. 21.11.2010 को एयरटेल दिल्ली हाफ मैराथन।

अनुलग्नक–I

दूरदर्शन केंद्रों (स्टूडियो केंद्रों) की अवस्थिति

राज्य/संघ	स्थान
आंध्र प्रदेश	हैदराबाद
	विजयवाड़ा
	वारंगल
अरुणाचल प्रदेश	ईटानगर
असम	डिब्रुगढ़
	गुवाहाटी
गुवाहाटी (पीपीसी)	सिलचर
बिहार	पटना
	मुजफ्फरपुर
	छत्तीसगढ़
	जगदलपुर
रायपुर	गोवा
पणजी	गुजरात
	अहमदाबाद
	राजकोट
हरियाणा	हिसार
हिमाचल प्रदेश	शिमला
जम्मू और कश्मीर	श्रीनगर
	जम्मू
	लेह
	राजौरी
झारखंड	रांची
	डाल्टनगंज
कर्नाटक	बेंगलुरू
	गुलबर्गा
केरल	कालीकट
	त्रिवेंद्रम
	त्रिचूर
मध्य प्रदेश	भोपाल
	इंदौर
	ग्वालियर
महाराष्ट्र	मुंबई
	नागपुर
	पुणे

राज्य / संघ	स्थान
मणिपुर	इंफाल
मेघालय	शिलांग
	तुरा
मिजोरम	आइजोल
नागालैंड	कोहिमा
उड़ीसा	भुवनेश्वर
	भवानीपटना
	संबलपुर
पंजाब	जांलधर
	पटियाला
राजस्थान	जयपुर
सिक्किम	गंगटोक
तमिलनाडु	चेन्नै
	कोयम्बटूर
	मदुरै
त्रिपुरा	अगरतला
उत्तर प्रदेश	इलाहाबाद
	बरेली
	लखनऊ
	गोरखपुर
	मऊ
	वाराणसी
	मथुरा
उत्तराखंड	देहरादून
पश्चिम बंगाल	कोलकाता
	शांतिनिकेतन
	जलपाईगुडी
अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह	पोर्ट ब्लेयर
चंडीगढ़	चंडीगढ़
दिल्ली	दिल्ली
	दिल्ली (सीपीसी)
पुदुच्चेरी	पुदुच्चेरी

अनुलग्नक–II

दूरदर्शन ट्रांसमीटर (31.12.2010 तक)

क्रम सं.	राज्य/संघराज्य क्षेत्र	राष्ट्रीय चैनल (डीडी 1) ट्रासंमीटर					न्यूज़ चैनल (डीडी न्यूज़) ट्रांसमीटरों की संख्या				डीडी–1 ट्रांसमीटर क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रसारित कर रहे प्रसारण की संपूर्ण अवधि के दौरान			
		उ.श.ट्रां.	अ.श.ट्रां.	अ. अ.श.ट्रां.	ट्रांस.	कुल	उ.श.ट्रां.	अ.श.ट्रां.	अ.अ.श.ट्रां.	कुल	उ.श.ट्रां.	अ.श.ट्रां.	अ. अ.श.ट्रां.	कुल
1	आंध्र प्रदेश	9	75		1	85	4	6		10			10	10
2	अरुणाचल प्रदेश	1	3	39	1	44	1			1				0
3	असम	4	20	1	1	26	2	1		3				0
4	बिहार	4	32	2		38	2	2		4				0
5	छत्तीसगढ़	4	15	8		27	1			1				0
6	गोवा	1				1	1			1				0
7	गुजरात	7	51			58	4	3		7			3	3
8	हरियाणा	2	13			15	1	7		8				0
9	हिमाचल प्रदेश	3	7	39	2	51	2	1		3				0
10	जम्मू और कश्मीर	10	7	69	1	87	5	3		8	4	8	18	30
11	झारखंड	3	17	2		22	2	2	1	5				0
12	कर्नाटक	8	47			55	4	2		6			7	7
13	केरल	4	20			24	3	2		5			4	4
14	मध्य प्रदेश	8	60	6		74	4			4				0
16	महाराष्ट्र	8	78			86	5	10		15			20	20
17	मणिपुर	2	1	4		7	1			1				0
15	मेघालय	2	3	2	1	8	2			2				0
18	मिजोरम	2	1	2	1	6	1	1		2				0
19	नागालैंड	2	2	6	2	12	1	1		2				0
20	उड़ीसा	5	62		1	68	2	7	2	11			16	16
21	पंजाब	4	4		1	9	3	1		4				0
22	राजस्थान	7	65	17	2	91	4	4		8				0
23	सिक्किम	1		6		7	1			1				0
24	तमिलनाडु	6	44		1	51	2	9		11	1		7	8
25	त्रिपुरा	1	5	1	1	8	1	1		2				0
26	उत्तर प्रदेश	11	52	3		66	7	10	1	18				0
27	उत्तराखंड	1	15	33	2	51	1	2		3				0
28	पश्चिम बंगाल	8	19			27	4	2		6	1		1	2
29	अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह	1	1	18		20	1	1	6	8				0
30	चंडीगढ़		1			1				0				0
31	दादरा और नगर हवेली	1			1				0				0	
32	दमन और दीव		2			2				0				0
33	दिल्ली	1				1	1			1				0
34	लक्षद्वीप		1	1		2			7	7			7	7
35	पुदुच्चेरी	1	1	1		3		1		1			1	1
	कुल	**131**	**725**	**260**	**18**	**1134**	**73**	**79**	**17**	**169**	**6**	**8**	**94**	**108**

टिप्पणी : उपर्युक्त ट्रांसमीटरों के अतिरिक्त चार महानगरों में चार डिजीटल ट्रांसमीटर (उच्च शक्ति ट्रांसमीटर) कार्य कर रहे हैं।
ट्रांसमीटरों की कुल संख्या – 1415

अनुलग्नक–III

11वीं योजना के भाग के रूप में पूर्ण रूप से डिजीटलीकृत किए जाने वाले स्टुडियो केंद्र

राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	पूर्ण रूप से डिजीटलीकृत किए जाने वाले स्टुडियो
आंध्र प्रदेश	विजयवाड़ा
अरुणाचल प्रदेश	ईटानगर
असम	डिब्रुगढ़
	गुवाहाटी (पीपीसी)
	सिलचर
बिहार	मुजफ्फरपुर
छत्तीसगढ़	रायपुर
	जगदलपुर
गोवा	पणजी
गुजरात	राजकोट
हिमाचल प्रदेश	शिमला
जम्मू और कश्मीर	जम्मू
झारखंड	रांची
	डाल्टनगंज
कर्नाटक	गुलबर्गा
केरल	त्रिचूर
मध्य प्रदेश	इंदौर
	ग्वालियर
महाराष्ट्र	नागपुर
	पुणे
मणिपुर	इंफाल
मेघालय	शिलांग
	तुरा
मिजोरम	आइजोल
नागालैंड	कोहिमा
उड़ीसा	संबलपुर
	भवानीपटना
सिक्किम	गंगटोक
त्रिपुरा	अगरतला
उत्तर प्रदेश	मऊ
	वाराणसी
	इलाहाबाद
	बरेली
	मथुरा
पश्चिम बंगाल	जलपाईगुडी
	शांतिनिकेतन
अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह	पोर्ट ब्लेयर
चंडीगढ़	चंडीगढ़
पुदुच्चेरी	पुदुच्चेरी

11वीं योजना के भाग के रूप में स्थापित किए जाने वाले डिजीटल ट्रांसमीटर

राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	डिजीटल ट्रांसमीटरों का स्थान
आंध्र प्रदेश	हैदराबाद
	विजयवाड़ा
असम	गुवाहाटी
बिहार	पटना
छत्तीसगढ	रायपुर
दिल्ली	दिल्ली
गुजरात	राजकोट
	सूरत
	वडोदरा
	अहमदाबाद
हिमाचल प्रदेश	कसौली
जम्मू और कश्मीर	श्रीनगर
झारखंड	रांची
कर्नाटक	बेंगलुरू
	मैसूर
केरल	त्रिवेंद्रम
	कोच्चि
मध्य प्रदेश	इंदौर
	ग्वालियर
	भोपाल
महाराष्ट्र	नागपुर
	पुणे
	मुंबई
	औरंगाबाद
उड़ीसा	कटक
पंजाब	जांलधर
	अमृतसर
तमिलनाडु	चेन्नै
	कोडाईकनाल
उत्तर प्रदेश	कानपुर
	वाराणसी
	इलाहाबाद
	बरेली
	लखनऊ
	आगरा
उत्तराखंड	मसूरी
पश्चिम बंगाल	कोलकाता
	कर्सियांग
	कृष्णानगर

अध्याय–पांच

प्रसार भारती – वित्त और लेखे

लेखांकन प्रणाली और लेखे

1 अप्रैल 2000 से प्रसार भारती ने सरकारी बजट प्रणाली के स्थान पर नई लेखांकन प्रणाली अपनाई है। इसके अंतर्गत प्रसार भारती को केंद्र सरकार से राजस्व व्यय (योजना और योजनेतर) के एक भाग को पूरा करने के लिए सहायता अनुदान और पूंजीगत व्यय (योजना) के एक भाग को पूरा करने के लिए ऋण के रूप में वित्तीय सहायता मिलती है। प्रसार भारती द्वारा अर्जित किया गया राजस्व, जिसे इसे सरकारी बजटीय प्रणाली से अलग करने से पूर्व सरकारी बजट प्रणाली के अंतर्गत पहले भारत सरकार की संचित निधि में जमा करना पड़ता था अब प्रसार भारती के पास ही रहता है। प्रसार भारती के व्यय का एक भाग अर्थात् आईईबीआर (बजट के आंतरिक और अतिरिक्त संसाधन) से पूरा किया जाता है।

22 मई 2000 को प्रसार भारती और सूचना और प्रसारण मंत्रालय के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे, जिसके अनुसार प्रसार भारती को मासिक व्यय और आय का लेखा सरकार को प्रस्तुत करना होता है। वार्षिक लेखा विवरणी भी तैयार करके उसकी लेखापरीक्षा भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक से करवानी पड़ती है। लेखा परीक्षा रिपोर्ट सहित नियंत्रक और महालेखापरीक्षक द्वारा लेखा परीक्षित प्रसार भारती का लेखा हर वर्ष केंद्र सरकार को भेजना होता है। इसके पश्चात् उसे संसद के दानों सदनों के समक्ष रखा जाता है।

मार्च 2010 के अंत तक प्रसार भारती ने 2007–08 तक का लेखा संसद में रख दिया था। प्रसार भारती का वर्ष 2008–09 का लेखापरीक्षित लेखा अनुलग्नक 3 में दिया गया है।

प्रोफार्मा एकाउंट

प्रसार भारती के निगम बनने से पहले दूरदर्शन और आकाशवाणी अपनी वाणिज्यिक गतिविधियों से संबंधित संचालन को दर्शाने के लिए प्रोफार्मा एकाउंट बनाते थे। इन एकाउंटों को पूरा करने के लिए विशेष जोर दिया गया। आकाशवाणी और दूरदर्शन ने अब 31 मार्च 2000 तक के अपने एकाउंट पूरे कर लिए हैं। आंकड़ों में कुछ विसंगतियां हैं जिन्हें दूर किया जा रहा है।

निगम पर लगने वाले कर

निगम बन जाने के फलस्वरूप प्रसार भारती पर संपत्ति कर, विद्युत उपभोग की बढ़ी हुई दरें, बिजली कर, सड़क कर, प्रवेश कर, चुंगी जैसे राज्य सरकारों और नगर निगमों के विभिन्न कर लगने लगे हैं। इन अतिरिक्त देनदारियों के कारण प्रसार भारती को लोक प्रसारक (पब्लिक ब्रॉडकास्टर) के रूप में अपनी भूमिका अदा करने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

प्रसार भारती अधिनियम की धारा 22 के अधीन प्रसार भारती को हुए लाभ पर आयकर या किसी अन्य कर से छूट थी किंतु वित्तीय बिल 2002 में इस छूट को समाप्त कर दिया गया जिसके कारण प्रसार भारती पर आयकर और सेवाकर लगने लगे। प्रसार भारती ने स्वयं को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 12 ए ए (1) (बी) के साथ पठित धारा 12ए के अधीन सामान्य जनोपयोगी उद्देश्यों की उन्नति के मार्ग में लगे परोपकारी संगठन के रूप में रजिस्टर करा लिया है। इससे वित्तीय बिल 2002 में समाप्त की गई आयकर छूट 1 अप्रैल 2003 से पुनः लागू हो गई। किंतु सेवाकर में इस प्रकार की छूट नहीं मिल पाई है। प्रसार भारती ने वर्ष 2009–10 में लगभग 106.57 करोड़ रूपए सेवाकर के रूप में अदा किए।

आंतरिक लेखापरीक्षा

सरकारी बजट प्रणाली में आंतरिक लेखापरीक्षा संबंधी कार्य वेतन एवं लेखा कार्यालयों के माध्यम से मुख्य लेखा नियंत्रक, सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा किए जाते थे। अपने स्वयं के आंतरिक लेखा परीक्षा ढांचे को अंतिम रूप दिए जाने तक, जो कि पी ए ओ स्टाफ की सेवाएं, प्रसार भारती में स्थानांतरित होने पर संभव होगा, मुख्य लेखा नियंत्रक, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ एक अंतरिम व्यवस्था की गई है जिसके अंतर्गत आंतरिक लेखापरीक्षा की वही प्रणाली जारी रहेगी जो प्रसार भारती के निगम बनने से पहले लागू थी। इसके साथ ही प्रसार भारती अब अपने लेखों की आंतरिक लेखापरीक्षा आउटसोर्स के जरिए चार्टरित लेखाकार से कराने का प्रयत्न कर रहा है।

आकाशवाणी
वार्षिक योजना (2010–11)

क्र. सं.	स्कीम का नाम / कार्यक्रम	वित्तीय			वास्तविक		
		परिव्यय 2010–11 (योजना बजट)	संशोधित आकलन	व्यय 2010–11	मात्रात्मक परिणाम / वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां दिनांक 31.03.2011 तक कॉलम 5 के संदर्भ में	अभ्युक्तियाँ
1	2	3	4	5	6	7	8
1	जारी योजनाएं	**80.50**	**112.98**	**57.31**			
	पूंजीगत	**75.50**	**107.98**	**55.41**			
	राजस्व	5.00	5.00	1.90			
1	जम्मू और कश्मीर विशेष पैकेज (फेस । और ।।)	3.50	5.00	4.67			
	पूंजीगत	1.50	3.00	2.77	(i) जम्मू और कश्मीर पैकेज फेस–। पूरी हो गई। (ii) जम्मू और कश्मीर पैकेज फेस–।। एसआईटीसी पूरी की गई। (आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग) (iii) डीजी सेट 500 के वी ए (2 सं.) नर्बल, श्रीनगर– एसआईटीसी पूरी की गई। (आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग)	(i) फेस–। पूरा। (ii) जम्मू में 1000 के वी ए डीडी सेट संस्थापित और कमीशंड और नर्बल, श्रीनगर में 3 सेट प्राप्त और संस्थापना पूरी होने को है। 500 के वी ए डीडी सेट संस्थापित और कमीशंड	
	राजस्व	2.00	2.00	1.90			
2	पूर्वोत्तर विशेष पैकेज	40.00	37.93	10.54			
	पूंजीगत	37.00	34.93	10.54	**1. 19 नए एफ एम केंद्र** (1) अनीनी (अरूणाचल प्रदेश, उखरूल और मणिपुर में तामेंगलॉग और जुन्हेबोटो (नागालैंड) बाकी बची 4 साइटों का अर्जन (पिछले साल तक 15 साइट अधिग्रहित की गई)	(i) जुन्हेबोटो (नागालैंड) के लिए अदायगी कर दी गई है। अनीनी अरूणाचल प्रदेश, उखरूल और मणिपुर में तामेंगलॉग और जुन्हेबोटो (नागालैंड) में साइट राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जनी है।	•अनीनी पर राज्य सरकार द्वारा दी जा रही है वैकल्पिक साइट के विवरण की प्रतीक्षा की जा रही है। •तामेंगलॉग में आंचलिक कार्यालय दल जो साइट पर होकर आई उनके द्वारा वैकल्पिक साइट उपयुक्त समझी गई। जिला प्रशासन से नगर केंद्र के नाम वैकल्पिक साइट आबंटित करने का आग्रह किया गया। विवरण की प्रतीक्षा की जा रही है। मामला चल रहा है। •उखरूल में जिला प्रशासन को चिह्नित साइट अभी भी आबंटित करनी है। मामला चल रहा है।

आकाशवाणी
वार्षिक योजना (2010–11)

क्र. सं.	स्कीम का नाम / कार्यक्रम	वित्तीय				वास्तविक	
		परिव्यय 2010–11 (योजना बजट)	संशोधित आकलन	व्यय 2010–11	मात्रात्मक परिणाम /वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां दिनांक 31.03.2011 तक कॉलम 5 के संदर्भ में	अभ्युक्तियाँ
1	2	3	4	5	6	7	8
					(ii) 15 साइटों पर बाड़ लगाने का कार्य पूरा हो चुका (पिछले साल दो पहले ही पूर कर लिए गए)	• चालू वर्ष के दौरान 8 पूर्ण सहित 10 जगहों पर कार्य पूरा। • 4 स्थानों पर कार्य प्रगति पर है। करीमगंज में बाड़े के कार्य का आकलन स्वीकृति की प्रक्रिया में है।	
					(iii) 6 स्थानों पर ट्रांसमीटर भवन का कार्य पूरा और 9 स्थानों पर भवन का कार्य प्रगति पर है।	•तुईपांग, नूतन बाजार, उदयपुर, गोलपाड़ा, दोपारिजो और कोलासिब में ट्रांसमीटर भवन का कार्य पूरा। •4 स्थानों पर भवन कार्य प्रगति पर। चंपई, लुमडिंग और खांसा में तकनीकी क्षेत्र तैयार हैं और चांगलांग में छत का स्लैब डाला जा रहा है। •2 स्थानों पर (चेरापूंजी और वोखा) में निविदा का कार्य प्रक्रिया में है। • फेक में भवन आकलन स्वीकृत किया गया और करीमगंज और बोमडिला में स्वीकृति की प्रक्रिया में है।	आकाशवाणी, खोसा में साइट पर अपरोच रोड आबंटित की गई। चांगलांग, फेक, दोपारिजो और कोलासिब में संबंधित राज्य सरकारों द्वारा निर्माण किया जाता है। चंपई में अपरोच रोड की संबंधित राज्य सरकार द्वारा मैटल्ड किया जाना है। अपरोच रोड न होने से कार्य की प्रगति में बाधा आती है और मणिपुर के कुछ क्षेत्रों में कानून व्यवस्था में कठिनाई है।
					(iv) 5 स्थानों पर स्थापना कार्य पूरा।	5 स्थानों पर ट्रांसमीटर स्थापित।	सरकार द्वारा स्टॉफ स्वीकृति की प्रतीक्षा की जा रही है।
					2. सिल्वर 5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर ट्रांसमीटर लगाने के आदेश दिए गए।	ट्रांसमीटर के क्रय आदेश जारी और एल सी खोली गई। फर्म द्वारा प्री–डिस्पैच जॉच के लिए कॉल प्राप्त और जॉच की व्यवस्था की जा रही है।	

आकाशवाणी
वार्षिक योजना (2010–11)

क्र. सं.	स्कीम का नाम / कार्यक्रम	वित्तीय				वास्तविक	
		परिव्यय 2010–11 (योजना बजट)	संशोधित आकलन	व्यय 2010–11	मात्रात्मक परिणाम/वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां दिनांक 31.03.2011 तक कॉलम 5 के संदर्भ में	अभ्युक्तियाँ
1	2	3	4	5	6	7	8
					3. गैंगटोक – 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर 1. ट्रांसमीटर खरीदे गए। 2. होस्टल आवास का निर्माण (6 सं.) आकलन प्रक्रियाधीन है।	1. ट्रांसमीटर की प्री–डिस्पैच पूर्ण और ट्रांसमीटर डिस्पैच की प्रक्रिया में है। 2. होस्टल आवास के निर्माण का आकलन (6 सं.) अभी तक आंतरिक वित्त द्वारा क्लीयर किया जाना है।	
					4. चिंसुरा – 1000 किलोवाट मि.वे. ट्रांसमीटर ट्रांसमीटर खरीदा गया और स्थापना प्रगति पर है।	ट्रांसमीटर भवन में सिविल कार्य पूरा और विभागीय कार्य प्रगति पर है। ट्रांसमीटर की प्री–डिस्पैच जॉच के लिए कॉल प्राप्त और जॉच प्रस्ताव अनुमोदन के लिए प्रस्तुत।	राजकोट और चिंसुरा के आपूर्तिकर्ता एक ही होने के कारण, चिंसुरा का ट्रांसमीटर जॉच के लिए दिया जाना था, परंतु राजकोट के ट्रांसमीटर की जॉच पूरी होने के उपरांत राजकोट की जॉच मंत्रालय द्वारा प्रतिनियुक्ति के अनुमोदन में देरी के कारण हुई।
					5. 100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर, 100 स्थानों पररू– बाकी 20 स्थानों पर स्थापना कार्य पूरा। (80 स्थानों पर स्थापना कार्य पिछले वर्ष के दौरान पूरा)	9 स्थानों पर स्थापना (कुल 89 स्थानों पर कार्य पूरा) 3 स्थानों पर कार्य जारी। 8 स्थानों पर राज्य सरकार से अनुमति प्राप्त करके कार्य शुरू किया जाएगा (अरूणाचल में 2) और कानून व्यवस्था में सुधार (मणिपुर में 4 और त्रिपुरा में 2)	
					6. कोहिमा 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर पूरा करने की कोशिश वरना करार वापिस लेना।	10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर और टॉवर का स्थापना कार्य नोटिस के बावजूद फर्म मैसर्स वैबैल द्वारा किया गया। आदेश को जुलाई 10 में वापस लिया गया। बाकी कार्य के लिए आकलन/कार्य की मात्रा आंकने के उपरांत कार्रवाई की जाएगी जो प्रक्रिया में है।	

आकाशवाणी
वार्षिक योजना (2010–11)

क्र. सं.	स्कीम का नाम / कार्यक्रम	वित्तीय			वास्तविक		
		परिव्यय 2010–11 (योजना बजट)	संशोधित आकलन	व्यय 2010–11	मात्रात्मक परिणाम / वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां दिनांक 31.03.2011 तक कॉलम 5 के संदर्भ में	अभ्युक्तियाँ
1	2	3	4	5	6	7	8
					7. डीएसएनजी प्रणाली (3 सं.) पुर्ननिविदा निकाली जाएगी। विशेषताओं को सुशोधित किया जा रहा है।	कोई भी निविदा तकनीकी रूप से स्वीकार्य नहीं थी। विशेषताओं की समीक्षा के उपरांत नई एन.आई.टी. 31.08.2010 को जारी की गई। निविदा 27.10.2010 को खोली गई फर्म से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के उपरांत तकनीकी आकलन पूरा। मूल्य बोली 14.03.11 को खोली गई और खरीद प्रस्ताव प्रकिया में है।	
	राजस्व	3.00	3.00	.			
3	मि.वेव सेवाओं में विस्तार	**0.00**	**0.05**	**0.03**	कार्य पूरा		
4	एफ एम सेवाओं में विस्तार	**30.00**	**37.00**	**12.47**	i) 1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर (3 सं.) •**श्रीकाकुलमः–** ट्रांसमीटर की स्थापना •**नई टेहरी** भवन कार्य पूरा और 50 मी. टॉवर कार्य सौंपा गया। •**गैरसैन –** भवन कार्य पूरा और विभागीय कार्य शुरू और 50 मी. टॉवर कार्य सौंपा गया।	•**श्रीकाकुलमः–** 1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर को विजयवाड़ा से वापस लिया जाएगा जैसे ही विजयवाड़ा में 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर की स्थापना कार्य पूरा हो जाएगा। •**नई टेहरी** 50 मी. टॉवर कार्य के लिए आदेश दिए गए पर सिविल कार्य शुरू नहीं किया जा सका क्योंकि वन विभाग ने पेड़ काटने की अनुमति नहीं दी। •**गैरसैन** – प्राप्त	विजयवाड़ा के लिए 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर प्राप्त और स्थापना कार्य तीन महीने में पूरा कर लिया जाएगा। नक्शे संशोधित होने के उपरांत भवन निर्माण कार्य अब किया जा रहा हे और जुलाई 2011 तक पूरा होने की संभावना है।
					ii) 5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर (3 सं.) उज्जैन और भुवनेश्वर – भवन निर्माण कार्य पूरा और ट्रांसमीटर खरीदे गए। •करीमनगर–ट्रांसमीटर स्थापित	भवन कार्य पूरा। ट्रांसमीटर के खरीद आदेश दिए गए। एल.सी. खोली गई। फर्म से प्री–डिस्पैच जॉच के लिए कॉल प्राप्त और जॉच की व्यवस्था की जा रही है। 1 किलोवाट के एक अंतरिम सैटअप की स्थापना और कमीशंड।	5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर को हैदराबाद से तुरंत वापस लाया जाएगा। जैसे ही वहाँ 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर की स्थापना हो जाएगी। हैदराबाद हेतु 10 कि.वा. एफ.एम ट्रांसमीटर प्राप्त और स्थापना का कार्य तीन महीने में पूरा होने की संभावना।

आकाशवाणी
वार्षिक योजना (2010–11)

क्र. सं.	स्कीम का नाम / कार्यक्रम	वित्तीय				वास्तविक	
		परिव्यय 2010–11 (योजना बजट)	संशोधित आकलन	व्यय 2010–11	मात्रात्मक परिणाम / वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां दिनांक 31.03.2011 तक कॉलम 5 के संदर्भ में	अभ्युक्तियाँ
1	2	3	4	5	6	7	8
					iii) 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर (41 सं.) ट्रांसमीटर के लिए खरीद आदेश • पैनल एंटीना लखीमपुर खीरी, बांदा, मौनथभंजन, बलूरघाट, पटना, श्रीनगर और विजयपाड़ा में 7 स्थानों के लिए खरीद। कंबाइनर्स / डिप्लैक्सर (3 सं.) लखनऊ, रांची और पटना के लिए खरीद।	पहले बैच के पॉच ट्रांसमीटर प्राप्त और साइट पर स्थापना के लिए भेजे जा रहे हैं। दूसरे बैच के 19 ट्रांसमीटर की जॉच पूरी की गई और डिस्पैच के अधीन हैं 17 ट्रांसमीटरों के अंतिम बैच की जॉच 26/4/. 2011 को रखी गई। डिप्लैक्सर के लिए आदेश दिए गए (3 सं.) प्री–डिस्पैच जॉच के लिए कॉल प्राप्त। पैनल एंटीना के लिए निविदाओं का तकनीकी आकलन और मूल्य बोली खोली गई। खरीद प्रस्ताव प्रक्रिया में है।	
					20 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर (4 सं.) (अमृतसर, चौटनहिल, फाजिल्का और रायबरेली) • ट्रांसमीटरों की खरीद • अमृतसर – 3000 मी. टी.वी. टॉवर के पूर्ण होने के उपरांत सिविल कार्य की शुरूआत) • चौटनहिल – भवन का कार्य पूरा। • रायबरेली – स्थल अधिग्रहण किया गया।	ट्रांसमीटर की पुर्ननिविदा क्योंकि आंतरिक वित्त द्वारा ट्रांसमीटर के खरीद प्रस्ताव को सहमति नहीं मिली। अमृतसर में सिविल कार्य की शुरूआत 300 मी. टी.वी. टॉवर के पूर्ण होने के उपरांत की जाएगी। यह अब तक 250 मी. की उंचाई तक पहुँच गई है और सितंबर 2011 में पूरा होने की संभावना है। चौटनहिल में सिविल कार्य प्रगति पर है। नगर पालिका परिषद, रायबरेली के अंतर्गत दौहराहारा गांव में 2.5 एकड़ की साइट चुनी गई और मांग को अक्तूबर 07 में प्रस्तुत किया गया। तथापि, उच्च स्तर पर भरसक प्रयास के बावजूद साइट को अभी भी आबंटित किया जाना है।	

आकाशवाणी
वार्षिक योजना (2010–11)

क्र. सं.	स्कीम का नाम / कार्यक्रम	वित्तीय				वास्तविक	
		परिव्यय 2010–11 (योजना बजट)	संशोधित आकलन	व्यय 2010–11	मात्रात्मक परिणाम/वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां दिनांक 31.03.2011 तक कॉलम 5 के संदर्भ में	अभ्युक्तियाँ
1	2	3	4	5	6	7	8
5	निर्माण सुविधाओं का डिजीटलीकरण	1.00	1.00	1.00	1. डिजीटल कंसोल्स •डिजीटल ट्रांसमीशन कंसोल्स (16 सं.) •डिजीटल रिकार्डिंग कंसोल्स (17सं.) की खरीद	डिजीटल ट्रांसमीटर कंसोल्स (17 सं.) कंसोल्स और रिकाड्रिंग कंसोल्स (16 सं.) खरीदे गए।	
6	स्टूडियो सुविधाओं और विविध स्कीमों का स्वचलन	6.00	32.00	28.60	1. **सिल्चर और देहरादून में कैप्टिव अर्थ स्टेशन (अपलिंक)** उपस्कर की खरीद और स्थापना। कोई भी निविदा तकनीकी रूप से स्वीकार्य नहीं पाई गई। नई एन.आई.टी. जारी की गई।	पुर्ननिविदा निकाली जानी है क्योंकि कोई भी बोली स्वीकार्य नहीं पाई गई। एन.आई. टी. जारी होने की प्रकिया में है।	
					2. **कार्य प्रणाली पर आधारित हार्ड डिस्क की खरीद:** 48 केंद्रों पर हाई एंड सर्वर की एसआईटीसी विशिष्टताएं संशोधन के अधीन हैं एन.आई.टी. जारी की गई।	निविदाओं का तकनीकी आकलन पूरा और आंतरिक वित्त के समक्ष सहमति के लिए खरीद प्रस्ताव प्रस्तुत।	
					3. **राजकोट –** 1000 किलोवाट मी.वे. ट्रांसमीटर–ट्रांसमीटरों की खरीद और संस्थापना पूरी।	सिविल कार्य पूरा/ट्रांसमीटर प्राप्त/संस्थापना और अन्य विभागीय कार्य प्रक्रिया में हैं।	
					4. **त्वांग में स्थायी स्टूडियो** (सीमित कार्य अवधि) संस्थापना पूरी।	संस्थापना कार्य पूरा (हीटिंग प्लांट को छोड़कर) जिसकी पुर्ननिविदा आमंत्रित की गई।	
					5. **जयपुर में स्थायी स्टूडियो**–संस्थापना पूरी।	संस्थापना पूरी। माप प्रक्रिया में है।	

आकाशवाणी
वार्षिक योजना (2010–11)

क्र. सं.	स्कीम का नाम / कार्यक्रम	वित्तीय				वास्तविक	
		परिव्यय 2010–11 (योजना बजट)	संशोधित आकलन	व्यय 2010–11	मात्रात्मक परिणाम/वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां दिनांक 31.03.2011 तक कॉलम 5 के संदर्भ में	अभ्युक्तियाँ
1	2	3	4	5	6	7	8
7	स्टाफ के लिए आवास (मैट्रो स्टाफ क्वार्टर)	दूरदर्शन द्वारा फंडिंग की जा रही है।			**दिल्ली** – चरण–। में (323 क्वार्टर) और चरण–।। में (203 क्वार्टर) निर्माण	i) दिल्लीदृ चरण–। 323 क्र्वाटररू–) निर्माण पूरा ii) चरण–।। – 203 क्वार्टर– 128 क्वार्टर का निर्माण 128 क्वार्टरों का निर्माण (टाईप सी–'90, डी–30 और ई–8 क्वार्टर पूरा होने का है। बाकी डी क्वार्टरों का निर्माण 75 क्वार्टर (5 ब्लॉक) प्रगति पर है। इलैक्ट्रिकल विंग भी प्रगति पर है।	
					मुंबई– 68 क्वार्टरों का निर्माण 4 ब्लॉक के लिए स्थानीय निकाय का अनुमोदन प्राप्त। खंबे की नींव का कार्य प्रगति पर है। **चैन्नै** – भवन प्लान के लिए स्थानीय निकाय के अनुमोदन की प्रतीक्षा की जा रही है।	40 क्वार्टरों के लिए ब्लॉक । और ।। के सुपरसट्रक्चर कार्य के लिए निविदा एवार्ड की गई और कार्य प्रगति पर है। सीएमडीए ने आधारभूत संरचना और सुविधाओं को माफ करने के लिए सहमति नहीं दी। सीएमडीए से प्लान को क्लीयर कराने के मामले पर बातचीत चल रही है।	
					कोलकाता – केएमसी द्वारा भूमि के म्यूटैशन की चाह में स्थानीय निकाय के पास भवन प्लान लंबित पड़ा है।		
2	नई स्कीमें						
	पूंजीगत	92.98	45.02	25.02			
	राजस्व	10.00	10.00	4.60			
2.1	ट्रांसमीटरों, स्टूडियो, कनेक्टिविटी और डीटीएच चैनलों का डिजीटलीकरण	30.00	38.49	23.93			

आकाशवाणी
वार्षिक योजना (2010–11)

क्र. सं.	स्कीम का नाम / कार्यक्रम	वित्तीय				वास्तविक	
		परिव्यय 2010–11 (योजना बजट)	संशोधित आकलन	व्यय 2010–11	मात्रात्मक परिणाम / वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां दिनांक 31.03.2011 तक कॉलम 5 के संदर्भ में	अभ्युक्तियाँ
1	2	3	4	5	6	7	8
2.1.1	**मी.वे. डीआरएम ट्रांसमीटर**						
2.1.1 (क)	विद्यमान केंद्रों में 31 पुराने मी.वे. ट्रांसमीटरों को नए डीआरएम मी.वे. ट्रांसमीटरों में बदलना				मंत्रालय में ईएफसी प्रस्ताव प्राप्त करना और उपस्कर के लिए निविदाओं की प्रक्रिया।	सीसीईए में दिनांक 27/4/10 को ईएफसी प्रस्ताव का अनुमोदन प्राप्त। निविदाओं का तकनीकी आकलन पूर्ण और मूल्य बोली खोली गई। आंतरिक वित्त की सहमति के लिए खरीद प्रस्ताव प्रक्रिया में है।	आंतरिक वित्त की सहमति के लिए खरीद प्रस्ताव प्रक्रिया में है।
2.1.1 (ख)	अरूणाचल–चीन सीमा पर कैप्टिव पावर प्लांट के साथ 3 मी.वे. डीआरएम मी.वे. ट्रांसमीटरों का उन्नयन				मंत्रालय में ईएफसी प्रस्ताव प्राप्त करना और उपस्कर के लिए निविदाओं की प्रक्रिया।	सीसीईए में दिनांक 27/4/10 को ईएफसी प्रस्ताव का अनुमोदन प्राप्त। निविदाओं का तकनीकी आकलन पूर्ण और मूल्य बोली खोली गई। आंतरिक वित्त की सहमति के लिए खरीद प्रस्ताव प्रक्रिया में है।	
2.1.1 (ग)	6 सं. मी.वे. 10 कि.वा. मी.वे. मोबा. इल द्वारा मी.वे. डीआरएम ट्रांसम. ीटरों की बदली				ट्रांसमीटरों की खरीद । रू. 19.00 करोड़ की राशि के एसएफसी के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय की सहमति पहले से ही प्राप्त।	ट्रांसमीटर खरीदे गए।	
2.1.1. (घ)	36 विद्यमान डीआरएम ग्राह्य मी.वे. ट्रांसमीटर का डीआरएम मोड में कन्वर्ज़न				**मंत्रालय में ईएफसी प्रस्ताव प्राप्त करना और उपस्कर के लिए निविदाओं की प्रक्रिया।**	दिनांक 27/4/10 को ईएफसी अनुमोदन प्राप्त। डीआरएम उपस्कर के लिए मूल्य बोली खोली गई और प्रक्रिया में है।	
2.1.2	**एफएम डीआरएम ग्राह्य ट्रांसमीटर**						
2.1.2 (क)	24 आकाशवाणी / टीवी साइटों पर एफएम का विस्तार और दूरदर्शन के 100 विद्यमान 100 ल.श.प्रे. पर 100 वॉट एफएम ट्रांसमीटर				**मंत्रालय में ईएफसी प्रस्ताव प्राप्त करना और उपस्कर के लिए निविदाओं की प्रक्रिया।**	दिनांक 27/4/10 को ईएफसी प्रस्ताव प्राप्त। (1 कि.वा.–12 सं. और 100 वां–100रू.) निविदाओं के लिए तकनीकी आकलन और मूल्य बोली खोली गई। खरीद प्रस्ताव, वित्त आंतरिक वित्त की सहमति के लिए प्रक्रिया में है।	

आकाशवाणी
वार्षिक योजना (2010–11)

क्र. सं.	स्कीम का नाम / कार्यक्रम	वित्तीय				वास्तविकच	
		परिव्यय 2010–11 (योजना बजट)	संशोधित आकलन	व्यय 2010–11	मात्रात्मक परिणाम/वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां दिनांक 31.03.2011 तक कॉलम 5 के संदर्भ में	अभ्युक्तियाँ
1	2	3	4	5	6	7	8
2.1.2 (ख)	दूरदराज व सीमावर्ती स्थानों के 34 स्थलों पर पुराने एफएम ट्रांसमीटरों को बदलना व कि.वा. मे.वा. के 6 ट्रांसमीटरों को एफएम ट्रांसमीटरों से बदलना				**मंत्रालय में ईएफसी प्रस्ताव प्राप्त करना और उपस्कर के लिए निविदाओं की प्रक्रिया।**	ईएफसी अनुमोदन 27/4/10 को प्राप्त हुआ। 10 कि.वा. एफएम के 13 ट्रांसमीटरों के लिए निविदाएं जारी करने की प्रक्रिया में है। 6 कि.वा. एफएम के 27 ट्रांसमीटरों को खरीदपे का प्रस्ताव आंतरिक वित्त की सहमति के लिए प्रक्रिया में है।	
2.1.3	5 शा.वे. ट्रांसमीटरों को परिवर्तित कर शा.वे. डीआरएम ट्रांसमीटर करना (दिल्ली–2, अलीगढ़–2, बैंगलौर– I)				**मंत्रालय में ईएफसी प्रस्ताव प्राप्त करना और उपस्कर के लिए निविदाओं की प्रक्रिया।**	ईएफसी अनुमोदन 27/4/10 को प्राप्त हुआ। ट्रांसमीटरों हेतु निविदाओं के लिए तकनीकी आकलन और मूल्य बोली खोली गई। खरीद प्रस्ताव, वित्त आंतरिक वित्त की सहमति के लिए प्रक्रिया में है।	क्रय प्रस्ताव को आंतरिक वित्त की सहमति की प्रतीक्षा है।
2.1.4	**स्टूडियो**						
2.1.4 (क)	98 स्टूडियो का डिजीटलीकरण, व स्टूडियो की नेटवर्किंग				**मंत्रालय में ईएफसी प्रस्ताव प्राप्त करना और उपस्कर के लिए निविदाओं की प्रक्रिया।**	ईएफसी अनुमोदन 27/4/10 को प्राप्त हुआ। स्टूडियो उपस्कर जैसे कि फोन–इन–कंसोल, पोर्टेबल डिजीटल रिकार्डर, डिजीटल वर्क स्टेशन, डिजीटल कंसोल व डिजीटल केबलिंग। फोन–इन–कंसोल, पोर्टेबल डिजीटल रिकार्डर्स व हैंड हैल्ड डिजीटल रिकार्डर्स हेतु क्रय प्रस्ताव को आईएएफ द्वारा पास किया जाना है। अन्य निविदाएं तकनीकी आकलन के अधीन हैं। क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा यूपीएस डीजी सेट्स, एसी प्लांटस इत्यादि खरीदे जा रहे हैं। स्टूडियो नेटवर्किंग हेतु निविदाएं 27/10/10 को खोली गईं और प्रक्रियाधीन हैं। एसआईटीसी हेतु केंद्रीकृत भंडारण व सिस्टम सॉफ्टवेयर सहित सर्वर कार्य की निविदाएं तकनीकी आकलन के अधीन हैं।	

आकाशवाणी
वार्षिक योजना (2010–11)

क्र. सं.	स्कीम का नाम / कार्यक्रम	वित्तीय				वास्तविक	
		परिव्यय 2010–11 (योजना बजट)	संशोधित आकलन	व्यय 2010–11	मात्रात्मक परिणाम / वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां दिनांक 31.03.2011 तक कॉलम 5 के संदर्भ में	अभ्युक्तियाँ
1	2	3	4	5	6	7	8
2.1.4 (ख)	दिल्ली में अभिलेखीय सुविधा में संवर्धन व चेन्नै, मुंबई, कोलकाता एवं हैदराबाद में अभिलेखीय सुविधा सृजन				**मंत्रालय में ईएफसी प्रस्ताव प्राप्त करना और उपस्कर के लिए निविदाओं की प्रक्रिया।**	ईएफसी अनुमोदन 27/4/10 को प्राप्त हुआ। एसआईटीसी कार्य की निविदाएं 26/10/10 को खोली गईं। कोई बोली योग्य नहीं। प्रतिधारित किया जाना है। नई एनआईटी जारी होनी है।	
2.1.4 (ग)	विद्यमान 44 समाचार इकाईयों का स्वचालन व 7 नई क्षेत्रीय समाचार इकाईयों का सृजन				**मंत्रालय में ईएफसी प्रस्ताव प्राप्त करना और उपस्कर के लिए निविदाओं की प्रक्रिया।**	ईएफसी अनुमोदन 27/4/10 को प्राप्त हुआ। सर्वर, वर्क स्टेशन के एसआईटीसी कार्य व आरएनयू के सिस्टम सॉफ्टवेयर हेतु निविदाएं 28/10/10 को खोली गईं व सॉफ्टवेयर पूरा हो गया। मूल्य बोली खोली जानी है। . पोर्टेबल डिजीटल रिकार्डस हेतु मूल्य बोली खोली गई। क्रय प्रस्ताव प्रक्रियाधीन है।	
2.1.5	**डिजीटल कनेक्टिविटी**						
2.1.5 (क)	एसटीएल कनेक्टिविटी का प्रतिस्थापन				सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने रु. 31.50 करोड़ के उप स्कीम को अनुमोदन दे दिया है। उपस्कर की खरीद के आदेश।	किसी एक विक्रेता के अभ्यावेदन पर प्रसार भारती सचिवालय के निर्णय के अनुसार फर्म की निविदा का तकनीकी आकलन किया गया। तकनीकी आकलन रिपोर्ट जॉच की प्रक्रिया में है।	
2.1.5 (ख) – 2.1.5 (घ)	सेस व एसटीएल के नए प्रस्ताव				मंत्रालय में ईएफसी प्रस्ताव की प्राप्ति और मुख्य उपस्कर हेतु निविदा मंगवाई जा रही है। स्कीम में ट्रांसमीटर लिंकों के लिए 35 नए स्टूडियो व 3 नए कैप्टिव अर्थ स्टेशन शामिल हैं।	ईएफसी अनुमोदन 27/4/10 को प्राप्त हुआ। स्कीम में ट्रांसमीटर लिंकों के लिए 35 नए स्टूडियो व 3 नए कैप्टिव अर्थ स्टेशन शामिल हैं। i) नए एसटीएल निविदाओं का तकनीकी आकलन किया गया। मूल्य बोली खोली जानी है। एक फर्म ने अभ्यावेदन किया है जो प्रक्रियाधीन है। ii) तिरूचिरापल्ली, मदुरै व धारवाड़ पर नए कैप्टिव अर्थ स्टेशन के लिए निविदाओं का तकनीकी आकलन किया गया।	

आकाशवाणी
वार्षिक योजना (2010–11)

क्र. सं.	स्कीम का नाम / कार्यक्रम	वित्तीय				वास्तविक	
		परिव्यय 2010–11 (योजना बजट)	संशोधित आकलन	व्यय 2010–11	मात्रात्मक परिणाम / वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां दिनांक 31.03.2011 तक कॉलम 5 के संदर्भ में	अभ्युक्तियाँ
1	2	3	4	5	6	7	8
2.1.5 (ड)	सी–बैंड आरएनटी (44 नं.) का प्रावधान				सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने रु. 4.28 करोड़ की उप स्कीम को अनुमोदन दे दिया है। प्राप्त आदेश की प्रतिस्थापना।	जून,10 में पुनः निविदाएं मंगवाई गई। तकनीकी आकलन किया गया व मूल्य बोलीयां खोली गई। क्रय प्रस्ताव अभी आईएफए से पास होना है।	क्रय प्रस्ताव को आंतरिक वित्त की सहमति की प्रतीक्षा है।
2.1.5 (ण)	डीटीएच चैनल का संवर्धन				**मंत्रालय में ईएफसी प्रस्ताव प्राप्त करना और मुख्य उपस्कर के लिए निविदाओं की प्रक्रिया।**	ईएफसी अनुमोदन 27/4/10 को प्राप्त हुआ। उपस्करों की निविदाओं के लिए तकनीकी आकलन पूरा हो गया है। मूल्य बोलीयां खोली जानी है।	
2.2	विदेश सेवा का सुदृढ़ीकरण	0.10	0.10		सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने रु.10.00 करोड़ की उप स्कीम को अनुमोदन दे दिया है।		
2.2.1	ग्राह्य विदेश सेवाओं शा.वे. ट्रांसमीटर को डीआरएम में संपरिवर्तन (दिल्ली –250 किलोवाट शा.वे ट्रॉसमीटर –2 और अलीगढ़–250 किलोवाट शा.वे ट्रॉसमीटर–2)				संपरिवर्तन उपस्कर के लिए आदेश	सिस्टम को पीएसी (मालिकाना स्वीकार्य प्रमाणपत्र) आधार पर खरीदने का प्रस्ताव किया गया, परंतु सदस्य (वित्त) ने खुली निविदाएं आमंत्रित करने को कहा हालांकि, प्रस्ताव को निर्णय की समीक्षा हेतु महानिदेशालय/मुख्य कार्यकारी अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।	
2.3	**ई–शासन, प्रशिक्षण संसाधन, सुरक्षा, आईओएफ, तटीय क्षेत्रों के लिए डीजी, अतिरिक्त कार्यालय आवास, कल्याण गतिविधियॉं और स्टाफ क्वार्टर्स आदि**	**21.38**	**3.45**	**0.60**			

आकाशवाणी
वार्षिक योजना (2010–11)

क्र. सं.	स्कीम का नाम / कार्यक्रम	वित्तीय				वास्तविक	
		परिव्यय 2010–11 (योजना बजट)	संशोधित आकलन	व्यय 2010–11	मात्रात्मक परिणाम / वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां दिनांक 31.03.2011 तक कॉलम 5 के संदर्भ में	अभ्युक्तियाँ
1	2	3	4	5	6	7	8
2.3 (क)	ई–शासन और आई.टी. सुविधाओं का उन्नयन	10.00			एसएफसी अनुमोदन की प्राप्ति। उपस्कर के लिए निविदाओं की प्रक्रिया चल रही है।	एसएफसी प्रस्ताव मंत्रालय के अनुमोदन की प्रक्रिया में है।	
2.3 (ख)	एसटीआई (टी) व एसटीआई (पी) और सभी क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थानों का संवर्धन	15.00			एसएफसी अनुमोदन की प्राप्ति। उपस्कर के लिए निविदाओं की प्रक्रिया चल रही है।	दिनांक 31.8.2010 को मंत्रालय द्वारा रू 20 करोड़ की लागत का एसएफसी प्रस्ताव अनुमोदित किया गया। सिविल निर्माण स्कंध के समन्वय से सिविल आवश्यकताओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अनुमोदन प्राप्त। दिनांक 27.9. 2010 को उपस्करों की खरीद के लिए ए/ए और ई/एस जारी किया गया। उपस्कर विशेषताओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।	
2.3 (ग)	विद्यमान केंद्रों पर आईओएफ	15.00			एसएफसी अनुमोदन की प्राप्ति। उपस्कर के लिए निविदाओं की प्रक्रिया चल रही है।	एसएफसी प्रस्ताव मंत्रालय द्वारा अनुमोदित। उपस्कर विशिष्टताएं तय की जा रही हैं।	
2.3 (घ)	श्रीनगर में हास्टल आवास व गुवाहाटी में कार्यालय आवास/स्टाफ क्वार्टर	10.00			एसएफसी के लिए सिविल प्राकलन का अनुमोदन व स्वीकृति तथा सिविल कार्य।	एसएफसी अनुमोदन जून, 10 को प्राप्त हुआ। गुवाहाटी में स्टाफ क्वार्टर और श्रीनगर में स्टाफ क्वार्टर और श्रीनगर में हास्टल का आकलन अनुमोदित और कार्य सौंप दिया गया। गुवाहाटी में कार्यालय आवास का आकलन मार्च' 11 में अनुमोदित। निविदा हेतु कार्रवाई आरंभ।	
2.4	**नई तकनीक और विज्ञान व तकनीक (आर एंड डी)**	**1.50**	**1.98**	**0.49**			
2.4.1	नई तकनीक						
	वेबकास्टिंग/पॉड कास्टिंग				प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा रु. 3.70 करोड़ के प्रस्ताव को अनुमोदन।	संस्थापन पूरा और विषयवस्तु विकास के अधीन है।	

आकाशवाणी
वार्षिक योजना (2010–11)

क्र. सं.	स्कीम का नाम / कार्यक्रम	वित्तीय				वास्तविक	
		परिव्यय 2010–11 (योजना बजट)	संशोधित आकलन	व्यय 2010–11	मात्रात्मक परिणाम / वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां दिनांक 31.03.2011 तक कॉलम 5 के संदर्भ में	अभ्युक्तियाँ
1	2	3	4	5	6	7	8
2.4.2	एस एंड टी स्कीमें				अनुमोदन प्राप्त। उपस्कर विशिष्टताएं पूरी होने वाली हैं उपस्कर हेतु ए/ए एंड ई/एस जारी/उपस्कर खरीद लिया जाएगा और सिविल आशोधन का भाग व विभागीय कार्य पूरे हो जाएंगे।	26 मेगाहर्टस एएम डीआरएम ट्रांसमीटर, क्रासफील्ड एंटीना व 1 किलोवाट मीडियम वेव डीआरएम ट्रांसमीटर हेतु एनआईटी जारी। निविदा खोली गईं और संवीक्षाधीन हैं।	
2.5	सॉफ्टवेयर	10.00	10.00	4.60	एमआईबी के आगे के प्रसारण हेतु रु. 100 करोड़ के आशोधित ईएफसी प्रस्ताव को प्रसार भारती के समक्ष प्रस्तुत किया गया।	सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा प्रस्ताव अनुमोदित।	
2.6	जम्मू और कश्मीर विशेष योजना (फेस–।।।)	40.00	1.00	.	रु. 100 करोड़ के ईएफसी के प्रस्ताव को अनुमोदन। स्थलों का चुनाव।	8 जुलाई, 10 को मूल्य निरूपण सभा आयोजित। सरकार का अनुमोदन 18.8.2010 को प्राप्त। प्रशासनिक अनुमोदन जारी। उपस्कर हेतु निविदा प्रक्रिया जारी तथा स्थलों की अर्जन प्रक्रिया चल रही है।	स्कीम में चार एफएम व पांच टीवी उच्च शक्ति ट्रांसमीटर शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 4 निम्न शक्ति 100 वॉट एफएम ट्रांसमीटर को भी क्षेत्र से बाहर में शामिल किया गया है।
	कुल सभी आकाशवाणी	168.48	153.00	80.43			
		15.00	15.00	6.50			
		183.48	168.00	86.93			

दूरदर्शन (पूंजीगत योजना)
वार्षिक योजना 2010–11

क्र.सं.	स्कीम का नाम	अनुमोदित परिव्यय (2010–11) (बीई) (करोड़ में)	आरई (2010–11) (करोड़ में)	31.03.11 तक व्यय (करोड़ में)	वास्तविक लक्ष्य	उपलब्धियां दिनांक 31.03.2011 तक कॉलम 5 के संदर्भ में	अभियुक्तियां
ए	**नियमित स्कीम**						
1	**जम्मू व कश्मीर योजना (फेज़–। व ।।)**	4.00	7.31	5.51	अमृतसर में उ.श.प्रे., 1 (डीडी । व डीडी समाचार – स्थायी सेटअप		टॉवर को खड़ा करने का कार्य प्रगति पर (240 मी. ऊँचाई)
					जम्मू –। में अर्थ स्टेशन (स्थायी) का अद्यतन	1	जम्मू में अर्थ स्टेशन (स्थायी सैटअप प्रचालन में
2	**प्रस्तुति सुविधाओं (स्टूडियो/ओबी) का डिजीटलीकरण और आधुनिकीकरण**	10.00	12.23	8.99	स्टुडियों उपस्करों की खरीद	प्रगति पर	बहु कैमरा ओ.बी. वैन की आपूर्ति।
3	**पूर्वोत्तर विशेष पैकेज (फेज़–।।)**	4.00	6.07	3.67		1	कोकराझार (स्थायी सैटअप) में उ.श.प्रे. आरंभ
4	**एचडीटीवी पायलट परियोजना**	2.00	3.72	3.55	एचडीटीवी पायलट परियोजना	एचडीटीवी कैम–कार्डर्स व वीसीआर की आपूर्ति	
5	**अन्य स्पिलओवर एक्स योजना अनुमोदित योजनाएं**	10.00	33.80	29.66	**I. स्टूडियो परियोजनाएं**		
					स्टूडियो (जम्मू व चंडीगढ़ में अतिरिक्त स्टूडियो–2,, लेह में स्थायी स्टूडियो सेटअप–। तिरूपति में नया स्टूडियो–।)	2	जम्मू व चंडीगढ़ में अतिरिक्त स्टूडियो प्रचालित कर दिया गया है,, लेह और तिरूपति में स्टूडियो भवन निर्मित, विभागीय कार्य प्रगति पर, कुछ उपस्कर खरीद लिए गए हैं।
					बिलासपुर में नया उ.श. प्रे. ट्रांसमीटर	1	बिलासपुर में उ.श.प्रे. ट्रांसमीटर चालू हो गया है।
					कन्नूर व कुंभकोणम में उ.श.प्रे. ट्रांसमीटर (स्थायी सेटअप) –2		कुंभकोणम में टॉवर खड़ा करने का कार्य प्रगति पर (104 मी. की ऊँचाई बन गई है) कन्नूर में टॉवर को खड़ा करने में देरी
					स्वचलित निम्न शक्ति प्रेषित्र – 50	20	20 स्वचलित निम्न शक्ति प्रेषित्र चालू हो गए। 10 अतिरिक्त स्वचलित निम्न शक्ति प्रेषित्र की संस्थापना पूर्ण हो चुकी है। 50 अतिरिक्त स्वचलित निम्न शक्ति प्रेषित्र की निविदाएं खोली गईं और तकनीकी आकलन किया गया। व्यावसायिक बोलियां खोली जानी हैं
	कुल चालू स्कीमें	**30.00**	**63.13**	**51.38**			

दूरदर्शन (पूंजीगत योजना)
वार्षिक योजना 2010–11

क्र. सं.	स्कीम का नाम	अनुमोदित परिव्यय (2010–11) (बीई) (करोड़ में)	आरई (2010–11) (करोड़ में)	31.03.11 तक व्यय (करोड़ में)	वास्तविक लक्ष्य	उपलब्धियां दिनांक 31.03.2011 तक कॉलम 5 के संदर्भ में	अभियुक्तियां
ख	नई स्कीमें						
1	स्टूडियो डिजीटलीकरण, आधुनिकरण, संवर्धन, स्टूडियो/ओ.बी. उपकरणों में वृद्वि	25.00	8.87	2.50	स्टूडियो के डिजीटलीकरण हेतु उपकरणों की आंशिक खरीद		मुख्य उपस्कर मदों के लिए निविदाएं खोली गईं। 8 उपस्करों के लिए आदेश दिए गए। शेष उपस्करों की खीद का कार्य प्रगति पर।
2	ट्रांसमीटरों का डिजीटलीकरण, आधुनिकरण, संवर्धन। ट्रांसमीटर के उपस्करों की बदली।	20.00	8.00	1.30			
3	डी टी एच आधुनिकीकरण, संवर्धन, उपग्रह प्रसारण उपस्कर की बदली।	5.00	2.50	0.28	अर्थ रूटेशनों का अद्यतन – 4		1. निविदाएं खोली गईं और तकनीकी आकलन के अधीन हैं।
4	एचडीटीवी	15.00	15.00	8.13	दिल्ली में एचडीटीवी अपलिंक सूविधा को उपलब्ध कराना और उसे डीटीएच प्लेटफार्म पर रखना–।	1	एचडीटीवी उपग्रह चैनल आरंभ। एचडी चैनल अपलिंक सुविधा दूरदर्शन केंद्र दिल्ली और अर्थ स्टेशन टोडापुर (डीटीएच)द में उपलब्ध कराई गई।
5	स्टाफ कवार्टर्स, अन्य विविध कार्य	5.00	2.50	4.51			
	कुल नई स्कीमें	**70.00**	**36.87**	**16.72**			
	कुल दूरदर्शन पूंजी	**100.00**	**100.00**	**68.10**			

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम) 31.03.10 के तुलन पत्र			
		रुपये	रुपये
कॉर्पस/पूंजीगत निधि और देनदारियां	**अनुसूची संख्या**	**31.03.10 की स्थिति**	**31.03.09 की स्थिति**
कॉर्पस/पूंजीगत निधि/देनदारियाँ	**1**		
रिजर्व्स और अधिशेष	2		
उद्दिष्ट/अक्षय निधि	3	27225798417	25653027296
सुरक्षित कर्ज	4		
असुरक्षित कर्ज	5	97672133400	91473377260
आस्थागित जमा देनदारियां	6		
वर्तमान देनदारियां एवं शर्तें	7	18792293600	14110021713
योग		**143690225417**	**131236426269**
परिसंपत्तियां			
नियत परिसंपत्तियां	8	8393251955	13888418000
चालू पूंजीगत कार्य	8	6427767666	5804091051
निवेश (i) उद्दिष्ट/अक्षय निधि	9		
(ii) अन्य	10		
वर्तमान परिसंपत्तियां, कर्जे और अग्रिम	11	12696022655	13344628542
विविध व्यय			
आय और व्यय लेखा के अनुसार घाटा		116173183141	98199288676
योग		**143690225417**	**131236426269**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	25		
आकस्मिक देनदारियां और लेखा टिप्पणियां	26		

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

ए.के. जैन
सदस्य (वित्त)

जे.पी.एस. चावला
वरिष्ठ महाप्रबंधक
(बजट एवं लेखा)

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम) वर्ष 2009–10 के लिए आय और व्यय लेखा			
		रुपये	रुपये
	अनुसूची संख्या	31 मार्च 10 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 09 को समाप्त वर्ष के लिए
आय			
बिक्री और सेवा से आय	12	10016452564	9337228885
अनुदान/आर्थिक सहायता	13	11693233213	9933300099
फीस/अंशदान	14	9316363	112262708
निवेश से आय (उद्दिष्ट/अक्षय निधियों के निवेश से आय)	15		
रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय	16	0	0
अर्जित ब्याज	17	315625240	1001566914
अन्य आय	18	1003804265	582058732
योग–क		23038431645	20966417338
व्यय			
स्थापना व्यय	19	17361186356	13907100467
अन्य प्रशासनिक व्यय	20	6683626142	5805685030
कार्यक्रमों से संबंधित व्यय	21	5326761946	4920212677
अनुदान/आर्थिक सहायता पर व्यय	22		
ब्याज	23	5082691116	4890014008
मूल्य ह्रास		6501558013	6431925157
योग–ख		40955823573	35954937339
आय से अधिक व्यय के अंतर का शेष (क–ख)		–17917391928	–14988520001
घटा/जमा – अवधिपूर्व के समायोजन	24	–56502537	
जमा – पिछले वर्ष से अग्रेषित शेष		–98199288676	–83210768675
तुलनपत्र को अग्रेषित घाटा शेष		–116173183141	–98199288676
मुख्य लेखांकन नीतियां	25		
आकस्मिक देनदारियां और लेखा टिप्पणियां	26		

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

ए.के. जैन
सदस्य (वित्त)

जे.पी.एस. चावला
वरिष्ठ महाप्रबंधक
(बजट एवं लेखा)

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
अनुसूचियां जो 31.03.2010 के तुलन पत्र का भाग हैं

अनुसूची–I कॉर्पस/पूंजीगत निधि	रुपये 31.03.10 की स्थिति	रुपये 31.03.09 की स्थिति
वर्ष के प्रारंभ में शेष		
जमाः वर्ष के दौरान सहायतार्थ प्राप्त अनुदान		
कॉर्पस/पूंजीगत निधि शेष		
आय और व्यय लेखा		
वर्ष के अंत में शेष		
अनुसूची–2 आरक्षित एवं अधिशेष		
1. पूंजीगत आरक्षित		
अंतिम लेखे के अनुसार		
वर्ष के दौरान जमा		
कुल		
2. सामान्य आरक्षित		
अंतिम लेखे के अनुसार		
वर्ष के दौरान जमा		
घटाः वर्ष के दौरान कटौतियाँ		
कुल		
अनुसूची–3 उद्दिष्ट/अक्षय निधि		
1. पूंजीगत परिसंपत्तियां/निधियां		
क. निधियों का अर्थ शेष	25653027296	23396927395
ख. निधियों में जमाः पूंजीगत व्यय/अग्रिमः खर्च के लिए कॉर्पस/पूंजीगत निधि से हस्तांतरित राशि	1572771121	2256099901
वर्ष के अंत में निबल शेष (क+ख)	27225798417	25653027296
अनुसूची–4 सुरक्षित कर्जे और उधार		
अनुसूची–5 असुरक्षित कर्जे		
1. शाश्वत कर्जे	42580802000	42580802000
इनके ब्याज को माफ कराने का प्रस्ताव भेज दिया है। (संदर्भ अनुसूची 26–लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी–4)	29806561400	26825905260
2. केंद्र सरकार		
3. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से पूंजीगत कर्ज	10274470000	10087470000
4. कर्ज चुकौती देय हैं भुगतान नहीं की गया	3988100000	3053600000
इसके ब्याज को माफ करने का प्रस्ताव भेज दिया है।(संदर्भ अनुसूची 26–लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी–5)	9970200000	8180000000
ब्याज पर ब्याज/मूलधन	1052000000	745600000
कुल	**97672133400**	**91473377260**
नोट– एक वर्ष में देय राशि (शून्य)		

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

ए.के. जैन
सदस्य (वित्त)

जे.पी.एस. चावला
वरिष्ठ महाप्रबंधक
(बजट एवं लेखा)

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
अनुसूचियां जो 31.03.2010 के तुलन पत्र का भाग हैं

	रुपये 31.03.10 की स्थिति	रुपये 31.03.09 को स्थिति
अनुसूची–6 आस्थागित देनदारियां		
अनुसूची–7 वर्तमान देनदारियां और उपबंध		
क. वर्तमान देनदारियां प्राप्त अग्रिम निक्षेप कार्य के बदले	764531374	608759641
निक्षेप, बयाना, जमानती रुपया/प्रतिभूति जमा	433008881	460195022
अन्य वर्तमान देनदारियां–वेतन और मजदूरी इत्यादि से वसूली स्रोत पर काटा गया आयकर/बिक्रीकर विविध ऋण और अन्य दाता मार्च माह का उपार्जित वेतन	2387771 2066801	1265100000 910000000
मुख्यालय/डी.डी.ओ से/को प्रेषित जोकि पारगमन/समायोजन अधीन है	2587374416	1297687396
कुल–क	5052402442	3278708860
ख. प्रावधान		
स्पेक्टरम/स्पेस सेगमेंट खर्चे के लिए	11781332520	10711617520
अन्य खर्चे के लिए	817412972	119695333
शेष अनुदान के लिए	1141145666	
(संदर्भ अनुसूची 26–लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी–12)		
कुल–ख	**13739891158**	**10831312853**
योग (क+ख)	**18792293600**	**14110021713**
अनुसूची–9 उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश		
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियां		
3. अन्य		
योग		
अनुसूची–10 निवेश अन्य		
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		
3. अन्य		
योग		
अनुसूची–11 वर्तमान परिसंपत्तियां, कर्जे और अग्रिम इत्यादि		
क. वर्तमान परिसंपत्तियां		
वस्तु सूचियां	91991370	71592085
विविध कर्जदार–सामान	1519261546	1610600000
विविध कर्जदार–		
नकद शेष/अग्रदाय	61453396	48069802
अनुसूचित बैंकों में शेष		
चालू खातों में	6629062063	1388254212
संग्रहण खातों में	64698025	545809493
जमा खाते और अन्य एफ.डी.आर. में	608223524	6830456997
विभिन्न कार्यालयों में	3395830545	2546331448
अंशदायी भविष्य निधि खातों में	25777588	12846860
योग (क)(संदर्भ अनुसूची 26–लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी–9)	**12396298057**	**13053960897**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

ए.के. जैन
सदस्य (वित्त)

जे.पी.एस. चावला
वरिष्ठ महाप्रबंधक
(बजट एवं लेखा)

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
अनुसूचियां जो 31.03.2010 के तुलन पत्र का भाग हैं

	रुपये 31.03.10 की स्थिति	रुपये 31.03.09 की स्थिति
ख. कर्जे/अग्रिम		
1. कर्जे/अग्रिम		
कर्मचारीगण	107597437	91216719
अन्य विभागीय	154833007	154528066
उचंत खाते		
2. अग्रिम और नकद माल या कीमत के रूप में वसूल की जाने वाली अन्य राशि		
पूंजीगत खातों पर		
पूर्व भुगतान		
अन्य		
3. प्राप्त ब्याज		
उद्दिष्ट/अक्षय निधि में निवेश पर		
अनुसूचित बैंकों को समावधि जमा	20410958	
अन्य		
4. टीडीएस	37294154	24511902
योग (ख)	**299724598**	**290667645**
योग (क+ख)	**12696022655**	**13344628542**
अनुसूची–12 बिक्री/सेवाओं से आय		
सेवाओं से आय		
आकाशवाणी और दूरदर्शन को विज्ञापन से आय	10315014385	9336043996
घटाः अन्य एजेंसियों के शेयर	305969315	
जमाः डीटीएच आय	7407494	1184889
योग	**10016452564**	**9337228885**
अनुसूची–13 अनुदान/परिदान		
जमाः भारत सरकार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय योजना से		
वर्ष के दौरान प्राप्त सहायता अनुदान	485000000	711600000
जमाः भारत सरकार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय गैर योजना से		
वर्ष के दौरान प्राप्त सहायता अनुदान	12472150000	11371200000
जमाः वर्ष के दौरान प्राप्त सहायता अनुदान – राष्ट्रमण्डल खेल – 2010	1450000000	106600000
घटाः पूंजीगत परिसंपत्ति निधि को हस्तांतरित घटाः अनुदान – राष्ट्रमण्डल खेल – 2010 का पिछले वर्ष का शेष घटाः सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय योजना से पिछले वर्ष के दौरान प्राप्त सहायता अनुदान का शेष	1572771121 1009865666 131280000	2256099901
योग	**11693233213**	**9933300099**
अनुसूची–14 फीस/अंशदान		
व्यावसायिक/परामर्श सेवाओं की फीस	9316363	112262708
योग	**9316363**	**112262708**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

ए.के. जैन
सदस्य (वित्त)

जे.पी.एस. चावला
वरिष्ठ महाप्रबंधक
(बजट एवं लेखा)

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
अनुसूचियां जो 31.03.2010 के तुलन पत्र का भाग हैं

	रुपये 31.03.10 की स्थिति	रुपये 31.03.09 की स्थिति
अनुसूची–15 निवेश से आय		
सावधिक जमा पर ब्याज उद्दिष्ट धन से निवेश		
योग		
अनुसूची–16 रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय		
अनुसूची–17 अर्जित ब्याज		
अनुसूचित बैंकों में मियादी जमा से	264856847	926375821
अन्य, जैसे कर्मचारी के अग्रिम इत्यादि	7272457	41465116
आकाशवाणी व दूरदर्शन की अप्राप्त राशि	43495936	33725977
योग	**315625240**	**1001566914**
अनुसूची–18–अन्य आय		
क. टॉवरों/स्टॉफ क्वार्टरों की फीस सहित अन्य प्राप्तियां		
क) टावर की लाइसेंस फीस	459183442	
ख) स्टाफ क्वार्टरों की लाइसेंस फीस	18686044	
ग) डी टी एच आय	326542800	
घ) अन्य	175278833	
योग क	**979691119**	**556772655**
ख. परिसंपत्तियों की बिक्री/निपटान से लाभ		
क. मालकीय परिसंपत्तियां	1192955	807823
ख. अनुदान या निःशुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां	103833	146566
ग. 1.4.2000 से पहले अर्जित परिसंपत्तियां	22816358	24331688
योग ख	**24113146**	**25286077**
योग (क+ख)	**1003804265**	**582058732**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

ए.के. जैन
सदस्य (वित्त)

जे.पी.एस. चावला
वरिष्ठ महाप्रबंधक
(बजट एवं लेखा)

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
अनुसूचियां जो 31.03.2010 के तुलन पत्र का भाग हैं

अनुसूची–19–स्थापना और अन्य प्रशासनिक व्यय	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
	2009–10			2008–09
	योजना	गैर योजना	योग	योग
स्थापना व्यय				
क. वेतन और मजदूरी		14586381058	14586381058	11580918074
ख. भत्ते और बोनस		382455183	382455183	348268970
ग. अंशदायी भविष्य निधि में अंशदान		2794792	2794792	2214168
घ. कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति/सेवांत व्यय/पेशन आदि पर व्यय		2160100384	2160100384	1815119693
ण. कर्मचारी कल्याण व्यय		1766103	1766103	1493947
च. छात्रवृत्ति/वजीफा		6371348	6371348	5788578
छ. अन्य (चिकित्सा प्रतिपूर्ति सहित)		221317488	221317488	153297037
योग		**17361186356**	**17361186356**	**13907100467**

(संदर्भ अनुसूची 26–लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी–8 और 12)

अनुसूची–20–अन्य प्रशासनिक व्यय	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
	2009–10			2008–09
	योजना	गैर योजना	योग	योग
बिजली और पावर		1869243820	1869243820	1792014865
जल प्रभार		22532168	22532168	23749669
संयत्र और मशीनरी का बीमा		24323	24323	313485
संयत्र और मशीनरी की मरम्मत और रखरखाव		150694786	150694786	8111782
भूमि और भवन का बीम			0	1132429
किराया, दर और कर		148684182	148684182	105591644
वाहनों की मरम्मत और रख–रखाव		272813062	272813062	257020788
डाक, टेलीफोन और संचार प्रभार		129021320	129021320	128123788
प्रिंटिंग और लेखन सामग्री		94095664	94095664	87595176
यात्रा–और वाहन व्यय स्थानीय		247341254	247341254	207449374
यात्रा विदेश		5005684	5005684	5167525
लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक		8766780	8766780	11128669
आतिथ्य व्यय		7377756	7377756	6299416
व्यावसायिक प्रभार		598294635	598294635	370689193
डूबा और संदिग्ध ऋण/अग्रिम के लिए व्यवस्था			0	0
वसूली अयोग्य राशि–बट्टे खाते में डाली गई			0	0
विज्ञापन और प्रचार		36820719	36820719	10491417
बैंक प्रभार		586285	586285	339783
उपभोगीय वस्तु एवं आपूर्ति		498862459	498862459	381012195
अन्य प्रशासनिक खर्चे		476304372	476304372	587574873
लघु कार्य और मशीनरी तथा उपकरण एवं औजार		1051410663	1051410663	899179199
सेवा कर		1065746210	1065746210	923699760
आय कर			0	0
योग		**6683626142**	**6683626142**	**5805685030**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

ए.के. जैन
सदस्य (वित्त)

जे.पी.एस. चावला
वरिष्ठ महाप्रबंधक
(बजट एवं लेखा)

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
अनुसूचियां जो 31.03.2010 के तुलन पत्र का भाग है।

अनुसूची–21 कार्यक्रम संबंधी व्यय	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
	2009–10			2008–09
	योजना	गैर योजना	योग	योग
रॉयल्टी		247629935	247629935	236401725
पीटीआई/यूएनआई को भुगतान		152016126	152016126	134151201
कार्यक्रम की कमिशनिंग		999942599	999942599	654331710
पैनम सेटेलाइट व्यय		827405185	827405185	500493317
खेल–कूद आयोजनों पर व्यय		75726609	75726609	254460118
कलाकारों को भुगतान		1050083796	1050083796	1125027955
अन्य कार्यक्रम व्यय		140364317	140364317	519845423
जम्मू एवं कश्मीर पैकेज	247483045		247483045	717051845
उत्तर पूर्वी पैकेज	75000000		75000000	
स्पेकट्रम और स्पेस सेगमेंट प्रभार		1070976000	1070976000	699865000
राष्ट्रमंडल खेल	440134334		440134334	78584383
योग	**762617379**	**4564144567**	**5326761946**	**4920212677**

अनुसूची–22 अनुदान, परिदान आदि पर व्यय	योजना	गैर योजना	योग	योग
	2009–10			2008–09
अनुदान पर व्यय				

अनुसूची–23 ब्याज	योजना	गैर योजना	योग	योग
	2009–10			2008–09
कर्जे पर ब्याज–केंद्र सरकार		1790200000	1790200000	
शाश्वत कर्ज पर ब्याज		2980656140	2980656140	
अन्य दंड ब्याज आदि		306400000	306400000	
अन्य वित्त प्रभार		5434976	5434976	
(संदर्भ अनुसूची 26–लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी–4 और 5) योग		5082691116	5082691116	

अनुसूची–24 पूर्व अवधि समायोजन	योजना	गैर योजना	योग	योग
	2009–10			2008–09
पूर्व अवधि व्यय–अनुदान की वापसी				
पूर्व अवधि आय/(मूल्यह्रास)	113800000		113800000	
आय	57297463		57297463	
योग	**56502537**		**56502537**	

(संदर्भ अनुसूची 26–लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी–14 एंव अनुसूचि 8)

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

ए.के. जैन
सदस्य (वित्त)

जे.पी.एस. चावला
वरिष्ठ महाप्रबंधक
(बजट एवं लेखा)

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
अनुसूचियां जो 31.03.2010 के तुलन पत्र का भाग है।

अनुसूची 8–नियत परिसंपत्तियां

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्य ह्रास		निबल ब्लॉक	
	01.04.09 को लागत	वर्ष के दौरान सिविल विंग से परिवर्धन/हस्तांतरण	वर्ष के दौरान कटौती/हस्तांतरण/निपटान/पुनः वर्गीकरण	31.03.10 को समाप्त वर्ष को लागत	वर्ष के लिए	वर्ष तक संचयी	31.03.10 की स्थिति	31.03.09 की स्थिति
अ. नियत परिसंपत्तियां								
1.भूमि	15280761	0		15280761	0	0	15280761	15280761
2.भवन/अन्य	108574784	10392308		118967092	2275419	9483593	109483499	101366610
3.संयत्र मशीनरी	0	0	0	0	0	0	0	0
और उपस्कर	0	0	0	0	0	0	0	0
क) स्टूडियो	21272350583	367683640		21640034223	2145619240	18575436110	3064598112	4842533713
ख) ट्रांसमीटर	31201927916	312488802		31514416718	3135817232	27988678488	3525738230	6349066659
ग) मशीनरी/उपस्कर	1673537028	215202725		1888739753	178113839	862214649	1026525104	989436218
घ) विद्युतीय संस्थापन	35371107	4421734		39792841	1503279	5238183	34554658	31636203
4. वाहन ★	68358086	20077		68378163	8033705	53938110	14440053	17052548
5. फर्नीचर/फिक्सचर	98903104	13159327		112062431	6592673	31309992	80752439	74185785
6. कार्यालय उपस्कर	128449551	9723035		138172586	11637203	107063798	31108788	22476695
7. कंप्यूटर	117711679	16002858		133714537	14959302	111339683	22374854	–20018770
अन्य नियत परिसंपत्तियां	0	0		0	0	0	0	0
विभिन्न स्कीमों पर पूंजीगत व्यय	9970061214			9970061214	997006121	9501665758	468395456	1465401578
वर्तमान वर्ष का योग(क)	64690525813	949094506	0	65639620319	6501558013	57246368364	8393251955	13888418000
(ख) प्रमुख कार्य प्रगति पर योग (ख)	**5804091051**	**623676615**		**6427767666**			**6427767666**	**5804091051**
योग	**70494616864**	**1572771121**	**0**	**72067387985**	**6501558013**	**57246368364**	**14821019621**	**1962509051**
गतवर्ष	**68238516963**	**2256099901**	**0**	**70494616864**	**6431925157**	**50802107813**	**19692509051**	

★ नोट : वाहन, कार्यालय उपस्कर तथा कंप्यूटरों से संबंधित पिछले वर्षों में लगाया गया 5,72,97,463 रू. के अधिक मूल्यह्रास को इस वर्ष समायोजित कर दिया गया है।

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

ए.के. जैन
सदस्य (वित्त)

जे.पी.एस. चावला
वरिष्ठ महाप्रबंधक
(बजट एवं लेखा)

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
अनुसूचियां जो 31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लेखों का भाग हैं।

अनुसूची–25 महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. लेखांकन पद्धति

प्रोदभूत पद्धति का प्रयोग करके ऐतिहासिक लागत परिपाटी के आधार पर निगम के लेखों का लेखांकन तैयार किया गया है।

2. वस्तुसूची का मूल्यांकन

भंडार सामग्री और पुर्जों (मशीनी पुर्जों सहित) का मूल्य निर्धारण उनकी कीमत पर किया जाता हैं।

3. नियत परिसंपत्तियॉ

नियत परिसंपत्तियॉ' में प्रसार भारती को हस्तांतरित परिसंपत्तियों की हस्तांतरण राशि आती है और तदनुरूप जमा राशि में 'शाश्वत ऋण' आता है।
केंद्र सरकार द्वारा परिसंपत्तियों का हस्तांतरण वास्तविक मूल्यांकन और सत्यापन के अधीन है।
आकाशवाणी और दूरदर्शन द्वारा शुरू की गई विभिन्न स्कीमों पर किए गए पूंजीगत व्यय के संबंध में सभी संबंधित और सह व्यय पूंजीगत है।

4. मूल्यह्रास पद्धति

आई.एम.जी. की सिफारिशों के आधार पर परिसम्पत्तियों की आजीवन उपयोगिता परिकलन दरों के अनुसार मूल्यह्रास को सीधी पद्धति द्वारा लगाया गया है। तदनुसार अंगीकार की गई दरें इस प्रकार हैं भवन–2%, स्टुडियो, ट्रांसमीटर, मशीन और उपस्कर और अन्य नियत परिसंपत्तियां–10%, विद्युतीय संस्थापनाएं–4%, वाहन–20%, फर्नीचर और फिक्सचर्स–6.25%, कार्यालय उपस्कर–16.67%, और कंप्यूटर 33.33%.

5. विदेशी मुद्रा का लेन देन

विदेशी मुद्रा के लेन देन का हिसाब लेने देने की तिथि की विद्यमान विनिमय दर पर किया जाता है।

6. लाइसेंस शुल्क और परामर्श शुल्क

लाइसेंस शुल्क और परामर्श शुल्क की पहचान तभी की जाती है जब वह प्राप्त होता है।

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

ए.के. जैन
सदस्य (वित्त)

जे.पी.एस. चावला
वरिष्ठ महाप्रबंधक
(बजट एवं लेखा)

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
अनुसूचियां जो 31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लेखों का भाग हैं।

अनुसूची–26 लेखा और आकस्मिक देनदारियों पर टिप्पणियां

लेखा टिप्पणियां

1. प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम) की स्थापना एक सामान्य लोक उपयोगी संस्था के रूप में की गई है, तथा यह 'लाभ के लिए नहीं संगठन' के अंतर्गत आता है। तदनुसार सामान्यतः स्वीकार्य लेखा पद्धतियों (जीएपी) और आयकर अधिनियम की धारा 145 के आधार पर यह निगम लेखांकन की रोकड़ या वाणिज्यिक पद्धति अपना सकता है। संगठनात्मक ढॉचे, पूर्व पद्धतियों और सहज पहलू को ध्यान में रखते हुए मामले के आधार पर 31.03.2005 तक मामले के आधार पर लेखांकन की नकद आधारित पद्वत्ति को अपनाया गया। दिनांक 1.04.2005 से ये लेखे लेखांकन की प्रोदभूत पद्धति का प्रयोग करके ऐतिहासिक लागत परिपाटी पर तैयार किए गए हैं।

2. आकस्मिक देनदारियां

2.1 संस्था जिन्हें ऋण नहीं माना गया, के लिए दावे	रुपये शून्य
2.2 के विषय में	
• संस्था की ओर से दी गई बैंक गारंटियां	रुपये शून्य
• संस्था की ओर से बैंक द्वारा खोला गया	रुपये शून्य

3. केंद्रीय सरकार से प्राप्त अनुदान को आय माना जाता है और जिसका उपयोग उसका पूंजीगत परिसंपत्ति निर्माण और राजस्व खर्चों के लिए किया जाता है।

4. सरकार द्वारा मंजूर शाश्वत ऋण पर 7 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज देय है और 1.4.2000 से 31.03.2006 के दौरान सरकार द्वारा प्राप्त पूंजीगत ऋण पर ब्याज की दर 14.5 प्रतिशत वार्षिक है। जबकि 1.4.2006 के बाद सरकार द्वारा प्राप्त पूंजीगत ऋण पर ब्याज की दर 11.5 प्रतिशत वार्षिक है।

5. प्रसार भारती के लिए निर्मित मंत्री मंडलीय समूह ने शाश्वत ऋण और पूंजीगत ऋण को अनुदान में बदलने और उसपर ब्याज को माफ करने का निर्णय लिया है। यद्यपि अभी तक इस संबंध में अधिसूचना जारी की जानी है।

6. केंद्र सरकार द्वारा खाता मूल्य पर प्रसार भारती को हस्तांतरित नियत परिसंपत्तियों की राशि मुख्य लेखा नियंत्रक के पत्र संख्या–सीसीए/आई एण्ड बी/2002 दिनांक 3.09.2002 पर आधारित मानी गई है, तथा यह वास्तविक सत्यापन और मूल्यांकन के अधीन है।

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

ए.के. जैन
सदस्य (वित्त)

जे.पी.एस. चावला
वरिष्ठ महाप्रबंधक
(बजट एवं लेखा)

अनुसूचियां जो 31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लेखों का भाग हैं।

अनुसूची–26 लेखा और आकस्मिक देनदारियों पर टिप्पणियां

लेखा टिप्पणियां

7. कर प्रणाली

प्रसार भारती को आयकर अधिनियम की धारा 12एए(1)(बी) के साथ पठित धारा 12ए के अंतर्गत गैर लाभ वाली संस्था के रूप में पंजीकृत किया गया है।

8. प्रसार भारती द्वारा अवकाश वेतन और कर्मचारियों के पेंशन संबंधी लाभों के तहत भुगतान किया जाता है। क्योंकि प्रसार भारती की ओर से भारत सरकार को निगम में हस्तांतरित करने की अधिसूचना अभी जारी नहीं हुई है।

9. अन्तर्कार्यालयी अंतरण खाते

सामान्यतः इन खातों में भिन्नता वित्त वर्ष के समापन में पारगमन काल में धन भेजने को दर्शाती है। तदनुसार इन्हें लेखा में इसी तरह दर्शाया जाता है। समीक्षा करते हुए यह महसूस हुआ कि इसमें और पूंजीगत कार्य और विकास के अंतर्गत दिए गए आकडों में सामंजस्य की आवश्यकता है। तदनुसार समय पर कार्य पूरा करने के लिए यह निर्णय लिया गया है कि इस कार्य को सामंजस्यता के लिए बाह्य स्त्रोत के रूप में एक एकाउंटेट फर्म को दिया जाए।

10. डिपोजिट वर्क्स

कार्य के व्यय के लिए समायोजन के बाद पार्टियों से डिपोजिट वर्क्स के लिए प्राप्त राशि इस शीर्ष में रखी जाती है।

11. प्रसार भारती के लेखे की लेखा परीक्षा के लिए नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की फीस की व्यवस्था लेखा में की गई है।

12. संदिग्ध ऋण के निगम द्वारा वसूली की आरंभिक कानूनी कार्यवाई के संबंध में लिए लेखे में कोई प्रावधान नहीं है क्योंकि वर्तमान स्थिति में संदेहास्पदता की सीमा नहीं है 1

13. स्पैक्ट्रम और स्पेस सेगमेंट प्रभार अनुमानित आधार पर रखे गए है। प्रसार भारती के मंत्रीमंडलीय समूह ने निर्णय लिया है कि स्पैक्ट्रम और स्पेस सेगमेंट के संचित प्रभार को माफ कर दिया जाए 1 तथापि इस संबंध में अधिसूचना अभी जारी की जानी है 1

14. पिछले वर्ष से संबंधित ₹ 22,70,00,000 का पूंजीगत ऋण इस वर्ष वापिस किया गया। पिछले वर्ष पूंजीगत ऋण से (₹6,20,00,000) घटाया गया।

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

ए.के. जैन
सदस्य (वित्त)

जे.पी.एस. चावला
वरिष्ठ महाप्रबंधक
(बजट एवं लेखा)

वर्ष 2009–10 का प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

वर्ष 2009–10 का प्राप्ति खाता

1	अथशेष	योग आकाशवाणी	योग दूरदर्शन	प्रसार भारती सचिवालय	कुल योग
	क) नकद रोकड़	977961	5024077		6002038
	ख) बैंक शेष				
	(1) चालू खाते में				
	प्राप्ति खाता (फील्ड कार्यालय)	143590322	152326822		295917144
	दूरदर्शन खाता (11084200090)			419183141	419183141
	आकाशवाणी खाता (11084233414)			126626352	126626352
	व्यय खाता (फील्ड कार्यालय)	1208720178	1041694126		2250414304
	एस बी आई खाता (11084239041)			910633134	910633134
	कैनरा बैंक, खाता (1730)			476643342	476643342
	इंडियन ओवरसीज बैंक खाता (7430)		729933		729933
	बैंक ऑफ इंडिया खाता (12255)		247803		247803
	(2) जमा खाते में (सावधि जमा)	44496843	66880469	6395340000	6506717312
	(3) सी.पी.एफ. खाते		12846860		12846860
	ग) अग्रदाय खाता	7817788	34249976		42067764
2	**प्राप्त अनुदान**				
	क) भारत सरकार से				
	(1) पूंजीगत				
	(2) राजस्व योजना	0	0	485000000	485000000
	गैर योजना			10323450000	10323450000
	राष्ट्रमंडल खेल	0	0	1450000000	1450000000
	(3) अन्य मंत्रालय/विभाग	0	0		
	(प्रसार भारती मुख्यालय द्वारा भरा जाए)	0	0		
3	**प्रसार भारती मुख्यालय द्वारा चालू खाते में अंतर्हस्तांतरण**	**0**	**0**		
	क) प्रसार भारती से प्राप्त निधि	12999490146	14486453484		27485943630
	ख) अन्य स्टेशन/केंद्र/कार्यालय	279537857	59829935	11573785708	11912253500
		0	0		
	ग) सी.पी.एफ.		13060686		13060686
	घ) एच.बी.ए. की वसूली और अन्य अग्रिम	3468570	16487858		19956428
4.	**प्राप्त ब्याज**				
	क) बैंक में जमा पर (एफडीआर)	11519314	4589622	269158869	285267805
	ख) ऋण और अग्रिम आदि				
	(1) कर्मचारियों से	210741	465142		675883
	(2) अन्य	184532	6412042		6596574
	ग) बकाया देय राशि पर देय ब्याज	944025	4860908		5804933
5.	**अन्य आय**	**0**	**0**		
	क) आ./दू. के क्वा. का किराया/एल एम	13801345	4884699		18686044
		0	0		
	ख) आ./दू. के टॉवरों की ला. फीस	459183442			459183442
	ग) परि.सं. की बिक्री/निपटान का लाभ	0	0		
		0	0		
	(1) अपनी परिसंपत्तियां	1136497	56458		1192955
	(2) सरकारी अनुदान से प्राप्त की गई परिसंपत्तियां	103833			103833
		0	0		
	(3) विविध आय	16095058	6721300		22816358

वर्ष 2009–10 का प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

	वर्ष 2009–10 का प्राप्ति खाता	योग आकाशवाणी	योग दूरदर्शन	प्रसार भारती सचिवालय	कुल योग
	(1–4–2000 से पूर्व अर्जित संपत्ति व अन्य आय)	0	0		
		0	0		
	घ) अन्य	310099	24614819		24924918
6	**उधार ली गई राशि**				
	क) सरकार से पूंजीगत ऋण			1348500000	1348500000
7.	**विक्रय से आय**				
	क) वाणिज्यिक प्राप्तियां:				
	आकाशवाणी	2159226299			2159226299
	दूरदर्शन		8284817543		8284817543
	ख) सी.डी./वी.सी.डी. की बिक्री	967478	6440016		7407494
	(ग) डी.टी.एच		326542800		326542800
8.	**सेवाओं से आय**	**0**	**0**		
	(1) व्यावसायिक/परामर्श सेवाएं	7270174	2046189		9316363
9.	**अन्य प्राप्तियां**				
	क) प्रतिभूति जमा/बयाना राशि	105960396	12495495		118455891
	ख) डिपोजिट कार्य	765327453	21441215		786768668
		0	0		
	ग) स्टाफ को अग्रिम	0	0		
	1) गृह निर्माण अग्रिम	819698	3889866		4709564
	2) कार अग्रिम	551374	652448		1203822
	4) कंप्यूटर अग्रिम	1404129	0		2919060
	3) मोटर साइकिल स्कूटर अग्रिम	2187612	731448		1404129
	5) साइकिल/मोपेड अग्रिम	80803			80803
	6) अन्य अग्रिम	8913067			8913067
	घ) इयरमार्कड फंड सीपी फंड	3682128			3682128
	ड) अन्य	125744603	24609312		150353915
10.	**सरकारी व्यापार से प्राप्ति**	**0**	**0**		
	मंत्रालय/विभाग के अनुसार ब्यौरा	0	0		
11.	**एफ.डी.आर.**	**143487552**	**74530767**		**218378319**
	योग	**18517571317**	**24699734118**	**33778320546**	**76995625981**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

ए.के. जैन
सदस्य (वित्त)

जे.पी.एस. चावला
वरिष्ठ महाप्रबंधक
(बजट एवं लेखा)

	वर्ष 2009–10 का प्राप्ती एवं भुगतान लेखा							
	वर्ष 2009–10 का भुगतान लेखा	योग आकाशवाणी		योग दूरदर्शन		प्रसार भारती	कुल योग	
1.	व्यय	गैर–योजना	योजना	गैर–योजना	योजना		गैर–योजना	योजना
	क) संस्थापना खर्चे)	7592713073		7157880109			14750593182	
	(ब्यौरा संलग्नक 1 के अनुसार)							
	ख) प्रशासनिक व्यय	3292636793		2111857686			5404494479	
	(ब्यौरा संलग्नक 2 के अनुसार)							
	ग) कार्यक्रम संबंधी व्यय	724256169		2650302358	383854334	410000000	3374558527	793854334
	(ब्यौरा संलग्नक 3 के अनुसार)							
	(घ) अनुदान/परिदान पर व्यय							
	(1) संस्थानों को दिया गया अनुदान							
	(2) संस्थानों को दी गई परिदान राशि	0	0					
	(3) अन्य मंत्रालयों/विभागों से प्राप्त अनुदान	0	0					
2.	**प्रसार भारती द्वारा चालू खाते में फंड का अंतर्हस्तांतरण**							
	क) प्रसार भारती को	1822533729		6006764319			7829298048	
	ख) अन्य स्टेशन/केंद्र/कार्यालय को	160984133		2493013411		26337597126	28991594670	
	ग) आई.ई.बी.आर. (एच.बी.ए.) को	33995		42115071			42149066	
	घ) सी.पी.एफ. वसूली	3361158					3361158	
3.	**अपने धन से जमा की गई राशि**							
	(निवेश/अन्य) एफ.डी.आर.	182400298		106429482			288829780	
4.	**नियत परिसंपत्तियों और पूंजी पर व्यय**							
	कार्य प्रगति पर							
	क) नियत परिसंपत्तियों का क्रय	0		0	0			
	(ब्यौरा संलग्नक 4 के अनुसार)	36172990	319395235	10018387	563538085		46191377	882933320
	(ख) पूंजी पर व्यय कार्य प्रगति पर	0	0	0	0			
	(1) प्रमुख कार्य	0	336893170		32962352			369855522
		0	0	0	0			
	(2) विविध कार्य योजना	0	197374623		56446470			253821093
5.	**अधिशेष धन/ऋण की वापसी**							
	क) भारत सरकार को					340800000	340800000	
	ख) प्रसार भारती मुख्यालय को	923042744		355442696			1278485440	
6.	**वित्त प्रभार (ब्याज)**							
	क) सरकार से ऋण पर							
	ख) अन्य ऋण							
	ग) अन्य	2217905		3168710			5386615	

7.	**अन्य भुगतान**							
	क) एसडी/ईएम की वापसी	135443665		10198367			145642032	
	ख) डिपोजिट कार्य पर व्यय	618687434		12309501			630996935	
	ग) पार्टियों को अग्रिम	282879		22062			304941	
	घ) स्टाफ को अग्रिम							
	1) गृह निर्माण अग्रिम	1575465		13493820			15069285	
	2) मोटर कार अग्रिम	1733528		2280000			4013528	
	3) कंप्यूटर अग्रिम	3297275		1930500			5227775	
	4) मोटर साइकिल स्कूटर अग्रिम	1790310		2925957			4716267	
	5) साइकिल/मोपेड अग्रिम	18000					18000	
	6) अन्य अग्रिम	6294986		271322			6566308	
	ड) आय कर	12697748		84504			12782252	
	च) सेवा कर	222089812		821025882			1043115694	
	छ) बैंक प्रभार	70357		146748		369180	586285	
	ज) अन्य	70731965		8794108			79526073	
8.	**सरकारी व्यापार से प्राप्तियों पर खर्च**							
	मंत्रालय/विभाग के अनुसार ब्यौरा	0	0	0				
9	**इतिशेष**							
	क) नकद रोकड़	1211617		7814326			9025943	
	ख) बैंक शेष							
	(1) चालू खाते में							
	प्राप्ति खाता (फील्ड कार्यालय)	110011592		26731917			136743509	
	दूरदर्शन खाता (11084233390)					3612234	3612234	
	आकाशवाणी खाता (11084233414)					61085791	61085791	
	व्यय खाता (फील्ड कार्यालय)	1677976501		1581110535			3259087036	
	एस बी आई (11084239041)					4406143803	4406143803	
	केनरा बैंक (1730)					2218712412	2218712412	
	इंडियन ओवरसीज बैंक (7430)	568157		1805216			2373373	
	बैंक आफ इंडिया (12255)			1832475			1832475	
	(2) जमा खाते में (एफ.डी.आर. यदि कोई हो)	50899556		163132822			214032378	
	(3) सी.पी. फंड खाता (30234030526)			25777588			25777588	
	ग) अप्रदाय खाता	8174455		44252998			52427453	
	योग	**17663908289**	**853663028**	**23662932877**	**1036801241**	**33778320546**	**74695161712**	**2300464269**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

ए.के. जैन
सदस्य (वित्त)

जे.पी.एस. चावला
वरिष्ठ महाप्रबंधक
(बजट एवं लेखा)

संलग्नक – 1

	2009–10 के लिए अनेक्सर एकाउंट	योग आकाशवाणी		योग दूरदर्शन		प्रसार भारती	कुल योग	
1	स्थापना खर्च	गैर–योजना	योजना	गैर–योजना	योजना	सचिवालय	गैर–योजना	योजना
	क) वेतन और मजदूरी (मानदेय/एलटीसी/टीएफ सहित)	7313120616		6811644607			14124765223	
	(1) चिकित्सा प्रतिपूर्ति	82061489		70483510			152544999	
	ख) समयोपरि भत्ते/स.शि. भत्ते सहित बोनस	141804133		231319349			373123482	
	ग) अ.भ.निधि में अंशदान (यदि कोई है)			2794792			2794792	
	घ) स्टाफ कल्याण व्यय	825010		941093			1766103	
	ड) अवकाश वेतन और पेंशन अंशदान सहित कर्मचारियों के सेवानिवृत्त और सेवांत लाभ	8000		11392384			11400384	
	च) स्थापना पूंजीगत	20326184		58411			20384595	
	छ) अन्य	34567641		29245963			63813604	
	योग	**7592713073**		**7157880109**			**14750593182**	

संलग्नक – 2

	2009–10 के लिए अनेक्सर एकाउंट	योग आकाशवाणी		योग दूरदर्शन		प्रसार भारती	कुल योग
2	अन्य प्रशासनिक व्यय	गैर–योजना	योजना	गैर–योजना	योजना	सचिवालय	गैर–योजना
	क) स्वदेश यात्रा व्यय	131636982		107304459			238941441
	ख) विदेश यात्रा व्यय	1273586		3732098			5005684
	ग) किराया और कर	61620088		67506094			129126182
	घ) विज्ञापन और प्रचार	5644466		31176253			36820719
	ड) व्यावसायिक प्रभार, सशस्त्र गार्ड आदि	397100598		166017537			563118135
	च) छात्रवृत्ति/वजीफा	2029781		4258567			6288348
	छ) आपूर्ति और सामग्री	173701436		242252296			415953732
	ज) वाहन मरम्मत और अनुरक्षण	128655812		135845655			264501467
	झ) विद्युत शक्ति और अनुरक्षण	1105107314		743915706			1849023020
	ण) जल शुल्क और अनुरक्षण	14522044		8010124			22532168
	त) डाक खर्च	11450280		6279898			17730178
	थ) दूरभाष एवं संचार						
	(1) लैंडलाइन	67313885		36773680			104087565
	(2) मोबाइल	5264605		1938972			7203577
	द) आतिथ्य सत्कार व्यय	4629553		2422203			7051756
	ध) पी एंड एम पर बीमा			24323			24323
	न) भूमि एवं भवनों का बीमा						
	प)लेखा परीक्षक का पारिश्रमिक(प्रावधान में से)	8436162					8436162
	फ) प्रिंटिंग और लेखन सामग्री	61266361		32414516			93680877

	ब) अप्राप्य शेष–बट्टे खाते			0				
	भ) डूबा एवं संदेहात्मक उधार/अग्रिम के लिए प्रावधान			0				
	म) खरीद (भंडार)	9562264		10837021			20399285	
	य) माइनर वर्क्स	398979530		143498917			542478447	
	र) मशीनरी एवं उपस्कर, टूल प्लांटस	356068945		101577318			457646263	
	ल) उपभोज्य	35097105		47811622			82908727	
	व) स्थानीय परिवहन	2377505		1696524			4074029	
	श) पूंजीगत परिसंपत्तियों का परिचालन एवं अनुरक्षण	150603887		90899			150694786	
	ह) अन्य	160294604		216473004			376767608	
	योग	**3292636793**		**2111857686**			**5404494479**	

संलग्नक – 3

	2009–10 के लिए अनेक्सर एकाउंट	योग आकाशवाणी		योग दूरदर्शन		प्रसार भारती	कुल योग	
3	कार्यक्रम व्यय	गैर–योजना	योजना	गैर–योजना	योजना		गैर–योजना	योजना
	क) रॉयल्टी	36112849		123820086			159932935	
	ख) यूएनआई/पीटीआई को भुगतान	118415322		33558804			151974126	
	ग) कार्यक्रमों की कमीशनिंग	81081775		892159324			973241099	
	घ) पैनएम उपग्रह व्यय	450110		826955075			827405185	
	ड) खेल गतिविधियों पर व्यय	25329000		50373609			75702609	
	च) कलाकारों को भुगतान	455917136		592072660			1047989796	
	छ) स्पेक्ट्रम चार्जिज	1261000		1261000			1261000	
	ज) जे एंड के पैकेज				278720000			278720000
	झ)नार्थ ईस्ट पैकेज				75000000			75000000
	ण)राष्ट्रमंडल खेल				30134334	410000000		440134334
	त) अन्य	6949977		130101800			137051777	
	योग	**724256169**	**0**	**2650302358**	**383854334**		**3374558527**	**793854334**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

ए.के. जैन
सदस्य (वित्त)

जे.पी.एस. चावला
वरिष्ठ महाप्रबंधक
(बजट एवं लेखा)

संलग्नक – 4

	2009–10 के लिए अनेक्सर एकाउंट	योग आकाशवाणी		योग दूरदर्शन		प्रसार भारती	कुल योग	
4	नियत परिसंपत्तियों की खरीद	गैर–योजना	योजना	गैर–योजना	योजना	सचिवालय	गैर–योजना	योजना
	1. भूमि							
	2. भवन							
	(1) स्टूडियो		56015430		302931998			358947428
	(2) प्रेषित्र							
	क) सामान्य		119701269		185313143			305014412
	ख) जम्मू और कश्मीर							
	ग) उत्तर–पूर्व		49615					49615
	(3) कार्यालय		501259		0			501259
	(4) अन्य		7457061		1796370			9253431
	3. प्लांट मशीनरी तथा उपस्कर			0	0			
	क) सामान्य		99657971		73496574			173154545
	ख) जम्मू और कश्मीर		36012630					36012630
	ग) उत्तर–पूर्व						0	0
	4. वाहन						0	0
	(क) ट्रक, जीप तथा वैन							
	ख) मोटर कार							
	ग) मोटर साइकिल/स्कूटर तथा तिपहिया							
	घ) रिक्शा/साइकिल	16750		2850			19600	
	5. फर्नीचर/फिक्सचर	0		0				
	क) कैबिनेट, अलमारी, फाईल रैक	2021410		834086			2855496	
	ख) एसी/ए सी प्लांट	1822502		570039			2392541	
	ग) एयर कूलर्स	375591		267200			642791	
	घ) वाटर कूलर	945342		293425			1238767	
	ड) मेज/कुर्सी/सोफा/कारपेट	2744636		1123953			3868589	
	च) लकड़ी के पार्टीशन	69110		294778			363888	
	छ) वोल्टेज स्टेबलाइजर/यूपीएस प्रणाली	641323		901832			1543155	
	ज) अन्य	1583466		750508			2333974	
	6. कार्यालय उपस्कर							
	क) टाईपराइटर	1078080		1305			1079385	
	ख) फोटोकोपियर/डुप्लीकेटर	2527079		656862			3183941	
	ग) फैक्स मशीन	627284		83198			710482	
	घ) अन्य	1983518		142147			2125665	
	7. कंप्यूटर्स/पेरीफैरल्स							
	क) कंप्यूटर्स	9716324		1830700			11547024	
	ख) प्रिंटर्स	1739464		399125			2138589	
	ग) फ्लापी	18096		700			18796	
	घ) सी.डी.	364784		31207			395991	
	ड) साफ्टवेयर	1544210		110077			1654287	
	च) अन्य	226738		55990			282728	
	8. इलैक्ट्रिकल संस्थापन			0				
	क) इलैक्ट्रिकल मशीनरी	1522927		719763			2242690	

संलग्नक – 4

	2009–10 के लिए अनेक्सर एकाउंट	योग आकाशवाणी		योग दूरदर्शन		प्रसार भारती	कुल योग	
4	नियत परिसंपत्तियों की खरीद	गैर–योजना	योजना	गैर–योजना	योजना	सचिवालय	गैर–योजना	योजना
	ख) इलैक्ट्रिकल लाइट/पंखे	351936		157636			509572	
	ग) स्विचगीयर उपकरण	98083		30044			128127	
	घ) ट्रांसफार्मर	23148		68150			91298	
	ड) इलैक्ट्रिक वायरिंग एवं फिटिंग्स	512212		136620			648832	
	च) अन्य	585725		110429			696154	
	9. पुस्तकालय की पुस्तकें	745952		176353				
	10. ट्यूब वैल तथा जल आपूर्ति प्रणाली	221185		169510			390695	
	11. मध्यस्थम प्रभार	2066115		99900			2166015	
	योग	**36172990**	**319395235**	**10018387**	**563538085**		**46191377**	**882933320**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

ए.के. जैन
सदस्य (वित्त)

जे.पी.एस. चावला
वरिष्ठ महाप्रबंधक
(बजट एवं लेखा)

	प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)			
	वर्ष 2009–10 का प्राप्ति एवं भुगतान लेखा			
	परिशिष्ट–1			
	राष्ट्रमंडल खेल	**गैर योजना**	**योजना**	**योग**
1	आई बी सी का निर्माण एंव प्रचालन		21604418	21604418
2	लाजिस्टिक एंव सहायक सेवा निगरानी के लिए मेजबान स्वग्रही प्रसारक समन्वय		2303102	2303102
3	आकस्मिकता		6226814	6226814
4	आई टी पी ओ को भुगतान		410000000	410000000
	योग		**440134334**	**440134334**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

ए.के. जैन
सदस्य (वित्त)

जे.पी.एस. चावला
वरिष्ठ महाप्रबंधक
(बजट एवं लेखा)

आकाशवाणी

प्रसार भारती
PRASAR BHARATI
आवाज़ भारत की

दूरदर्शन
सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

Printed By : Shri Ganesh Associates, 9810096326